NFDC
cinemas of india

48वीं वार्षिक रिपोर्ट
48th Annual Report
2022-23

NFDC
cinemas of india

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)

48वीं वार्षिक रिपोर्ट 2022-23

National Film Development Corporation Limited

(A Government of India Enterprise)

48th Annual Report 2022-23

Ministry of Information and Broadcasting
Government of the People's Republic of Bangladesh

Ministry of Information and Broadcasting
Government of India
सत्यमेव जयते

NFDC
cinemas of india

BANGLADESH INDIA OFFICIAL CO-PRODUCTION

MUJIB
THE MAKING OF A NATION

A SHYAM BENEGAL FILM

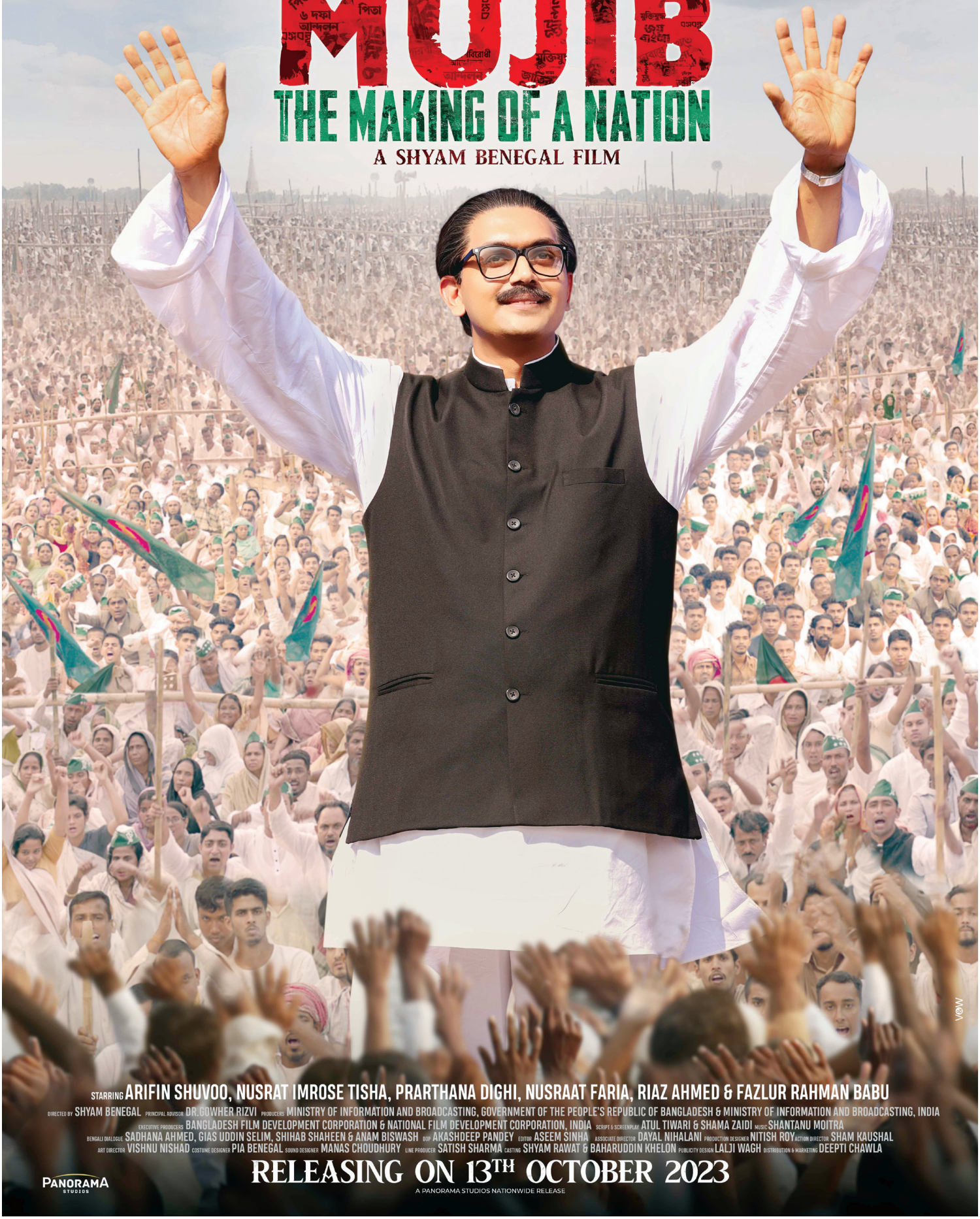

STARRING ARIFIN SHUVOO, NUSRAT IMROSE TISHA, PRARTHANA DIGHI, NUSRAAT FARIA, RIAZ AHMED & FAZLUR RAHMAN BABU

DIRECTED BY SHYAM BENEGAL PRINCIPAL ADVISOR DR.GOWHER RIZVI PRODUCERS MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING, GOVERNMENT OF THE PEOPLE'S REPUBLIC OF BANGLADESH & MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING, INDIA
EXECUTIVE PRODUCERS BANGLADESH FILM DEVELOPMENT CORPORATION & NATIONAL FILM DEVELOPMENT CORPORATION, INDIA SCRIPT & SCREENPLAY ATUL TIWARI & SHAMA ZAIDI MUSIC SHANTANU MOITRA
BENGALI DIALOGUE SADHANA AHMED, GIAS UDDIN SELIM, SHIHAB SHAHEEN & ANAM BISWASH DOP AKASHDEEP PANDEY EDITOR ASEEM SINHA ASSOCIATE DIRECTOR DAYAL NIHALANI PRODUCTION DESIGNER NITISH ROY ACTION DIRECTOR SHAM KAUSHAL
ART DIRECTOR VISHNU NISHAD COSTUME DESIGNER PIA BENEGAL SOUND DESIGNER MANAS CHOUDHURY LINE PRODUCER SATISH SHARMA CASTING SHYAM RAWAT & BAHARUDDIN KHELON PUBLICITY DESIGN LALJI WAGH DISTRIBUTION & MARKETING DEEPTI CHAWLA

PANORAMA STUDIOS

RELEASING ON 13TH OCTOBER 2023

A PANORAMA STUDIOS NATIONWIDE RELEASE

विषय सूची Contents

निदेशक मंडल
Board of Directors....5

हमारे बारे में
About us....7

निर्माण
Production....8

प्रचार
Promotion....8

संरक्षण
Preservation....13

सिने आर्टिस्ट्स वेलफेयर फंड ऑफ इंडिया (कॉफ़ी)
Cine Artistes Welfare Fund of India (CAWFI)....13

सूचना
Notice....14

अंशधारकों को प्रबंध निदेशक का पत्र
Managing Director's Letter to Shareholders....15

निदेशकों की रिपोर्ट
Directors' Report....19

कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रमाणपत्र
Corporate Governance Certificate....81

आचार संहिता प्रमाणपत्र – आचार संहिता-अनुपालन पुष्टीकरण
Code of Conduct – Compliance Affirmation....82

दिनांक 31 मार्च 2023 का तुलन पत्र
Balance Sheet as on 31st March 2023....83

दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष का लाभ एवं हानि का विवरण
Statement of Profit and Loss for the year ended 31st March 2023....85

दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष का रोकड़ प्रवाह का विवरण
Cash Flow Statement for the year ended 31st March, 2023....86

लेखाओं पर टिप्पणियां
Notes on Accounts....88

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Independent Auditor's Report....121

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "I"
Annexure "I" To The Independent Auditors' Report....127

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "II"
Annexure "II" To The Independent Auditor's Report....132

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "III"
Annexure "III" To The Independent Auditor's Report....134

31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिये राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. के वित्तीय विवरणों पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (ख) के अंतर्गत नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, भारत सरकार की टिप्पणियां
Comments of The Comptroller And Auditor General of India Under Section 143(6)(B) of The Companies Act, 2013 on The Financial Statements of National Film Development Corporation Limited For The Year Ended 31 March 2023....136

पंजीकृत कार्यालय **मुम्बई**

एनएफडीसी-एफडी कॉम्प्लेक्स, 24, डॉ. गोपालराव
देशमुख मार्ग, मुंबई – 400 026
सीआईएन यू92100एमएच1975जीओआई022994

Registered Office **Mumbai**

NFDC-FD Complex, 24, Dr. Gopalrao
Deshmukh Marg, Mumbai – 400 026
CIN U92100MH1975GOI022994

क्षेत्रीय कार्यालय **चेन्नई**

पहली मंजिल, को ऑप्टेक्स वेअर हाउस बिल्डिंग,
350, पेंथोन रोड, इगमोर,
चेन्नई – 600 008

Regional Offices **Chennai**

1st Floor, Co-optex Warehouse Building,
350, Pantheon Road, Egmore
Chennai – 600 008

कोलकाता

आरआयसी इंडस्ट्रियल इस्टेट कम्पाउंड,
उपेन बेनर्जी रोड, पर्नाश्री, बेहाला,
कोलकाता – 700 060

Kolkata

R.I.C. Industrial,Estate Compound,
Upen Banerjee Road, Parnasree,
Behala, Kolkata – 700 060

नई दिल्ली

चौथी मंजिल, सूचना भवन,
फेज – 1, सी.जी.ओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड,
नई दिल्ली – 110 003

New Delhi

4th Floor, Soochana Bhavan,
Phase I, C.G.O. Complex, Lodhi Road,
New Delhi – 110 003

शाखा कार्यालय **तिरूवनंतपुरम**

चित्रांजली स्टूडिओ कॉम्प्लेक्स,
तिरूवनंतपुरम – 695027

Camp office **Thiruvananthapuram**

Chitranjali Studio Complex
Thiruvananthapuram – 695 027

बैंक एच.डी.एफ.सी. बैंक

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर

पंजाब नैशनल बैंक

आयडीबीआय बैंक

यस बैंक

बैंक ऑफ इंडिया

आय.डी.एफ.सी. फस्ट बैंक

Bankers H.D.F.C Bank

State Bank of India

State Bank of Travancore

Punjab National Bank

IDBI Bank

Yes Bank

Bank of India

I.D.F.C First Bank

लेखा परीक्षक सी. बी. छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
इलेक्ट्रिक मेंशन, 5वीं मंजिल,
आप्पासाहेब मराठे मार्ग, प्रभादेवी,
मुम्बई – 400 025

Auditor C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
Electric Mansion, 5th Floor,
Appasaheb Marathe Marg,
Prabhadevi, Mumbai – 400 025

निदेशक मंडल
Board of Directors

प्रबंध निदेशक Managing Director

पृथुल कुमार
प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
Prithul Kumar
Managing Director (Additional charge)

अंशकालिक निदेशक (सरकारी) Part-time Directors (Official)

पृथुल कुमार
सरकार द्वारा नामित निदेशक
Prithul Kumar
Government Nominee Director

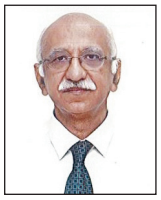

जयंत सिन्हा
सरकार द्वारा नामित निदेशक
Jayant Sinha
Government Nominee Director

परिकल्पना

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सराहना निर्माण करना तथा भारत के सिनेमा और आशय का समारोह मनाना साथ ही हितधारकों तथा हमारे देश के लिए मूल्य का सृजन करना.

गुडबाय गुरूजी
Goodbye Guruji

लक्ष्य

एनएफडीसी का उद्देश्य फिल्मों, वृत्तचित्र और एनीमेशन फिल्मों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना तथा फिल्मों में नई प्रतिभाओं को समर्थन, प्रोत्साहन, एकीकरण और पोषण के जरिये अपनी संस्कृति की विविधता को बढ़ावा देना साथ ही विभिन्न शैलियों, क्षेत्रों और भारतीय भाषाओं में आशय विकास तथा फिल्म सामग्री की समृद्ध विरासत को संरक्षित करना और भारत सरकार की नीतियों के अनुसार सीमाओं के भीतर एवं पार जन-जन तक इसकी व्यापक पहुंच सुनिश्चित करना है.

मुजीब - द मेकिंग ऑफ ए नेशन
Mujib - The making of A Nation

Vision

To create domestic and global appreciation and celebrate the Contents and Cinemas of India and create value for the stakeholders and our Country.

जोसेफकी माचा
Josephki Macha (Joseph's Son)

Mission

NFDC aims at fostering excellence in films, documentary and animation films and promoting the diversity of its culture by supporting, encouraging, integrating and nurturing new talents in films and content development across genres, regions and Indian languages and preserving the rich heritage of the filmic contents and ensuring its wider reach out to masses within and across borders as per Government of India's Policies.

हमारे बारे में

केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर राष्ट्रीय आर्थिक नीति और निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार भारतीय फिल्म उद्योग के एकीकृत और कुशल विकास की योजना बनाने, प्रचार करने और व्यवस्थित करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (एनएफडीसी) की स्थापना 1975 में भारत सरकार द्वारा की गई थी. 1980 में, फिल्म फाइनेंस कॉरपोरेशन और इंडियन मोशन पिक्चर एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन का एनएफडीसी में विलय कर दिया गया. भारत सरकार के 23 दिसंबर 2020 के निर्णय के अनुसार चार फिल्म मीडिया इकाइयों फिल्म प्रभाग (एफडी), फिल्म समारोह निदेशालय (डीएफएफ), राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, भारत (एनएफएआई) और बाल चित्र समिति, भारत (सीएफएसआई) को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (एनएफडीसी) के साथ का विलय कर दिया गया. सीएफएसआई, एफडी, डीएफएफ एनएफएआई के सभी कार्यों को एनएफडीसी में विलय किया गया. अभी, एनएफडीसी पूरी तरह से एकीकृत फिल्म विकास निगम के रूप में, भारतीय फिल्म पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को सशक्त बनाने और विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों की समृद्ध विरासत के विकास, निर्माण, प्रचार और संरक्षण की सुविधा प्रदान करने के लिए तत्पर है.

निगम ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में 340 से अधिक फिल्मों का वित्त पोषण और निर्माण करके अपने विज़न और मिशन के बयानों को सफलतापूर्वक लागू करने में अपनी प्रभावकारिता का प्रदर्शन किया है, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अकादमी पुरस्कार (गांधी), राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार सहित कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं. विलय के परिणामस्वरूप, एनएफडीसी के पास घरेलू, वैश्विक और डिजिटल रूप से जनता तक व्यापक पहुंच के लिए लगभग 8000 वृत्तचित्र, 250 बाल फिल्में हैं.

About us

The National Film Development Corporation Limited (NFDC) was set up by the Government of India in 1975 with the primary objective of planning, promoting and organizing an integrated and efficient development of the Indian Film Industry in accordance with the National economic policy and objectives laid down by the Central Government from time to time. In 1980, Film Finance Corporation and Indian Motion Picture Export Corporation were merged with NFDC. Pursuant to the decision of the Government of India dated 23 December 2020 to merge four film media units viz. Films Division (FD), Directorate of Films Festivals (DFF), National Film Archive of India (NFAI) and Children's Film Society, India (CFSI) with National Film Development Corporation Limited (NFDC), all functions of CFSI, FD,DFF, NFAI are merged to NFDC. Now, NFDC as a fully integrated film development corporation, is poised to empower the growth of the Indian film ecosystem and facilitate development, production, promotion and preserve the rich heritage of films across various Indian languages.

The Corporation has demonstrated its efficacy in successfully implementing its Vision and Mission statements by funding and producing over 340 films in various Indian languages, which have won several international accolades including the Academy Awards (Gandhi), National and State Awards over the years. Consequent to the merger, NFDC has about 8000 documentaries, 250 Children Films for wide reachout to masses domestically, globally and digitally.

I. निर्माण

एनएफडीसी सूचना और प्रसारण मंत्रालय की "फिल्मी सामग्री का विकास, संचार और प्रसार' (डीसीडीएफसी) नामक योजना के तहत भारतीय सिनेमा की विविधता को प्रतिबिंबित करने वाली फीचर फिल्मों, बाल फिल्मों और वृत्तचित्र का निर्माण और सह-निर्माण करता है. उपयोजना के तहत "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों, बाल फिल्मों और वृत्तचित्रों का निर्माण" करता है. एनएफडीसी सूचना और प्रसारण मंत्रालय की "फिल्मी सामग्री का विकास, संचार और प्रसार' (डीसीडीएफसी) नामक योजना के तहत भारतीय सिनेमा की विविधता को प्रतिबिंबित करने वाली फीचर फिल्मों, बाल फिल्मों और वृत्तचित्र का निर्माण और सह-निर्माण करता है.

उक्त योजना के तहत, एनएफडीसी फिल्म निर्माण के लिए अपने मौजूदा दिशानिर्देशों के तहत फिल्मों, बाल फिल्मों और वृत्तचित्र का निर्माण और सह-निर्माण करता है, जिससे यह नवोदित फिल्म निर्माताओं को उनकी पहली फीचर फिल्म, बाल फिल्म और वृत्तचित्र और अच्छी गुणवत्ता के सह-निर्माण का 100% निर्माण करके प्रोत्साहित करता है. भारत और विदेश दोनों के फिल्म निर्माताओं के साथ साझेदारी में फिल्में. यह योजना फिल्मों, एनीमेशन फिल्म और वृत्तचित्र के निर्माण का समर्थन करती है.

31.03.2023 तक पूर्ण की गई फ़िल्में
तेलुगु फिल्म कोरंगी नुंची (हू विल मेरी थॉमस?),
बंगाली फिल्म छाद (द टेरेस)
एनएफडीसी-फिल्म्स डिवीजन ने 57 वृत्तचित्र पूरे किए

31.03.2023 तक निर्माणाधीन फिल्में
मुजीब- द मेकिंग ऑफ ए नेशन (बांग्ला) (भारत-बांग्लादेश सह-निर्माण)
जोसेफ सन (मणिपुरी)
भारती और बिबो, भारत की वुमेन आईकोन पर एनीमेशन सीरिज
ब्रेकिंग द फोर्थ वॉल, वृत्तचित्र फिल्म
एनएफडीसी – फिल्म प्रभाग में 27 वृत्तचित्र निर्माणाधीन हैं.

I. Production

NFDC produces & co-produces feature films, Children films and documentary that reflect the diversity of Indian Cinema, under the Scheme of the Ministry of Information and Broadcasting, titled “Development, Communication and Dissemination of Filmic Content’ (DCDFC) under the sub scheme “Production of films, Children films and documentary in various Indian languages”.

Under said scheme, NFDC produces & co-produces films, children films and documentary under its extant guidelines for production, whereby it encourages debutant filmmakers by undertaking 100% production of their first feature film, Children film and documentary and co-production of good quality films in partnership with filmmakers both from India and abroad. The Scheme supports production of Films, Animation film and documentary.

Films completed as on 31.03.2023
Telugu film Korangi Nunchi (Who Will Marry Thomas?),
Bengali film Chhaad (The Terrace)
NFDC- Films Division had completed 57 documentaries

Films under production as on 31.03.2023
Mujib- The making of a Nation (Bangla) (An Indo-Bangladesh co-production)
Joseph’s Son (Manipuri)
Bharti aur Bibo, animation series on women icons of Bharat
Breaking the Fourth Wall, a Documentary Film
NFDC – Films Division had 27 documentaries were are under production.

II. प्रचार

वितरण

एनएफडीसी, पारंपरिक प्लेटफार्मों (नाटकीय, टेलीविजन और होम वीडियो) के साथ-साथ प्रसिद्ध डिजिटल प्लेटफार्मों (वीडियो-ऑन-डिमांड, डीटीएच और इन-फ़्लाइट) में भारतीय स्वतंत्र सिनेमा के प्रदर्शन की सुविधा के लिए अपनी मजबूत और बहुआयामी प्रणाली के साथ. विलय के बाद, पूर्ववर्ती फिल्म्स प्रभाग और बाल चित्र समिति, भारत की सामग्री का समृद्ध भंडार अब एनएफडीसी के वितरण के अंतर्गत है. स्वतंत्र भारत के इतिहास को मार्मिक छवियों के माध्यम से प्रस्तुत करने वाले वृत्तचित्र एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य प्रदान करते हैं. फिल्म प्रभाग 75 वर्षों तक देश के सिनेमा अनुभव का एक अभिन्न अंग था और इसने भारतीय वृत्तचित्र फिल्म निर्माताओं के लिए एक मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. 15 विभिन्न भाषाओं में फैली 250 फिल्मों की एक उल्लेखनीय सूची के साथ, बाल चित्र समिति, भारत (सीएफएसआई) दक्षिण एशिया में बच्चों की फिल्मों का प्रमुख निर्माता था. साथ में, विलयित एनएफडीसी 8000 से अधिक वृत्तचित्रों, समाचार-रीलों और 250 बच्चों की सामग्री और 120 फीचर फिल्मों के भारतीय सिनेमा के विविध और जीवित परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है.

www.cinemasofindia.com भारत में सर्वप्रथम घरेलू ओटीटी प्लेटफार्मों में से एक है. एनएफडीसी का ओटीटी प्लेटफॉर्म, सिनेमाज ऑफ इंडिया का लक्ष्य भारत सरकार द्वारा संचालित अभियानों के लक्ष्यों, मिशनों और उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाना है. यह 2012 में लॉन्च की गई फिल्मों के लिए एक वन-क्लिक प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है, जिसमें एनएफडीसी के पुरस्कार विजेता क्लासिक्स और फीचर फिल्मों, शॉर्ट्स और वृत्तचित्रों के वैविध्यपूर्ण मेल को प्रदर्शित किया जाता है. इसमें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की 120 से अधिक फीचर फिल्मों, लघु फिल्मों ट्रेलर, म्यूज़िक वीडियो आदि का विविधतापूर्ण चयन पेश किया जाता है.

II. Promotion

Distribution

NFDC, with its robust and multifaceted system for facilitating the showcasing of Indian independent cinema across traditional platforms (Theatrical, Television, and Home Video) as well as renowned digital platforms (Video-on-demand, DTH, and In-Flight). Following the merger, the rich repository of content from erstwhile Films Division and Children's Film Society of India is now under NFDC's distribution. The documentaries, capturing the history of post-Independent India through moving images, provide a unique perspective. The Films Division was an integral part of the nation’s cinema-going experience for upto 75 years and played a crucial role in offering a platform for Indian documentary filmmakers. With an enviable catalogue of 250 films spanning over 15 different languages, the Children's Film Society of India (CFSI) was the prime producer of children's films in South Asia. Together, the merged NFDC contributes significantly to the diverse and vibrant landscape of Indian cinema of over 8000 documentaries, news-reels, and 250 children's content and 120 Feature films.

One of the first homegrown OTT platforms in India is www.cinemasofindia.com. Cinemas of India, an OTT platform by NFDC, aims to align with the goals, missions, and objectives of Government of India-driven campaigns. It serves as a one-click platform for movies launched in 2012, streaming NFDC’s award-winning classics and a diverse mix of feature films, shorts, and documentaries.The offerings include a diverse selection of over 120 feature films of international repute, short films, trailers, music videos.

फ़िल्म बाज़ार

फ़िल्म बाज़ार, एनएफडीसी द्वारा प्रति वर्ष गोवा, भारत के मैरियट रिज़ॉर्ट में अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म समारोह भारत (आईएफएफआई) के साथ आयोजित किया जाने वाला सबसे बड़ा दक्षिण एशियाई फ़िल्म बाज़ार है. फिल्म बाज़ार विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय और दक्षिण एशियाई फिल्म बिरादरी के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया एक मंच है. एनएफडीसी फिल्म बाजार का 16वां संस्करण 20-24 नवंबर, 2022 तक भौतिक प्रारूप में आयोजित किया गया था. फिल्म मेकिंग, निर्माण और वितरण के क्षेत्र में दक्षिण एशियाई सामग्री और प्रतिभा की खोज, समर्थन और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित किया गया है. दुनिया भर से उद्योग पेशेवर नेटवर्क बनाने और सिनेमा के व्यवसाय में आने वाले रुझानों के बारे में जानने और अन्य सहयोग खोजने के लिए इसमें भाग लेते हैं. यह अंतर्राष्ट्रीय बिक्री एजेंटों, निर्माताओं, वितरकों, फिल्म महोत्सव निदेशकों/प्रोग्रामरों, खरीदारों और फिल्म फंडों के लिए अनिवार्य रूप से शामिल होने वाला कार्यक्रम बन गया है. फिल्म बाज़ार का उद्देश्य दक्षिण एशियाई सिनेमा और सह-प्रोडक्शंस के लिए विश्व बिक्री को सुविधाजनक बनाना है. फिल्म बाजार के विभिन्न खंड जो फिल्म बाजार 2022 का हिस्सा हैं, सह-निर्माण बाजार, वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब, व्यूइंग रूम, इंडस्ट्री स्क्रीनिंग, फिल्म ऑफिस, बुक टू बॉक्स ऑफिस और नॉलेज सीरीज हैं. बाज़ार जो फ़िल्म बाज़ार 2022 का हिस्सा हैं, सह-निर्माण बाज़ार, वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब, व्यूइंग रूम, इंडस्ट्री स्क्रीनिंग, फ़िल्म ऑफ़िस, बुक टू बॉक्स ऑफ़िस और नॉलेज सीरीज़ हैं.

Film Bazaar

Film Bazaar is the largest South Asian film market organized by NFDC along with the International Film Festival of India (IFFI), every year at the Marriott Resort, Goa, India. Film Bazaar is a platform exclusively created to encourage collaboration between the International and South Asian film fraternity. The 16th edition of NFDC Film Bazaar was held in physical format from November 20-24, 2022. The focus is on discovering, supporting and showcasing South Asian content and talent in the field of filmmaking, production and distribution. Industry professionals from all over the world attend in order to network and also learn about the upcoming trends in business of cinema and to find other collaborations. It has become a must-attend event for international sales agents, producers, distributors, film festival directors/programmers, Buyers and film funds. Film Bazaar aims at facilitating the world sales for South Asian Cinema and Co-Productions. The Various segments of Film Bazaar which are part of Film Bazaar 2022 are Co-Production Market, Work-in-Progress Lab, Viewing Room, Industry Screenings, Film Offices, Book to Box Office and Knowledge Series. Bazaar which are part of Film Bazaar 2022 are Co-Production Market, Work-in-Progress Lab, Viewing Room, Industry Screenings, Film Offices, Book to Box Office and Knowledge Series.

एनएफडीसी लैब्स

एनएफडीसी लैब्स की शुरुआत 2007 में भारतीय फिल्म समुदाय के लिए पेशेवर फिल्म निर्माताओं के लिए प्रशिक्षण, निर्देशन, लेखन, संपादन, छायांकन और निर्माण जैसे मुख्य विषयों में कार्यशालाएं और मास्टर कक्षाएं प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण आउटपुट देने के लिए की गई थी, ताकि फिल्म क्षेत्र में मिडकरियर प्रशिक्षण के अवसर के क्षेत्र में अंतर को दूर करने के लिए संबोधित किया जा सके. 2022 में हमने स्क्रीनराइटर्स लैब का संचालन किया जिसमें 6 लेखकों ने 5 महीनों के लिए गहन 3 सत्रों से गुज़रा जिसमें स्क्रिप्ट को भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारों द्वारा सलाह दी गई.

NFDC Labs

NFDC Labs was commenced in 2007, to deliver a key output for the Indian film community like training for professional filmmakers, providing workshops and master classes in core disciplines like directing, writing, editing, cinematography and producing to address the gap in the area of mid-career training opportunities in the film sector. In 2022 we conducted the Screenwriters' Lab in which 6 writers went through the intense 3 sessions for 5 months in which the scripts were mentored by the Indian and International Mentors.

समारोह

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, मुम्बई (एमआईएफएफ)

पूर्ववर्ती फिल्म समारोह निदेशालय (डीएफएफ) की एनएफडीसी में विलय प्रक्रिया की पृष्ठभूमि में, भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) गोवा के आयोजन और भारतीय पैनोरमा फिल्मों के चयन और प्रदर्शन सहित डीएफएफ की गतिविधियां अब एनएफडीसी द्वारा की जा रही हैं. इफ्फी का 53वां संस्करण एंटरटेनमेंट सोसाइटी ऑफ गोवा (ईएसजी) के सहयोग से गोवा में आयोजित किया गया था, जिसमें 78 से अधिक देशों ने भाग लिया. इफ्फी दुनिया का एक एफआईएपीएफ-मान्यता प्राप्त अग्रणी फिल्म समारोह है, जिसमें प्रतिस्पर्धा और गैर-प्रतिस्पर्धा वर्ग जैसे सिनेमाज ऑफ द वर्ल्ड, फेस्टिवल कैलिडोस्कोप, एनीमेशन और कई अन्य क्यूरेटेड पैकेज शामिल हैं. 53वें इफ्फी में कुल 277 फिल्में प्रदर्शित की गई. क्रिज़्सटॉफ़ ज़ानुसी, लव डियाज़, जिंको गोटोह, जेवियर अंगुलो, मार्क ओसबोर्न, पास्कल चावांस, एआर रहमान, शेखर कपूर, चिरंजीवी, आशा पारेख, अनुपम खेर, आयुष्मान खुराना, अक्षय कुमार, अजय देवगन, मनोज बाजपेयी, परेश रावल, पंकज त्रिपाठी आदि जैसी प्रख्यात फिल्मी हस्तियाँ समारोह में शामिल हुए.

भारतीय पैनोरमा

भारतीय पैनोरमा आईएफएफआई का एक महत्वपूर्ण अभिन्न हिस्सा है जो समारोह प्रतिनिधियों के समक्ष पिछले वर्ष के सर्वश्रेष्ठ भारतीय सिनेमा का प्रदर्शन करता है. भारतीय पैनोरमा, 2022 में 25 अलग-अलग भाषाओं में फीचर और गैर-फीचर फिल्में प्रदर्शित की गई. श्री पृथ्वी कोनानूर द्वारा निर्देशित फ़ीचर फ़िल्म हडिनेलेंटू (कन्नड़) और श्री दिव्या कोवासजी द्वारा निर्देशित गैर-फ़ीचर फ़िल्म शो मस्ट गो ऑन (अंग्रेजी) भारतीय पैनोरमा, 2022 की शुरुआती फिल्में थीं.

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की भारत की अध्यक्षता के दौरान, एनएफडीसी ने 27 से 31 जनवरी, 2023 तक मुंबई में एससीओ फिल्म समारोह का आयोजन किया. लगभग 2000 प्रतिनिधियों को 14 एससीओ देशों की कुल 58 फिल्में दिखाई गई. फिल्म स्क्रीनिंग के अलावा राउंड टेबल, पैनल डिस्कशन और मास्टरक्लास भी आयोजित की गई. निखिल महाजन द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म 'गोदावरी' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला, जबकि सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार चीन के ज़ियाओझी राओ को उनकी फिल्म 'होम कमिंग' के लिए मिला.

मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह (एमआईएफएफ)

एमआईएफएफ की शुरुआत 1990 में सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई थी, यह दक्षिण एशिया में वृत्तचित्र, लघु कथा और एनीमेशन फिल्मों के लिए सबसे पुराना प्रतिस्पर्धी समारोह है. इसका उद्देश्य दुनिया भर के वृत्तचित्र फिल्म निर्माताओं को मिलने, विचारों का आदान-प्रदान करने, फिल्मों के निर्माण और वृत्तचित्र, लघु कथा और एनीमेशन फिल्मों के विपणन की संभावनाओं का पता लगाने और फिल्म निर्माताओं के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच प्रदान करना और भारत और विदेशों में स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं को गुणवत्तापूर्ण वृत्तचित्र, लघु कथा और एनीमेशन फिल्में बनाने के लिए प्रोत्साहित करना और मान्यता देना है.

Festivals

International Film Festival of India (IFFI)

In the backdrop of the merger process of erstwhile Directorate of Film Festivals (DFF) into NFDC, the activities of DFF including organizing of International Film Festival of India (IFFI) Goa and selection and showcasing of Indian Panorama movies are now being undertaken by NFDC. The 53rd edition of IFFI was held in Goa in collaboration with the Entertainment Society of Goa (ESG) with participation from over 78 countries. IFFI is a FIAPF-accredited leading film festival of the world with competition and non-competition sections like Cinemas of the World, Festival Kaleidoscope, Animation and many other curated packages. A total of 277 films were exhibited in 53rd IFFI. Eminent film personalities like Krzysztof Zanussi, Lav Diaz, Jinko Gotoh, Javier Angulo, Mark Osborne, Pascale Chavance, AR Rahman Shekhar Kapoor, Chiranjeevi, Asha Parekh, Anupam Kher, Ayushmaan Khurana, Akshay Kumar, Ajay Devgn, Manoj Bajpayee, Paresh Rawal, Pankaj Tripathi, etc attended the Festival.

Indian Panorama

Indian Panorama is an important integral component of IFFI showcasing the best of Indian Cinema of the preceding year before the Festival delegates. Indian Panorama, 2022 showcased feature and non-feature films in 25 different languages. Feature film Hadinelentu (Kannada) directed by Shri Prithvi Konanur and Non-Feature film. The Show Must Go On (English) directed by Shri Divya Cowasji were the opening films of the Indian Panorama, 2022.

Shanghai Cooperation Organization (SCO)

During India's chairmanship of Shanghai Cooperation Organization (SCO), NFDC organized SCO Film Festival from the 27th - 31st of January, 2023, in Mumbai. A total of 58 movies from 14 SCO countries were shown to around 2000 delegates. Round tables, Panel Discussions and Masterclasses were also held apart from the film screenings. Marathi Film 'Godavari' directed by Nikhil Mahajan bagged the Best Film Award while Best Director award went to Xiaozhi Rao from China for his movie 'Home Coming'.

Mumbai International Film Festival (MIFF)

MIFF was commenced in 1990 by Ministry of Information and Broadcasting, GoI, is the oldest competitive festival for documentary, short fiction and animation films in South Asia. It aims to provide a platform for documentary filmmakers from all over the world to meet, exchange ideas, explore the possibilities of production of films and marketing of documentary, short fiction and animation films and also broadening the vision of the film makers and to encourage and recognise independent film makers in India and abroad to make quality documentary, short fiction and animation films.

अंतर्राष्ट्रीय प्रचार

भारत की 16 देशों के साथ सह-निर्माण करार हैं और इनके साथ-साथ ऑडियो-विज़ुअल प्रोत्साहन योजनाओं के साथ, भारत वैश्विक फिल्म उद्योग के साथ सहयोग बनाने के लिए बेहतर स्थिति में है. वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान एनएफडीसी ने निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और बाजारों में सूचना और प्रसारण मंत्रालय की आधिकारिक सहभागिता की सुविधा प्रदान की:

फेस्टिवल डे कान्स/मार्चे डु फिल्म

कान्स फिल्म महोत्सव की व्यावसायिक हिस्से में मार्चे डु फिल्म में भारत को "कंट्री ऑफ ऑनर" का दर्जा दिए जाने पर एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया गया था. माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसमें शेखर कपूर, आर. माधवन, नज़ावुद्दीन सिद्दीकी और वाणी त्रिपाठी टिकू आदि जैसे फिल्म उद्योग के सदस्य शामिल थे. मार्चे डु फिल्म में भारत की भागीदारी का फोकस भारत को "कंटेंट हब ओफ द वर्ल्ड" के रूप में प्रचार करना था. कान्स में उल्लेखनीय गतिविधियों में, "इंडिया फोरम पैनल डिस्कशन" सत्र, "मुजीब: द मेकिंग ऑफ ए नेशन" का ट्रेलर लॉन्च, और "रॉकेट्री- द नांबी इफेक्ट" का वर्ल्ड प्रीमियर आदि थी. इसके अलावा, पांच भारतीय परियोजनाओं की मार्केट स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई, पांच भारतीय परियोजनाओं को "गोज़ टू कान्स" खंड के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया गया तथा कान्स क्लासिक्स विभाग में सत्यजीत रे की प्रतिद्वंदी फिल्म हुई. "स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन", "कान्स-एक्सआर" और "एनीमेशन डे" विभाग में भी सहभागिता की सुविधा प्रदान की गई.

सबसे उल्लेखनीय गतिविधि के रूप में, मा. सूचना प्रसारण मंत्री श्री.अनुराग सिंह ठाकुर ने भारत में विदेशी फिल्म निर्माताओं को सुविधा प्रदान करने के लिए दो प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा की, जैसे, "ऑडियो-विज़ुअल सह-निर्माण के लिए प्रोत्साहन योजना" और "भारत में विदेशी फिल्मों की शूटिंग के लिए प्रोत्साहन योजना".

वेनिस बिएनेल फिल्म समारोह

वेनिस बिएनेल फिल्म समारोह में भाग लेने के लिए संदीप सिंह बेदी सहित तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने वेनिस का दौरा किया. वेनिस में एनएफडीसी की भागीदारी के मुख्य विशेषताओं में वेनिस क्लासिक्स में शतरंज के खिलाड़ी की स्क्रीनिंग, इटालियन पैवेलियन में "इटली और भारत: बिल्डिंग अ कॉमन ऑडियन्स" पर एक चर्चा सत्र, "कम, कोलोबरेट विथ इंडिया" पर एक गोलमेज सम्मेलन और एक "इंडिया. एज अ कंटेंट डेस्टिनेशन" पर पैनल चर्चा आदि शामिल थी.

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, टोरंटो

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, टोरंटो (टीआईएफएफ) के 2022 संस्करण में, एनएफडीसी ने भारत के सात प्रतिनिधियों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की. फिल्म उद्योग का प्रतिनिधित्व शेखर कपूर, वाणी त्रिपाठी टिकू, संदीप सिंह बेदी और एस.एस. राजामौली ने किया था. गतिविधियों का फोकस भारत को "द लेंड ऑफ स्टोरीटेलर्स" के रूप में प्रदर्शित करना तथा मार्चे डु फिल्म में घोषित दो प्रोत्साहन योजनाओं को बढ़ावा देना था. टोरंटो में, भारत-केनडा सह-निर्माण समझौते के विस्तार और लोकप्रिय बनाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एक गोलमेज बैठक के अलावा, भारतीय प्रदर्शनी स्थल पर "इंडिया, द लैंड ऑफ स्टोरी टेलर्स " पर चर्चा हुई. इसके अलावा, टीआईएफएफ उद्योग सम्मेलन के हिस्से के रूप में, एस.एस. राजामौली द्वारा बातचीत सत्र और "इंडियन वुमेन इन सिनेमा" पर एक पैनल चर्चा सत्र आयोजित किया गया था, सत्यजीत रे की आगंतुक को टीआईएफएफ सिनेमेटिक अनुभाग में प्रदर्शित किया गया और तीन भारतीय फिल्मों की मार्केट स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई.

एक उल्लेखनीय कार्यक्रम के रूप में, "सेलिब्रेट इंडियन सिनेमा इवीनिंग कॉकटेल" नेटवर्किंग सत्र आयोजित किया गया था, जिसमें केनडा में इंडो-केनेडियन समुदाय, टोरंटो में राजनयिक कोर के सदस्यों, निदेशकों, निर्माताओं और सदस्यों सहित 300 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया. टीआईएफएफ में भाग लेने वाले फिल्म निर्माण समुदाय, उन देशों के प्रतिनिधि जिनके साथ भारत ने सह-निर्माण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और वे प्रतिनिधि जो सिनेमेटिक गंतव्य के रूप में भारत की पेशकश में रुचि रखते हैं.

International Promotion

India has co-production treaties with 16 countries and with the Audio-visual Incentive Schemes in place alongside these, India is in a better position to form collaborations with the global film industry. During FY 2022-23 NFDC facilitated the official participation of Ministry of Information and Broadcasting at the following international film festival and markets:

Festival de Cannes/ Marche du Film

A comprehensive program was formulated as India was given the status of “Country of Honour” at Marche du Film, the business arm of Cannes Film Festival. Shri. Anurag Singh Thakur, Honourable Minister of Information and Broadcasting, led the Indian delegation, featuring film industry members, such as Shekhar Kapoor, R. Madhawan, Nazawuddin Siddiqui and Vani Tripathi Tikoo etc. The focus of India’s participation at Marche du Film was to promote India as the “Content Hub of the World”. Notable activities at Cannes were, “India Forum Panel Discussion” session, “Trailer launch of Mujib: The Making of a Nation”, and World Premier of “Rocketry- The Nambi Effect”. Apart from this, market screening of five Indian projects was facilitated, five Indian projects were presented as part of “Goes to Cannes” section, and Satyajit Ray’s Pratidwandi joined the Cannes Classics section. Participation was also facilitated at the “Start-Up Pitching Session”, “Cannes-XR” and “Animation Day” segments.

As the most notable activity, Shri. Anurag Singh Thakur, HMIB, announced two incentive schemes, viz., the “Incentive Scheme for Audio-Visual Co-production” and the “Incentive Scheme Shooting of foreign films in India”, to facilitate foreign filmmakers to India.

Venice Biennale Film Festival

A three-member delegation, including Sundeep Singh Bedi visited Venice to take part in the Venice Biennale Film Festival. Key elements of NFDC’s participation at Venice were, screening of Shatranj Ke Khiladi at Venice Classics, a discussion session on “Italy and India: Building a Common Audience” at the Italian Pavilion, a roundtable on “Come, Collaborate with India”, and a panel discussion on “India, as a content destination”.

Toronto International Film Festival

At the 2022 edition of Toronto International Film Festival (TIFF), NFDC facilitated the participation of seven delegates from India. The industry was represented by Shekhar Kapoor, Vani Tripathi Tikoo, Sundeep Singh Bedi and S.S. Rajamouli. The focus of activities was to showcase India as “The Land of Storytellers”, and promote the two incentive schemes announced at Marche du Film. In Toronto, a discussion on “India, the Land of Storytellers” took place at the Indian exhibition space, apart from a roundtable meeting to discuss avenues for expanding and popularizing the India-Canada co-production agreement. Apart from this, as part of the TIFF Industry Conference, an in-conversation session by S.S. Rajamouli, and a panel discussion session on “Indian Women in Cinema” was organized, Satyajit Ray’s Agantuk was screened at TIFF Cinematheque section, and market screening of three Indian films was facilitated.

As a notable event, the “Celebrate Indian Cinema Evening Cocktail” networking session was organized, which was attended by over 300 members guests, including Indo-Canadian community in Canada, members of diplomatic corps in Toronto, directors, producers, and members of the filmmaking fraternity attending TIFF, representatives from countries with whom India has a co-production agreement signed, and delegates who have an interest in what India has to offer as a cinematic destination.

ताश्कंद अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह

लगातार दूसरे वर्ष, एनएफडीसी ने ताश्कंद अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के 2022 संस्करण में भारत की आधिकारिक भागीदारी की सुविधा प्रदान की. एनएफडीसी के अधिकारियों और भारतीय फिल्म उद्योग से जीनत अमान, पूनम ढिल्लों और उमेश मेहरा जैसे छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ताशकंद गये, जहां "इंडिया फिल्म डेज़" का आयोजन किया गया था. इसके भाग के रूप में, तीन भारतीय फिल्में प्रदर्शित की गईं. एनएफडीसी के अधिकारियों ने "ताश्कंद फिल्म फेस्टिवल बिजनेस फोरम" और "राउंडटेबल ऑन नेशनल फिल्म लेजिस्लेशन" में भी भाग लिया. यह भागीदारी भारत और उज्बेकिस्तान के बीच स्वस्थ सिनेमाई संबंध स्थापित करने में काफी मददगार साबित हुई.

बर्लिनले/यूरोपीय फ़िल्म बाज़ार

जबकि यूरोपीय फिल्म मार्केट के 2023 संस्करण में एक प्रदर्शनी स्थान नहीं लिया गया था, एनएफडीसी के कैटलॉग (फीचर फिल्में, वृत्तचित्र और बच्चों की फिल्में) के व्यवसाय से संबंधित संभावित अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया था. इसके अलावा, इफ्फी और फिल्म बाजार के 2023 संस्करणों के साथ उपस्थित सिनेमेटिक समुदाय को संवेदनशील बनाने के प्रयास किए गए.

कुल मिलाकर, वित्त वर्ष 2022-23 में उपरोक्त अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों और बाजारों में विभिन्न अन्य कार्यक्रमों के साथ-साथ लगभग 20 फिल्मों की स्क्रीनिंग/ मार्केट स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई.

Tashkent International Film Festival

For the second straight year, NFDC facilitated India's official participation at the 2022 edition of the Tashkent International Film Festival. A six-member delegation, composed of NFDC officials and Zeenat Aman, Poonam Dhillon, and Umesh Mehra, from the Indian film industry went to Tashkent, where "India Film Days" was organized. As its part, three Indian movies were screened. NFDC officials also participated in the "Tashkent Film Festival Business Forum", and a "Roundtable on National Film Legistlation". The participation went a long way in establishing healthy cinematic ties between India and Uzbekistan.

Berlinale/ European Film Market

While an exhibition space was not taken at the 2023 edition of European Film Market, the focus was to explore prospective opportunities pertaining to the business of NFDC's catalogue (feature films, documentaries and children's films). Apart from this, efforts were taken to sensitize the cinematic community in attendance with the 2023 editions of IFFI and Film Bazaar.

In total, screening/ market screening of around 20 movies was facilitated alongside various other programs at the above mentioned international film festivals and markets in the FY 2022-23.

फ़िल्म सुविधा कार्यालय

भारतीय फिल्म उद्योग के पास टेलेंट पूल, लागत में वृध्दि तथा संसाधनों का असाधारण लाभ है. भारतीय भू-विविधता, फिल्म पेशेवरों का तकनीकी पूल और उत्साह से स्वागत करने वाले समुदायों की संस्कृति जो दुनिया को सिनेमा की उत्कृष्ट कृतियों को बनाने के लिए एक आकर्षक कैनवास प्रदान करती है. इस वर्ष हाल ही में बढ़े हुए प्रोत्साहनों की घोषणा के साथ, प्रति परियोजना रू 30 करोड़ की सीमा और भारत में व्यय का 40% तक बढ़ा दिया गया है, एफएफओ अभिनय करके भारत में फिल्म बनाने और अपनी परियोजनाओं का निर्माण करने वाले विदेशी फिल्म निर्माताओं का स्वागत करने के लिए भावी साझेदारों के लिए सुविधा बिंदु के रूप में तैयार है.

एफएफओ की स्थापना के बाद से यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है कि भारत में शूटिंग करने के इच्छुक विदेशी फिल्म निर्माताओं को सकारात्मक अनुभव मिले. एफएफओ अधिक जुड़ाव और बातचीत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न राज्य सरकारों, प्रमुख केंद्र सरकार के मंत्रालयों, एजेंसियों और देश भर के प्रमुख व्यापार संघों के साथ मिलकर काम करता है. फिल्म सुविधा कार्यालय भारत के प्रोत्साहनों को लोकप्रिय बनाने तथा अच्छे कथाकथन को सक्षम बनाने वाले माहौल को बढ़ावा देने की दृष्टि से टोरंटो, वेनिस, एनेसी फिल्म समारोहों जैसे प्रमुख वैश्विक फिल्म बाजारों में भी नियमित रूप से भाग लेता है.

Film Facilitation office

The Indian film industry has exceptional advantage of talent pool, cost advance and resources. The Indian geo-diversity, technical pool of film professionals and a culture of warm and welcoming communities that offers to the world an enchanting canvas to create masterpieces of cinema. With the recent announcement of the enhanced incentives this year enhanced to a limit of ₹ 30 Cr per project and upto 40% of the expenditure in India, FFO is all geared to welcome foreign filmmakers looking to film & produce their projects in India by acting as the facilitation point for future partners.

Since inception of the FFO has been focussed on ensuring foreign filmmakers looking to shoot in India have a positive experience. The FFO works closely with various State Governments, key Central Government Ministries, agencies, and leading trade associations across the country with a view to promote greater engagement and interactions. The Film Facilitation office also routinely participates in key global film markets like Toronto, Venice, Annecy film festivals with the view to popularize India's incentives and to foster an environment that enables good storytelling.

III. संरक्षण

राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, भारत (एनएफएआई)

भारत के राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार की स्थापना पुणे, महाराष्ट्र में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत एक स्वतंत्र मीडिया इकाई के रूप में की गई थी. एनएफएआई सरकार की इस अनुभूति का परिणाम है कि फिल्में किताबों और अन्य ऐतिहासिक दस्तावेजों जितनी ही मूल्यवान हैं और देश की फिल्म विरासत को भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित करने की जरूरत है. इसी दृष्टि से भारतीय सिनेमाई विरासत को बचाने के उद्देश्य से सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा 2016 में राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन (एनएफएचएम) शुरू किया गया था. मिशन का उद्देश्य भारत की फिल्म विरासत का जतन, संरक्षण, डिजिटलीकरण और पुन:स्थापना करना है और राष्ट्र का यह प्रतिष्ठित मिशन अब एनएफएआई द्वारा कार्यान्वयन के अधीन है.

राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, भारत (एनएमआईसी)

एनएमआईसी एक सिनेमाई विरासत के संरक्षक के रूप में जाना जाता है, जो फिल्मों के संरक्षण के लिए अथक रूप से समर्पित है, एक सदी लंबी सिनेमाई यात्रा के सार को दर्शाता है. एनएमआईसी का महत्वपूर्ण उद्देश्य भारत की विविध सिनेमाई विरासत के भंडार के रूप में सेवा करना, कला के प्रति सराहना को बढ़ावा देना है. इसका लोकाचार भारतीय सिनेमा के विकास को अपनाने, सांस्कृतिक आख्यानों पर इसके गहरे प्रभाव को प्रदर्शित करने के इर्द-गिर्द घूमता है. एनएमआईसी के भीतर एक ऐतिहासिक रत्न, सिनेमाई जड़ों का प्रतीक गुलशन महल, है, जबकि समकालीन कांच की इमारत भारत की सिनेमाई प्रगति को प्रतिबिंबित करती है. इस वास्तुशिल्प चमत्कार की प्रत्येक मंजिल भारतीय सिनेमा के माध्यम से एक विषयगत यात्रा है. यह संग्रहालय कथाकथन युग से लेकर डिजिटलीकरण तक फैली कलाकृतियों का खजाना है, जिसमें सावधानीपूर्वक तैयार किए गए हस्तनिर्मित पोस्टर भी शामिल हैं. एनएमआईसी 100 वर्षों के सिनेमा इतिहास को समाहित करता है, एक मनोरम यात्रा की पेशकश करता है जो आगंतुकों को भारतीय सिनेमा की परिवर्तनकारी शक्ति के बारे में शिक्षित और प्रेरित करता है. यह सिर्फ एक संग्रहालय नहीं है; यह उस कलात्मक विकास का जीवित प्रमाण है जिसने पिछली सदी में देश के सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार दिया है.

सिने आर्टिस्ट्स वेलफेयर फंड ऑफ इंडिया (कॉफ़ी)

क. सन 1991 में ट्रस्ट की स्थापना की गई थी उसका प्रबंध तथा नियमन एनएफडीसी के बोर्ड द्वारा नियुक्त ट्रस्टियों द्वारा किया जाता है.

ख. फिल्म "गांधी" से प्रतिवर्ष होने वाली आय का 5 प्रतिशत हर साल सीएडब्ल्यूएफआई में दिया जाता है.

ग. प्रमुख उद्देश्य बीते जमाने के, 50 वर्ष से अधिक आयु के उन सिने कलाकारों को सहायता प्रदान करना है जो दुर्दिनों के शिकार हैं.

III. Preservation

National Film Archive of India (NFAI)

The National Film Archive of India was established as an independent media unit under the Ministry of Information and Broadcasting in Pune, Maharashtra. NFAI is the outcome of the Government's realization that films are as valuable as books and other historical documents and that the country's film heritage needs to be preserved for posterity. With this vision the National Film Heritage Mission (NFHM) was launched in 2016 by Ministry of Information and Broadcasting (MIB) with the objective of saving the Indian cinematic heritage. The mission aims at preservation, conservation, digitization, and restoration of film heritage of India and this prestigious mission of the nation is now under implementation by NFAI.

National Museum of Indian Cinema (NMIC)

NMIC stands as a custodian of cinematic legacy, tirelessly devoted to the preservation of movies, capturing the essence of a century-long cinematic journey. NMIC's unique purpose is to serve as a reservoir of India's diverse cinematic heritage, fostering an appreciation for the art form. Its ethos revolves around embracing the evolution of Indian cinema, showcasing its profound impact on cultural narratives. Gulshan Mahal, a historic gem within NMIC, symbolizes the cinematic roots, while the contemporary glass building mirrors India's cinematic progression. Each floor in this architectural marvel is a thematic odyssey through Indian cinema. This museum is a treasure trove of artefacts spanning from the storytelling era to digitization, including meticulously crafted handmade posters. NMIC encapsulates 100 years of cinema history, offering a captivating journey that educates and inspires visitors about the transformative power of Indian cinema. It's not just a museum; it's a living testament to the artistic evolution that has shaped the nation's cultural landscape over the past century.

Cine Artistes Welfare Fund of India (CAWFI)

a. The trust was formed in the year 1991 is administered and managed by the trustees duly appointed by the NFDC Board.

b. 5% of profits earned from the film "Gandhi" are contributed to CAWFI every year.

c. The main objective is to give financial assistance to yester years Cine Artistes above 50 years of age who have fallen on bad days and need financial support.

सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड की 48वीं वार्षिक सर्वसाधारण बैठक अल्प सूचना पर शुक्रवार, 3 नवम्बर, 2023 को दोपहर 3:00 बजे कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय एनएफडीसी – एफडी कॉम्प्लेक्स, 24, गोपालराव देशमुख मार्ग, मुम्बई – 400026 में निम्नलिखित विषयों के संपादनार्थ आयोजित की जाएगी –

सामान्य विषय

1. 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए निदेशकों की रिपोर्ट, लेखा परीक्षित लाभ एवं हानि लेखे तथा रोकड़ प्रवाह का विवरण, दिनांक 31 मार्च 2023 के लेखा परीक्षित तुलन पत्र तथा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा की गई टिप्पणियां प्राप्त करना, उन पर विचार करना तथा संशोधन सहित या संशोधन रहित निम्नलिखित संकल्प को एक सामान्य संकल्प के रूप में पारित करना.

   "संकल्पित है कि दिनांक 31 मार्च, 2023 समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलन पत्र, 31 मार्च 2023 समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखे विवरण तथा रोकड़ प्रवाह विवरण, निदेशकों की रिपोर्ट तथा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों सहित प्राप्त किये उन पर विचार किया गया तथा पारित की गई".

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि.

दिनांक – 03.11.2023
स्थान – मुम्बई

पृथुल कुमार
प्रबंध निदेशक

नोट

1) बैठक में भाग लेने और मतदान करने का हकदार सदस्य अपने स्थान पर उपस्थित होने और वोट करने हेतु एक प्रॉक्सी (आईईएस) नियुक्त करने का हकदार है और ऐसे प्रॉक्सी (आईईएस) को कंपनी का सदस्य होना जरूरी नहीं है. प्रभावी होने के लिए प्रॉक्सी को कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में बैठक शुरू होने से कम से कम 48 घंटे पहले विधिवत भरने, मुहर लगाने, हस्ताक्षरित और जमा किया जाना चाहिए या ईमेल के माध्यम से sumona@nfdcindia.com पर भेजना होगा. जहां प्रॉक्सी फॉर्म ईमेल के माध्यम से जमा किया जाता है, प्रॉक्सी को एजीएम में विधिवत भरे हुए प्रॉक्सी फॉर्म (नोटिस के साथ संलग्न) की प्रति लानी आवश्यक है.

2) कंपनी अधिनियम, 2013 (इसके बाद "अधिनियम" के रूप में संदर्भित) और उसके तहत नियमों के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी की कुल शेयर पूंजी का दस प्रतिशत से अधिक मतदान अधिकार रखने वाला सदस्य किसी एक व्यक्ति को प्रॉक्सी के रूप में नियुक्त कर सकता है और ऐसा व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति या शेयरधारकों के लिए प्रॉक्सी के रूप में कार्य नहीं करेगा.

3) एजीएम का नोटिस उस सदस्य और अधिकृत प्रतिनिधि को दिया जाता है जो कार्यालय में शुक्रवार, 20 अक्टूबर, 2023 तक पदस्थ हैं.

4) अधिनियम की धारा 101 के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी के 95% से अधिक सदस्यों की लिखित सहमति के अधीन बैठक अल्प सूचना पर बुलाई जा रही है. सहमति प्रपत्र संलग्न है.

5) अधिनियम की धारा 112 के प्रावधानों के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति जैसे सदस्यों के अधिकृत प्रतिनिधि एजीएम में उपस्थित होकर अपना वोट कर सकते हैं.

Notice

Notice is hereby given that the 48th Annual General Meeting of National Film Development Corporation Limited will be held at Shorter Notice on Friday, the 3rd day of November, 2023 at 3:00 pm at Registered Office of the Company situated at NFDC-FD Complex, 24, Gopalrao Deshmukh Marg, Mumbai-400026, to transact the following business –

Ordinary Business

1. To read, consider and adopt the Director's Report, Audited Statement of Profit & Loss and Cash Flow Statement for the year ended 31st March, 2023, Balance Sheet as on 31st March, 2023 and Auditors' Report and the comments of the Comptroller and Auditor General of India thereon and to pass with or without modification the following Resolution as an Ordinary Resolution.

   "RESOLVED that the Audited Balance Sheet as on 31st March, 2023, Statement of Profit & Loss and Cash Flow Statement for the year ended 31st March, 2023 together with the Director's Report and the Auditors' Report and the comments of the Comptroller and Auditor General of India are hereby read, considered and adopted."

By Order of the Board of Directors
For National Film Development Corporation Limited

Date – 03.11.2023
Place – Mumbai

Prithul Kumar
Managing Director

Note

1) A member entitled to attend and vote at the Meeting is entitled to appoint a Proxy (Ies) to attend and vote instead of himself and such Proxy (Ies) need not to be a Member of the Company. Proxies, to be effective shall be duly filled, stamped, signed and deposited, not less than 48 hours before the commencement of the Meeting at the Registered Office of the Company or submit the send through email to sumona@nfdcindia.com. Where Proxy Form is submitted through email, Proxy is required to bring the copy of Proxy Form (enclosed with the Notice) duly filled at the AGM.

2) Pursuant to the provisions of Companies Act, 2013 (hereafter referred as "Act") and the rules thereunder, a member holding more than ten percent of the total share capital of the Company carrying voting rights may appoint a single person as proxy and such person shall not act as proxy for any other person or shareholders.

3) The notice of AGM is given to the member and Authorised Representative who hold the position in office as on Friday, October 20th, 2023.

4) The Meeting is being convened at a shorter notice, subject to consent, in writing, of more than 95% of the Members of the Company, pursuant to the provisions of Section 101 of the Act. Consent form is enclosed.

5) In terms of the provisions of Section 112 of the Act, Authorised representatives of the Members such as the President of India can attend the AGM cast their vote.

अंशधारकों को प्रबंध निदेशक का पत्र

प्रिय अंशधारकों,

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड के निदेशक मंडल की ओर से, मैं निगम की 48वीं वार्षिक सर्वसाधारण बैठक में आप सभी का स्वागत करता हूं. मैं आपके साथ वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एनएफडीसी का परिचालन निष्पादन साझा करता हूं. मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, कंपनी ने परिचालन से राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, टॉपलाइन पिछले वर्ष के 6887.02 लाख रुपये की तुलना में बढ़कर 11539.93 लाख रुपये हो गई है, जोकि पिछले वर्ष से 67.56% की वृद्धि हुई है. कंपनी ने पिछले वर्ष 2021-22 में 673.99 लाख रुपये की हानि की तुलना में 185 लाख रुपये का लाभ अर्जित किया है. मुझे आशा है कि वित्त वर्ष 2023-24 में एनएफडीसी अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने में सक्षम होगा. वर्ष के दौरान कंपनी की परिचालन संबंधी जानकारी का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है

फिल्म निर्माण

निगम का मुख्य उद्देश्य अच्छे सिनेमा का निर्माण करना है, इस संदर्भ में कंपनी सूचना एवं प्रसारण, भारत सरकार की उप योजना "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण" के तहत "फिल्म सामग्री का विकास संचार और प्रसार" (डीसीडीएफसी) योजना को क्रियान्वित करती है. एनएफडीसी को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा क्षेत्रीय फिल्म के लिए 0.74 करोड़ रुपये, पूर्वोत्तर भाषा की फीचर फिल्म, वृत्तचित्र और लघु एनीमेशन फिल्म के निर्माण के लिए 11.99 करोड़ रुपये और एकेएम के लिए 5.32 करोड़ रुपये 'विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण' योजना हेतु प्राप्त हुए है.

वितरण

इन वर्षों में, एनएफडीसी का वितरण चैनल हिंदी सहित 20+ क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में 300 से अधिक फिल्मों के साथ विकसित हुआ है और 85 फिल्मों को पुनस्थापित किया गया है, एनएफडीसी 120 फिल्मों की एक सूची को एकिकृत करता है जिसमें प्रीमियम और मार्की फिल्में शामिल हैं जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और मान्यता प्राप्त की हैं. ये सामग्री उचित उपयोग, राजस्व और पहुंच के लिए आउटरीच के माध्यम से सिंडिकेटेड हैं. भारत के सिनेमाघरों की स्थिति को बनाए रखने के लिए फिल्म समारोहों और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहचान और भाग लेने से वैश्विक स्तर पर सामग्री का लाभ उठाया जाता है, जो कि भारत के स्वतंत्र सिनेमा की पहचान है. एनएफडीसी फिल्म वितरण के समकालीन तरीकों का प्रभावी ढंग से दोहन करके दर्शकों को सिनेमा दिखाने में सफल रहा है. ओटीटी प्लेटफॉर्म www.cinemaofindia.com एनएफडीसी की फिल्मों को प्रसारित करता है. हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय समारोह स्क्रीनिंग के अलावा अपनी क्लासिक फिल्मों की अधिकतम पहुंच के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्लेटफार्मों के साथ सहयोग करते हैं.

विज्ञापन फिल्म निर्माण और संचार

भारत सरकार और इनकी विभिन्न एजेंसियों के लिए विज्ञापन संचार का निर्माण इस वर्ष राजस्व का सबसे बड़ा योगदान रहा है और एनएफडीसी ने सभी प्लेटफार्मों पर विज्ञापन संचार के निर्माण और प्रसार के लिए स्वयं को 360 डिग्री एकीकृत मीडिया सेवा प्रदाता के रूप में दृढता से स्थापित किया है. हमारा मुख्य आकर्षण योग उत्सव की शुरुआत थी, जो मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक 75 दिनों का काउंटडाउन है; काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के लिए यूपी सरकार की ओर से 08 लघु फिल्मों का निर्माण किया गया. राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस के अवसर पर प्रेरणादायक लघु फिल्में, दुर्घटना, एयरबैग और हेलमेट पर सेलिब्रिटी श्री अक्षय कुमार की भागीदारी के साथ सड़क सुरक्षा पर 03 टीवीसी का निर्माण किया गया, माननीय प्रधान मंत्री द्वारा राष्ट्र को 35 पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र समर्पित करने के अवसर पर स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर लघु वीडियो तैयार किया गया, राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार

Managing Director's Letter to Shareholders

Dear Shareholders,

On behalf of the Board of Directors of the National Film Development Corporation Ltd., I welcome you all at its 48th Annual General Meeting. Now I share with you the operational performance of NFDC for F. Y. 2022-23. I am delighted to report that During FY 2022-23, your Company has shown significant growth in revenue from operation, with Topline increased to ₹ 11539.93 Lakhs compared to ₹ 6887.02 Lakhs in previous year, which is 67.56% increase over last year. Your Company has earned Profit of ₹ 185 Lakhs compared to loss incurred of ₹ 673.99 Lakhs in the previous year 2021-22. I am hopeful NFDC will be able to reach greater heights in the F. Y. 2023-24. A brief on the operational insight of the company during the year follows

Film Production

One of main object of the Corporation is to produce good cinema, in this context the company executes the scheme "Development Communication and Dissemination of Filmic Content" (DCDFC) under the sub scheme "Production of films in various Indian languages" of the Ministry of Information & Broadcasting, Government of India. NFDC has received ₹ 0.74 Crores for Regional Film, ₹ 11.99 Crores for production of North Eastern language feature film, documentary & short animation film and ₹ 5.32 crores for AKAM from the Ministry of Information & Broadcasting for the scheme "Production of films in various Indian languages."

Distribution

Over the years, distribution channel of NFDC has evolved with over 300 films in 20+ regional Indian languages including Hindi and 85 titles restored, NFDC syndicates a catalogue of 120 films which includes premium & marquee films that have won National and International Awards & recognitions. These content are syndicated across medium of outreach for appropriate exploitation, revenue and reach. The content is further leveraged globally by identifying and participating at film festivals and International markets to maintain the positioning of Cinemas of India as the brand that is the face of independent cinema from India. NFDC has been successful in showcasing cinema to the audiences by effectively exploiting contemporary modes of film distribution avenues. The OTT platform www.cinemasofindia.com streams NFDC's films. We enter into collaboration with various platforms both domestic and international for maximum outreach of our classic films other than domestic and international Festival Screenings.

Advertisement Film Production and Communication

Production of advertising communication for the government and its various agencies has been the highest contributor of revenue this year and NFDC has firmly established itself as a 360-degree integrated media service provider for the creation and dissemination of advertising communication across platforms. Our major highlights were kickstarting of Yoga Utsav which is 75 Days countdown till International Day of Yoga by Morarji Desai National Institute of Yoga; 08 Short films were produced for the UP government for Kashi Vishwanath Dham Corridor. Inspirational short films on the occasion of National Civil Services Day; 03 TVCs were produced on Road Safety with engagement of celebrity Sh Akshay Kumar on Accident, Airbag and Helmet; Short video produced on Strengthening health infrastructure on the occasion of Honorable Prime Minister dedicating 35

2022 के लिए लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) पर 01 लघु फिल्में, भारतीय नौसेना की विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्रमोशनल फिल्म, रक्षा मंत्रालय और एनएफडीसी ने चुनाव प्रबंधन पर विभिन्न विषयों पर 10 लघु फिल्मों के निर्माण के लिए भारत के चुनाव आयोग के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए.

मीडिया व्यवसाय

एनएफडीसी भारत सरकार की नोडल एजेंसी है जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अभियान चलाती है और भारत सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), स्वायत्त निकायों, विभागों और संगठनों की योजनाओं, संदेशों, विज्ञापनों और नीतियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रमों और सूचनाओं का प्रसार करती है. वर्ष के दौरान तीन ग्राहकों की ओर से 25 अभियान चलाए गए.

कौशल विकास और प्रशिक्षण

एनएफडीसी 2005 से फिल्म निर्माण से संबंधित विभिन्न तकनीकी व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है और इसने लगभग 18,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और रोजगार दिया है. क्षेत्र में अपने प्रतिबद्ध प्रयासों के कारण, एनएफडीसी को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद से में "अवार्डिंग बॉडी" का दर्जा मिला. एनएफडीसी की परिकल्पना मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में कौशल, मूल्यांकन और प्रमाणन में गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों के लिए तकनीकी और पेशेवर रूप से सक्षम कार्यबल और उद्योग पेशेवरों को तैयार करने के लिए की गई है और यह संबद्धता, मान्यता, परीक्षा और प्रमाणन की योजना बनाने और निष्पादित करने के लिए प्रतिबद्ध है. विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग प्रदान करके अंतर को भरने और उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए एनएफडीसी के बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मानकों की स्थिरता और स्वीकार्यता सुनिश्चित करना.

फिल्म बाज़ार

फिल्म बाजार अंतरराष्ट्रीय और दक्षिण एशियाई फिल्म बिरादरी के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष रूप से बनाया गया मंच है. फिल्म बाजार फिल्म मेकिंग, फिल्म निर्माण और वितरण के क्षेत्र में दक्षिण एशियाई सामग्री और प्रतिभा की खोज, समर्थन और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करता है. फिल्म बाज़ार अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, भारत (आईएफएफआई) के साथ आयोजित किया जाता है और यह भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं के समुदाय और दुनिया भर के व्यवसाय में रुचि रखने वालों के लिए एक रोमांचक और प्रेरणादायक स्थान बना हुआ है. 2022 में 40 देशों के 1407 प्रतिनिधियों ने फिल्म बाज़ार में भाग लिया, 2007 में अपनी शुरुआत (18 देशों से 204 मेहमान) के बाद से यह आयोजन एक लंबा सफर तय कर चुका है.

फिल्म सुविधा कार्यालय (एफएफओ)

हमारा प्रयास फिल्म सुविधा कार्यालय केंद्र सरकार के प्रमुख मंत्रालयों/विभागों और 36 राज्य सरकारों का एक सामंजस्यपूर्ण इकोसिस्टिम है. एफएफओ अंतरराष्ट्रीय और घरेलू फिल्म निर्माताओं दोनों के लिए एक ऑनलाइन सिंगल विंडो अनुमति सुविधा तंत्र के रूप में कार्य करना जारी रखता है. 2016 से 33 देशों से 144 अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं को भारत में फिल्म बनाने की अनुमति दी गई थी. जिनमें से 13 परियोजनाओं को विभिन्न देशों के साथ भारत सरकार द्वारा हस्ताक्षरित ऑडियो विजुअल सह-निर्माण करारों के तहत आधिकारिक सह-निर्माण के रूप में मान्यता दी गई थी. एफएफओ की स्थापना के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और एनएफडीसी के बीच समझौता ज्ञापन को 15 जून 2022 को नवीनीकृत किया गया था. इसने एफएफओ के कार्यक्षेत्र का विस्तार किया जिसमें आयोजनों की अनुमति के लिए एकल विंडो बनाना और देश में थिएटर स्थापित करना शामिल था. 1 जनवरी 2023 को प्रमोशन और आउटरीच में इन्वेस्ट इंडिया की संस्थागत विशेषज्ञता का लाभ उठाने के उद्देश्य से एफएफओ के कार्यों को इन्वेस्ट इंडिया, भारत की राष्ट्रीय निवेश संवर्धन एजेंसी द्वारा अधिग्रहण किया गया.

PSA Oxygen Plants to the nation; 01 Short films on Lumpy Skin Disease (LSD) for National Gopal Ratna Awards 2022; Promotional film for various projects of Indian Navy, Ministry of Defence and NFDC signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Election Commission of India for the production of 10 short films on various themes on election management.

Media Business

NFDC is a Nodal agency of Government of India executing Electronic Media campaigns and does dissemination of Awareness Programs and Information about schemes, messages, advertisement and policies of different Ministries, Public Sector Undertaking (PSU's), Autonomous Bodies, Departments and organization under the Govt. of India. During the year 25 Campaigns were undertaken on behalf of three clients.

Skill Development & Training

NFDC has been providing training in various technical trades pertaining to film making since 2005 and has trained and placed nearly 18,000 candidates. Owing to its committed efforts in the area, NFDC received the "Awarding Body" status from the National Council for Vocational Education & Training, Ministry of Skill development & Entrepreneurship. NFDC is envisioned for creating a technically and professionally competent workforce and industry professionals for both national and international markets to achieve quality standards in skilling, assessment and certification in Media and Entertainment space and is committed to plan and execute affiliation, accreditation, examination and certification to ensure consistency and acceptability of standards in order to achieve the larger goal of NFDC to fill in the gap and meet Industry demand by providing skilling, upskilling and reskilling through various Skill Development Programs.

Film Bazaar

Film Bazaar is a platform exclusively created to encourage collaboration between the international and South Asian film fraternity. The Bazaar focuses on discovering, supporting and showcasing South Asian content and talent, in the realm of filmmaking, production and distribution. Film Bazaar is held alongside the International film festival of India (IFFI) and continues to be an exciting and an inspiring place for the Independent filmmakers' community from India and South East Asia and those interested in the business from across the world. With 1407 delegates from 40 countries attended Film Bazaar in 2022, the event has come a long way since its inception in 2007 (204 guests from 18 countries).

Film Facilitation Office (FFO)

Our endeavor Film Facilitation Office is a cohesive ecosystem of Key Central Government Ministries/Departments and 36 State Governments. FFO continues to act as an Online Single Window Permission Facilitation Mechanism for both international and domestic filmmakers. Since 2016, 144 international projects from across 33 countries were accorded permissions to film in India. Out of which 13 projects were recognized as official co-production under the Audio Visual co-production treaties signed by Government of India with various countries. The MOU between Ministry of I&B and NFDC for establishing the FFO was renewed on 15th June 2022. This expanded the mandate of the FFO which included creating a single window for events permissions and for establishing Theatres in the country. On 1st January 2023, the functions of the FFO were taken over by Invest India, India's National Investment Promotion Agency with a view to leverage Invest India's institutional expertise in promotion and outreach.

सिने आर्टिस्ट वेलफेयर फंड ऑफ इंडिया

सामाजिक हेतु लॉर्ड रिचर्ड एटनबरो द्वारा वर्ष 1991 में गांधी फिल्म से अर्जित लाभ के एक हिस्से से गठित ट्रस्ट, 50 वर्ष से अधिक उम्र के पुराने सिने कलाकारों को वित्तीय सहायता देने का प्रयास कर रहा है, जो दूर्दिनों के शिकार हैं.

डिजिटल मीडिया

एनएफडीसी ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार केवल सोशल मीडिया प्रबंधन सेवाओं की पेशकश से करके डिजिटल अभियान, इन्फ्लुएंसर आउटरीच प्रोग्राम, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) और वेबसाइट विकास तक किया है. अग्रसर बढ़ते हुए, एनएफडीसी की योजना मोबाइल ऐप डेवलपमेंट और नवीनतम उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ सिंक में सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारी सेवाओं के दायरे को व्यापक बनाने की है. वर्तमान के ट्रेंड्स के साथ सामाजिक आउटरीच और विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा डिजिटल मीडिया को दिए गए महत्व के साथ, डिजिटल मीडिया वर्टिकल में विकास की अपार संभावनाएं हैं.

परिरक्षण

राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय पुणे, भारत में स्थित एक संस्था है जो फिल्म को कला और ऐतिहासिक दस्तावेजों के रूप में संरक्षित करने के लिए समर्पित है. यह सरकार की इस अनुभूति का परिणाम है कि फिल्में किताबों और अन्य ऐतिहासिक दस्तावेजों की तरह ही मूल्यवान हैं और देश की फिल्म विरासत को भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित करने की जरूरत है. भारतीय सिनेमा की विरासत को प्राप्त करने और संरक्षित करने के प्राथमिक चार्टर के अलावा, यह सुनिश्चित करना भी पुरालेख के घोषित उद्देश्यों में से एक है कि भारतीय सिनेमा की सांस्कृतिक उपस्थिति दुनिया भर में अधिक दिखाई दे.

आगामी वर्ष के लिए दृष्टिकोण

भारत सरकार का 23 दिसंबर 2020 का दृष्टिकोण चार फिल्म मीडिया इकाइयों का विलय करना है. फिल्म प्रभाग (एफडी), फिल्म समारोह निदेशालय (डीएफएफ), राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, भारत (एनएफएआई) और बाल चित्र समिति, भारत (सीएफएसआई) का राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (एनएफडीसी) के साथ जिसके तहत सीएफएसआई, एफडी, डीएफएफ के सभी संचालन होते हैं. पिछले वर्ष एनएफएआई का एनएफडीसी में विलय हो गया है, जिससे एनएफडीसी को फिल्म विकास को एकीकृत करने में मदद मिली है और यह भारतीय फिल्म उद्योग के विकास को सशक्त बनाने के लिए अग्रसर है. विलय के साथ एनएफडीसी ने भारतीय फिल्म पारिस्थितिकी तंत्र में केंद्रीय भूमिका निभाई है और फिलहाल कंपनी जनता के बीच विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों के विकास, निर्माण, वितरण, परिरक्षण और विपणन की सुविधा प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है. आपकी कंपनी व्यापक स्पेक्ट्रम तक पहुंच रही है और फीचर फिल्मों, एनीमेशन फिल्मों, बच्चों की फिल्मों और वृत्तचित्रों का निर्माण कर रही है और भारत तथा विश्वभर में फिल्म समारोहों और फिल्म बाजारों का आयोजन कर रही है और भारत को एक अद्वितीय फिल्मांकन गंतव्य के रूप में बढ़ावा दे रही है. हम फिल्म उद्योग में विभिन्न व्यवसायों की प्रतिभाओं को बढ़ावा दे रहे हैं, अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय फिल्म समारोहों और बाजारों में भागीदारी बढ़ा रहे हैं और फिल्म सामग्री और विरासत का संरक्षण कर रहे हैं. भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई), मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ), राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह (एनसीएफएफ), भारतीय अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव (आईसीएफएफआई) और फिल्म बाजार जैसे स्थापित ब्रांडों का एकीकरण अब आपकी कंपनी को निर्माण करने की अनुमति देता है. अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए प्रचारात्मक तालमेल और राजस्व उत्पन्न करना. इसके अलावा रणनीतिक रूप से हम फिल्म सामग्री, संसाधनों, संपत्तियों का मुद्रीकरण कर रहे हैं, अधिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए अपनी समृद्ध फिल्म सूची और स्व-स्वामित्व वाले थिएटरों का लाभ उठा रहे हैं. यह वित्तीय ताकत फिल्म निर्माण में नई प्रतिभाओं के पोषण में सहायता करेगी और आने वाले वर्ष में उद्योग के विकास में योगदान देगी. भारत सरकार का संरक्षण लक्ष्य फिल्म उद्योग की समृद्ध विरासत की पुनर्स्थापना की दिशा में काम करना है और यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय सिनेमा की विरासत भविष्य की पीढ़ियों के लिए बनी रहे. मुंबई में हमारा भारतीय सिनेमा का राष्ट्रीय संग्रहालय (एनएमआईसी) भारतीय सिनेमा के कालातीत खजाने की कलात्मकता और सांस्कृतिक महत्व को प्रदर्शित करने के लिए मंच के रूप में कार्य करता है. अगले वर्ष के दौरान हमारी फिल्म सामग्री व्यापक दर्शक वर्गों के लिए उपलब्ध होगी.

Cine Artistes Welfare Fund of India

On Social front, the Trust formed out of a portion of profit earned from the film Gandhi, in the year 1991 by late Lord Richard Attenborough, is striving to extent financial assistance to old cine artistes above 50 years who have fallen on bad days.

Digital Media

NFDC has expanded its portfolio from just offering Social Media Management services to executing Digital Campaign, Influencer Outreach Programs, Search Engine Optimization (SEO) and Website Development. Going forward, NFDC plans to broaden the scope of our services to Mobile App Development and providing services in sync with latest emerging technologies. With recent trend social outreach and the significance given to Digital Media by various Government Departments, the Digital Media vertical have immense potential of growth.

Preservation

The National Film Archive of India, situated in Pune, India is the institution dedicated to preserving film as art and historical documents. It is the outcome of the Government's realization that films are as valuable as books and other historical documents and that the country's film heritage needs to be preserved for posterity. In addition to the primary charter of acquiring and preserving the heritage of Indian Cinema, it is also one of the declared objectives of the Archive to ensure that the Cultural presence of the Indian Cinema is made more visible across the globe.

Outlook for the next year

The vision of the Government of India dated 23 December 2020 to merge four film media units viz. Films Division (FD), Directorate of Films Festivals (DFF), National Film Archive of India (NFAI) and Children's Film Society India (CFSI) with National Film Development Corporation Limited (NFDC) under which all the operations of CFSI, FD, DFF, NFAI are merged with NFDC last year is helped NFDC to integrate film development and has poised to empower the growth of the Indian film industry. With the merger NFDC has taken the central role in the Indian film ecosystem and now your Company is well equipped to facilitate development, production, distribution, preservation and marketing of films across various Indian languages across the masses. Your Company is reaching out to wide spectrum and venturing into Producing feature films, Animation films, Children's films and documentaries and organizing Film Festivals and Film markets in India and across Globe and Promoting India as a unique filming destination. We are also fostering talent across professions in the Film Industry, enhancing participation in International and Indian film festivals and markets and preservation of filmic content and heritage. The integration of established brands like International Film Festival of India (IFFI), Mumbai International Film Festival (MIFF), National Children's Film Festival (NCFF), International Children's Film Festival of India (ICFFI), and Film Bazaar now allows your Company to build promotional synergies and generate revenue while advancing its mission. Also strategically we are monetizing filmic Contents, resources, assets, leveraging our rich film catalogue and self-owned theatres to achieve greater self-reliance. This financial strength will support the nurturing of new talents in filmmaking and contribute to industry growth in the coming year. The preservation goal of GoI has been working towards restoration of Film Industries rich heritage and ensuring that the legacy of Indian cinema endures for future generations. Our National Museum of Indian Cinema (NMIC) in Mumbai serves as a platform for showcasing the artistry and cultural significance of Indian cinema's timeless treasures. During the next year our Film contents will available more to the wider audience.

चालू वर्ष में कमीशण्ड निर्माण विभाग का लक्ष्य 100.00 करोड़ रुपये है. श्री श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित हमारी बहुप्रतीक्षित फीचर फिल्म "मुजीब- द मेकिंग ऑफ ए नेशन" 27 अक्टूबर, 2023 को भारत और दुनिया भर में रिलीज हुई है, जिसे बंगाली क्षेत्र, बांग्लादेश और अन्य में दर्शकों ने खूब सराहा है. एनएफएआई की संरक्षण प्रयोगशाला भौतिक और रासायनिक रूप से क्षतिग्रस्त और खराब हो रही फिल्म रीलों का सावधानीपूर्वक संरक्षण कर रही है और ये पुनर्स्थापित फिल्में दर्शकों के लिए उपलब्ध होंगी. लगातार जनसंपर्क और रणनीतिक जन आउटरीच गतिविधि के साथ चालू वित्त वर्ष में राष्ट्रीय संग्रहालय, भारत (एनएमआईसी) में दर्शकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है और एनएमआईसी ने विभिन्न ट्रैवल पोर्टलों के साथ गठजोड़ शुरू किया है जहां वे एनएमआईसी को सूचीबद्ध कर रहे हैं और अपने टूर पैकेजों में प्रचार कर रहे हैं. एनएमआईसी ने एक डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी के साथ अनुबंध किया है और सोशल मीडिया हैंडल लोकप्रियता हासिल कर रहा है और इसके पास विशाल बुनियादी ढांचा है और यह विभिन्न माध्यमों से अतिरिक्त राजस्व सृजन के विकल्प तलाश रहा है.

निगमित प्रशासन

कंपनी ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देशों में निर्धारित कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का अनुपालन किया है.

औद्योगिक संबंध

वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंध सद्भावपूर्ण बने रहे.

स्वीकृति

निदेशक मंडल के सभी सदस्यों तथा कंपनी के सभी पदाधिकारियों की ओर से मैं सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय के माननीय केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर और राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरगन, के प्रति उनसे निरंतर मिले मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती हूं. मैं सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री अपूर्व चंद्रा के प्रति भी कंपनी को चलाने में मिले सहयोग एवं विश्वास बनाए रखने के लिए आभार प्रकट करती हूं.

निदेशक मंडल के अपने सहयोगियों, एनएफडीसी के सभी कर्मचारियों एवं कंपनी के स्टेकहोल्डर्स की ओर से मिले मूल्यवान समर्थन और सहयोग के लिए मैं सभी को धन्यवाद देती हूं.

अंतत:, मैं अपना बहुमूल्य समय निकालने और कंपनी के शेयरधारक के रूप में कार्यवाही में भाग लेने के लिए आपको धन्यवाद देना चाहूंगा. मैं आने वाले महीनों में प्रेरणा, मदद, सहयोग और सहायता प्राप्त करने के लिए तत्पर हूं. अब मैं बोर्ड की रिपोर्ट के साथ-साथ लेखापरीक्षित तुलन पत्र और वर्ष 2022-23 के लाभ और हानि विवरण की ओर बढ़ता हूं. यह अनुरोध किया जाता है कि वार्षिक लेखों को अनुमोदित और पारित किया जाए.

दिनांक – 03.11.2023
स्थान – मुम्बई

पृथुल कुमार
प्रबंध निदेशक

The Commissioned Production dept. in the current year is targeting for ₹ 100.00 Crores. Our much awaited Feature Film “Mujib- The Making of a Nation” directed by Shri Shyam Benegal has been released on 27th October, 2023 in India and Worldwide is well received by audience in Bengali region, Bangladesh and others. The conservation lab of NFAI is meticulously conserving the physically and chemically damaged and deteriorating film reels and these restored films will available for the audience. With consecutive public relation and strategic mass outreach activity the footfall at National Museum of Indian Cinema (NMIC) has enhanced drastically in the current fiscal and NMIC has initiated tie up with various travel portals where they are listing NMIC and promote in their tour packages. NMIC signed up a digital marketing agency and the social media handles have been gaining traction and it has huge infrastructure and is exploring for options of additional revenue generation by various means.

Corporate Governance

Company has complied with the conditions of the corporate governance as stipulated in the guidelines on corporate governance for Central Public Sector Enterprises.

Industrial Relations

During the year, industrial relations in your company remained cordial.

Acknowledgement

On behalf of the Board of Directors and all officials of the Company, I would like to convey my sincere gratitude to the Hon’ble Union Minister for Information & Broadcasting, Shri Anurag Singh Thakur and Minister of State for Information & Broadcasting, Dr. L. Murugan, for the immense support and guidance received from them. I am also deeply grateful to Shri Apurva Chandra, Secretary, Ministry of Information & Broadcasting, for his support and trust in the functioning of the Company.

I would also like to express my thanks and appreciation to my esteemed colleagues on the Board and to all employees of NFDC, as also to other stakeholders of the Company for their valuable support and co-operation to the Company.

In conclusion, I would like to thank you for sparing your valuable time and to participate in the proceedings, as a shareholder of the company. I look forward to receive inspiration, help, cooperation and assistance in the coming months. I now move to the Boards’ Report as well as the audited balance sheet and the statement of profit and loss for the year 2022-23. It is requested that the Annual Accounts be approved and adopted.

Date – 03.11.2023
Place – Mumbai

Prithul Kumar
Managing Director

निदेशकों की रिपोर्ट

सेवा में,
अंशधारक
निगम के निदेशक 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिये कम्पनी के लेखा परीक्षित लेखों के साथ अपनी 48वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रसन्नतापूर्वक प्रस्तुत कर रहे हैं.

वर्ष के दौरान कंपनी को पिछले वर्ष 2021-22 के ₹ 185.31 लाख के लाभ की तुलना में ₹ 673.99 लाख का घाटा हुआ है. वर्ष के दौरान अपनी टॉपलाइन को 67.56% तक बढ़ाने में सफल रही.

1. निष्पादन की विशिष्टताएं

1.1 वित्तीय विवरण –

क. वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिये कंपनी की निष्पादन विशिष्टताएं वित्तीय वर्ष 2021-2022, वित्तीय वर्ष 2020-21 तथा वित्तीय वर्ष 2019-2020 के मुकाबले इस प्रकार रहीं –

₹ लाखो में

पैरामीटर्स	Parameters	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
सकल राजस्व	Gross Revenues	12023	7279	6438	11115
ग्रॉस मार्जिन (ईबीआईडी टीए)	Gross Margin (EBIDTA)	234	(612)	162	(707)
कर पूर्व लाभ	Profit before Tax	185	(674)	64	(815)
कुल कीमत	**Net Worth**	**2676**	**2176**	**2850**	**2785**

ख भारत सरकार के 23 दिसंबर 2020 के निर्णय के अनुसार चार फिल्म मीडिया इकाइयों- फिल्म प्रभाग (एफडी), फिल्म समारोह निदेशालय (डीएफएफ), राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, भारत (एनएफएआई) तथा बाल चित्र समिति, भारत (सीएफएसआई) का राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (एनएफडीसी) के साथ विलय किया गया, सीएफएसआई, एफडी, डीएफएफ, एनएफएआई के सभी कार्य एनएफडीसी में विलय कर दिये गये. यह एनएफडीसी को पूरी तरह से एकीकृत फिल्म विकास निगम के रूप में स्थापित करता है, जो भारतीय फिल्म उद्योग के विकास को सशक्त बनाने के लिए तत्पर है.

यह विलय एनएफडीसी को भारतीय फिल्म पारिस्थितिकी तंत्र में केंद्रीय भूमिका निभाने में सक्षम बनाता है. यह एनएफडीसी को विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों के विकास, निर्माण, वितरण और विपणन की सुविधा प्रदान करता है.

एनएफडीसी के अधिदेश में व्यापक स्पेक्ट्रम शामिल है –

- फ़ीचर फ़िल्में, एनिमेशन फ़िल्में, बच्चों की फ़िल्में और वृत्तचित्रों का निर्माण
- भारत में फिल्म समारोहों और फिल्म बाजारों का आयोजन करना
- भारत को एक अद्वितीय फिल्मांकन गंतव्य के रूप में प्रचारित करना.
- फिल्म उद्योग में विभिन्न व्यवसायों की प्रतिभा को बढ़ावा देना.
- अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय फिल्म समारोहों और बाजारों में भागीदारी बढ़ाना.
- फिल्मी सामग्री और विरासत का संरक्षण.

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, भारत (आईएफएफआई) अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, मुम्बई (एमआईएफएफ), राष्ट्रीय बाल चित्र समारोह (एनसीएफएफ), अंतर्राष्ट्रीय बाल चित्र समारोह, भारत (आईसीएफएफआई) तथा फिल्म बाजार जैसे स्थापित ब्रांडों का एकीकरण एनएफडीसी को प्रचारात्मक निर्माण करने की अनुमति देता है. अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए तालमेल बिठाना और राजस्व उत्पन्न करना.

एनएफडीसी की मुद्रीकरण रणनीति में अधिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए अपनी फिल्म कैटलॉग और स्व-स्वामित्व वाले थिएटरों का लाभ उठाना शामिल है. यह वित्तीय ताकत फिल्म निर्माण में नई प्रतिभाओं के पोषण में सहायता करेगी और उद्योग के विकास में योगदान देगी.

Directors' Report

To,
The Shareholders
Your directors are presenting the 48th Annual Report together with Audited Accounts of the Company for the financial year ended March 31, 2023.

During the year your Company has earned a profit of ₹ 185.31 Lakhs in comparison to loss of ₹ 673.99 Lakhs in the previous year 2021-22. The topline has increased by 67.56% during the year.

1. Performance Highlights

1.1 Financial Details –

a. The highlights of performance of the company for the Financial Year 2022-23 as against the performance in FY 2021-22, 2020-21 and FY 2019-20 are as under –

₹ in lakhs

b. Pursuant to the decision of the Government of India dated 23 December 2020 to merge four film media units viz. Films Division (FD), Directorate of Films Festivals (DFF), National Film Archive of India (NFAI) and Children's Film Society India (CFSI) with National Film Development Corporation Limited (NFDC), all functions of CFSI, FD,DFF, NFAI are merged to NFDC. This positions NFDC as a fully integrated film development corporation, poised to empower the growth of the Indian film industry.

The merger enables NFDC to take a central role in the Indian film ecosystem. It equips NFDC to facilitate development, production, distribution, and marketing of films across various Indian languages.

NFDC's mandate encompasses a wide spectrum –

- Producing feature films, Animation films, children's films and documentaries
- Organizing Film Festivals and Film markets in India
- Promoting India as a unique filming destination.
- Fostering talent across professions in the Film Industry.
- Enhancing participation in International and Indian film festivals and markets.
- Preservation of filmic content and heritage.

The integration of established brands such as International Film Festival of India (IFFI), Mumbai International Film Festival (MIFF), National Children's Film Festival (NCFF), International Children's Film Festival of India (ICFFI), and Film Bazaar allows NFDC to build promotional synergies and generate revenue while advancing its mission.

NFDC's monetization strategy involves leveraging its film catalogue and self-owned theatres to achieve greater self-reliance. This financial strength will support the nurturing of new talents in filmmaking and contribute to industry growth.

डिजिटल माध्यम और अपने स्वयं के ओटीटी प्लेटफॉर्म (www.cinemasofindia.com) सहित उभरती प्रौद्योगिकियों पर गहन ध्यान देने के साथ, एनएफडीसी का लक्ष्य वैश्विक अपील के साथ सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण भारतीय फिल्मों के निर्माता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना है.

यह विलय एनएफडीसी की फिल्मी सामग्री को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता से कोई समझौता नहीं करता है. पुनर्स्थापना कार्यक्रम सहित एनएफएआई की गतिविधियां अत्यंत सावधानी से जारी है, यह सुनिश्चित करते हुए कि भारतीय सिनेमा की विरासत भविष्य की पीढ़ियों के लिए बनी रहे. मुंबई में एनएफडीसी का राष्ट्रीय भारतीय सिनेमा संग्रहाल (एनएमआईसी) भारतीय सिनेमा के कालजयी संपदा की कलात्मकता और सांस्कृतिक महत्व को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है.

यह विलय एनएफडीसी के लिए एक परिवर्तनशील यात्रा का प्रतीक है, जो भारतीय सिनेमा के विकास में एक प्रेरक शक्ति बनने के लिए तत्पर है. एनएफडीसी की भूमिका उद्योग विकास से लेकर प्रतिभा विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तक फैली हुई है

1.2 पूंजी संरचना
आपकी कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी ₹ 4540 लाख है और प्रदत्त शेयर पूंजी ₹ 4539 लाख है.

1.3 राशि हस्तांतरित या किसी आरक्षित निधि में स्थानांतरित करने के लिए प्रस्तावित
कंपनी ने 31.03.2023 तक किसी भी राशि को किसी रिजर्व में स्थानांतरित या स्थानांतरित करने का प्रस्ताव नहीं दिया है.

1.4 लाभांश
इस वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए ₹ 1865.41 लाख की संचित हानियों के कारण लाभांश के भुगतान की अनुशंसा नहीं की गई है और 31 मार्च, 2023 तक इसे आगे बढ़ाया गया है.

With a keen focus on emerging technologies, including the digital medium and its own OTT platform (www.cinemasofindia.com), NFDC aims to consolidate its position as a producer of culturally significant Indian films with global appeal.

The merger doesn't compromise NFDC's commitment to preserving filmic content. The activities of NFAI, including the restoration program, continue with utmost care, ensuring that the legacy of Indian cinema endures for future generations. The NFDC's National Museum of Indian Cinema (NMIC) in Mumbai serves as a platform for showcasing the artistry and cultural significance of Indian cinema's timeless treasures.

The merger signifies a transformative journey for NFDC, poised to be a driving force in Indian cinema's evolution. NFDC's role spans from industry growth to talent development and preservation of cultural heritage

1.2 Capital structure
Your company's authorized share capital is ₹ 4540 Lakhs and paid up share capital is ₹ 4539 Lakhs.

1.3 Amount transferred or proposed to transfer to any reserves
Your Company has not transferred or proposed to transfer any amount to any reserve as on 31.03.2023.

1.4 Dividend
Payment of Dividend is not recommended for the financial year 2022-23, due to accumulated losses of ₹ 1865.41 Lakhs being carried forward as on March 31, 2023.

2. वित्तीय समीक्षा

2.1 वित्तीय परिणामों का सार संक्षेप
31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के कंपनी के वित्तीय परिणामों का सार संक्षेप नीचे दिया जा रहा है –

2. Financial Review

2.1 Summary of Financial Results
The summary of financial results of the company for the year ended March 31, 2023 is given below –

₹ लाखो में / ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2022-23	2021-22
सकल आय	Gross Income	12024	7279
ई बी आई डी टी ए	EBIDTA	234	(612)
वित्तीय खर्च	Financial Expenses	0	0
मूल्य -हास एवं परिशोधन	Depreciation & Amortization	48.35	62.09
कर पूर्व लाभ/(हानि)	Profit/(Loss) Before Tax	185.31	(673.99)
आस्थगित कर/कर के लिये प्रावधान आदि	Defferred Tax/Provision for Tax, etc.	315.98	0
करों के बाद लाभ/(हानि)	Profit/(Loss) After Tax	501.29	(673.99)
घटाएं – लाभ/(हानि) आगे लाया गया	Less – Profit/(loss) Brought forward	(2366.70)	(1692.71)
तुलन पत्र पर शेष लाया गया	Balance Carried to Balance Sheet	(1865.41)	(2366.70)

2.2 विकास
बाल चित्र समिति, भारत, फिल्म प्रभाग, राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, भारत तथा फिल्म समारोह निदेशालय, जैसी मीडिया इकाइयों के विलय से भविष्य के वर्षों में एनएफडीसी की परिचालन क्षमता में कई गुना वृद्धि होगी और कंपनी के उच्च स्तर के तालमेल और परिचालन दक्षता और प्रॉडक्ट बास्केट लाने की संभावना है.

2.2 Growth
The on-going merger of the media units like Children Film Society of India, Film Division, National Film Achieve of India and Directorate of Film Festivals Company has enhanced operational synergy and avenues p genre of NFDC many folds in future years and is likely to bring in higher level of synergy and operational efficiency and product basket of the company.

2.3 सकल स्वामित्व
वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी की कुल संपत्ति पिछले वर्ष के 2176 लाख रुपये के मुकाबले 2676.91 लाख रुपये है.

2.4 विदेशी मुद्रा (संरक्षण तथा निर्गामी व्यय)
आय के साधन फिल्म स्क्रीनिंग/ब्रॉडकास्ट राइट्स/लाइसेंस फीस/रॉयल्टी इन्कम आदि हैं. कन्सल्टिंग फीस/रजिस्ट्रेशन फीस/स्टाफ की यात्राओं आदि द्वारा व्यय होता है.
विवरण निम्नानुसार है –

2.3 Net Worth
The net worth of the company for the financial year 2022-23 is ₹ 2677 Lakh against ₹ 2176 Lakhs in the previous year.

2.4 Foreign Exchange (Earnings and Outgo)
Earnings are from Film Screening/Broadcasting rights/ License Fee/Royalty Income, etc. Expenditure is from Consultancy Fee/Registration Fee/Staff Traveling etc. The details are as under –

₹ लाखो में ₹ in lakhs

वित्त वर्ष Financial Year	आय Earnings	व्यय Expenditure
2022-23	₹ 72.48 Lakhs	₹ 384.79 Lakhs
2021-22	₹ 115.27 Lakhs	₹ 147.92 Lakhs

3. वार्षिक रिटर्न

कंपनी अधिनियम 2013 के धारा 92(3) के अंतर्गत वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी की वार्षिक रिटर्न्स वेबसाइट www.nfdcindia.com/कॉर्पोरेट परफॉर्मेंस पर दर्शायी जाती हैं. अनुबंध - III

4. निदेशकों का दायित्व संबंधी वक्तव्य

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134(3) (क) के अनुसार यह पुष्ट किया जाता है कि –

i. 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए समय के हिसाब किताब का वार्षिक लेखा तैयार करने में हिसाब किताब के वही मानदंड अपनाये गये हैं जो आमतौर पर अपनाये जाते हैं. साथ में वित्तीय विवरणों से संबंधित आवश्यक स्पष्टीकरण भी दे दिये गये हैं.

ii. हिसाब किताब के संबंध में उन्हीं नीतियों का चुनाव किया गया तथा सुसंगत रूप में लागू किया और अनुमान एवं निर्णय लिये गये जो सही तथा तथ्यपरक हैं, जो कंपनी के मामलों का सही और सच्चा विवरण देने में समर्थ हैं, कंपनी के वित्तीय वर्ष के अंत में और लाभ अथवा हानि का सही और सच्चा विवरण देते हैं.

iii. कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह की अनियमितताओं तथा जालसाजी आदि को रोकने के लिये लेखे जोखे का रिकॉर्ड कंपनी अधिनियम 2013 की प्रावधानों के अनुरूप पर्याप्त रूप से रखा गया है और इसकी देखभाल के लिये पर्याप्त इंतजाम किये हैं.

iv. वार्षिक लेखे जोखे का विवरण संचलित संस्थान के आधार पर तैयार किया गया है.

v. सभी लागू नियमों के प्रावधानों का भली भांति अनुपालन करने के लिए समुचित कार्यप्रणाली विकसित कर ली गई है और यह कार्यप्रणाली पर्याप्त रूप से प्रभावशाली है.

5. कंपनी की गतिविधियां

5.1 फिल्म निर्माण
निगम के मुख्य उद्देश्यों मे से एक अच्छे सिनेमा का निर्माण करना है, इस संदर्भ में कंपनी सूचना और प्रसारण मंत्रालय की उप योजना "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण" के तहत "फिल्मी सामग्री का विकास संचार और प्रसार" (डीसीडीएफसी) योजना निष्पादित करती है. एनएफडीसी को "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण" योजना के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से क्षेत्रीय फिल्म के लिए 0.74 करोड़, उत्तर पूर्वी भाषा फीचर फिल्म, वृत्तचित्र और लघु एनीमेशन फिल्म के निर्माण के लिए 11.99 करोड़ और एकेएएम के लिए 5.32 करोड़ मिले हैं. वर्ष के दौरान, निम्नलिखित गतिविधियाँ की गई –

3. Annual Return

As required under the provisions of the Section 92(3) of the Companies Act, 2013, the Annual Return of the Company for 2022-23 is displayed on the website www.nfdcindia.com/ corporate performance. Annexure - III

4. Directors' Responsibility Statement

Pursuant to Section 134 (3) (c) of the Companies Act, 2013, it is hereby confirmed that –

i. In the preparation of the Annual Accounts for the period ended March 31, 2023, the applicable accounting standards have been followed, along with proper explanation relating to material departures.

ii. Such accounting policies are selected and applied consistently, and judgments and estimates made that are reasonable and prudent, so as to give a true and fair view of the state of affairs of the company at the end of the financial year, and of the profit or loss of the company for that period.

iii. Proper and sufficient care is taken for maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013, for safeguarding the assets of the company, and for preventing and detecting fraud and other irregularities.

iv. The annual accounts have been prepared on a going concern basis.

v. Proper systems have been devised to ensure compliance with the provision of all applicable laws and that such systems were adequate and operating effectively.

5. Activities of The Company

5.1 Film Production
One of main object of the Corporation is to produce good cinema, in this context the company executes the scheme "Development Communication and Dissemination of Filmic Content" (DCDFC) under the sub scheme "Production of films in various Indian languages" of the Ministry of Information & Broadcasting, Government of India. NFDC has received ₹ 0.74 Crores for Regional Film, ₹ 11.99 Crores for production of North Eastern language feature film, documentary & short animation film and ₹ 5.32 crores for AKAM from the Ministry of Information & Broadcasting for the scheme "Production of films in various Indian languages." During the year, the following activities have been carried out –

1. मुजीब – द मेकिंग ऑफ ए नेशन (बांग्ला) वर्तमान में पोस्ट-प्रोडक्शन के तहत है, यानी कलर करेक्शन, दृश्य प्रभाव (वीएफएक्स), ध्वनि डिजाइनिंग आदि के साथ डिजिटल इंटरमीडिएट (डीआई) का कार्य जारी है और उम्मीद है कि फिल्म जल्द ही पूरी हो जाएगी.

2. तेलुगु फिल्म कोरंगी पहली बार निर्देशक बने श्री के जयदेव द्वारा निर्देशित नुन्ची पूरी हुई है तथा इसे सीबीएफसी द्वारा प्रमाणित किया गया है.

3. श्री हाओबम पबन कुमार द्वारा निर्देशित मणिपुरी फीचर फिल्म जोसफकी माचा की मुख्य फोटोग्राफी सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है तथा फिल्म पोस्ट प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है.

4. एनएफडीसी की पहली एनीमेशन फीचर फिल्म पेड पे कमरा (हिंदी) का सह-निर्माण करार सह-निर्माता पेपरबोट स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया गया है और फिल्म प्री-प्रोडक्शन के तहत है.

5. आजादी का अमृत महोत्सव के लिए फीचर फिल्म, वृत्तचित्र और एनीमेशन श्रृंखला के निर्माण के लिए एनएफडीसी को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से 5.32 करोड़ रुपये प्राप्त हुए.

6. हिंदी एनिमेशन सीरीज भारती और बिबो (भारती एंड हर मैजिकल वोर्म) आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में. सह-निर्माता पपेटिका मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ सह-निर्माता करार पर हस्ताक्षर किए गए. प्राथमिक एपिसोड निर्माणाधीन है.

7. एकेएएम पर ब्रेकिंग द फोर्थ वॉल एंड बियॉन्ड द ग्लैमर नामक डॉक्यूमेंट्री फिल्म के निर्माण के लिए सह-निर्माण करार पर एनएफडीसी द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा.

8. एनएफडीसी को वृत्तचित्र फिल्मों के निर्माण के लिए 145 आवेदन प्राप्त हुए हैं और इसने बाल फिल्मों के निर्माण और सह-निर्माण हेतु एक अलग विंडो ओपन की है.

9. एनएफडीसी को एनई फिल्म निर्माताओं के लिए पूर्वोत्तर भाषाओं में फीचर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री फिल्म और एनिमेटेड लघु फिल्म के निर्माण के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से ₹ 11.99 करोड़ का मंजूरी आदेश प्राप्त हुआ है. एनएफडीसी ने इसके लिए अलग विंडो खोली है जो फिलहाल चल रही है.

10. एनएफडीसी ने इंद्राणी चक्रवर्ती द्वारा निर्देशित बंगाली फीचर फिल्म छाद का निर्माण किया जिसने 28 वें कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2022 में विशेष जूरी पुरस्कार जीता. इसे 14 जनवरी से 22 जनवरी 2023 तक आयोजित 21 वें ढाका अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, बांग्लादेश में भी प्रदर्शित किया गया था.

5.5 विज्ञापन फिल्म निर्माण और संचार

5.2.1 कंपनी ने सभी प्लेटफार्मों पर विज्ञापन संचार के निर्माण और प्रसार के लिए 360-डिग्री एकीकृत मीडिया सेवा प्रदाता के रूप में स्थापित किया है. हमारे व्यवसाय संचालन में महत्वपूर्ण डोमेन में से एक में सरकार के लिए विज्ञापन और संचार का निर्माण शामिल है. इस कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आपकी कंपनी द्वारा प्रदान की जाने वाली मुख्य सेवाएँ हैं –

- रेडियो प्रोडक्शन में रेडियो स्पॉट, रेडियो सुविधाएँ, प्रायोजित रेडियो कार्यक्रम, गान, जिंगल्स शामिल हैं.
- फिल्म निर्माण में टीवीसी, कॉर्पोरेट फिल्में, प्रशिक्षण फिल्में और मॉड्यूल एनिमेशन फिल्में और वर्चुअल टूर शामिल हैं
- वेब डिजाइन और प्रबंधन
- प्रिंट डिज़ाइन
- इवेंट मैनेजमेंट

1. Mujib – The Making of a Nation (Bangla) currently under Post-production, i.e. Digital Intermediate (DI) with color corrections, Visual effects (VFX), sound designing etc. are on-going and expecting the completion of film soon.

2. Telugu film Korangi Nunchi directed by the first-time director Mr. K Jayadev has been completed and certified by the CBFC.

3. Josephki Macha Manipuri feature film directed by Mr. Haobam Paban Kumar the principal photography has been successfully completed and film is under final stage of Post Production.

4. Co-Production agreement of the NFDCs First Animation Feature Film Ped Pe Kamra (Hindi) has been signed with co-producer Paperboat Studio Pvt. Ltd. and the Film is under pre-production.

5. NFDC received ₹ 5.32 Crores from the Ministry of Information & Broadcasting for production of feature film, documentary and animation series for Azadi Ka Amrit Mahotsav.

6. Hindi Animation Series Bharti Aur Bibo (Bharti and her Magical Worm) under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsav. The Co-production agreement was signed with the co-producer Puppetica Media Pvt. Ltd. Pilot episode is under production.

7. NFDC will sign co-production agreement for production of documentary film titled Breaking the Fourth Wall and Beyond the Glamour on AKAM.

8. NFDC has received 145 application for production of documentary films and opened a separate window for production and co-production of Children films.

9. NFDC has received sanction order for ₹ 11.99 Crores from the Ministry of Information & Broadcasting for production of feature film, documentary film and animated short film in North Eastern languages for NE filmmakers. NFDC has opened separate window for the same which are currently on going.

10. NFDC produced Bengali feature film Chhaad directed by Ms. Indrani Chakrabarty won Special Jury Award at 28th Kolkata International Film Festival 2022. It was also screened in 21st Dhaka International Film Festival, Bangladesh held on 14th January to 22nd January, 2023.

5.2 Advertisement Film Production and Communication

5.2.1 Your Company has adeptly positioned itself as a 360-degree integrated media service provider for the creation and dissemination of advertising communication across platforms. One of the pivotal domains in our business operations involves producing advertising and communication for the Government. The main services provided by your Company under this vertical are –

- Radio Production includes radio spots, radio features, sponsored radio programes (SRP), anthems, jingles
- Film Production includes TVCs, corporate films, training films and modules animation films and virtual tours
- Web Design and Management
- Print Design
- Event Management

- निम्नलिखित और अन्य उपभोक्ता/लक्षित जुड़ाव गतिविधियां

5.2.2. वित्त वर्ष 2022-23 में खण्डीय कार्य निष्पादन –

₹ करोड़ में

	अवधि	कार्यादेश प्राप्त	कमीशण्ड निर्माण से आय (₹)
1.	अप्रैल 2022 – मार्च 2023	167	50,21,52,874

कमीशण्ड निर्माण व्यवसाय 2022-23 में विकसित हुआ तथा 10-20% की वृध्दि हुई है और 167 से अधिक परियोजनाओं को सेवा प्रदान की गई है.

5.2.3 किए गए कार्यों की प्रमुख झलकियां इस प्रकार हैं –

5.2.3.1 इवेंट प्रबंधन
आपकी कंपनी ने 7 अप्रैल 2022 को लाल किले में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के 75 दिनों के जश्न के लिए मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया. एमडीएनआईवाई) ने अपने विभिन्न हितधारकों के साथ 100 दिनों की काउंटडाउन योजना बनाई थी जिसमें 100 संगठनों ने 13 मार्च 2022 से 100 स्थानों, शहरों में योग को बढ़ावा दिया. कार्यक्रम का उद्घाटन श्री ओपी बिड़ला, माननीय अध्यक्ष, लोकसभा द्वारा किया गया. कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय मंत्री, माननीय सांसद, राजदूत, खेल हस्तियाँ, प्रख्यात योग गुरु, सचिव, संयुक्त सचिव और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. इस आयोजन में लगभग 2000 योग उत्सुक शामिल हुए.

5.2.3.2 काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडॉर पर लघु फिल्म और वृत्तचित्र फिल्में
विश्वनाथ के लिए यूपी सरकार की ओर से 08 लघु फिल्मों का निर्माण किया गया. वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडॉर परियोजना प्रतिष्ठित काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा नदी के घाटों को जोड़ती है. इस परियोजना का उद्देश्य घाटों और मंदिर के बीच तीर्थयात्रियों और भक्तों की आसान आवाजाही सुनिश्चित करना है . फिल्म में यूपी सरकार के विकास पर प्रकाश डाला गया है.

5.2.3.3 21 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस के अवसर पर प्रेरणादायक लघु फिल्में
प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने 21 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस हेतु एनएफडीसी को मुख्य वृत्तचित्र फिल्म, 16 उद्धरण फिल्में और प्रत्येक 3-5 मिनट की 16 लघु फिल्मों के निर्माण का कार्य सौंपा. माननीय प्रधान मंत्री द्वारा हर साल देश के कई सार्वजनिक सेवा विभागों में लगे अधिकारियों के प्रयासों को स्वीकार करने के लिए. सभी फिल्मों को बहुत ही सीमित समय पर शूट किया जाता है और 10-12 दिनों की अवधि के भीतर स्क्रिप्ट से अंतिम डिलीवरी तक पहुंचाया जाता है.

5.2.3.4 नुक्कड़ नाटक राष्ट्रीय एससी-एसटी हब के लिए
एमएसएमई ने एनएफडीसी को पूरे देश में 500 विभिन्न स्थानों पर 100 बड़े पैमाने के समूहों में राष्ट्रीय एससी-एसटी हब के लिए जागरूकता फैलाने हेतु नुक्कड़ नाटक को कार्यान्वयन और व्यवस्थित करने का काम सौंपा.

5.2.3.5 टीवीसी सेलेब्रिटी के साथ जुड़ाव
दुर्घटना, एयर बैग और हेल्मेट पर श्री अक्षय कुमार के साथ सड़क सुरक्षा पर 03 टीवीसी का निर्माण किया.

5.2.3.6 स्वास्थ और परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए निर्माण
इस विषय पर एक लघु वीडियो तैयार किया गया था - स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, माननीय प्रधान मंत्री ने 35 पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र राष्ट्र को समर्पित किए.

- Below-the-line and Other Consumer/Target Engagement Activities

5.2.2. The performance of the segment in FY 2022-23 –

₹ in crore

	Period	Work orders Received	Income from Commissioned Production (₹)
1.	April 2022 – March 2023	167	50,21,52,874

The commissioned production business has evolved in 2022-23 and grew by 10- 20% and serviced more than 167 projects.

5.2.3 Major highlights of work done are as under –

5.2.3.1 Event Management
Your Company executed an event for Morarji Desai National Institute of Yoga- Celebration of 75 Days to International Day of Yoga (IDY) at Red Fort on 7th April 2022. MDNIY with its various stakeholders had chalked out a 100 days countdown wherein 100 organisations promoted yoga in 100 places, cities starting from 13th March 2022. The programme was inaugurated by Shri O P Birla, Hon'ble Speaker, Lok Sabha. The programme was graced by Hon'ble Union Ministers, Hon'ble MPs, Ambassadors, Sports Celebrities, Eminent Yoga gurus, Secretaries, Joint Secretaries and senior officers of the government of India. Around 2000 yoga enthusiasts joined this event.

5.2.3.2 Short film and documentary films on Kashi Vishwanath Dham Corridor
08 Short films were produced for the UP government for Kashi Vishwanath Dham Corridor. The Kashi Vishwanath Temple Corridor project in Varanasi connects the iconic Kashi Vishwanath temple and the ghats along the river Ganga. The project is aimed at ensuring easy movement of pilgrims and devotees between the ghats and the temple. The film highlighted the development by UP govt.

5.2.3.3 Inspirational short films on the occasion of National Civil Services Day on April 21, 2022
The Department of Administrative Reforms and Public Grievances commissioned NFDC the task of production of one main documentary film, 16 citation films and 16 short films of 3-5 mins each, for the National Civil Services Day on April 21, 2022. The awards are given every year by the Hon'ble Prime Minister to acknowledge the efforts of officers engaged in several public service departments in the country. All the films are shot on a very tight timeline and delivered from script to final delivery within a span of 10-12 days.

5.2.3.4 Nukkad Natak for National SC-ST Hub
MSME assigned NFDC to execute and organise Nukkad Natak for conducting awareness for National SC-ST Hub at 500 various locations in 100 large scale clusters throughout the country.

5.2.3.5 TVC engaging with Celeb
The 03 TVCs were produced on Road Safety with engagement of celebrity Sh Akshay Kumar on Accident, Airbag and Helmet.

5.2.3.6 Production for Ministry of Health and Family Welfare
A short video was produced on the topic- Strengthening health infrastructure, Honorable Prime Minister dedicates 35 PSA Oxygen Plants to the nation.

5.2.3.7 पशुओं को प्रभावित करने वाली वायरल बीमारी पर जागरूकता
पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार 2022 के लिए लम्पी त्वचा रोग (एलएसडी) पर 01 लघु फिल्में.

5.2.3.8 भारतीय नौसेना द्वारा विभिन्न परियोजनाएँ
आईएनएस शिवालिक के लिए जहाज निर्माण और समुद्र में जीवन में आत्मनिर्भर भारत को दर्शाने वाली प्रमोशनल फिल्म और टीज़र फिल्म का निर्माण और डबिंग. बाद में नौसेना दिवस 2022 के लिए और भी फिल्में बनाई गईं, जिनमें भारतीय नौसेना, रक्षा मंत्रालय के लिए वृत्तचित्र फिल्में और टीवीसी शामिल थीं. एनएफडीसी ने भारतीय नौसेना, रक्षा मंत्रालय के लिए पूर्वी नौसेना कमान की यात्रा को दर्शाने वाली 4 फिल्मों का भी निर्माण किया.

5.2.3.9 पूरे भारत में बड़े पैमाने पर नुक्कड़ नाटक
एनएफडीसी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के लिए भारत के आकांक्षी जिलों में जागरूकता पैदा करने और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पूरे भारत में स्ट्रीट प्ले (नुक्कड़ नाटक) का आयोजन किया. नाटक के 263 शो सफलतापूर्वक पूरे किए गए और शो के जियो-टैग किए गए चित्रों और वीडियो के माध्यम से मंत्रालय के पास एक समापन रिपोर्ट दाखिल की गई.

5.2.3.10 ईसीआई के साथ जुड़ाव
एनएफडीसी ने चुनाव प्रबंधन पर विभिन्न विषयों पर 10 लघु फिल्मों के निर्माण के लिए भारत के चुनाव आयोग के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए. एमओयू पर 8 सितंबर, 2022 को हस्ताक्षर किए गए थे.

5.6 फिल्म सुविधा कार्यालय (एफएफओ)

5.3.1 फिल्म सुविधा कार्यालय का अवलोकन
एफएफओ केंद्र सरकार के प्रमुख मंत्रालयों/विभागों और 36 राज्य सरकारों में नोडल अधिकारियों के सामंजस्यपूर्ण इकोसिस्टिम के साथ, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू फिल्म निर्माताओं दोनों के लिए ऑनलाइन सिंगल विंडो अनुमति सुविधा तंत्र के रूप में कार्य करना जारी रखता है. वर्ष 2016 से 33 देशों से 144 अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं (फीचर फिल्म, टीवी/वेब शो और श्रृंखला) को भारत में फिल्म बनाने की अनुमति दी गई थी. जिनमें से 13 परियोजनाओं को विभिन्न देशों के साथ भारत सरकार द्वारा हस्ताक्षरित ऑडियो विजुअल सह-निर्माण करारों के तहत आधिकारिक सह-निर्माण के रूप में मान्यता दी गई.

एफएफओ की स्थापना हेतु सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और एनएफडीसी के बीच एमओयू को 15 जून 2022 को नवीनीकृत किया गया था. इसने एफएफओ के कार्यक्षेत्र का विस्तार किया जिसमें आयोजनों की अनुमति के लिए सिंगल विंडो बनाना तथा देश में थिएटर स्थापित करना शामिल था. 1 जनवरी 2023 को प्रमोशन और आउटरीच में इन्वेस्ट इंडिया की संस्थागत विशेषज्ञता का लाभ उठाने के उद्देश्य से एफएफओ के कार्यों को इन्वेस्ट इंडिया, भारत की राष्ट्रीय निवेश संवर्धन एजेंसी द्वारा संभाल लिया गया था.

5.3.2 गतिविधियां
1. भारत में आधिकारिक ऑडियो-विज़ुअल सह-निर्माण और विदेशी फिल्मों के निर्माण के लिए प्रोत्साहन की घोषणा - भारत में विदेशी फिल्मों के आधिकारिक ऑडियो-विज़ुअल सह-निर्माण और शूटिंग के लिए प्रोत्साहन योजना की घोषणा सूचना और प्रसारण तथा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माननीय मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा 18 मई को की गई. यह योजना, जोकि भारत में किए गए योग्य निर्माण व्यय पर 35% तक की छूट प्रदान करती है जिसका उद्देश्य पसंदीदा फिल्मांकन गंतव्य के रूप में भारत की वैश्विक स्थिति को बढ़ाना तथा एक सामग्री केंद्र के रूप में भारत की क्षमता को उजागर करना है.

5.2.3.7 Awareness on viral disease that affected cattle
01 Short films on Lumpy Skin Disease (LSD) for National Gopal Ratna Awards 2022, commissioned by the Department of Animal Husbandry and Dairying.

5.2.3.8 Various projects by Indian Navy
The Production and dubbing of promotional film and teaser film depicting Atmanirbhar Bharat in shipbuilding and life at sea for INS Shivalik. Later more, films were produced for Naval Day 2022 including documentary films and TVCs for the Indian Navy, Ministry of Defence. NFDC also produced 4 films depicting the journey of Eastern Naval Command for the Indian Navy, Ministry of Defence.

5.2.3.9 Street Plays across India in large scale
NFDC conducted Street Plays (Nukkad Nataks) across India to create awareness and promote entrepreneurship in aspirational districts of India for the Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises. 263 shows of the play were successfully completed and a completion report filed with the Ministry by way of Geo-tagged Pictures and videos of the shows.

5.2.3.10 Association with ECI
NFDC signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Election Commission of India for the production of 10 short films on various themes on election management. The MoU was signed dated 8th September, 2022.

5.3 Film Facilitation Office (FFO)

5.3.1 Overview of the Film Facilitation Office
With a cohesive ecosystem of Nodal officers, in Key Central Government Ministries/Departments and across 36 State Governments, the FFO continues to act as an Online Single Window Permission Facilitation Mechanism for both international and domestic filmmakers. Since 2016, 144 international projects (Feature Films, TV/Web shows and series) from across 33 countries were accorded permissions to film in India. Out of which 13 projects were recognized as official co-production under the Audio-Visual co-production treaties signed by Government of India with various countries.

The MOU between Ministry of I&B and NFDC for establishing the FFO was renewed on 15th June 2022. This expanded the mandate of the FFO which included creating a single window for events permissions and for establishing Theatres in the country. On 1st January 2023, the functions of the FFO were taken over by Invest India, India's National Investment Promotion Agency with a view to leverage Invest India's institutional expertise in promotion and outreach.

5.3.2 Activities
1. Announcement of Incentives for Official Audio-visual Coproduction and for Production of Foreign Films in India - The scheme of Incentives for Official Audio-visual co-production and Shooting of Foreign films in India was announced by the Hon'ble Minister of Information and Broadcasting and Youth Affairs & Sports. Government of India, Mr. Anurag Singh Thakur on 18th May. The scheme, which provides a rebate of up to 35% of Qualifying Production Expenditure incurred in India, aims to enhance India's global positioning as a preferred filming destination and to unleash the potential of India as a content hub.

2. अंतर्राष्ट्रीय अनुप्रयोगों की प्रक्रिया: वित्तीय वर्ष 2022-23 में 33 अंतर्राष्ट्रीय आवेदन प्राप्त हुए और संसाधित किए गए, जिनमें एक्सट्रैक्शन 2 (फीचर फिल्म), द अमेजिंग रेस- ऑस्ट्रेलिया, द अमेजिंग रेस यूएस (रियलिटी टीवी शो/श्रृंखला) आदि जैसी उल्लेखनीय परियोजनाएं शामिल थीं. जिनमें से 4 परियोजनाओं को आधिकारिक सह-निर्माण का दर्जा दिया गया - कौर (फीचर फिल्म) और सॉन्ग ऑफ द स्किन (फीचर फिल्म) इंडो-यूके, गर्ल विल बी गर्ल्स (फीचर फिल्म) इंडो-फ्रेंच, और सुपर बर्नार्ड (एनिमेटेड फीचर फिल्म)) इंडो-स्पेन को आधिकारिक सह-निर्माण का दर्जा दिया गया.

3. एएसआई और रेल्वे के आवेदनों सहित 28 घरेलू आवेदनों को संसाधित किया गया.

4. प्रोत्साहन राशि का वितरण

- वितरित – विरासत (विदेशी निर्माण के लिए प्रोत्साहन राशि 1.03 करोड़ रुपये)

- 2 परियोजनाओं को अंतरिम मंजूरी – गर्ल्स विल बी गर्ल्स (आधिकारिक सह-निर्माण के लिए प्रोत्साहन राशि 1.59 करोड़) और सिस्टर मिडनाइट (विदेशी निर्माण के लिए प्रोत्साहन राशि 2.5 करोड़ रुपये)

5. इंटरनेशनल आउटरीच – एफएफओ ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय फिल्म बाजारों में भाग लिया जैसे - मार्चे डु कान्स 2022, मई 2022; जून 2022 में एमआईएफए, एनेसी; वेनिस प्रोडक्शन ब्रिज, अगस्त 2022; टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) – सितंबर 2022 और एमआईपीओएम कान्स, अक्टूबर 2022. साझेदारी का मुख्य उद्देश्य नई घोषित प्रोत्साहन योजना को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं के लिए भारत में फिल्म की पहल को दोहराना था. निर्माताओं, प्रोडक्शन हाउसों और स्टूडियो को लक्षित करते हुए एक सफल और दृश्यमान अभियान बनाने के लिए विभिन्न ब्रांडिंग और विज्ञापन गतिविधियाँ शुरू की गई, जिनमें शामिल हैं – कान्स, वेनिस और टोरंटो में वेन्यू पर भारत में लक्षित फिल्म ब्रांडिंग, एफएफओ के प्रकाशनों का प्रसार, पेन ड्राइव और प्रोत्साहन राशि की घोषणा करने वाली फिल्म. प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार पत्रिकाओं जैसे स्क्रीन इंटरनेशनल, द हॉलीवुड रिपोर्टर (टीएचआर) और वैरायटी के संस्करणों में भी विज्ञापन अभियान चलाया गया, केएफटीवी लोकेशंस गाइड और भारतीय व्यापार पत्रिका पिकल के साथ संपादकीय टाई-इन.

6. घरेलू आउटरीच

i. फ़िल्म बाज़ार 2022 में भागीदारी

a) फिल्म बाजार में ब्रांडिंग सक्रियता और विभिन्न प्रकाशनों के माध्यम से एफएफओ का विपणन - एफएफओ ने फिल्म बाजार में विभिन्न स्थानों पर ब्रांडिंग सक्रियता शुरू की और साथ ही फिल्म बाजार में अपने प्रकाशन वितरित किए जिसमें स्टेप बाय स्टेप गाइड और फिल्मांकन प्रोत्साहन शामिल थे. फिल्म बाजार 2022 के प्रतिनिधि बैग में फिल्म इन इंडिया ब्रांडिंग के साथ एक पेन ड्राइव भी वितरित की गई. यह उपस्थित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के बीच एफएफओ की सेवाओं को बढ़ावा देने के प्रयास से किया गया था.

b) आउटरीच प्रयासों के एक हिस्से के रूप में एफएफओ ने फिल्म बाजार में एक अलग कार्यालय भी बनाया जहां उसने फिल्म निर्माताओं के साथ अपनी सभी बैठकें कीं और सरकार की प्रोत्साहन योजना और फिल्म इन इंडिया पहल को प्रदर्शित करने के लिए स्थान का लाभ उठाया.

c) फिल्म कार्यालय (पैवेलियन्स) - फिल्म बाज़ार के दौरान एफएफओ ने 13 राज्य सरकारों (बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, पंजाब, पुडुचेरी, तमिलनाडु, उत्तर

2. Processing of International Applications – 33 International applications were received and processed in the financial year 2022-23 which included notable projects like Extraction 2 (Feature Film), The Amazing Race - Australia, The Amazing Race US (Reality TV show/series) etc. Out of which 4 Projects were granted official co-production status - Kaur (Feature film) & Song of the Skin (Feature Film) Indo- UK, Girl Will Be Girls (Feature film) Indo-French, and Super Bernard (animated feature film) Indo – Spain was granted official Co-production status.

3. Processed 28 Domestic Applications, including applications from ASI and Railways.

4. Disbursal of Incentives

- Disbursed – Inheritance (Incentives for Foreign Production amounting to ₹ 1.03 Crore)

- Interim approval to 2 projects – Girls will be Girls (Incentives for Official co-production amounting to 1.59 Crore) and Sister Midnight (Incentives for Foreign Production amounting to ₹ 2.5 Crore)

5. International Outreach – FFO participated in various international film markets such as – Marche du Cannes 2022, May 2022; MIFA, Annecy in June 2022; Venice Production Bridge, August 2022; Toronto International Film Festival (TIFF) – September 2022 and MIPCOM Cannes in October 2022. The main objective of the participation was to promote the newly announced Incentives scheme and reiterate the Government's Film in India initiative to international filmmakers. To create a successful and visible campaign targeting producers, production houses and studios various branding and advertisement activities were undertaken which included – targeted Film in India Branding at the Venue in Cannes, Venice and Toronto, dissemination of FFO's Publications, Pen Drive and Film announcing the incentives. Advertisements campaign was also taken in editions of leading international trade magazines namely Screen International, The Hollywood Reporter (THR) and Variety, editorial tie-up in KFTV locations guide and with an Indian trade magazine Pickle.

6. Domestic Outreach

i. Participation in Film Bazaar 2022

a) Marketing of FFO through branding activations and various Publications at Film Bazaar – The FFO took up branding activations at various spots in Film Bazaar as well as distributed its publications at Film Bazaar which included the Step-by-Step Guide and Filming Incentive. A pen drive with the Film in India branding was also distributed in the delegate bags of Film bazaar 2022. This was done with an effort to promote the services of the FFO to the various national and international delegates present.

b) As a part of the outreach efforts, the FFO also took a separate Office at Film Bazaar wherein it held all its meetings with filmmakers and leveraged the space for showcasing the Government's Incentives Scheme and Film in India initiative.

c) Film Offices (Pavilions)- The FFO coordinated and managed the participation of 13 State Governments (Bihar, Chhattisgarh, Delhi, Gujarat, Jharkhand, Madhya Pradesh, Maharashtra, Manipur, Punjab, Puducherry, Tamil Nadu, Uttar Pradesh, Uttarakhand),

प्रदेश, उत्तराखंड) 3 देश (दुबई, फ्रांस और रशिया) तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयाँ की भागीदारी का समन्वय और प्रबंधन किया.

d) उत्तराखंड राज्यों के लिए नॉलेज सीरीज सत्रों का आयोजन किया, जिसमें उनके राज्य को और अधिक फिल्म अनुकूल बनाने और फिल्म बिरादरी को अपने राज्य में आकर शूटिंग करने के लिए आमंत्रित करने की दिशा में की गई पहल पर प्रकाश डाला गया. सह-निर्माण बाजार और निर्माण कार्यशाला में राज्यों के लिए विशेष सत्र भी आयोजित किए गए.

ii. शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) फिल्म महोत्सव (27-31 जनवरी 2023), मुंबई में प्रतिभागिता

a) एफएफओ ने एससीओ फिल्म फेस्टिवल में मंडप लेकर 3 राज्यों (दिल्ली, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र) की प्रतिभागिता का आयोजन किया.

b) एफएफओ ने मंत्रालय द्वारा विदेशी प्रस्तुतियों और आधिकारिक सह-निर्माणों को दी जाने वाली प्रोत्साहन योजना को और बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक पैवेलियन स्थान भी लिया.

c) एफएफओ, इन्वेस्ट इंडिया ने भारत के साथ सहयोगी सामग्री परियोजनाओं की खोज में एससीओ सदस्य देशों को शामिल करने के लिए एससीओ फिल्म फेस्टिवल 2023, मुंबई, भारत में भाग लिया. एफएफओ ने भारत और एससीओ तक पहुंच पर एक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया - भारत में फिल्मांकन और उसके साथ सह-निर्माण के लिए प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ उठाकर फिल्मांकन मनोरंजन क्षेत्र में भारतीय और एससीओ क्षेत्र के बीच सहयोग की खोज करना. गोलमेज बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त सचिव (एमआईबी) ने की. प्रतिभागियों में एससीओ देशों के अंतरराष्ट्रीय जूरी सदस्य और भारतीय उद्योग के प्रतिनिधि शामिल थे.

d) एफएफओ ने सरलीकरण, प्रोत्साहन और गंतव्य भारत को बढ़ावा देने पर पैनल चर्चा भी आयोजित की. पैनल का संचालन श्री नितिन तेज आहूजा, सीईओ प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया द्वारा किया गया और अन्य वक्ताओं में श्री पृथुल कुमार, एमडी एनएफडीसी, श्री आशीष सिंह और श्री अरफी लांबा निर्माता शामिल थे. वक्ताओं ने इस तथ्य पर जोर दिया कि भारत में फिल्मांकन को बढ़ावा देने के लिए एफएफओ और प्रोत्साहन योजना के माध्यम से नीतिगत ढांचा मौजूद है और इसे सफल बनाने के लिए सभी हितधारकों की ओर से ठोस प्रयास करने की जरूरत है.

iii. पूर्वोत्तर फिल्म महोत्सव 2023, मुंबई में सहभागिता - सिक्किम फिल्म बोर्ड द्वारा आयोजित और सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा समर्थित पूर्वोत्तर फिल्म महोत्सव 24 मार्च से 26 मार्च 2023 तक मुंबई में पूर्वोत्तर क्षेत्र के फिल्म निर्माताओं को अधिकतम उद्योग अनुभव प्रदान करने की दृष्टी से आयोजित किया गया.

- एफएफओ ने समारोह के दौरान 8 मास्टर क्लासेस और पैनल चर्चाएं आयोजित कीं.
- निदेशक (फिल्म), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और उत्तर-पूर्वी राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र में मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र की चुनौतियों पर एक गोलमेज सम्मेलन का भी आयोजन किया.
- एफएफओ ने समारोह के उद्घाटन और समापन समारोह के आयोजन के लिए ईएमए के साथ मिलकर काम किया.

3 Countries (Dubai, France and Russia) and Various media units of the Ministry of Information and Broadcasting during the Film Bazaar.

d) Sessions at Knowledge Series, Co-production Market and Producers Workshop – The FFO curated the Knowledge Series sessions for the States of Delhi, Gujarat, Maharashtra, Madhya Pradesh and Uttarakhand which highlighted their State's initiatives towards making it more film friendly and inviting the film fraternity to come and shoot in their State. Special Sessions were also organized for states at Co-production Market and Producers Workshop.

ii. Participation in Shanghai Co-operation Organization (SCO) Film Festival (27-31 Jan 2023), Mumbai

a) The FFO organized the participation of 3 States (Delhi, Madhya Pradesh, and Maharashtra by taking up pavilions in the SCO Film Festival.

b) The FFO also took a pavilion space with an aim to further promote the Incentives Scheme offered by the Ministry to Foreign Productions and official co-productions.

c) FFO, Invest India participated in the SCO Film Festival 2023, Mumbai, India to engage the SCO member nations in exploring collaborative content projects with India. FFO organized a Round Table on Reaching Out – India and the SCO - exploring collaboration between Indian and the SCO region in the filmed entertainment space through leveraging incentives schemes for filming in and co-producing with India. The round table was chaired by Additional Secretary (MIB). The participants included international jury members from SCO nation states and representatives from Indian industry.

d) FFO also curated a panel discussion on Simplification, Incentivization, and Promoting Destination India. The panel was moderated by Shri Nitin Tej Ahuja, CEO Producers Guild of India and the other speakers included Shri Prithul Kumar, MD NFDC, Mr. Aashish Singh and Mr. Arfi Lamba, Producers. The speakers stressed on the fact that policy framework for promoting filming in India is in place through the FFO and the incentives scheme and there needs to be a concerted effort from all stakeholders to make it successful.

iii. Participation in Northeast Film Festival 2023, Mumbai – Organized by The Sikkim Film Board and supported by the Ministry of Information and Broadcasting The Northeast Film Festival was held in Mumbai from 24th March to 26th March 2023. The festival was organized in Mumbai with a view to provide maximum industry exposure to the film makers of the NE region.

- The FFO curated 8 Master classes and panel discussions during the festival.
- Also organized a Round table on Challenges of the Media and Entertainment Sector in the NE Region with the Director (Films), Ministry of I&B and the delegates from the North- Eastern States.
- The FFO also worked closely with the EMA for organizing the Opening and Closing ceremony of the Festival.

7. राज्यों के साथ जुड़ाव - एफएफओ वेब पोर्टल के साथ राज्य की ऑनलाइन अनुमति प्रणाली के एकीकरण की दिशा में राज्य नोडल अधिकारियों के साथ कई बैठकें जुलाई 2022 और फरवरी 2023 के महीनों के दौरान आयोजित की गई.

8. अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुतियों की स्क्रिप्ट के मूल्यांकन के लिए अतिरिक्त स्क्रिप्ट मूल्यांकन अधिकारियों (एसईओ) का नामांकन - मंत्रालय के मार्गदर्शन में एफएफओ ने भारत सरकार के वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारियों (आईएएस, आईआरएस और आईपीएस) से संपर्क किया और उनसे स्क्रिप्ट मूल्यांकन अधिकारियों (एसईओ) के पैनल में शामिल होने का अनुरोध किया. की. 22 सेवानिवृत्त अधिकारियों से संपर्क किया गया, जिनमें से 9 ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और उन्हें पैनल में शामिल कर लिया गया. एफएफओ ने 4 अप्रैल 2016 को अनुमोदित एफएफओ एसओपी से ली गई अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं की स्क्रिप्ट के मूल्यांकन के लिए स्क्रिप्ट मूल्यांकन अधिकारियों (एसईओ) के लिए एक मसौदा दिशानिर्देश भी तैयार किया.

9. उद्योग हितधारकों के साथ जुड़ाव

- व्यापार संघों और चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ फीडबैक सत्र - एफएफओ के कामकाज और भारत सरकार द्वारा घोषित प्रोत्साहन योजना पर व्यापार संघों और चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रमुख सदस्यों के साथ फीडबैक सत्र आयोजित किए गए. उद्योग के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर उनसे इनपुट प्राप्त हुए और एफएफओ उस पर अपनी सहायता कैसे बढ़ा सकता है. उठाए गए कुछ प्रमुख मुद्दे - केंद्रीय सरकारी एजेंसियों (सीआरपीएफ, बीएसएफ आदि) से अनुमति, भारतीय निर्माण के लिए भारत आने वाले विदेशी तकनीशियनों और चालक दल के लिए वीजा, राज्यों से प्रोत्साहन प्राप्त करने में चुनौतियां.

- प्रोत्साहन योजना के दिशानिर्देशों पर एनीमेशन और वीएफएक्स उद्योगों के हितधारकों से इनपुट - बातचीत आयोजित की गई, और प्रोत्साहन योजना के मौजूदा दिशानिर्देशों पर एनीमेशन और वीएफएक्स उद्योगों के संबंधित हितधारकों से अधिक समावेशी और स्पष्ट एनिमेशन, वीएफएक्स और पोस्टप्रोडक्शन सेगमेंट पर दिशानिर्देशों का इनपुट मांगा गया.

10. केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों के साथ जुड़ाव

जीएसटी सचिवालय - जीएसटी के रिफंड के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय लाइन प्रोड्यूसर्स/प्रोड्यूसर्स सेवा कंपनियों (पीएससी) के सामने आने वाली चुनौतियों को उनके द्वारा विभिन्न मंचों पर उठाया गया था. इसे संबोधित करने की दृष्टि से एफएफओ ने उनसे प्रतिनिधित्व मांगा. एफएफओ की सिफारिश के साथ मंत्रालय को सौंपे गए अभ्यावेदन के आधार पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार की गई थी.

5.4 कौशल विकास एवं प्रशिक्षण

5.4.1 कंपनी को कौशल नियामक-राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) द्वारा पुरस्कार देने वाली संस्था के रूप में मान्यता दी गई है और यह कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा समर्थित है. कंपनी की परिकल्पना मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में कौशल, मूल्यांकन और प्रमाणन में गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों के लिए तकनीकी और व्यावसायिक रूप से सक्षम कार्यबल और उद्योग पेशेवरों को तैयार करने की है. आपकी कंपनी विभिन्न कौशल के माध्यम से कौशल, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग प्रदान करके अंतर को भरने और उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए एनएफडीसी के बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मानकों की स्थिरता और स्वीकार्यता सुनिश्चित करने के लिए संबद्धता, मान्यता, परीक्षा और प्रमाणन की योजना बनाने और निष्पादित करने के लिए प्रतिबद्ध है. विकास कार्यक्रम. आपकी कंपनी का लक्ष्य देश भर में प्रमाणित प्रशिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं की पहचान करने और उनका एक पूल बनाने के लिए एक प्रणाली बनाना है. एम एंड ई क्षेत्र के लिए एक कौशल सूची बनाना और श्रम बाजार

7. Engagements with States – Multiple meetings with State Nodal Officers towards integration of the State's online permission system with the FFO Web portal were held during the months of July 2022 and February 2023.

8. Nomination of additional Script Evaluation Officers (SEO) for evaluation of scripts of international productions – The FFO, under the guidance of the Ministry, reached out to senior retired Government of India officials (IAS, IRS and IPS) requesting them to be in the panel of Script Evaluation Officers (SEO). 22 retired officers were approached out of 9 accepted the proposal and were added to the panel. The FFO also prepared a draft Guidelines for Script Evaluation Officers (SEO) for evaluating the scripts of international projects drawn from the approved FFO SOP dated 4th April 2016.

9. Engagement with Industry Stake holders

- Feedback session with Trade Associations and Chamber of Commerce – Feedback sessions were held with the key members of Trade Associations and Chamber of Commerce on the functioning of FFO and the Incentives Scheme announced by the Government of India. Inputs were received from them on the various challenges faced by the industry and how the FFO could extend their assistance on the same. Some of the key issues raised were – permission from central government agencies (CRPF, BSF etc.), Visa for foreign technicians and crew coming to India for Indian production, challenges in availing incentives from States.

- Inputs from the stakeholders of Animation and VFX industries on the Guidelines of the Incentives scheme – Interactions were held, and input sought from relevant Stake holders of the of Animation and VFX industries on the extant Guidelines of the Incentives scheme with a view to make the guidelines more inclusive and clearer on the Animation, VFX and Postproduction segment.

10. Engagement with Central Government Ministries/ Departments

GST Secretariat - Challenges faced by International Line Producers/Production Service Companies (PSC) with regards to refund of GST were raised by them in various Forums. With a view to addressing the same the FFO sought representation from them. A brief report was prepared based on the representation submitted to the Ministry along with FFO's recommendation.

5.4 Skill Development & Training

5.4.1 You Company has been recognised as Awarding Body by the Skill Regulator- National Council for Vocational Education and Training (NCVET) and is supported by Ministry of Skill Development and Entrepreneurship. You Company is envisioned for creating a technically and professionally competent workforce and industry professionals for both national and international markets to achieve quality standards in skilling, assessment and certification in Media and Entertainment space. Your Company is committed to plan and execute affiliation, accreditation, examination and certification to ensure consistency and acceptability of standards in order to achieve the larger goal of NFDC to fill in the gap and meet Industry demand by providing skilling, upskilling and reskilling through various Skill Development Programs. Your Company aims to create a system to identify and create a pool of certified trainers and assessors across the country. It is our mission to create a skill catalogue for the M&E sector and set up a Labour

सूचना प्रणाली स्थापित करना हमारा मिशन है. एनएफडीसी द्वारा शुरू की गई कुछ परियोजनाओं में शामिल हैं –

1. क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमारो, आईएफएफआई में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला एक प्रमुख कार्यक्रम है

2. नेटफ्लिक्स के सहयोग से 100 महिला पटकथा लेखकों के लिए एक पटकथा लेखन कार्यशाला.

3. एनएसडीसी और सीबीएसई द्वारा जूनियर कौशल के तहत छात्रों के लिए डिजिटल फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए एनएफडीसी को कौशल भागीदार के रूप में चुना गया था.

4. एनएफडीसी ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत उत्तर पूर्वी परिषद और डीसीडीएफसी योजना द्वारा वित्त पोषित उत्तर पूर्व क्षेत्र के 100 उम्मीदवारों के लिए 3डी एनीमेशन में एक आवासीय कार्यक्रम शुरू किया.

आगे बढ़ते हुए आपकी कंपनी अमेझोन, नेटफ्लिक्स और यहां तक कि राज्य कौशल मिशन जैसे निजी भागीदारों के साथ सहयोग करके कई समान परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए मीडिया और मनोरंजन उद्योग से जुड़ने की भी योजना बना रही है ताकि देश में समग्र कौशल वातावरण निर्माण के लिए सामुदायिक विकास कार्यक्रमों को मुख्यधारा में लाया जा सके.

5.4.2 कंपनी 2005 से चेन्नई में फिल्म निर्माण से संबंधित विभिन्न तकनीकी ट्रेडों में प्रशिक्षण भी आयोजित कर रही है और 18,000 से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और नियोजित किया है. स्किल इंडिया मिशन के तहत आपकी कंपनी दक्षिणी राज्यों में बेरोजगार युवाओं के लिए विभिन्न मीडिया-संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जहां इसने एनीमेशन, कैमरा, संपादन, मल्टीमीडिया, फोटोग्राफी और ऑडियो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अल्पकालिक प्रशिक्षण और व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं और इन अधिकांश युवा प्रशिक्षणार्थीयों को उद्योग में रोजगार मिला है.

मीडिया और मनोरंजन उद्योग में रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करके अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों और विकलांग व्यक्तियों को शामिल करने के लिए कौशल प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है.

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए) केंद्र प्रायोजित योजना के माध्यम से मीडिया में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है.

चेन्नई में आपकी कंपनी को "समग्र शिक्षा " योजना के तहत स्कूल शिक्षा विभाग, तमिलनाडु से कार्य आदेश प्राप्त हुआ है तमिलनाडु के 37 जिलों में लगभग 278 सरकारी स्कूलों में 9 वीं और 11 वीं कक्षा में पढ़ने वाले लगभग 11,120 स्कूली छात्रों को प्रशिक्षित करने की योजना है.

5.4.2.1 दक्षिण भारत में पूर्ण किये गये कार्यों की झलकियाँ –

a) तमिलनाडु कौशल विकास निगम (टीएनएसडीसी): तमिलनाडु कौशल विकास निगम (टीएनएसडीसी) प्रायोजित योजना और सस्टेनेबल उद्योग शिकायत रोजगार (एसआईसीई) प्रशिक्षण योजना के तहत, तमिलनाडु में लगभग 7028 बेरोजगार युवाओं को संपादन, मल्टीमीडिया, एनीमेशन, डिजिटल फोटोग्राफी और कैमरा ऑपरेशन पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदान किया गया था.

इस वर्ष 2022-23 में तकनीकी शिक्षा निदेशालय के माध्यम से एनएफडीसी ने धर्मम्बल पॉलिटेक्निक के छात्रों को इंटर्नशिप प्रदान की.

Market Information System. Some of the projects undertaken by NFDC includes –

1. Creative Minds of Tomorrow, a flagship program held annually in IFFI

2. A Scriptwriting workshop for 100 women script writers in association with Netflix.

3. NFDC was selected as the Skill partner for conducting a Digital Photography competition for students under Junior Skills organised by NSDC and CBSE.

4. NFDC launched a residential Program in 3D Animation for 100 candidates from North East region funded by North Eastern Council and DCDFC scheme under Ministry of Information & Broadcasting

Moving forward your company also plans to connect with the Media and Entertainment industry to execute many more similar projects by collaborating with Private partners such as Amazon, Netflix and even the State Skill Missions to ensure community development programs are mainstreamed in order to build a holistic skilling environment in the country.

5.4.2 Your Company also has been conducting training in various technical trades pertaining to film making in the Chennai since 2005 and has trained and placed more than 18,000 candidates. Under the Skill India Mission your Company is conducting various media-related training programme for the unemployed youth in the southern states where it has imparted short-term training and vocational courses in the sphere of Animation, Camera, Editing, Multimedia, Photography and Audio Engineering and most of these youth who have undergone these trainings have found employment in the industry.

Skill training is also provided to SC/STs and socially backward classes, the inclusion of women, minorities, and differently-abled persons by creating adequate employment opportunities in the Media and Entertainment industry.

Students in state higher educational institutions are provided vocational training in media through Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan (RUSA), a Centrally Sponsored Scheme.

Your Company in Chennai has received a work order from Department for School Education, Tamil Nadu under the "Samgraha Siksha" scheme to train around 11,120 school students who are studying in 9th and 11th Standard at around 278 Government run schools across 37 districts of Tamil Nadu.

5.4.2.1 The glimpses of the work completed in Southern India –

a) Tamil Nadu Skill Development Corporation (TNSDC) – Under Tamil Nadu Skill Development Corporation (TNSDC) sponsored scheme and Sustainable Industry Complaint Employment (SICE) Training Scheme, around 7028 unemployed youth in Tamil Nadu were provided the training in Editing, Multimedia, Animation, Digital Photography and Camera operation courses.

This Year 2022-23, through the Directorate of Technical Education NFDC provided Internship to Dharmambal Polytechnic students.

b) दिव्यांगजन कल्याण (डीएडब्ल्यू): एनएफडीसी ने तमिलनाडु राज्य दिव्यांगजन कल्याण विभाग की योजना के हिस्से के रूप में तमिलनाडु में बेरोजगार दिव्यांगजनों को व्यावसायिक प्रशिक्षण की पेशकश की है ताकि उन्हें सशक्त बनाया जा सके. एनएफडीसी ने न्यूज एंकरिंग, कैमरा ऑपरेशन, डिजिटल एडिटिंग, डिजिटल फोटोग्राफी और मल्टीमीडिया डिजाइनिंग जैसे मीडिया में प्लेसमेंट-लिंक्ड कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया है.

1. एनएफडीसी ने "राष्ट्रीय बहु दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान" के सहयोग से, एनआईईपीएमडी, मुट्टुकाडु, चेन्नई में दिव्यांगजनों के लिए मल्टीमीडिया, एवीआईडी, एफसीपी, डिजिटल स्टिल फोटोग्राफी में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया.

2. भारतीदासन विश्वविद्यालय, त्रिची में 50 श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया है .

3. सेवा के सहयोग से एनएफडीसी संगम, तेनकासी ने लोकोमोटिव विकलांगता और श्रवण-बाधित छात्रों के लिए एविड - डीएनएलई पाठ्यक्रम आयोजित किया है. कोर्स पूरा होने के बाद योग्य उम्मीदवारों को प्लेसमेंट दिया गया है.

4. हेल्प ट्रस्ट फाउंडेशन, सीएसआई स्कूल फॉर डेफ और विभिन्न कॉलेजों जैसे एमजीआर कॉलेज, चेन्नई/सेंट लुइस कॉलेज फॉर डेफ, चेन्नई/अविनाशालिगम यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर आदि विभिन्न एनजीओ के सहयोग से ऑडियो इंजीनियरिंग, मल्टीमीडिया, 3डी एनिमेशन में प्रशिक्षण के लिए एनएफडीसी.

c) तमिलनाडु आदि द्रविड़ हाउसिंग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (टीएडीएचसीओ): एनएफडीसी ने इस योजना के माध्यम से मीडिया में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया है.

5.5 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार (एनएफएआई)

5.5.1 भारत के राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार का अवलोकन
एनएफडीसी-एनएफएआई भारत के पुणे में स्थित है. यह बॉलीवुड के घर मुंबई के नजदीक है. इस निकटता ने एनएफडीसी-एनएफएआई को फिल्म निर्माताओं, विद्वानों, शोधकर्ताओं और अन्य फिल्म प्रेमियों के साथ संबंध बनाए रखने में सक्षम बनाया है .

फिल्म को कला और ऐतिहासिक दस्तावेजों के रूप में संरक्षित करने की आवश्यकता को दुनिया भर में मान्यता दी गई है. सिनेमा को उसकी सभी विविध अभिव्यक्तियों और रूपों में संरक्षित करने का कार्य एक राष्ट्रीय संगठन को सौंपा जाना सबसे अच्छा है जिसके पास पर्याप्त संसाधन, स्थायी व्यवस्था और स्थानीय फिल्म उद्योग का विश्वास हो. इस प्रकार, भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार की स्थापना सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत एक स्वतंत्र मीडिया इकाई के रूप में की गई. भारत का राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार सरकार की इस अनुभूति का परिणाम है कि फिल्में किताबों और अन्य ऐतिहासिक दस्तावेजों की तरह ही मूल्यवान हैं और देश की फिल्म विरासत को भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित करने की जरूरत है.

भारतीय सिनेमा की विरासत को प्राप्त करने और संरक्षित करने के प्राथमिक चार्टर के अलावा, यह सुनिश्चित करना भी पुरालेख के घोषित उद्देश्यों में से एक है कि भारतीय सिनेमा की सांस्कृतिक उपस्थिति दुनिया भर में अधिक दिखाई दे.

प्रत्येक समाज की गतिशील छवि विरासत महत्वपूर्ण है और उसकी सांस्कृतिक विरासत का बहुत हिस्सा है. अधिकांश देशों में चलती-फिरती छवि विरासत के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है. चलती-फिरती छवि विरासत की सुरक्षा के लिए यूनेस्को जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, सदस्य देशों द्वारा दिया जा रहा समर्थन इस गतिविधि के

b) Differently Abled Persons Welfare (DAW) – NFDC has offered vocational training to unemployed Differently Abled Persons in Tamil Nadu as part of the Tamil Nadu state Differently Abled Persons Welfare Department's scheme to empower them. NFDC has conducted placement-linked skill development training in media such as News Anchoring, Camera Operation, Digital Editing, Digital Photography, and Multimedia Designing.

1. In collaboration with "The National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities," NFDC provided skill training in Multimedia, AVID, FCP, Digital Still Photography for differently abled persons at NIEPMD, Muttukaadu, Chennai.

2. NFDC has provided skill training for various courses for 50 Hearing Impaired persons at Bharathidasan University, Trichy.

3. NFDC in collaboration with Amar Seva Sangam, Tenkasi has conducted AVID – DNLE course for Locomotive Disability and Hearing-Impaired students. After the completion of the course, placement has been given to deserving candidates.

4. NFDC in association with various NGO's like Help Trust Foundation, CSI School for Deaf, and various colleges like MGR College, Chennai/St. Louis College for Deaf, Chennai/Avinashaligam University, Coimbatore, etc. for training in Audio Engineering, Multimedia, 3D Animation

c) Tamil Nadu Adi Dravidar Housing Development Corporation (TADHCO) – NFDC has given vocational training for Schedule Caste and Schedule Tribes in the media through this scheme.

5.5 National Film Archive of India (NFAI)

5.5.1 Overview of National Film Archive of India
NFDC-NFAI is situated in Pune, India. It is within proximity of Mumbai, the home of Bollywood. This proximity has enabled NFDC-NFAI to maintain relationships with filmmakers, scholars, researchers, and other film afficionados.

The need for preserving film as art and historical documents has been recognized all over the world. The task of preserving cinema in all its varied expressions and forms is best entrusted to a national organization having adequate resources, a permanent set-up and the confidence of the local film industry. Thus, the National Film Archive of India was established as an independent media unit under the Ministry of Information and Broadcasting. The National Film Archive of India is the outcome of the Government's realization that films are as valuable as books and other historical documents and that the country's film heritage needs to be preserved for posterity.

In addition to the primary charter of acquiring and preserving the heritage of Indian Cinema, it is also one of the declared objectives of the Archive to ensure that the Cultural presence of the Indian Cinema is made more visible across the globe.

Moving image heritage of every society is important and is very much part of its cultural heritage. The preservation of moving image heritage is accorded top priority in most countries. The support being extended by international organizations like UNESCO for safeguarding moving image heritage, member countries is a testimony to

महत्व का प्रमाण है. भारत में एनएफएआई एकमात्र संगठन है जिसे भारत की समृद्ध और विविध सिनेमाई विरासत को प्राप्त करने और संरक्षित करने का काम सौंपा गया है.

इस प्रकार फरवरी, 1964 में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत एक मीडिया इकाई के रूप में भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार की स्थापना की गई. सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी 30.12.2022 के का.ज्ञा. के अनुसार, चार फिल्म मीडिया इकाइयों की गतिविधियों का विलय एनएफएआई को पूरी तरह से राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) के साथ शामिल करना और इन फिल्म मीडिया इकाइयों के संचालन को बंद करना. विलय आदेश के अनुसार, एनएफएआई के कर्मचारियों को सूचना और प्रसारण मंत्रालय की अन्य मीडिया इकाइयों में फिर से तैनात किया गया है. 01.01.2023 से सभी गतिविधियाँ एनएफडीसी को हस्तांतरित कर दी गई हैं.

एनएफडीसी-एनएफएआई के लक्ष्य और उद्देश्य इस प्रकार –

1. राष्ट्रीय सिनेमा की विरासत का पता लगाना, प्राप्त करना और भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित करना तथा विश्व सिनेमा का एक प्रतिनिधि संग्रह तैयार करना;

2. फिल्म से संबंधित डेटा को वर्गीकृत और दस्तावेजीकरण करना, सिनेमा पर शोध करना और प्रोत्साहित करना और उन्हें प्रकाशित और वितरित करना;

3. देश में फिल्म संस्कृति के प्रसार के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करना और विदेशों में भारतीय सिनेमा की सांस्कृतिक उपस्थिति सुनिश्चित करना.

5.5.2 फ़िल्म संग्रह

1964 में, साधारण शुरुआत के साथ, तत्कालीन एनएफएआई को फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे के परिसर में छोटे शेड में सेल्युलाइड 35 मिमी और 16 मिमी में सैकड़ों फिल्म रीलों के भंडार के साथ रखा गया था. एनएफडीसी-एनएफएआई आज संरचना और अनुभव में इतना विकसित हो गया है कि इसे दुनिया के अग्रणी फिल्म अभिलेखागारों में गिना जाता है. अपने प्रारंभिक वर्षों में इसने भारतीय सिनेमा की नींव में जो कुछ बचा था उसे खोजने, हासिल करने और बचाने के अत्यंत कठिन कार्य का सफलतापूर्वक सामना किया. और आज, सीमित संसाधनों के बावजूद, यह इस काम को जारी रख रहा है और दुनिया के सबसे लोकप्रिय और विपुल फिल्म उद्योग की हालिया और समकालीन प्रस्तुतियों का अधिग्रहण और संरक्षण भी कर रहा है.

यह सब अभिलेख स्थापित करने में सरकार की पहल, इसके संस्थापकों की कड़ी मेहनत और समर्पण और फिल्म उद्योग के कई दिग्गजों और फिल्म संरक्षण की आवश्यकता में विश्वास करने वाले अन्य शुभचिंतकों की भूमिका के कारण संभव हुआ है.

एनएफडीसी-एनएफएआई के फिल्म संग्रह के खजाने में डीजी फाल्के और बाबूराव पेंटर के बचे हुए टुकड़े, हिमांशु राय और फ्रांज ओस्टेन आदि की मूक फिल्में शामिल हैं. 1930 और 1940 के दशक की महान फिल्म कंपनियों और स्टूडियो की फिल्मों की एक प्रतिनिधि संख्या जैसे प्रभात फ़िल्म कंपनी, न्यू थिएटर्स, बॉम्बे टॉकीज़, श्री भारत लक्ष्मी पिक्चर्स, मिनर्वा मूवीटोन, वाडिया के रूप में मूवीटोन, जेमिनी, विजय वाहिनी और अन्य. 1940 के दशक के उत्तरार्ध में स्टूडियो सिस्टम के पतन के बाद उभरे महान स्वतंत्र बैनरों जैसे कि मेहबूब खान, राज कपूर, बिमल रॉय, गुरु दत्त, ए.आर. कारदार, एल.वी. प्रसाद और बी नागी रेड्डी आदि द्वारा बनाए गए बैनरों की संग्रह में हिस्सेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, मुख्यधारा सिनेमा के सत्यजीत रे, मृणाल सेन, ऋत्विक जैसे नए भारतीय सिनेमा के लेखकों की प्रमुख कृतियों की उत्कृष्ट फिल्में घटक उदाहरणों के साथ-साथ,, अडूर गोपालकृष्णन, श्याम बेनेगल, मणि कौल, जी. अरविंदन, कुमार साहनी, जॉन अब्राहम, जानू बरुआ, गिरीश कासरवल्ली और अन्य संग्रह द्वारा संरक्षित हैं. एनएफडीसी-एनएफएआई में फिल्म सामग्री विशेषकर मूल कैमरा

the importance of the activity. In India NFAI is the only organization entrusted with the task of acquiring and preserving India's rich and varied cinematic heritage.

Thus, the National Film Archive of India was established as a media unit under the Ministry of Information and Broadcasting in February, 1964. As per the OM dated 30.12.2022 issued by Ministry of Information & Broadcasting, merger of activities of four film Media units including NFAI in their entirety with National Film Development Corporation (NFDC) and closure of operations of these Film Media units. As per the merger order, staff of NFAI is redeployed to other Media Units of Ministry of Information and Broadcasting. With effect from 01.01.2023 all the activities have been transferred to NFDC.

The aims and objectives of NFDC-NFAI are –

1. To trace, acquire and preserve for posterity the heritage of National cinema and build up a representative collection of World Cinema;

2. To classify and document data related to film, undertake and encourage research on cinema and publish and distribute them;

3. To act as a center for dissemination of film culture in the country and to ensure the cultural presence of Indian cinema abroad.

5.5.2 The Film Collection

In 1964, modest beginning, erstwhile NFAI was housed in small shed in the premises of the Film & Television Institute of India, Pune, with deposits of hundreds of film reels in celluloid 35mm & 16mm. The NFDC-NFAI has today grown in structure and experience, to be counted among the leading film Archives of the world. In its early years it successfully faced the extremely difficult task of hunting, acquiring and salvaging what had survived of the foundations of Indian cinema. And today, in spite of limited resources, it continues to carry on this work and also Acquire and Preserve recent and contemporary productions of the world's most popular and prolific film industry.

All this has been possible due to the Government's initiative in setting up the Archive, the hard work and dedication of its founders and the role of several stalwarts of the film industry and other well-wishers who believed in the need for Film Preservation.

Amongst the treasures of the NFDC-NFAI's film collection are the surviving fragments of D.G. Phalke and Baburao Painter, the silent films of Himanshu Rai and Franz Osten etc. A representative number of films of the great film companies and studios of the 1930s and 1940s such as the Prabhat Film Company, New Theatres, Bombay Talkies, Shri Bharat Laxmi Pictures, Minerva Movietone, Wadia Movietone, Gemini, Vijaya Vauhini and others. Equally important are the archive's holdings of the great independent banners which emerged after the collapse of the studio system in the late 1940s, such as those created by Mehboob Khan, Raj Kapoor, Bimal Roy, Guru Dutt, A.R. Kardar, L.V. Prasad and B. Nagi Reddi etc. Alongside examples of the mainstream cinema, excellent films of major works of the authors of new Indian cinema such as Satyajit Ray, Mrinal Sen, Ritwik Ghatak, Adoor Gopalakrishnan, Shyam Benegal, Mani Kaul, G. Aravindan, Kumar Shahani, John Abraham, Janu Barua, Girish Kasarwalli and others are also preserved by the archive. Constant

नेगेटिव और रिलीज प्रिंट जमा करने के लिए निर्माताओं, वितरकों तक पहुंचने के निरंतर प्रयासों से इसके संग्रह को बढ़ने में मदद मिल रही है. एनएफडीसी-एनएफएआई के हस्तक्षेप के बिना, हाल ही में 2000 के दशक की शुरुआत में निर्मित फिल्मों के हमेशा के लिए नष्ट होने का जोखिम है.

एनएफडीसी-एनएफएआई के फिल्म स्टोरेज वॉल्ट में वर्तमान में 20,000 से अधिक भारतीय और विदेशी फिल्में सेल्युलाइड प्रारूप में रखी गई हैं. कुछ फिल्मों की विभिन्न प्रारूपों में कई प्रतियां होती हैं लेकिन कुछ को संग्रह में एकल-दुर्लभ फिल्म का दर्जा प्राप्त होता है. फिल्म भंडारण वॉल्ट अभिलेखीय तापमान और सापेक्ष आर्द्रता मानकों को बनाए रखते हुए 24x7 कार्यात्मक हैं.

आज, एनएफडीसी-एनएफएआई का फिल्म संग्रह 27 अत्याधुनिक, तापमान और आर्द्रता-नियंत्रित वॉल्ट में रखा गया है. इसमें एक सुसज्जित फिल्म संरक्षण अनुभाग है जो नियमित आधार पर फिल्म सामग्री की जांच करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संरक्षण मानकों का पालन करता है. एनएफडीसी-एनएफएआई डीवीडी, वीएचएस और अन्य फिल्मी सामग्री के विशाल संग्रह के साथ-साथ फिल्मों के एक बड़े संग्रह का दावा करता है.

5.5.3 भंडारण एवं संरक्षण

सेल्युलाइड फिल्म सामग्री को 24x7 अनुरक्षित वातावरण में संग्रहित किया जाता है. लगभग 15 °C का तापमान और 50% की सापेक्ष आर्द्रता जो B&W फिल्मों को संरक्षित करने के लिए आदर्श रूप से उपयुक्त है. लगभग 3-4 डिग्री सेल्सियस का तापमान और 30-35% की सापेक्ष आर्द्रता जो रंगीन फिल्म सामग्री को संरक्षित करने के लिए आदर्श रूप से उपयुक्त है.

एनएफडीसी-एनएफएआई चरण 3 के रूप में अतिरिक्त भंडारण वॉल्ट का निर्माण कर रहा है जो 2024 की शुरुआत तक बी एंड डब्ल्यू और रंगीन फिल्मों, डिजिटल प्रारूप पर फिल्मों को जोड़ने के लिए कार्यात्मक होगा जिसके लिए ठंडी और सूखी स्थितियों की आवश्यकता होती है. छोटे लेकिन अमूल्य नाइट्रेट पुराने संग्रह को सुरक्षा बेस में स्थानांतरित कर दिया गया है, लेकिन एफआईएएफ दर्शन के अनुसार मूल नाइट्रेट सामग्री को उसके अंतिम समय तक यथासंभव सर्वोत्तम रूप से संरक्षित किया जा रहा है.

पुरालेख देश के विभिन्न हिस्सों से नाइट्रेट सामग्री, एसीटेट फिल्म सामग्री और भारतीय फिल्मों के मूल निगेटिव्स की खोज भी जारी रखता है.

5.5.4 अनुसंधान एवं प्रलेखन केंद्र/स्टील, कागज और पोस्टर संग्रह

एनएफडीसी-एनएफएआई के अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण अनुभाग में भारतीय सिनेमा के हर काल से संबंधित सामग्री का संग्रह है. अनुभाग ने वर्ष में 7,094 स्थिर तस्वीरें, सभी अद्वितीय तस्वीरों के प्रिंट, विभिन्न आकारों के 3,219 फिल्म पोस्टर, 1,029 गीत पुस्तिकाएं, 389 पैम्फलेट, 895 स्लाइड और 28 प्रेस क्लिपिंग एकत्र की हैं. मूल सामग्री को संभालने से बचने के लिए एनएफडीसी-एनएफएआई ने अपने फोटो और पेपर संग्रह को डिजिटल कर दिया है. प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने के लिए संग्रह में एक डेटाबेस उपलब्ध है जो शोधकर्ताओं, लेखकों आदि को उपलब्ध कराया जाता है. यह अनुभाग दान और सहायक सामग्री स्वीकार करता है. एनएफडीसी-एनएफएआई अनुसंधान और प्रकाशन उद्देश्यों के लिए अनुसंधान विद्वानों, पत्रकारों, उत्सव आयोजकों को स्टिल/फोटोग्राफ/पोस्टर/गीत पुस्तिकाएं और प्रेस क्लिप प्रदान करता है, जो सॉफ्ट कॉपी प्रदान करता है.

5.5.5 पुस्तकालय

एनएफडीसी-एनएफएआई पुस्तक लाइब्रेरी एशिया में सिनेमा से संबंधित सबसे बड़े पुस्तकालयों में से एक है. एनएफडीसी-एनएफएआई बुक लाइब्रेरी में दुनिया भर से सिनेमा पर लगभग 32,803 किताबें हैं. इसमें सिनेमा पर विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित 100 से अधिक पत्रिकाएँ हैं और साथ ही केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्राप्त 45,049 फिल्म स्क्रिप्ट भी उपलब्ध हैं. भारत और विदेश से शोधकर्ता और विद्वान भारत की फिल्म विरासत की इस संपदा से परामर्श करने के लिए एनएफडीसी-एनएफएआई का दौरा

efforts of reaching out to producers, distributors to deposit film material especially Original Camera Negatives and Release Print at NFDC-NFAI is helping its collection grow. Without NFDC-NFAI's intervention, films produced, in as recent as early 2000s, risk being lost forever.

More than 20,000 Indian and foreign films are presently housed in celluloid format in NFDC-NFAI's film storage vaults. Some films have multiple copies in different formats but some have status of single – rare film in collection. Film Storage vaults are functional 24x7 by maintaining archival temperature and relative humidity standards.

Today, the Film collection of NFDC-NFAI is housed in 27 state-of-the-art, temperature and humidity-controlled vaults. It has a well-equipped Film Preservation Section which follows international preservation standards to check the film material on routine basis. The NFDC-NFAI boasts of a large collection of films, along with huge collection of DVDs, VHS, and other filmic material.

5.5.3 Storage and Preservation

The Celluloid film material are stored in 24x7 maintained environment. Temperature of about 15 °C and relative humidity of 50% which is ideally suited to preserve B&W films. Temperature of about 3-4 °C and relative humidity of 30-35% which is ideally suited to preserve Color films material.

NFDC-NFAI is constructing additional storage vaults as Phase 3 which would be functional by early 2024 for addition of B&W & color films, addition of films on Digital format which require cool and dry conditions. The small but invaluable nitrate old collection has been transferred to safety base, but in accordance with FIAF philosophy the original nitrate materials are being preserved as best as possible, till its last.

The Archive also continues to hunt for nitrate material, Acetate film material and Original Negatives of Indian Films from different parts of the country.

5.5.4 Research & Documentation Centre/Stills, Paper and Poster Collections

The Research and Documentation Section of NFDC-NFAI houses a collection of material relating to every period of Indian cinema. The section has collected 7,094 still photographs, prints of all unique photographs, 3,219 film posters of various sizes, 1,029 song booklets, 389 Pamphlets, 895 Slides & 28 press clippings in the year. NFDC-NFAI has digitized its photo and paper collection to avoid handling of the original material. There is a database to retrieve available at the archive to retrieve relevant information that is made available to researchers, authors etc. This section accepts donations and ancillary material. The NFDC-NFAI supplies stills/photographs/posters/song booklets & press clips provided soft copies to research scholars, journalists, festival organizers for research and publication purposes.

5.5.5 Library

The NFDC-NFAI book library is one of the biggest libraries pertaining to cinema in Asia. The NFDC-NFAI Book Library holds about 32,803 books on cinema from across the globe. It has more than 100 periodicals on Cinema published in various languages as well as 45,049 film scripts received from the Central Board of Film Certification (CBFC) are also available. Researchers and scholars from India and abroad visit to NFDC-NFAI to consult this wealth of India's film heritage. These form

करते हैं. ये अभिलेखों के संग्रह का एक मूल्यवान हिस्सा हैं क्योंकि कई फ़िल्में अब अप्राप्य हैं और हमेशा के लिए लुप्त हो गई हैं. संदर्भ और अध्ययन के लिए उपलब्ध अन्य महत्वपूर्ण सामग्रियों में 20 के दशक के सेंसर रिकॉर्ड और 30 के दशक के बाद की भारतीय फिल्म पत्रिकाओं के बाउंड संस्करण शामिल हैं. इन रिकॉर्ड्स को डिजिटल कर दिया गया है और व्यापक प्रसार के लिए एनएफडीसी-एनएफएआई वेबसाइट के माध्यम से पहुंच योग्य है. पुस्तकालय छात्रों, शोध कर्मियों, पत्रकारों और सिनेमा में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति को सेवाएं प्रदान करता है. अधिकांश पुरानी पत्रिकाएँ, दुर्लभ पुस्तकें और लिपियाँ डिजिटलीकृत हो चुकी हैं.

5.5.6 अनुसंधान एवं फिल्म अध्ययन

एनएफडीसी-एनएफएआई अपने अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय सिनेमा पर अनुसंधान को भी सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है. यह फिल्म विद्वानों को प्रख्यात भारतीय फिल्म हस्तियों पर मोनोग्राफ प्रदान करता है जो उनके फिल्मी करियर का दस्तावेजीकरण करने में मदद करता है, भारतीय सिनेमा से संबंधित विषयों पर रिसर्च फेलोशिप, वरिष्ठ जीवित कलाकारों और तकनीशियनों की ऑडियो-विजुअल इतिहास रिकॉर्डिंग प्रदान करता है. इस कार्यक्रम के तहत 12 अनुसंधान परियोजनाएं, 06 मोनोग्राफ, और 03 ऑरल हिस्ट्री रिकॉर्डिंग और 65 ऑडियो-विज़ुअल रिकॉर्डिंग पूरी की गई हैं. इसके अलावा, एनएफडीसी-एनएफएआई ने 12 मोनोग्राफ और अनुसंधान परियोजनाएं प्रकाशित की हैं. भारत और विदेश के शोधकर्ताओं और छात्रों को फिल्म और वीडियो संग्रह, दस्तावेज़ीकरण अनुभाग और पुस्तकालय तक पहुंच प्रवेश प्राप्त है.

5.5.7 फिल्म संस्कृति का प्रसार

एनएफडीसी-एनएफएआई का एक उद्देश्य यह है कि यह पूरे भारत में फिल्म संस्कृति के प्रसार में सक्रिय रूप से संलग्न है. इस उद्देश्य से, हमने अध्ययन-अनुसंधान और मनोरंजन उद्देश्यों के लिए अन्य अभिलेखागारों से खरीद या विनिमय करके बड़ी संख्या में विदेशी और भारतीय फिल्में हासिल की हैं. इन्हें नियमित रूप से एनएफडीसी-एनएफएआई के अपने परिसर में शोधकर्ताओं, फिल्म निर्माताओं, फिल्म सर्कल के सदस्यों और अन्य लोगों को दिखाया जाता है, और इसके शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए फिल्म और टीवी संस्थान को भी उधार दिया जाता है. एनएफडीसी-एनएफएआई पूरे देश में फिल्म सोसायटी और शैक्षिक और सांस्कृतिक संगठनों को अक्सर अपने संग्रह से भारतीय और विदेशी दोनों देखने/डुप्लिकेट प्रतियां संयुक्त स्क्रीनिंग कार्यक्रमों के लिए उधार देता है. इसके अलावा एनएफडीसी-एनएफएआई भारत और विदेश में आयोजित कई फिल्म समारोहों का समर्थन करता है.

एनएफडीसी-एनएफएआई फिल्म स्क्रीनिंग, फिल्म समारोहों का आयोजन करता है और अपने लघु और दीर्घकालिक फिल्म प्रशंसा पाठ्यक्रमों के माध्यम से एक स्वस्थ फिल्म संस्कृति का प्रसार करने का प्रयास करता है. यह चार दशकों से अधिक समय से एफटीआईआई के साथ संयुक्त रूप से फिल्म प्रशंसा पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है. पूरे भारत से विभिन्न व्यवसायों के प्रतिभागियों को ऐसे पाठ्यक्रमों से सर्वश्रेष्ठ भारतीय और विश्व सिनेमा से अवगत कराया जाता है. पढ़ाए जाने वाले प्रमुख विषयों में फिल्म माध्यम की मूल बातें, एक कला के रूप में सिनेमा, फिल्म इतिहास, फिल्म सिद्धांत फिल्म और मीडिया, फिल्म कानून और अन्य कलाओं आदि के साथ सिनेमा का संबंध शामिल हैं. पाठ्यक्रम ने जबरदस्त लोकप्रिय प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और हमारी सिनेमा संस्कृति में फिल्मों को देखने और अध्ययन करने के लिए एक विश्लेषणात्मक ढांचा बनाने, जागरूकता फैलाने में योगदान दिया है.

5.5.8 एनएफडीसी-एनएफएआई इंफ्रास्ट्रक्चर

जयकर बंगले में एक डिजिटल लाइब्रेरी और विशेष रूप से इसकी फिल्म होल्डिंग्स के लिए डिज़ाइन किए गए तीन स्टोरेज वॉल्ट शामिल हैं. यह ऐतिहासिक और विद्वतापूर्ण अनुसंधान और फिल्मों की सराहना को सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है. फेज-1 और फेज 2-कोथरुड में मौजूद तीन थिएटरों का उपयोग अभिलेखीय स्क्रीनिंग और व्यक्तियों या संगठनों द्वारा किराए पर लेने के लिए किया जाता है. शुल्क के लिए, लॉ कॉलेज रोड पर मुख्य थिएटर (330-सीट)

a valuable part of archive's collection since many of the films are now untraceable and lost forever. Censor records going back to the 20s and bound volumes of Indian film magazines from the 30s onwards are among the other important materials available for reference and study. These records have been digitized and are accessible through NFDC-NFAI website for wider dissemination. The library extends services to students, research workers, journalists and anyone interested in Cinema. Most of the old periodicals, rare books and scripts are digitized.

5.5.6 Research and Film Studies

The NFDC-NFAI also actively promotes research on Indian Cinema through its Research Programs. It assigns monographs on eminent Indian film personalities to film scholars which helps in documenting their film careers, Research Fellowships on themes related to Indian Cinema, Audio-visual History recordings of senior living artistes and technicians. 12 Research projects, 06 Monographs, and 03 Aural History Recordings and 65 Audio-visual recordings have been completed under this Program. Furthermore, NFDC-NFAI has published 12 Monographs and Research Projects. Researchers and students from India and abroad have access to the film and video collection, documentation section and the library.

5.5.7 Dissemination of Film culture

One of the objectives of the NFDC-NFAI is that it actively engages in disseminating film culture throughout India. To this end, we have acquired a large number of foreign and Indian films by purchase or exchange from other archives for study – research and entertainment purposes. These are regularly shown in the NFDC-NFAI's own premises to researchers, filmmakers, Film Circle Members and others, and are also loaned to the Film & TV Institute for its academic programs. The NFDC-NFAI also frequently loans viewing/duplicate copies from its collection - both Indian and foreign - for joint screening programs to film societies and educational and cultural organizations all over the country. Beside this NFDC-NFAI supports many film festivals conducted in India & Abroad.

NFDC-NFAI organize Film Screenings, Film Festivals and strives to spread a healthy film culture through its Short and Long-Term Film Appreciation Courses. It has been conducting a Film Appreciation Course jointly with the FTII for more than four decades. Participants from different professions from all over India are exposed to the best of Indian and world cinema from such courses. Among the major topics taught are the basics of the film medium, cinema as an art, film history, film theory and the relationship of cinema to other arts. Film & Media, Film Law etc. The course has evoked a tremendous popular response and contributed to spread awareness, to have an analytic framework, to view and study films in our cinema culture.

5.5.8 NFDC-NFAI Infrastructure

NFDC-NFAI has two theaters including a Preview Theatre, a book library, a digital library at Jayakar Bungalow and three storage vaults designed specifically for its film holdings. It provides various services to facilitate historic and scholarly research and appreciation of films. The three theaters on-site at Phase-1 and Phase 2-Kothrud are used for archival screenings and for individuals or organizations to rent. For a fee, both the main theater (330-seat) and the preview theater (30-seat) at Law College Road, and the main theater (200-

और पूर्वावलोकन थिएटर (30-सीट), और इसके फेज 2 भवन में मुख्य थिएटर (200-सीट) संरक्षकों को फिल्म देखने में अधिक मनोरंजक अनुभव प्रदान करने के लिए अपने कमरे और प्रक्षेपण सुविधाओं का उपयोग प्रदान करता है. दोनों थिएटर 4K और 2K क्रिस्टी प्रोजेक्टर से लैस हैं. फेज-1 मुख्य थिएटर के दोनों थिएटरों में 35 मिमी चेंज ओवर प्रोजेक्टर हैं. प्रीव्यू थिएटर में 8 मिमी और 16 मिमी प्रक्षेपण सुविधाएं भी हैं.

एनएफडीसी-एनएफएआई के फेज-2 में 16 फिल्म वॉल्ट सहित चार मंजिला इमारत और 8 नाइट्रेट वॉल्ट वाली एक अतिरिक्त इमारत शामिल है. इन्हें निर्धारित अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तापमान और सापेक्ष आर्द्रता के साथ जलवायु-नियंत्रित वाल्टों में संग्रहित किया जाता है. प्रत्येक वॉल्ट में लगभग 6000 रीलें हैं, जो 200 शीर्षकों के करीब है.

5.5.9 वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एनएफडीसी-एनएफएआई वित्तीय विवरण

₹ लाखो में

	लेखा प्रमुख	व्यय ₹ में किया गया.
1	स्थापना	7,11,82,542
2	सहायता अनुदान	1,04,54,761
3	फिल्मी सामग्री का विकास, संचार और प्रसार (डीसीडीएफसी)-एनएफडीसी-एनएफएआई	2,07,83,207
	कुल	**10,24,20,510**

5.5.10 राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन (एनएफएचएम)

राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन (एनएफएचएम), भारत सरकार का एक प्रतिष्ठित मिशन, सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा नवंबर 2016 में स्थापित किया गया था. मिशन का उद्देश्य भारत की फिल्म विरासत का संरक्षण, संरक्षण, डिजिटलीकरण और बहाली करना है. कुल लागत 544.82 करोड़ मंत्रालय द्वारा एनएफएचएम को 2021- 22 से 2024-25 की अवधि के लिए जारी रखने की मंजूरी दे दी गई है. योजना योजना के कार्यान्वयन का दायित्व नेशनल फिल्म आर्काइव ऑफ इंडिया, पुणे को दिया गया है. मिशन को वैश्विक मानकों के अनुसार लागू करने के लिए निर्माताओं, प्रोडक्शन हाउस, सामग्री मालिकों, विभिन्न फिल्म संघों के प्रतिनिधियों और फिल्म इतिहासकारों सहित उद्योग के प्रमुख खिलाड़ियों के साथ परामर्श किया गया.

एनएफएचएम की स्थापना के बाद से सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन (एनएफएचएम) के तहत गठित उच्च-स्तरीय समिति की कुल नौ बैठकें आयोजित की गई. एनएफएचएम परियोजना के संबंध में तकनीकी सलाह लेने के लिए एक तकनीकी समिति भी गठित की गई थी. वित्त वर्ष 2022-23 में 9 वीं एचएलसी बैठक आयोजित की गई, और एक तकनीकी समिति की बैठक आयोजित की गई.

वित्तीय वर्ष 2021-22 और 2022-23 के लिए इस परियोजना की कुल लागत इस प्रकार है –

₹ लाखो में

	व्यय (ईएफसी दस्तावेज़ के अनुसार)	Expenditure (As per EFC Document)	वित्तीय वर्ष 2021-2022	वित्त वर्ष 2022-23	कुल ₹ में.
			FY 2021-2022	FY 2022-23	Total in ₹
1	1200 फीचर फिल्मों का 2K डिजिटलीकरण	2K Digitalization of 1200 Feature Films	2,43,96,839	3,10,93,972	5,54,90,811
2	1660 लघु फिल्मों का 2K डिजिटलीकरण	2K Digitalization of 1660 Short Films	2,43,96,839	3,10,93,972	5,54,90,811
3	1145 फ़ीचर फ़िल्मों के लिए 2K पुनर्स्थापना.	2K Restoration for 1145 Feature Films.	2,68,86,922	22,40,76,001	25,09,62,923

seat) at its Phase 2 building provide patrons the use of their rooms and projection facilities to provide a more enjoyable experience in viewing films. Both the theaters are equipped with 4K and 2K Christie Projectors. Both theaters of Phase-1 main theater have 35mm change over projectors. Preview theater also has 8mm and 16mm projection facilities.

The Phase-2 of NFDC-NFAI comprises of a four-storey building including 16 film vaults, and an additional building with 8 nitrate vaults. They are stored in climate-controlled vaults with temperature and relative humidity according to the prescribed international standards. Each vault houses about 6000 reels, which is close to 200 titles.

5.5.9 NFDC-NFAI Financial Details for FY 2022-23

₹ in lakhs

	Account Head	Expenditure incurred in ₹
1	Establishment	7,11,82,542
2	Grant in Aid	1,04,54,761
3	Development, Communication & Dissemination of Filmic Content (DCDFC)-NFDC-NFAI	2,07,83,207
	Total	**10,24,20,510**

5.5.10 National Film Heritage Mission (NFHM)

National Film Heritage Mission (NFHM), a prestigious mission of Government of India project was set up in November 2016 by the Ministry of Information and Broadcasting. The mission aims at preservation, conservation, digitization, and restoration of film heritage of India. Total cost of 544.82 Cr. for the period of 2021-22 to 2024-25 has been approved by the ministry for the continuation of NFHM. Implementation of the plan scheme is given to National Film Archive of India, Pune. Consultations were held with key players of the industry, including producers, production houses, content owners, representatives of various film associations and film historians to implement the mission as per global standards.

Total nine meetings of the High-Level Committee constituted under National Film Heritage Mission (NFHM) were held under the Chairmanship of Secretary, Ministry of Information and Broadcasting since the inception of NFHM. A Technical Committee was also set-up to seek technical advice in respect of the NFHM project. In FY 2022-23 the 9th HLC meeting was conducted, and one Technical Committee meeting was conducted.

The total cost incurred for this project for the Financial Year 2021-22 and 2022-23 is as under –

Table Contd.

	व्यय (ईएफसी दस्तावेज़ के अनुसार)	Expenditure (As per EFC Document)	वित्तीय वर्ष 2021-2022	वित्त वर्ष 2022-23	कुल ₹ में.
			FY 2021-2022	FY 2022-23	Total in ₹
4	प्रशासनिक व्यय.	Administrative Expenditure.	8,97,28,412	4,00,93,684	12,98,22,096
5	वाल्टों का निर्माण.	Construction of Vaults.	19,65,19,295	19,50,59,220	39,15,78,515
6	132000 फिल्म रीलों का निवारक संरक्षण	Preventive conservation of 132000 film reels	8,27,52,518	3,02,05,562	11,29,58,080
	कुल	**Total**	**44,46,80,825**	**55,16,22,411**	**99,63,03,236**

वित्त वर्ष 2022-23 में एनएफएचएम की उपलब्धियां इस प्रकार हैं –

(i) मिशन का पहला उद्देश्य, फिल्म संग्रह आकलन पूरा हो गया है. इसमें भौतिक और रासायनिक स्थिति के आधार पर 154,305 फिल्म रीलों का वर्गीकरण शामिल था. 1,54,305 फिल्म रीलों का वर्गीकरण किया गया है –

श्रेणी क	67.26%
श्रेणी ख	26.67%
श्रेणी ग	6.07%

आरएफआईडी आधारित एसेट ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर की एएमसी प्रगति पर है.

(ii) 60,557 फिल्म रीलों के लिए निवारक संरक्षण परियोजना चल रही है. इसमें फिल्म रीलों में नुकसान का अवरोध करना और क्षति की मरम्मत करना, कैटलॉगिंग और मेटा-टैगिंग और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार वॉल्ट में फिल्म रीलों की पुन: व्यवस्था करना शामिल है. एनएफडीसी-एनएफएआई ने वर्तमान में लगभग 2,680 रीलों का निवारक संरक्षण पूरा कर लिया है. पूरा होने की अनुमानित समयसीमा मार्च 2024 है.

(iii) राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन (एनएफएचएम) के तहत 363 करोड़ रुपये के बजट के साथ दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म बहाली परियोजना 2022 में शुरू की गई थी. 2,253 फिल्मों (1,145 फीचर, 1,108 शॉर्ट्स) की पुनर्स्थापना हो रही है. फिल्म निर्माताओं, वृत्तचित्र फिल्म निर्माताओं, फिल्म इतिहासकारों, निर्माताओं आदि को मिलाकर भाषावार समितियां बनाकर शीर्षकों को शॉर्टलिस्ट किया गया है. इस प्रक्रिया में डिजीटल फिल्म में स्क्रेचेस, कलर मिसमॅच, मिसिंग फ्रेम्स आदि जैसे दोषों को दूर करना, डीसीपी मास्टरिंग, जोड़ना उपशीर्षक और पुनर्स्थापित और संदर्भ प्रतिलिपि फ़ाइलों का निर्माण शामिल है. वर्तमान में, 71 उपाधियाँ पुनर्स्थापना के अधीन हैं.

(iv) सोंडोर ऑडियो स्कैनर के लिए एआरआरआई-एक्सटी स्कैनर्स का उपयोग करके सर्वोत्तम तकनीकी प्रगति का उपयोग कर रहा है. इस प्रक्रिया में फिल्म रीलों की स्कैनिंग (2K/4K पर), रंग ग्रेडिंग, उपशीर्षक और डीसीपी जोड़ना और संदर्भ प्रतिलिपि बनाना शामिल है. एनएफडीसी-एनएफएआई ने अब तक 1,115 से अधिक फिल्मों का डिजिटलीकरण किया है, जिनमें फीचर फिल्में 755 से अधिक हैं.

(v) धूल-मुक्त, कम आर्द्रता और कम तापमान की स्थिति बनाए रखने के लिए एनएफडीसी-एनएफएआई परिसर, पुणे में पुनर्स्थापित सामग्री के संरक्षण के लिए अभिलेखीय सुविधा की रचना निर्माणाधीन है.

(vi) एनएफएचएम की स्थापना के प्रारम्भिक वर्षों में संरक्षण, परिरक्षण और संग्रह के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यशालाएं और पाठ्यक्रम आयोजित किए गए हैं.

भारतीय सिनेमा, जो अब सौ से अधिक वर्षों से अस्तित्व में है, विश्व सिनेमा के मंदिर में एक बहुत ही अद्वितीय स्थान रखता है. भारतीय फिल्मों की पुनर्रचना एक बार फिर वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को इन फिल्मों की महिमा को फिर से जीने का मौका देगी, जिन्होंने दशकों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है.

The achievements of NFHM in FY 2022-23 is as follows –

(i) The first objective of mission, Film Collection Assessment is completed. It entailed categorization of 154,305 film reels based on physical and chemical condition. Categorization of 1,54,305 film reels has been carried out –

Category A	67.26%
Category B	26.67%
Category C	6.07%

AMC of the RFID based Asset tracking software is in progress.

(ii) Preventive Conservation project for 60,557 film reels is underway. It involves arresting of decay and repairing of damages in film reels, cataloguing and meta-tagging and re-arrangement of film reels in the vaults as per international standards. NFDC-NFAI has currently completed the Preventive Conservation of around 2,680 reels. The projected timeline for completion is March 2024.

(iii) World's largest film restoration project under National Film Heritage Mission (NFHM) with a budget of ₹ 363 crores was started in 2022. The restoration of 2,253 films (1,145 features, 1,108 shorts) is underway. The titles have been shortlisted by forming language wise committees consisting of filmmakers, documentary filmmakers, film historians, producers etc. The process involves removal of defects in the digitized film such as scratches, color mismatch, missing frames etc., DCP mastering, adding of subtitles, and creation of restored and reference copy files. At present, 71 titles are under restoration.

(iv) Under digitization project, for 5,113 celluloid films (2,345 features, 2,768 shorts), NFHM is using the best of technological advancements by using the ARRI-XT Scanners for picture and Sondor audio scanners. The process involves scanning of film reels (at 2K/4K), color grading, adding of subtitles and DCP and reference copy creation. NFDC-NFAI has digitized more than 1,115 films till date, in which Feature films are more than 755.

(v) Construction of archival facility for preservation of material restored is under construction at NFDC-NFAI campus, Pune to maintain dust-free, low humidity, and low temperature conditions.

(vi) Training workshops and courses in field of conservation, preservation, and archiving, have been conducted in early years of inception of NFHM.

Indian Cinema, which has been in existence for more than a hundred years now, holds a very unique place in the pantheon of world cinema. The restoration of Indian films will once again give a chance to the current and future generations to relive the glory of these films which have enamored audiences for decades.

5.6 मीडिया नियोजन व्यवसाय

आपकी कंपनी भारत सरकार की नोडल एजेंसी है जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अभियान चलाती है और भारत सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), स्वायत्त निकायों, विभागों और संगठनों की योजनाओं, संदेशों, विज्ञापन और नीतियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रमों और सूचनाओं का प्रसार डीएवीपी दरों के अनुसार करती है. पिछले एक दशक से, एनएफडीसी 150 से अधिक मंत्रालयों/विभागों/सरकारी संस्थानों को विभिन्न क्षेत्रों - निर्माण, सोशल मीडिया और प्रचार/मीडिया अभियानों में सेवाएं प्रदान कर रहा है. एनएफडीसी प्रचार/मीडिया अभियानों के माध्यम से सूचना प्रसार के लिए ग्राहकों को सहायता और सुविधा प्रदान करता है. जागरूकता पैदा करने, उपभोक्ताओं/लाभार्थियों का मार्गदर्शन करने और सरकारी पहलों का प्रभावी कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रचार अभियान मोबाइल वैन गतिविधि, टेलीविजन, रेडियो, डिजिटल सिनेमा थिएटर, डिजिटल वेबसाइट आदि डीएवीपी दरों के अनुसार हैं. महामारी के बाद की स्थिति के साथ, मीडिया नियोजन कार्यक्षेत्र आने वाले वर्षों में पुनर्जीवित होने के लिए तैयार है. वर्टिकल का प्रदर्शन निम्नानुसार दर्शाया गया है –

अभियानों की कुल संख्या	25
ग्राहकों की कुल संख्या	4
ग्राहक के अनुसार ब्रेकअप	
भारतीय वायु सेना	₹ 4.83 करोड़
भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ	₹ 0.25 करोड़
पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ	₹ 6.81 करोड़
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय	₹ 0.06 करोड़

5.10 सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया व्यवसाय

डिजिटल मीडिया माध्यम है जो एनएफडीसी द्वारा वर्मान समय में अपने ग्राहकों को उपलब्ध कराए जाने वाले मीडिया मिक्स चैनल्स को सप्लीमेंट करता है. हमने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार सिर्फ सोशल मीडिया प्रबंधन सेवाओं की पेशकश से लेकर डिजिटल अभियान, इन्फ्लुएंसर आउटरीच प्रोग्राम, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) और वेबसाइट विकास तक किया है. आगे बढ़ते हुए, एनएफडीसी की योजना मोबाइल ऐप डेवलपमेंट और नवीनतम उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ साथ सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारी सेवाओं के दायरे को व्यापक बनाने की है. वर्ष के दौरान एनएफडीसी ने अपनी डिजिटल मीडिया सेवाएं नीचे दिए गए ग्राहकों को उपलब्ध कईं हैं. –

1. आईआरसीटीसी – डिजिटल मीडिया सेवाएं और सोशल मीडिया प्रबंधन
2. राइट्स लि. – सोशल मीडिया प्रबंधन और मीडिया मोनिटरिंग
3. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड – सोशल मीडिया मैनेजमेंट
4. कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग – सोशल मीडिया प्रबंधन
5. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान – सोशल मीडिया प्रबंधन
6. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (संस्कृति मंत्रालय) – "आजादी का अमृत महोत्सव" और डिजिटल अभियानों के हिस्से के रूप में एबीसीडी परियोजना के लिए सोशल मीडिया प्रबंधन
7. भारतीय खाद्य निगम – सोशल मीडिया प्रबंधन
8. श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा एनसीएस योजना – सोशल मीडिया प्रबंधन

5.6 Media Planning Business

Your Company is a Nodal agency of Government of India executing Electronic Media campaigns and does dissemination of Awareness Programmes and Information about schemes, messages, advertisement and policies of different Ministries, Public Sector Undertaking (PSU's), Autonomous Bodies, Departments and organization under the Govt. of India, as per DAVP rates. Over a decade now, NFDC has been rendering services to more than 150 Ministries/Departments/Government Institutions in various verticals – Production, Social Media & Publicity/ Media Campaigns. NFDC handholds and facilitates the clients for information dissemination through Publicity/ Media Campaigns Publicity Campaigns are as per DAVP rates in Mobile Van Activity, Television, Radio, Digital Cinema Theatres, Digital Website etc. to create awareness, guide consumers/beneficiaries, and facilitate the effective implementation of Government initiatives. With the post pandemic situation, the media planning vertical is poised to revive in the coming years. The performance of the vertical is mentioned hereunder –

Total no. of Campaigns	25
Total No. of Clients	4
Client wise Breakup	
Indian Air Force	₹ 4.83 Cr
Tribal Cooperative Marketing Development Federation of India	₹ 0.25 Cr
Petroleum Conservation Research Association	₹ 6.81 Cr
Ministry of Information & Broadcasting	₹ 0.06 Cr

5.7 Social Media & Digital Media Business

Digital Media is a medium which supplements the existing channels of media mix offered by NFDC to its clients. We have expanded our portfolio from just offering Social Media Management services to executing Digital Campaign, Influencer Outreach Programs, Search Engine Optimization (SEO) and Website Development. Going forward, your Company plans to broaden the scope of its services to Mobile App Development and providing services in sync with latest emerging technologies. During the year, NFDC has provided its digital media services to the below mentioned clients –

1. IRCTC – Digital Media Services (SEO) & Social Media Management
2. RITES LTD. – Social Media Management & Media Monitoring
3. National High Speed Rail Corporation Ltd – Social Media Management
4. Department of Personnel & Training (DoPT) – Social Media Management
5. National Institute of Electronics & Information Technology – Social Media Management
6. Indira Gandhi National Centre for the Arts (Ministry of Culture) – Social Media Management for ABCD project as part of "Azadi Ka Amrit Mahotsav" & Digital Campaigns
7. Food Corporation of India – Social Media Management
8. NCS Scheme by Ministry of Labour and Employment – Social Media Management

9. प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग.

10. एससीओ समारोह

वित्त वर्ष 2022-23 में वर्टिकल का प्रदर्शन यहां उल्लिखित है –

9. Department of Administrative Reforms & Public Grievances.

10. SCO Festival

The performance of the vertical in FY 2022-23 is mentioned hereunder –

₹ करोड़ में
₹ in Crore

ग्राहकों की कुल संख्या	Total No. of Clients	9
ग्राहक के अनुसार ब्रेकअप	Client wise Breakup	
भारतीय खाद्य निगम	Food Corporation of India	0.84
नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	National High Speed Rail Corporation Ltd	0.48
आईआरसीटीसी	IRCTC	0.28
व्यक्तिगत एवं प्रशिक्षण विभाग	Department of Personal & Training	0.13
संस्कृति मंत्रालय	Ministry of Culture	3.69
कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी)	Department of Personnel & Training (DoPT)	0.26
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान	National Institute of Electronics & Information Technology	0.37
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय	Ministry of Information & Broadcasting	0.02
श्रम मंत्रालय	Ministry of Labour	1.11

वर्तमान के प्रवृत्तियों सामाजिक आउटरीच सहित और विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा डिजिटल मीडिया को दिए गए महत्व के साथ, डिजिटल मीडिया वर्टिकल में विकास की अपार संभावनाएं हैं.

5.4 वितरण

हिंदी सहित 20+ से अधिक क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में 320 से अधिक फिल्मों और 85 टाइटल्स को पुन:स्थापित करने के साथ एनएफडीसी 120 फिल्मों की सूची को एकीकृत करता है जिसमें प्रीमियम और मार्की फिल्में शामिल हैं जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और मान्यताएं जीती हैं. उचित उपयोग, राजस्व और पहुंच के लिए ये सामग्री दुनिया भर के विभिन्न टीवी, डिजिटल, वीडियो ऑन डिमांड प्लेटफॉर्म पर एकीकृत हैं. भारत के सिनेमाघरों की स्थिति को बनाए रखने के लिए फिल्म समारोहों और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहचान करके तथा उसमें भाग लेने से वैश्विक स्तर पर सामग्री का लाभ उठाया जाता है, जो कि भारत के स्वतंत्र सिनेमा का मुखमंडल है. एनएफडीसी फिल्म वितरण के समकालीन तरीकों का प्रभावी ढंग से उपयोग करके दर्शकों को सिनेमा दिखाने में सफल रहा है. वितरण को विभिन्न कार्यक्षेत्रों में संरचित किया गया है, जैसे फिल्म समारोह और फिल्म बाजार के साथ वितरण – थिएट्रीकल, सिंडीकेशन – घरेलू, निर्यात – अंतर्राष्ट्रीय बिक्री, ओटीटी – भारत के सिनेमा, होम–वीडियो. ओटीटी प्लेटफॉर्म www.cinemasofindia.com एनएफडीसी की फिल्मों को साल भर प्रदर्शित करता है और दुनिया में कहीं से भी उपलब्ध किया जा सकता है.

5.8.2 घरेलू

आज़ादी का अमृत मोहोत्सव के एक भाग के रूप में हमने एनएफडीसी की फीचर फिल्म श्री रिचर्ड एटनबरो द्वारा निर्देशित गांधी तथा श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित द मेकिंग ऑफ महात्मा का हिंदी और तेलुगु में डब संस्करण का प्रसारण तेलंगाना, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में किया गया.

- IN10 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड
  वर्ल्डवाइड हेतु एसवीओडी अधिकारों के लिए गैर-विशिष्ट आधार पर 18 महीने की अवधि के लिए औपचारिक रूप से 60 फिल्मों का डील किया गया.

- वायाकॉम 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड
  वर्ल्डवाइड के लिए सैटेलाइट राइट्स (एक्सक्लूसिव) और एसवीओडी (नॉन-एक्सक्लूसिव) राइट्स पर 5 साल की अवधि के लिए 06 फिल्मों की औपचारिक डील हुई.

With recent trend social outreach and the significance given to Digital Media by various Government Departments, the Digital Media vertical have immense potential of growth.

5.8 Distribution

With over 320 films in 20+ regional Indian languages including Hindi and 85 titles restored, NFDC films are syndicated in a catalog of 120 films which includes premium & marquee films that have won National and International Awards & recognitions. These content are syndicated across various TV, Digital, Video on Demand platforms worldwide for appropriate exploitation, revenue and reach. The content is further leveraged globally by identifying and participating at various film festivals and International markets to maintain the positioning of Cinemas of India as the brand that is the face of independent cinema from India. NFDC has been successful in showcasing cinema to the audiences by effectively exploiting contemporary modes of film distribution avenues. Distribution is structured into various verticals namely Distribution – Theatrical, Syndication – Domestic, Exports – International Sales, OTT – Cinemas of India, Home-Video along with Film Festivals & Markets. The OTT platform www.cinemasofindia.com streams NFDC's films throughout the year and is accessible from anywhere in the world.

5.8.1 Domestic

Part of Azadi Ka Amrit Mohotsav we facilitated the telecast of NFDC's feature film Gandhi directed by Shri Richard Attenborough and The Making of Mahatma Directed by Shyam Benegal in Hindi and Telugu dubbed versions in Telangana, Rajasthan & Chhattisgarh.

- IN10 Media Private Limited
  Formalized 60 films deal for a period of 18 months on a non-exclusive basis for SVOD rights for Worldwide.

- Viacom 18 Media Pvt Ltd
  Formalized 06 films deal for a period of 5 years on a Satellite Rights (exclusive) & SVOD (non-exclusive) rights for Worldwide.

- महोत्सव स्क्रीनिंग (घरेलू)

i. निर्देशक श्री श्याम बेनेगल द्वारा फिल्म गांधी से महात्मा तक की स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई, इसे द लिंडस वैली इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, चंडीगढ़, में 02 अक्टूबर 2022 को प्रदर्शित किया गया.

ii. नवम्बर 2022 को धर्मशाला अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, हिमाचल प्रदेश में गट्टू फिल्म की स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई.

5.8.2 निर्यात

- मुबी, यूके

विश्वभर में एसवीओडी अधिकारों के लिए गैर-अनन्य आधार पर 18 महीने की अवधि के लिए एमयूबीआई ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ औपचारिक रूप से 37 फिल्में डील करती हैं. 2019 से एनएफडीसी एमयूबीआई के साथ पारस्परिक रूप से लाभदायक सहयोग साझा करता है. और यह मुबी के साथ तीसरा सफल सहयोग था.

- क्राइटेरिया कलेक्शन (जेनस फिल्म्स कंपनी) – न्यूयॉर्क, यूएसए

वितरण विभाग ने एनएफडीसी के 5 शीर्षकों को यानी पाथेर पांचाली, आगंतुक, गणशत्रु, घरे बैरे तथा म्यूजिक ऑफ सत्यजीत रे को औपचारिक रूप दिया है तथा फिल्म्स डिवीजन के 4 शीर्षक यानी सत्यजीत रे, द इनर आई, रबींद्रनाथ टैगोर और क्रिएटिव आर्टिस्ट ऑफ इंडिया– सत्यजीत रे ने क्राइटेरियन कलेक्शन (जेनस फिल्म्स कंपनी) – एक न्यूयॉर्क स्थित कंपनी के साथ 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2027 तक 5 साल की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, उत्तरी आयर्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड के क्षेत्रों के लिए डील की है.

- ईडी वितरण, फ्रांस

वितरण विभाग ने एनएफडीसी के 4 टाइटल यानी उसकी रोटी, आषाढ़ का एक दिन, दुविधा तथा नज़र फिल्मों का फ्रांस, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड के क्षेत्रों के लिए 9 मई 2022 से 5 साल की अवधि के लिए ईडी डिस्ट्रीब्यूशन, पेरिस, फ्रांस स्थित कंपनी के साथ सौदा किया. जर्मनी के लिए टीवी अधिकार केवल सांस्कृतिक चैनल आर्टे को बिक्री के मामले में दिए जाते हैं.

समारोह स्क्रीनिंग (अंतर्राष्ट्रीय)

i. ओम दर ब दर (1955), निदेशक – कमल स्वरूप, 15 मई 2022 का सुपाकिनो लिमिटेड लंदन द्वारा रियो सिनेमा, यूके में विशेष स्क्रीनिंग किया गया. 17-27 नवंबर, 2022 के दौरान लेस 3 कंटेंट्स, फ्रांस में प्रदर्शित की गई .

ii. नसीम (1995) निर्देशक – सईद अख्तर मिर्ज़ा की स्क्रीनिंग 14 सितंबर 2022 को शिर्न कुन्स्टहल्ले फ्रैंकफर्ट में की गई थी.

iii. बनारसी जासूस (2019), निर्देशक – पंकज पराशर सीएफएसआई फिल्म 9-15 नवंबर 2022 को बॉलीवुड फेस्टिवल, नॉर्वे में प्रदर्शित की गई .

iv. पथेर पांचाली (1955), निदेशक – लेफ्टिनेंट श्री सत्यजीत रे, 6 सितंबर 2022 को प्रदर्शनी स्क्रीनिंग, फिल्म संग्रहालय मुनीच स्टैड म्यूजियम, जर्मनी में प्रदर्शित किया गया था.

v. अरविन्द देसाई की अजीब दास्तान (1978), निर्देशक – सईद अख्तर मिर्जा की स्क्रीनिंग 17-27 नवंबर, 2022 के दौरान लेस 3 कंटेंट्स, फ्रांस में की गई थी.

5.8.3 बाल फिल्म अनुभाग की उपलब्धियाँ
परिचय/अवलोकन

बाल सिनेमा के व्यापक उद्देश्य इस प्रकार हैं –

- फिल्मों के माध्यम से शिक्षा और संस्कृति को आगे बढ़ाना, विशेषकर बच्चों और किशोरों के बीच,

- Festival Screenings (Domestic)

i. Facilitated the screening of the film Gandhi Se Mahatma Tak Dir – by Shri Shyam Benegal, it was showcased at The Lindus Vally International Film Festival, Chandigarh, on 02 October 2022.

ii. Facilitated the screening of the film Gattu. It was showcased at The Dharamshala International Film Festival, Himachal Pradesh, on November 2022.

5.8.2 Exports

- MUBI, UK

Formalized 37 films deal with MUBI OTT platform for a period of 18 months on non-exclusive basis for SVOD rights Worldwide. NFDC shares a mutually beneficial association with MUBI since 2019 & this was the third successful collaboration with MUBI.

- Criterion Collection (Janus Films Company) – New York, USA

Distribution Department has formalized 5 titles of NFDC i.e. Pather Panchali, Agantuk, Ganashatru, Ghare Baire & Music of Satyajit Ray & 4 titles of Films Division i.e. Satyajit Ray, The Inner Eye, Rabindranath Tagore & Creative Artist of India – Satyajit Ray deal with Criterion Collection (Janus Films Company) - a New York based Company for a period of 5 years period from 1st April, 2022 to 31st March 2027 for the territories of USA, Canada, UK, North Irlend, Australia, New Zealand.

- E.D. Distribution, France

Distribution Department has formalized 4 titles of NFDC i.e. Uski Roti, Ashad Ka Ek Din, Duvidha & Nazar deal with E.D. Distribution, Paris, France based company for a period of 5 years period from 9th May, 2022 for the territories of France, Belgium and Switzerland. TV rights are granted for Germany only in the case of a sale to the Cultural Channel Arte.

Festival Screenings (International)

i. Om Dar B Dar (1955), Dir – Kamal Swaroop, was screened on 15th May, 2022 the special screening at Rio Cinema, UK. By SUPAKINO Ltd, London. Screened during 17-27 November, 2022 at Less 3 Contents, France.

ii. Naseem (1995) Dir – Saeed Akthar Mirza was screened on 14th September 2022 at the Schirn Kunsthalle Frankfurt.

iii. Banarasi Jasoos (2019), Dir – Pankuj Parashar a CFSI film was screened on 9-15th November,2022 at Bollywood Festival, Norway.

iv. Pather Panchali (1955), Dir – Lt Shri Satyajit Ray, was screened on 6th September, 2022 at the Exhibition Screening, Film museum Im Munchner Stadmuseum, Germany.

v. Arvind Desai ki Ajeeb Dastan (1978), Dir – Saeed Akthar Mirza, was Screened during 17-27 November, 2022 at Less 3 Contents, France.

5.8.3 Children Film Section Achievements
Introduction/Overview

The broad objectives of Children's cinema are as follows –

- To advance education and culture through the medium of films, more especially amongst children and adolescents,

- बच्चों और किशोरों में स्वस्थ मनोरंजन के उद्देश्य से फिल्मों के प्रति रुचि पैदा करना और विकसित करना.

- भारत और विदेशों में विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के लिए या उनकी विशेष रुचि वाली फिल्मों के निर्माण, वितरण तथा प्रदर्शन का कार्य करना, सहायता करना, प्रायोजित करना, बढ़ावा देना और समन्वय करना.

अपने आदर्श वाक्य " हर बच्चे के मनोरंजन के अधिकार को बढ़ावा देना " के साथ बच्चों के सिनेमा के लिए सभी वर्गों के बच्चों के लिए फ्री थिएट्रीकल और नॉन थिएट्रीकल शो आयोजित किए जा रहे हैं.

राज्य और जिला प्रशासन, जिला बाल संरक्षण इकाइयों, सरकार के साथ गहरे और लंबे संबंधों के साथ, पंजीकृत एनजीओ, शैक्षिक उपग्रह चैनल, नगरपालिका वर्चुअल शैक्षिक स्टूडियो, अन्य के अलावा, बच्चों का सिनेमा स्कूली बच्चों को दिखाया जाता है और विशेष देखभाल वाले बच्चों यानी अनाथालयों, शेल्टर होम, रिमांड होम, कैंसर से पीड़ित बच्चों की देखभाल केंद्र, दिव्यांग बच्चे, एचआईवी संक्रमित बच्चे, भिन्न रूप से सक्षम बच्चे आदि को मनोरंजन प्रदान करने में भी कामयाब होता है.

1. जिला/राज्य स्तरीय बाल फिल्म महोत्सव (सीएफएफ) – इस पहल के तहत स्कूल शिक्षा विभाग, तमिलनाडु के सहयोग से सी बच्चों की फिल्म "मल्ली" को तमिलनाडु राज्य के कई स्कूलों में प्रदर्शित किया गया. कुल 189 शो आयोजित किये गये, जिससे 82,569 छात्र लाभान्वित हुए.

2. स्कूलों के लिए एलसीडी शो – बच्चों की फिल्म अनुभाग ने छात्रों की रचनात्मकता का पता लगाने और उसे बढ़ावा देने के लिए "लिटिल डायरेक्टर" गतिविधि का अभियान चलाया.

3. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय दिवस

4. दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्क्रीनिंग

5. चिल्ड्रेन इन केअर के लिए शो

6. सरकारी आयोजनों पर शो
   मंत्रालय द्वारा निर्देशित कार्यक्रमों के समारोह के लिए फिल्मों के विशेष शो इस प्रकार हैं –

   - महात्मा गांधी की 150वीं जयंती का स्मरणोत्सव,
   - स्वच्छ भारत अभियान
   - गुरु नानक की 550वीं जयंती
   - राष्ट्रीय एकता दिवस
   - एसएचएस-प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन जागरूकता अभियान
   - आजादी का अमृत महोत्सव

7. शिक्षा चैनल/वर्चुअल स्टूडियो पर प्रसारण

8. स्थलीय एवं उपग्रह चैनलों का प्रसारण

9. अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में स्क्रीनिंग

10. पुरस्कार और प्रशंसा - छात्रा सुश्री पुनम चंद द्वारा निर्देशित फिल्म "स्वच्छता की खोज" ने 11वें सीएमएस वातावरण फिल्म समारोह में "स्कूल स्टूडेंट्स फिल्म" श्रेणी के तहत पुरस्कार जीता.

5.8.4 डॉक्यूमेंट्री फेस्टिवल एवं आउटरीच सेल -
1 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च 2023 तक वृत्तचित्र अनुभाग की गतिविधियाँ (एमआईएफएफ)

- To create and develop amongst the children and adolescents an appreciation of films for purposes of healthy entertainment,

- To undertake, aid, sponsor, promote and co-ordinate the production, distribution and exhibition of films specially sited to or of special interest to children and adolescents in India and abroad,

With its motto “PROMOTING EVERY CHILD’S RIGHT OF ENTERTAINMENT” Free Theatrical and Non- theatrical shows for children of all strata are being conducted for Children’s cinema.

With deep & long linkages with State & District Administration, District Child Protection Units, Govt. Registered NGOs, Educational Satellite Channels, Municipal Virtual Educational Studio, to among other, Children’s cinema is showcased its to school children and also managed to provide entertainment to children under special care i.e those in Orphanages, Shelter Homes, Remand Homes, Cancer-Stricken Children care centers, Divyang Children, HIV Transmitted Children, Differently-Abled Children etc.

1. District/State Level CHILDREN’S FILM FESTIVAL (CFF) – Under this initiative Children’s film “Malli” was screened in multiple schools of Tamil Nadu State, in association with School Education Department, Tamil Nadu. A total of 189 shows were conducted, benefiting 82,569 students.

2. LCD SHOWS for schools – Children Film Section campaigned “Little Director” activity to explore and promote the creativity of students.

3. National/International Day

4. Screenings for VISUALLY IMPAIRED CHILDREN

5. Shows For Children In Care

6. Shows On Government Events
   Special shows of films for the celebration of events directed by the Ministry are as under –

   - Commemoration of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi,
   - Swachh Bharat campaign
   - 550th Birth Anniversary of Guru Nanak
   - Rashtriya Ekta Diwas
   - SHS-Plastic Waste Management Awareness Drive
   - Azadi Ka Amrit Mahotsav

7. Telecast On Education Channel/Virtual Studio

8. Telecast Of Terrestrial And Satellite Channels

9. Screening In International Film Festival

10. Awards and accolades-The film “SWACHHATA KI KHOJ” directed by student Ms Punam Chand won award in the 11th CMS VATAVARAN Film Festival under the “Schools Students Film” category.

5.8.4 Documentary Festival & Outreach Cell -
Activities of the Documentary Section from 1st April, 2022 to 31st March, 2023 (MIFF)

एमआईएफएफ के बारे में

मुंबई इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट एंड एनिमेशन फिल्म्स फेस्टिवल (एमआईएफएफ) फिल्म मेकर्स, निर्माताओं, वितरकों, प्रदर्शकों और फिल्म समीक्षकों को दुनिया भर की सर्वश्रेष्ठ फिल्में देखने, विचारों और अवधारणाओं का आदान-प्रदान करने और बेहतर फिल्म संस्कृति के लिए नेटवर्क बनाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है. यह द्विवार्षिक प्रतिस्पर्धी फिल्म महोत्सव 1990 से मुंबई में डॉक्यूमेंट्री सेक्शन द्वारा आयोजित किया जाता है. एमआईएफएफ को दुनिया भर में प्रमुख वृत्तचित्र, लघु कथा और एनीमेशन फिल्म समारोहों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है.

17 वां संस्करण 29 मई से 04 जून 2022 तक फिल्म्स डिवीजन कॉम्प्लेक्स में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया.

1 अप्रैल, 2022 से 31 दिसंबर, 2022 तक वृत्तचित्र अनुभाग की गतिविधियाँ

क. 2022-23 के लिए एमआईएफएफ के लिए बजट अनुदान

1. 17 वें एमआईएफएफ-2022 के प्रारंभिक कार्य के लिए व्यय (वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए)
एमआईएफएफ-2022 के प्रारंभिक कार्य के लिए आरई में स्वीकृत बजट –
106 लाख ₹
ओसी में ₹ 51.00 लाख
+ ₹ 10.00 लाख पीएस में
+ ओसी(एनई) में ₹ 45.00 लाख
₹ 106 लाख
2021-22 के लिए वित्तीय वर्ष में व्यय– ₹ 49,61,932 ओसी-मिफ (योजना) पर.
2022-23 के लिए वित्तीय वर्ष में व्यय– ₹ 4,68,56,051/-
कुल व्यय (17 वां मिफ-2022)– ₹ 5,18,18,051/-

ख. 1 अप्रैल, 2022 से 31 दिसंबर, 2022 तक वृत्तचित्र अनुभाग की गतिविधियाँ.

1. वित्तीय वर्ष 2021-22 में 17 वें एमआईएफएफ-2022 का प्रारंभिक कार्य –

क. एमआईएफएफ – 2022 के लिए आयोजन समिति का गठन– दिनांक 17.01.2022

ख. वर्चुअल मोड पर आयोजित पहली बैठक – 24 जनवरी 2022

ग. बैठक प्रमुख अध्यक्षता – अपर सचिव, एमआईबी.

घ. उद्घाटन और समापन समारोह का स्थान – नेहरू सेंटर, वर्ली मुंबई

II. वित्त वर्ष 2022-23 में 17 वें एमआईएफएफ-2022 का प्रारंभिक कार्य –

क. प्राप्त प्रविष्टियों की कुल संख्या–808 (अंतर्राष्ट्रीय: 30 देशों से 158 + राष्ट्रीय: 650)

ख. प्रतियोगिता के लिए फ़िल्टर की गई फ़िल्मों की कुल संख्या (एससीएम द्वारा)– 102 (67+35)
राष्ट्रीय श्रेणी में – प्रतियोगिता में 67 + प्रिज्म में 10
अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी में – प्रतियोगिता में 35 + प्रिज्म में 8

ग. जूरी द्वारा एमआईएफएफ-2022 पुरस्कार के लिए चयनित फिल्मों की कुल संख्या– 19

घ. विभिन्न श्रेणियों में वितरित किये गये पुरस्कार – 14

ङ. कुल संख्या प्रतिनिधि/उपस्थितगण – 4891

About MIFF

The Mumbai International Documentary, Short and Animation Films Festival (MIFF) provides an unique opportunity to film makers, producers, distributors, exhibitors and film critics to watch best films from across the globe, exchange ideas and concepts and to network for better film culture. This biennial competitive film festival is organized by Documentary Section since 1990 in Mumbai. MIFF is recognized worldwide as one of the premier documentary, short fiction and animation film festivals.

The 17th edition of MIFF was successfully held from 29th May to 04th June, 2022 at Films Division Complex.

Activities of the Documentary Section from 1st April, 2022 up to 31st December, 2022

A. Budget Grant for MIFF for 2022-23

1. Expenditure for Preparatory work of 17th MIFF-2022 (For FY. 2021-22)
The budget Granted in RE for preparatory work of 17th MIFF -2022 in FY 2021-2022 –
₹ 106 lakhs
₹ 51.00 Lakhs in OC
+ ₹ 10.00 Lakhs in PS
+ ₹ 45.00 lakhs in OC(NE)
₹ 106 Lakhs
Expenditure in FY for 2021-22 – ₹ 49,61,932 at OC-MIFF (Plan).
Expenditure in FY for 2022-23 – ₹ 4,68,56,051/-
Total Expend.(17th MIFF-2022) – ₹ 5,18,18,051/-

B. Activities of the Documentary Section from 1st April, 2022 to 31st December, 2022.

1. Preparatory work of 17th MIFF-2022 in FY 2021-22 –

a. Constituted the Organizing Committee for MIFF - 2022 – Dated 17.01.2022

b. The first meeting organized on virtual mode – 24th January, 2022

c. Meeting head under Chairmanship – Additional Secretary, MIB.

d. Venue for Opening & Closing Function – Nehru Centre, Worli Mumbai

II. Preparatory work of 17th MIFF-2022 in FY 2022-23 –

a. Total No. Of entry received – 808 (International – 158 from 30 countries + National – 650)

b. Total No. Of Films filtered for Competition (by SCM) – 102 (67+35)
In National Category – 67 in Competition + 10 in Prism
In International Category – 35 in Competition + 8 in Prism

c. Total No. Of Films selected for MIFF-2022 Award by Jury – 19

d. Award distributed in different categories – 14

e. Total No. Of Delegates/attendees – 4891

च. निजी साझेदारों के साथ फिल्मों/बी2बी गतिविधियों की स्क्रीनिंग, एमआईएफएफ हब, कार्यशालाएं, मास्टर कक्षाएं, श्रद्धांजलि, पूर्वव्यापी, ओपन फोरम, सेमिनार, विशेष पैकेज, प्रेस कॉन्फ्रेंस आदि आयोजित किए गए.

छ. एमआईएफएफ - 2022 के लिए पुरस्कार राशि– 57.00 लाख रुपये

ज. प्रायोजित पुरस्कार: ₹ 2.00 लाख (आईडीपीए और महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रत्येक को 1.00 लाख रुपये)

झ. डॉ. वी. शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार: 10.00 लाख रुपये + श्री संजीत नार्वेकर को स्वर्ण शंख प्रदान किया गया

III. फिल्म समारोह संबंधित राज्य सरकारों तथा अन्य संगठन के सहयोग से आयोजित किए जाते हैं –

	विवरण	अवधि	सहयोगी
1	कोलकाता में मिफ पुरस्कार विजेता फिल्म महोत्सव	10 से 12 अगस्त 2022	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के सहयोग से
2	शिलांग,मेघालय में मिफ पुरस्कार विजेता फिल्म महोत्सव	18-20 अक्टूबर, 2022	नॉर्थ ईस्ट हिल यूनिवर्सिटी, मेघालय के सहयोग से

नई पहल और कार्य का प्रस्तावित कार्यक्रम.

वित्तीय वर्ष 2023-2024 की अंतिम तिमाही यानी जनवरी-फरवरी, 2024 में एफडी-एनएफडीसी द्वारा वृत्तचित्र, लघु और एनीमेशन फिल्मों के लिए 18वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ-2024) का आयोजन मुंबई में करने का प्रस्ताव है.

प्रचार –

(क) फ़िल्म समारोहों में पुरस्कृत/चयनित/प्रवेशित/प्रदर्शित फ़िल्में

पुरस्कृत फ़िल्में	7 फ़िल्में/9 पुरस्कार/6 समारोह
चयनित फ़िल्में	24 फ़िल्में/11 समारोह
प्रवेशित फिल्में	16 समारोहों में 63 फिल्में
प्रदर्शित फ़िल्में	14 समारोहों में 133 फ़िल्में

(ख) ऑन लाइन उत्सव/ऑनलाइन विशेष स्क्रीनिंग – 78 कार्यक्रम

(ग) वृत्तचित्र अनुभाग – यूट्यूब चैनल रिलीज – 24 फिल्में/2 कार्यक्रम

(घ) सोशल मीडिया पर वृत्तचित्र अनुभाग (पोस्ट के माध्यम से) –

ट्विटर 431
फेसबुक 390
इंस्टाग्राम 294 पोस्ट

5.8.5 सिनेमाज ऑफ इंडिया ओटीटी
(ओटीटी) प्लेटफॉर्म www.cinemasofindia.com का उद्देश्य भारत सरकार द्वारा संचालित अभियानों के लक्ष्यों, मिशन और उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाना और सभी मंत्रालय के नेतृत्व वाली सामग्री का प्रतिनिधित्व करने के लिए सिंगल क्लिक प्लेटफॉर्म बनना है. यह प्लेटफॉर्म 2012 में शुरू किया गया, एनएफडीसी का आधिकारिक वीओडी प्लेटफॉर्म www.cinemasofindia.com एनएफडीसी की पुरस्कार विजेता क्लासिक्स और अधिग्रहीत फिल्मों, शॉर्ट्स और वृत्तचित्रों का एक समुचित मिश्रण है. एक महीने के लिए ₹ 149 की प्रीमियम सदस्यता में उपलब्ध है और सभी सामग्री (एसवीओडी) के लिए एक वर्ष के लिए ₹ 599 या शीर्षकों को 72 घंटे (टीवीओडी) के लिए ₹ 60 में किराए पर लिया जा सकता है. घरेलू ग्राहकों के लिए तथा एक महीने के लिए 2.99 अमेरिकी डॉलर और एक साल के लिए 7.99 अमेरिकी डॉलर और 72 घंटे के लिए उपलब्ध एकल फिल्म के लिए 0.99 अमेरिकी डॉलर बच्चों की फिल्मों का कंटेंट अपलोड करने की पहल की गई है.

f. Screening of Films/B2B activities with private partners, MIFF HUB, workshops, master classes, homage, retrospectives, Open Forum, seminar, special packages, press conferences, etc. were conducted.

g. The award money for MIFF – 2022 – ₹ 57.00 lakhs

h. Sponsored Award – ₹ 2.00 Lakhs (₹ 1.00 lakh each by IDPA & Govt. of Maharashtra)

i. Dr. V. Shantaram Lifetime Achievement award – ₹ 10.00 lakhs + Golden Conch awarded to Shri Sanjit Narwekar,

III. Film Festivals Organized in collaboration with respective State Governments and other organizations –

	Particulars	Period	Associators
1	MIFF Award Winning Film Festival at Kolkata	10th to 12th August, 2022	In association with North Bengal University
2	MIFF Award Winning Film Festival at Shillong, Meghalay	18-20 October, 2022	in association with North East Hill University, Meghalay

New Initiatives and Proposed Programme of work.

It is proposed to organize the 18th Mumbai International Film Festival (MIFF-2024) for Documentary, Short & Animation Films by FD-NFDC in the last quarter of the financial year 2023-2024 in Mumbai i.e. January-February, 2024.

Publicity –

(a) Films Awarded/Selected/Entered/Screened In Film Festivals

Films Awarded	7 Films/9 Awards/6 Festivals
Films Selected	24 Films/11 Festivals
Film Entered	63 Films in 16 Festivals
Films Screened	133 Films in 14 Festivals

(b) On Line Festivals/Online Special Screening – 78 Events

(c) Documentary Section – Youtube Channel Release – 24 Films/2 Events

(d) Documentary Section On Social Media (Via Post) –

Twitter 431
Facebook 390
Instagram 294 Post

5.8.5 Cinemas of India OTT
The Over-The- Top (OTT) platform www.cinemasofindia.com aims to align with the goals, mission & objectives of Government of India driven campaigns & be the single click platform to represent all Ministry-led contents. The platform was launched in 2012, it streams NFDC's award winning classics and a decent mix of acquired films, shorts & documentaries. Available in premium subscription of ₹ 149 for a month & ₹ 599 for a year for all content (SVoD) or titles can be rented for ₹ 60 each for 72 hours (TVoD) for the Domestic subscribers and USD 2.99 for a month and USD 7.99 for a year and USD 0.99 for a single film available for 72 hours. The content uploading of Children's films has been initiated.

5.8.6 फिल्म मार्केट्स में सहभागिता – अंतर्राष्ट्रीय

निगम दुनिया भर के सभी प्रमुख फिल्म मार्केटों में अपना प्रतिनिधित्व जारी रखता है और सभी प्रसिद्ध फिल्म मार्केटों जैसे मार्चे डू कान्स, अमेरिकन फिल्म मार्केट (एएफएम), यूरोपीय फिल्म मार्केट (ईएफएम), फिल्ममार्ट (हांगकांग) आदि में एनएफडीसी का ब्रांड निर्माण करता है और ए-लिस्ट फेस्टिवल प्रोग्रामर्स, अंतर्राष्ट्रीय बिक्री एजेंटों/वितरकों और प्रतिष्ठित पत्रकारों और संभावित भागीदारी और सामग्री बिक्री के लिए स्काउट के साथ अच्छे संबंध बनाए रखता है.

मार्चे डु कान्स 2022

17-28 मई, 2022 तक मार्चे डु फिल्म – 75वें फेस्टिवल डी कान्स में बिजनेस विजिट के रूप में भाग लिया. संभावित खरीदारों और बिक्री एजेंसियों के लिए बाजार स्क्रीनिंग में छत, द टेरेस की स्क्रीनिंग की गई. यह स्क्रीनिंग एनएफडीसी द्वारा बनाई गई फिल्मों के अंतर्राष्ट्रीय प्रचार का हिस्सा थी.

यूरोपीय फिल्म बाजार 2023 ऑनलाइन

बर्लिनेल का 73 वां संस्करण 16 से 24 फरवरी 2023 तक जर्मनी में आयोजित किया गया. एनएफडीसी ने नए सौदों की तलाश के लिए फिल्म मार्केट में भाग लिया तथा पैनल सत्रों में उपस्थिति दर्ज की. नवंबर 2023 में आयोजित होने वाले गोवा के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह हेतु सहयोग के लिए मार्केटिंग भी की गई.

फिल्म बाजारों में प्रमुख उपलब्धियां –

i. भारत से परे पूरे मीडिया और मनोरंजन पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ें.

ii. सिंडिकेशन के लिए प्रमुख स्टूडियो का प्रतिनिधित्व करने वाले खरीदारों/साझेदारों/बिक्री एजेंटों से जुड़ें.

iii. ओटीटी के दिग्गजों के साथ, नेटवर्क और स्वतंत्र सेवाओं से जुड़ें, जो आर्टहाउस और स्थानीय दर्शकों पर केंद्रित हैं और मुख्यधारा के खिलाड़ियों के बाहर फिल्म प्रशंसक हैं.

5.8.6 Film Markets Participation – International

Corporation continues its representation at all major film markets across the globe and build brand NFDC across all renowned markets such as Marche du Cannes, American Film Market (AFM), European Film Market (EFM), Filmart (Hong Kong) etc. and build great relationships with A-list festival programmers, International sales agents/distributors & journalists of repute and to scout for potential partnerships & content sales.

Marche Du Cannes 2022

Participated as a Business visit in Marche du Film – 75th Festival De Cannes from 17-28 May, 2022. Chhaad, The terrace was screened in the market screening for potential buyers and sales agencies. The screening was part of the International promotions for the films made by NFDC.

European Film Market 2023

The 73rd edition of Berlinale was held from 16th to 24th February 2023 in Germany. NFDC attended the market for scouting new deals and attended panel sessions. The marketing was also carried out for collaboration for the International Film festival of Goa to be held in November 2023.

Key objectives achieved at Film Markets –

i. Connect with the entire Media & Entertainment ecosystem beyond India.

ii. Connect with Buyers/Partners/Sales Agents representing major studios for Syndication.

iii. Alongside the giants of OTT, network & connect with independent services, focused on art-house and niche audiences and have film fans outside the mainstream players.

5.8.7 वितरण टाई-अप स्थिति

5.8.7 Distribution tie-ups status

प्लेटफार्म	सम्बद्ध	विवरण
डिजिटल प्लेटफार्म्स	मुबी, यूके	एनएफडीसी के 37 लाइब्रेरी शीर्षक वर्तमान में मंच पर स्ट्रीम हो रहे हैं.
	क्राइटेरियन कलेक्शन (जानूस),न्यूयॉर्क, यूएसए	संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, उत्तरी आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड में क्षेत्रीय लाभ हेतु साझेदारी. एनएफडीसी के 5 शीर्षकों और फिल्म प्रभाग के 4 शीर्षकों को औपचारिक रूप दिया गया.
	ईडी वितरण, पेरिस, फ्रांस	फ्रांस, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड के क्षेत्रों के लिए एनएफडीसी के 4 टाइटल्स का फायदा उठाने के लिए साझेदारी. जर्मनी के लिए टीवी अधिकार केवल सांस्कृतिक चैनल आर्टे को बिक्री के मामले में दिए जाते हैं.
	एपिक ऑन	वैश्विक स्ट्रीमिंग के लिए 60 लाइब्रेरी शीर्षक एपिक ऑन पर स्ट्रीम हो रहे हैं
सैटेलाइट चैनल्स	वायकॉम 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड	06 प्रीमियम फिल्में सक्रिय सौदे में हैं.
इन-फाइट एंटरटेनमेंट	कंटेंटिनो मीडिया एलएलपी	वैश्विक स्तर पर एयरलाइंस पर एनएफडीसी फिल्मों के प्रदर्शन के लिए सहयोग जारी रखा
विडियो ऑन डिमांड	पेयू, पेमेंट गेटवे पार्टनर के साथ प्रोजेटा एक अंतरराष्ट्रीय ओटीटी विक्रेता है.	एनएफडीसी के वीओडी प्लेटफॉर्म के लिए एक सहज उपयोगकर्ता अनुभव बनाने के लिए निरंतर सहयोग
अंतर्राष्ट्रीय बिक्री	गोल्डक्रेस्ट फिल्म्स (गांधी कलेक्शन एजेंट)	एनएफडीसी का सह-निर्माण गांधी (1982). एनएफडीसी बिक्री पर द्वि-वार्षिक रिपोर्टिंग.
	स्ट्रे डॉग, फ्रांस स्थित सेल्स एजेंट	श्री पार्थो सेन-गुप्ता द्वारा निर्देशित फीचर फिल्म अरुणोदय (द सनराइज) आइलैंड सिटी सुश्री रुचिका ओबेरॉय द्वारा निर्देशित फिल्म के लिए हमारी बिक्री पर रिपोर्ट करें.
	मैच फैक्ट्री जीएमबीएच (जर्मनी)	अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रों के लिए क़िस्सा - द टेल ऑफ़ ए लोनली घोस्ट और द लंचबॉक्स के लिए हमारी बिक्री पर रिपोर्ट करें.
	राइज़ + शाइन, यूके	फ़िल्म द गोल्ड लाडेन शीप एंड द सेक्रेड माउंटेन के लिए विशेष बिक्री एजेंट

Platforms	Tie-ups	Details
Digital Platform/s	MUBI, UK	NFDC's 37 library titles are streaming currently on the platform.
	Criterion Collection (Janus), New York, USA	Partnership to exploit territories in USA, Canada, UK, North Ireland, Australia, New Zealand. Formalized 5 titles of NFDC & 4 titles of Films Division.
	E.D. Distribution, Paris, France	Partnership to exploit 4 titles of NFDC for the territories of France, Belgium and Switzerland. TV rights are granted for Germany only in the case of a sale to the Cultural Channel Arte.
	EPIC ON	60 library titles are streaming on Epic On for global streaming
Satellite Channel/s	Viacom 18 Media Pvt Ltd	06 Premium films are in an active deal.
In-Flight Entertainment	Contentino Media LLP	Continued collaboration for showcasing NFDC films on Airlines globally
Video-on-Demand	Prozeta an international OTT vendor along with PayU, payment gateway partner.	Continued association to create a seamless user experience for the NFDC's VoD platform
International Sales	Goldcrest Films (Gandhi Collection Agent)	NFDC's Co-Production Gandhi (1982). Bi-Annual Reporting on NFDC sales.
	Stray Dog, a France based Sales Agents	Report in on our sales on feature films Arunoday (The Sunrise) directed by Shri Partho Sen-Gupta. Island City directed by Ms Ruchika Oberoi
	Match Factory GmBh (Germany)	Report in on our sales for Qissa – The Tale of a Lonely Ghost & The Lunchbox for international territories.
	Rise + Shine, UK	The exclusive sales agents for the film The Gold Laden Sheep & The Sacred Mountain

5.9 फिल्म बाज़ार और स्क्रिन राइटर्स लैब

5.9.1 फिल्म बाज़ार

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) द्वारा आयोजित, फिल्म बाजार विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय और दक्षिण एशियाई फिल्म बिरादरी के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया एक मंच है. फिल्म बाजार फिल्म बनाना, फिल्म निर्माण और वितरण के क्षेत्र में दक्षिण एशियाई सामग्री और प्रतिभा की खोज, समर्थन और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करता है. दुनिया भर के फिल्म खरीदारों और विक्रेताओं का एक अभिसरण बिंदु, फिल्म बाजार का उद्देश्य दक्षिण एशियाई क्षेत्र में विश्व सिनेमा की बिक्री को सुविधाजनक बनाना है. एनएफडीसी फिल्म बाजार भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के साथ प्रति वर्ष मैरियट रिसोर्ट, गोवा, भारत में आयोजित होने वाला सबसे बड़ा दक्षिण एशियाई फिल्म बाजार है.

क. एनएफडीसी फिल्म बाजार और मार्चे डू फिल्म सहयोग

मार्शे डु फिल्म ने 'गोज़ टू कान्स' और 'को-प्रोडक्शन डे' के लिए 2022 की अपनी कार्यक्रम योजनाओं में भाग लेने के लिए एनएफडीसी से संपर्क किया था. यह उन फिल्म निर्माताओं के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करने के लिए था, जिन्होंने एनएफडीसी फिल्म बाजार ऑनलाइन 2021 के विशिष्ट वर्गों में क्रमशः वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब और सह-निर्माण बाजार में भाग लिया. इसलिए संबंध जारी रखने के लिए, एनएफडीसी ने एक बार फिर इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मार्शे डू फिल्म के साथ सहयोग किया. इस सहयोग ने दुनिया के सबसे बड़े फिल्म बाजार में भारतीय/दक्षिण एशियाई फिल्म निर्माताओं और उनकी चयनित परियोजनाओं की दृश्यता को अधिकतम किया.

गोज टू कान्स – मार्चे डु फिल्म प्रसिद्ध मार्केटों/समारोहों को बिक्री एजेंटों, वितरकों या समारोह चयन की तलाश में मूल कार्य-प्रगति शीर्षकों के अपने चयन को प्रदर्शित करने की संभावना प्रदान करती है. एनएफडीसी फिल्म बाजार की वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब अपनी संरचना और सलाह के मामले में एक अनूठी लैब है जो वर्षों से फिल्म निर्माताओं की प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप विकसित हुई है. एनएफडीसी में प्रगति पर चल रही लैब वास्तव में व्यक्तिगत विशेषज्ञ प्रतिक्रिया और संपादन सलाह के माध्यम से फिल्म के अंतिम संपादन को आकार देती है. एनएफडीसी फिल्म बाजार ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और वर्क-इन-प्रोग्रेस

5.9 Film Bazaar and Screenwriter Lab

5.9.1 Film Bazaar

Organized by the National Film Development Corporation (NFDC), Film Bazaar is a platform exclusively created to encourage collaboration between the international and South Asian film fraternity. The Bazaar focuses on discovering, supporting and showcasing South Asian content and talent, in the realm of filmmaking, production and distribution. A converging point for film buyers and sellers from all over the world, the Bazaar aims at facilitating sales of world cinema in the South Asian region. NFDC Film Bazaar is the largest South Asian film market organized alongside the International Film Festival of India (IFFI), every year at the Marriott Resort, Goa, India.

A. NFDC Film Bazaar and Marché du Film Collaboration

Marché du Film which was organized on ground had approached NFDC to participate in their 2022 Program 'GOES TO CANNES' and 'CO-PRODUCTION DAY'. This was to provide a wider platform for the filmmakers who participated in the specific sections of NFDC Film Bazaar Online 2021, namely Work-in-Progress Lab and Co-Production Market respectively. Hence, to continue the relationship, NFDC collaborated with Marché du Film once again to participates in these programs. This collaboration maximized the visibility of Indian/South Asian filmmakers and their selected projects at the biggest film market in the world.

GOES TO CANNES – The Marché du Film offers renowned markets/festivals the possibility to showcase their selection of original work-in-progress titles looking for sales agents, distributors or festival selection. The Work-in-progress Lab of NFDC Film Bazaar is a unique lab in terms of its structure and mentoring which has evolved as a result of feedback from filmmakers over the years. Work-in-progress Lab at NFDC actually shapes the final edit of the film through personalized expert feedback and editing mentoring. NFDC Film Bazaar

लैब 2021 से 5 फिल्मों के पिच वीडियो प्रदर्शित किए. यह कार्यक्रम शनिवार, 21 मई, 2022 को 16:30-18:30 तक चौथी मंजिल, पेलासिस डेस फेस्टिवल्स, कान्स में आयोजित किया गया और इसे ऑनलाइन प्रतिभागी के लिए ऑनलाइन स्ट्रीम भी किया गया .

को-प्रोडक्शन डे – मार्चे डू फिल्म ने 20 मई को रात 8 बजे से अमेरिकन पवेलियन रिवेरा, विलेज इंटरनेशनल में कार्यक्रम आयोजित किया.को-प्रोडक्शन नाइट दुनिया भर के संभावित सह-निर्माताओं के साथ मेल खाने और सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सह-निर्माण बाजारों के प्रतिनिधियों के साथ मिलने का एक कार्यक्रम था, जिन्होंने मैचमेकिंग की सुविधा प्रदान की. एनएफडीसी फिल्म बाज़ार 16 आधिकारिक को-प्रोडक्शन नाइट भागीदारों में से एक था. इस कार्यक्रम में 5 निर्माताओं ने भाग लिया जिनके पास फिल्म बाजार सह-निर्माण बाजार 2021 (नवम्बर) में परियोजनाएं थीं.

ख. फिल्म बाजार 2022

फिल्म बाज़ार गोवा में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई), भारत के साथ आयोजित किया जाता है. अपने 16वें वर्ष में फिल्म बाज़ार भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं के समुदाय और दुनिया भर के व्यवसाय में रुचि रखने वालों के लिए एक रोमांचक और प्रेरणादायक स्थान बना हुआ है. 2022 में 40 देशों के 1407 प्रतिनिधियों ने फिल्म बाज़ार में भाग लिया, 2007 में अपने प्रारम्भ (18 देशों के 204 मेहमान) के बाद से यह आयोजन एक लंबा सफर तय कर चुका है. बाज़ार अब दक्षिण एशियाई फिल्म निर्माताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू फिल्म बिरादरी के सामने अपनी कहानियां पेश करने का केंद्र बिंदु बन गया है. इसके अलावा, यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय बिक्री एजेंटों, निर्माताओं, वितरकों, महोत्सव प्रोग्रामरों और फिल्म फंडों के वार्षिक कैलेंडर में अनिवार्य रूप से शामिल होना बन गया है. अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि यह ऐसा आयोजन बनता जा रहा है जहां फिल्म उद्योग के पेशेवर व्यवसाय में भविष्य के ट्रेंड्स के बारे में जानने और अगली बड़ी फिल्म/फिल्म निर्माता की पहचान करने और उसके साथ साझेदारी करने के लिए आ रहे हैं.

इस वर्ष भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने, आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में, आईएफएफआई के इस वर्ष के संस्करण का उद्देश्य भारत को वैश्विक सामग्री केंद्र के रूप में बढ़ावा देना है. बाजार में दो नए खंड पेश किए गए जिन्हें प्रतिनिधियों ने खूब सराहा. बॉक्स ऑफिस पर बुक करें जो मुख्य रूप से स्क्रीन और देश और राज्य मंडपों के लिए पुस्तक रूपांतरण है. पहली बार, फिल्म कार्यालयों के लिए बाजार क्षेत्र, जो राज्य सरकार की मेजबानी करता है और उनके स्थानों को बढ़ावा देता है, में देशों, राज्यों के साथ-साथ निजी संगठनों के मंडप भी शामिल होंगे.

को-प्रोडक्शन मार्केट – को-प्रोडक्शन मार्केट का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सह-प्रोडक्शन्स के अवसरों को बढ़ाने के लिए फिल्म व्यावसायिकों को आमंत्रित करना है. 2022 के संस्करण में 11 देशों - बांग्लादेश, नेपाल, अफगाणिस्तान, स्पेन, श्रीलंका, हंगेरी, सिंगापुर, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम और भारत की 14 भाषाओं में कुल 20 परियोजनाओं को अपनी परियोजनाओं को ऑनलाइन संस्करण प्रस्तुत करने के लिए चुना गया था. इस साल भारत और स्पेन के बीच सह-निर्माण संधि के तहत पहली बार ला प्रिंसेस डी कपूरथला (द प्रिंसेस ऑफ कपूरथला) वेबसीरीज को फिल्म बाजार में प्रस्तुत करने और पेश करने के लिए आमंत्रित किया गया था. इसके अलावा, प्रतिभागियों को ओपन पिच की कार्यप्रणाली से परिचित कराने के लिए ओपन पिच से एक दिन पहले एक ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किया गया था और उन्हें एक-पर-एक बैठकों में नेविगेट करने में मदद करने के लिए 2 दिन पहले एक ओरिएंटेशन कार्यशाला आयोजित की गई थी. 18 और 19 नवंबर को बाज़ार, जिसमें 6 सलाहकारों ने 2 दिनों की अवधि के दौरान 90-मिनट के सत्र लिए.

वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब – डब्ल्यूआईपी लैब चयनित फिल्म निर्माताओं को अपनी फिल्म के रफ कट को अंतरराष्ट्रीय सलाहकारों के एक प्रतिष्ठित पैनल में प्रदर्शित करने का मौका देती है, जिसमें फिल्म फेस्टिवल निर्देशक, फिल्म समीक्षक, निर्माता और संपादक शामिल हैं. ये सलाहकार फिल्म निर्माता को फिल्म के अंतिम कट को हासिल करने में मदद करने के उद्देश्य से संपादन पर बहुमूल्य प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं.

participated in this programme and showcased the pitch videos of 5 films from the Work-in-Progress Lab 2021. This programme was held on Saturday, May 21, 2022 from 16 – 30-18 – 30 at 4th Floor, Palais des Festivals, Cannes and it was also streamed online for the online participant.

CO-PRODUCTION DAY – Marché du Film conducted the event on May 20, from 8 pm onwards at American Pavilion Riviéra, Village International. Co-Production Night was an event to match up with potential co-producers from across the world and catch-up with representatives of the most important international co-production markets who facilitated the matchmaking. NFDC Film Bazaar was one of the 16 official Co-Production Night partners. 5 Producers who had projects in Co-Production Market 2021 (November) at Film Bazaar participated in this programme.

B. Film Bazaar 2022

Film Bazaar is held alongside the International film festival of India (IFFI) in Goa. In its 16th year Film Bazaar continues to be an exciting and an inspiring place for the Independent filmmakers' community from India and South East Asia and those interested in the business from across the world. With 1407 delegates from 40 countries attended Film Bazaar in 2022, the event has come a long way since its inception in 2007 (204 guests from 18 countries). The Bazaar has now become a focal point for South Asian filmmakers to present their stories to the international & domestic film fraternities. In addition, the event has become a must-attend in the annual calendars of international sales agents, producers, distributors, festival programmers and film funds. Last but not least, it is also becoming an event where industry professionals are coming to learn about the future trends in the business and also to identify and partner with the next big film/filmmaker.

This year in commemoration of India's 75 Years of Independence, Azadi Ka Amrit Mahotsav, this year's edition of IFFI aims to promote India as a global content hub. The market introduces two new segments which were well received by the delegates. Book to Box Office which mainly is Book adaptations to the screen & Country and State Pavilions. For the first time, the Market Area for Film Offices, which hosts State Government and promotes their locations will also include the Pavilions for Countries, States as well as Private Organizations.

Co-Production Market – The Co-Production Market aimed to bring film professionals to enhance opportunities for international co-productions. In the 2022 edition a total of 20 projects in 14 languages from 11 countries – Australia, France, Germany, Japan, Malaysia, Spain, United Kingdom, United states of America and India were selected to present their projects at the online edition. This year for the first time under the Co-production treaty between India & Spain La Princess De Kapurthala (The Princess of Kapurthala) webseries was invited to present & pitch at Film Bazaar. In addition to this, an Orientation Session was held a day prior to the Open Pitch to familiarize the participants with the workings of an Open Pitch, and to help them navigate the One-on-One meetings an Orientation Workshop was conducted 2 days prior to the bazaar on November 18 and 19, wherein 6 mentors took 90-minute sessions each during the period of 2 days.

Work-in-Progress Lab – The Lab gave selected 5 filmmakers a chance to screen the rough cut of their film to an eminent panel of international advisors, which include a film festival director, a film critic, producers and editors. These advisors provided valuable feedback on the edit with aim of helping the filmmaker achieve an accomplished final cut of the films.

व्यूइंग रूम – व्यूइंग रूम (वीआर) एक वीडियो लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म है, जो फिनिशिंग फंड, विश्व बिक्री, संभावित वितरण भागीदारों और फिल्म समारोहों की यात्रा की तलाश वाली फिल्मों को प्रदर्शित करता है. व्यूइंग रूम में 6 देशों की 33 भाषाओं की 250 फिल्में प्रस्तुत की गई. 170 फ़िल्में फ़ीचर लेंथ फ़िल्में हैं और 104 डेब्यू फ़ीचर फ़िल्में हैं. विश्व प्रीमियर की प्रतीक्षा में 179 फ़िल्में, जो दुनिया भर के फ़िल्म समारोहों के लिए फ़िल्मों की एक बड़ी पसंद थीं, और प्रस्तुत की गईं फ़िल्मों में 33 बोली जाने वाली भाषाएँ थीं. इस वर्ष व्यूइंग रूम में फिल्म में प्रदर्शित कुछ दुर्लभ भाषाएँ कोडवा, कुल्लवी, तांगखुल, संथाली, बोडो और चटगांवियन थीं. इस वर्ष दर्शक कक्ष में पुनर्स्थापित फिल्मों के लिए नया अनुभाग भी शामिल किया गया.

इंडस्ट्री स्क्रीनिंग – इंडस्ट्री स्क्रीनिंग फिल्म बाजार का एक मंच है जो फिल्म निर्माताओं/निर्माताओं को बाजार में आने वाले अंतरराष्ट्रीय बिक्री एजेंटों, वितरकों, फिल्म महोत्सव प्रोग्रामरों के चुनिंदा दर्शकों को अपनी तैयार फिल्में दिखाने का अवसर देता है. कुल 45 फिल्में प्रदर्शित की गई, जिनमें 7 लघु फिल्में, 2 डॉक्यूमेंट्री फिल्में, 3 एनिमेशन फिल्में और 1 मूक फिल्म सहित 36 फिक्शन फीचर फिल्में शामिल हैं.

देश और राज्य मंडप – फिल्म बाज़ार ने न केवल राज्यों बल्कि देशों और फिल्म उद्योग के खिलाड़ियों के लिए भी अपनी सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए मंडप क्षेत्र के लिए मैदान खोल दिए. पहली बार, फिल्म कार्यालयों के लिए बाज़ार क्षेत्र को मंडोवी नदी के किनारे चलने वाले सैरगाह के सुंदर दृश्य के साथ एक बड़े बाहरी क्षेत्र में आयोजित किया गया था. बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, पंजाब, पुडुचेरी, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित 13 राज्य सरकारें . देश के मंडपों पर रूस, फ्रांस और दुबई ने कब्जा कर लिया. सूचना और प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयाँ जैसे भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार (NFAI), राष्ट्रीय सिनेमा संग्रहालय (NMIC), प्रकाशन प्रभाग, ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (BECIL) और प्रसार भारती को फिल्म बाजार में भी प्रदर्शित किया गया. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (पीएचडीसीसीआई), स्टार्ट अप इंडिया और इन्वेस्ट इंडिया जैसे उद्योग हितधारकों ने भी पवेलियन लेकर भाग लिया.

नॉलेज सीरिज – नॉलेज सीरिज में फिल्म उद्योग के प्रमुख निर्णय निर्माताओं और बाजार चालकों के साथ विशेष रूप से क्यूरेटेड प्रस्तुतियां, व्याख्यान और पैनल चर्चाएं शामिल हैं. बाज़ार के 4 दिनों के दौरान कुल 26 सत्र आयोजित किये गये.

बुक टू बॉक्स ऑफिस – इस वर्ष, पहली बार, फिल्म बाज़ार ने पुस्तक अनुकूलन पर एक कार्यक्रम पेश किया, जहां भारत के शीर्ष प्रकाशकों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध निर्माताओं, ओटीटी प्लेटफार्मों के प्रतिनिधियों, बिक्री एजेंटों और वितरकों के सामने अपनी पुस्तकों का चयन किया. दुनिया बाजार में भाग ले रही है. कुल 21 प्रकाशन गृह, 2 साहित्यिक एजेंसियां, 4 लेखक संभावित खरीदारों और उत्पादकों के सामने अपनी किताबें पेश करते हैं. बॉक्स ऑफिस पर इस नई वर्टिकल बुक का उद्देश्य भारतीय प्रकाशन गृहों/साहित्यिक एजेंसियों/लेखकों को फिल्म बाजार 2022 में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों से संभावित खरीदारों के साथ नेटवर्क बनाने में मदद करने के लिए एक मंच देना था.

प्रोड्यूसर्स वर्कशॉप – प्रोड्यूसर्स वर्कशॉप को फिल्म निर्माण के सभी रूपों में अधिक समावेशी बनाने के लिए फिर से तैयार किया गया था. हमारे पास इंडी फीचर, स्टूडियो प्रोडक्शंस और फिल्म निर्माण के एपिसोडिक प्रारूपों पर विशेष सत्र थे. इस वर्ष की कार्यशाला में विभिन्न पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व करने वाले 26 प्रतिभागी शामिल थे. कार्यक्रम ने विशिष्ट समूह-आधारित सलाहकार समर्थन के प्रारूप को आगे बढ़ाया. कार्यशाला के पांच दिनों को गहन मास्टर कक्षाओं, कार्यशालाओं, केस अध्ययनों के प्रदर्शन और यहां तक कि एक-पर-एक सलाह देने वाले पोस्ट सत्रों के साथ प्रोग्राम किया गया था.

फिल्म बाज़ार 2020 – 2021 की फ़िल्में जोकि 2020 – 2021 – 2022 में प्रीमियर हुई थी अथवा 2023 में प्रीमियर होनी है. पिछले संस्करणों की कुछ फ़िल्मों की स्क्रीनिंग की गई या अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में प्रदर्शित की जानी हैं और चयनित देशों में वितरण किया गया – हर्षद नलावडे द्वारा फोलोअर – इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ रॉटरडैम (आईएफएफआर) 2023 में वर्ल्ड प्रीमियर, जय शंकर द्वारा शिवम्मा – बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल

Viewing Room – The Viewing Room (VR) is a video library platform to showcase films seeking finishing funds, world sales, potential distribution partners and looking to travel to film festivals. 250 films in 33 language from 6 countries were presented at Viewing Room. 170 films are Feature length films and 104 are Debut features. 179 films Awaiting a World Premiere which was a huge choice of films for film festivals worldwide, and 33 spoken languages of the films that were presented. Some of the rare languages showcased in the film in Viewing Room this year were Kodava, Kullvi, Tangkhul, Santhali, Bodo and Chittagonian. This year viewing room also included new section for Restored films.

Industry Screenings – Industry Screenings is a platform at Film Bazaar that gives an opportunity to filmmakers/producers to showcase their finished films to a select audience of international sales agents, distributors, film festival programmers attending the market. Total of 45 films which includes 7 short films, 2 documentary films, 36 fiction feature films including 3 animation films and 1 silent film were screened.

Country and State Pavilions – Film Bazaar opened the grounds for Pavilion Zones not only to States but also countries and film industry players to promote their services. For the first time, the Market Area for Film Offices, was hosted in a larger outdoor area with a scenic view of the promenade running alongside the Mandovi River. 13 State Governments including Bihar, Chhattisgarh, Delhi, Gujarat, Jharkhand, Madhya Pradesh, Maharashtra, Manipur, Punjab, Puducherry, Tamil Nadu, Uttar Pradesh, Uttarakhand. Country pavilions were taken by Russia, France and Dubai. Various media units of the Ministry of Information and Broadcasting such as National Film Archives of India (NFAI), National Museum of Cinema (NMIC), Publication Division, Broadcast Engineering Consultants India Limited (BECIL) and Prasar Bharati were also showcased at the Film Bazaar. Industry stakeholders such as Confederation of Indian Industries (CII), PhD Chamber of Commerce and Industries (PHDCCI), Start Up India and Invest India also participated by taking up Pavilion.

Knowledge Series – Knowledge Series consists of specially curated presentations, lectures and panel discussions with key decision-makers and market drivers of the film industry. Total of 26 session were held during the 4 days of the Bazaar.

Book to Box office – This year, for the first time, Film Bazaar introduced a programme on Book Adaptation where top publishers from India pitched a selection of their books to the internationally renowned producers, representatives of OTT platforms, sales agents and distributors from around the world attending the market. Total of 21 Publication house, 2 Literary Agencies, 4 authors pitch their books to the potential buyers and producers. The aim of this new vertical Book to Box Office was to give a platform to Indian Publishing houses/Literary agencies/ Authors to help them network with potential buyers from the delegates who participated at Film Bazaar 2022.

Producers' Workshop – Producers' Workshop was remodeled to be more inclusive to all forms of film production. We had exclusive sessions on indie features, studio productions and episodic formats of film production. This year's workshop included 26 participants representing varied backgrounds. The program carried forward the format of exclusive group-based mentor support. The five days of the workshop were programmed with intensive master classes, workshops, demonstration of case studies and even one-on-one mentoring post sessions.

Films from Film Bazaar 2020 – 2021 that were Premiered in 2020 – 2021– 2022 or to be premiered in 2023. Some films from previous editions got screened or are to be screened at the international film festival and got distribution in selected countries – Follower by Harshad Nalawade – World Premiere at International Film Festival of Rotterdam (IFFR) 2023, Shivamma

2022 में वर्ल्ड प्रीमियर, एकतारा कलेक्टिव द्वारा एक जगह अपनी (ए स्पेस ऑफ अवर ओन) – टोकियो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर 2022, निथिन लुकोस द्वारा पाका (रिवर ऑफ ब्लड) – टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर, अजीतपाल सिंह द्वारा फायर इन द माउंटन्स – सनडान्स फिल्म महोत्सव 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर, इरफ़ाना मजूमदार द्वारा शंकरर्स फेयरिज – लोकार्नो फिल्म महोत्सव 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर, दोस्तोजी (टू फ्रेंड्स) प्रसून चैटर्जी द्वारा – बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर. नतेश हेगड़े द्वारा पेड्रो – बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर 2021. पुष्पेंद्र सिंह द्वारा लैला और सत गीत (द शेफर्डेस एंड द सेवन सॉन्ग्स) वर्ल्ड प्रीमियर – 70 वां बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2020, (एनकाउंटर्स सेक्शन), हांगकांग आईएफएफ – यंग सिनेमा कॉम्पिटिशन (वर्ल्ड), जोंजू आईएफएफ, वैंकूवर आईएफएफ, मॉन्ट्रियल न्यू सिनेमा एफएफ, साओ पाओलो आईएफएफ, नासिर अरुण कार्तिक द्वारा प्रीमियर – टाइगर प्रतियोगिता में रॉटरडैम (आईएफएफआर) का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव. ईशान शुक्ला द्वारा शिरकोआ, बिच–क्वान ट्रान (डिसिडेंज फिल्म्स, फ्रांस) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनसे फिल्म निर्माता एनएफडीसी फिल्म बाजार में मिले थे. डेचेन रोडर का आई, द सॉन्ग यह फिल्म फिलहाल फंड जुटाने के चरण में है, लेकिन उनके पहले से मौजूद फ्रांसीसी सह–निर्माता के अलावा एक नॉर्वेरियन सह–निर्माता भी है. सुषमा खाडेपाउ द्वारा सब्रास (सॉल्ट) इस परियोजना में अब एक अमेरिकी निर्माता है और यह SFFILM वेस्ट्रिज ग्रांट के लिए फाइनलिस्ट भी है. भास्कर हजारिका द्वारा आमिस वर्ल्ड प्रीमियर – ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल 2019 में, ईब अलाय ऊ! प्रतीक वत्स द्वारा वर्ल्ड प्रीमियर – पिंग्याओ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (पीवाईआईएफएफ), 2019, 70वां बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2020 (पैनोरमा सेक्शन), ऐसे ही (जस्ट लाइक दैट) किसलय फिल्म फेस्टिवल्स द्वारा – वर्ल्ड प्रीमियर – बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, 2019 तथा कई अधिक फिल्में. कुलदीप पटेल की पोवा आई का वर्ल्ड प्रीमियर न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2022 में हुआ. (डब्ल्यूआईपी लैब 2020)

ग. पटकथा लेखकों की प्रयोगशाला

2007 में शुरू की गई एनएफडीसी लैब्स की स्थापना भारतीय फिल्म निर्माताओं के लिए व्यावसायिक विकास की रूपरेखा प्रदान करने के लिए की गई है जो पहले से ही कार्य क्षेत्र में स्थापित हैं या फिल्म और/या मीडिया अध्ययन के बाद अपने करियर का विकास कर रहे हैं. एनएफडीसी लैब्स परियोजना-आधारित कार्यशालाओं, प्रयोगशालाओं और मास्टर-क्लासों के माध्यम से प्रतिभाशाली लेखकों और निर्देशकों के कामकाजी अभ्यास को गहरा और बढ़ाने का प्रयास करती है. विभिन्न चरणों में स्क्रिप्ट के विकास के लिए प्रयोगशालाएँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित उद्योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में हैं. एनएफडीसी लैब्स स्थापित और उभरते भारतीय फिल्म निर्माताओं दोनों के लिए व्यावसायिक विकास की एक रूपरेखा प्रदान करती है. स्क्रिप्ट डेवलपमेंट लैब्स को 3 भाग के सत्र में व्यवस्थित और सावधानीपूर्वक संकलित किया जाता है, जो किसी प्रोजेक्ट के समग्र रचनात्मक स्क्रिप्ट विकास के लिए एक स्वस्थ परिपक्व अवधि की अनुमति देने के लिए पांच महीने की अवधि में फैला हुआ है. प्रत्येक सत्र एक सप्ताह की अवधि का होता है, जहां प्रतिभागियों को समूह चर्चा के साथ-साथ सलाहकारों के साथ एक-पर-एक सत्र में अपनी स्क्रिप्ट पर चर्चा करने का मौका मिलता है. कुछ स्क्रिप्ट्स जो शुरुआत से ही प्रयोगशाला में विकसित की गई और सफल फिल्मों में बनीं, वे हैं द लंचबॉक्स, दम लगा के हईशा, तितली, लिपस्टिक अंडर माई बुर्का, द गुड रोड, चौरंगा, आइलैंड सिटी, फायर इन द माउंटेंस, इन द बेली ऑफ ए टाइगर, रुज, गोस कोटा मनुह (द वुडकटर) आदि.

एसडब्ल्यूएल 2022 के लिए प्रविष्टियों के लिए कॉल 20 जुलाई, 2022 से खुली थी. इस वर्ष, एनएफडीसी को लगभग 109 आवेदन प्राप्त हुए. शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदन अंतिम चयन के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं को भेजे गए थे. एसडब्ल्यूएल 2022 का हिस्सा बनने के लिए कुल छह परियोजनाओं का चयन किया गया था. एसडब्ल्यूएल 2022 का पहला सत्र 19 से 24 सितंबर, 2022 तक फाउंटेनहेड लीडरशिप सेंटर, मांडवा, अलीबाग में हुआ था. लैब का दूसरा सत्र ऑनलाइन था और तीसरा और अंतिम सत्र गोवा में फिल्म बाज़ार से 4 दिन पहले आयोजित किया गया था.

5.10 फिल्म समारोह निदेशालय (डीएफएफ)/एनएफडीसी का समारोह प्रकोष्ठ: फिल्म महोत्सव निदेशालय (डीएफएफ) की स्थापना 1973 में की गई थी जिसका मुख्य उद्देश्य अच्छे सिनेमा को बढ़ावा देना. एनएफडीसी के साथ इसके विलय के बाद, पूर्ववर्ती डीएफएफ की गतिविधियां अब एनएफडीसी द्वारा की जा रही हैं. इनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं –

by Jai Shankar – World Premiere at Busan International Film Festival 2022, Ek Jagah Apni (A Space of our Own) by Ektara Collective – World Premiere at Tokyo International Film Festival 2022, Paka (River of Blood) by Nithin Lukose – World Premiere at Toronto International Film Festival 2021, Fire in the Mountains by Ajitpal Singh – World Premiere at Sundance Film Festival 2021, Shankar's Fairies by Irfana Majumdar – World Premiere at Locarno Film Festival 2021, Dostojee (Two Friends) by Prasun Chatterjee – World Premiere at BFI London Film Festival 2021., Pedro by Natesh Hegde – World Premiere at Busan International Film Festival 2021. Laila Aur Satt Geet (The Shepherdess and the Seven Songs) by Pushpendra Singh World premiere – 70th Berlin International Film Festival 2020, (Encounters section), Hong Kong IFF – Young Cinema Competition (World), Jeonju IFF, Vancouver IFF, Montreal New Cinema FF, Sao Paolo IFF, Nasir by Arun Karthick Premiered – International Film Festival of Rotterdam (IFFR) in Tiger Competition. I, the Song by Dechen Roder The film is currently in the fund–raising stage but has a Norwegian co–producer in addition to their already existing French co–producer. Sabras (Salt) by Sushma Khadepau The project now has a US producer and is also a finalist for SFFILM Westridge Grant. Aamis by Bhaskar Hazarika World Premiere – Tribeca Film Festival in 2019. Eeb Allay Ooo! by Prateek Vats World premiere – Pingyao International Film Festival (PYIFF), 2019, 70th Berlin International Film Festival 2020 (Panorama section), Aise Hee (Just Like That) by Kislay Film Festivals – World premiere – Busan International Film Festival, 2019 and many more Films. Powai by Kuldip Patel had its World Premiere at New York Indian Film Festival 2022. (WIP Lab 2020

C. Screenwriters' Lab

NFDC LABS, started in 2007, has been established to provide a framework of professional development for Indian filmmakers already established in the work field or developing their careers following Film and/or Media studies. NFDC Labs seeks to deepen and enhance the working practice of talented writers and directors, through project-based workshops, labs, and master-classes. The labs are under the mentorship of Internationally acclaimed Industry experts for the development of scripts at different stages. NFDC Labs provides a framework of professional development for both established and emerging Indian filmmakers. The Script Development Labs are organized and carefully compiled in a 3 part session, spread over a period of five months to allow a healthy gestation period for the overall creative script development of a project. Each session is of one week duration, where participants get to discuss their scripts over group discussions as well as one-on-one sessions with the mentors. Some of the scripts that were developed at the lab since its inception and got made into successful films are The Lunchbox, Dum Laga Ke Haisha, Titli, Lipstick Under My Burkha, The Good Road, Chauranga, Island City, Fire in the Mountains, In the Belly of a Tiger, Ruj, Gos Kota Manuh (The Woodcutter) etc.

The call for entries for SWL 2022 was open from 20 July, 2022. This year, NFDC received around 109 applications. The shortlisted applications were sent to external evaluators for final selection. A total of six projects were selected to be a part of SWL 2022. The first session of SWL 2022 took place from September 19 – 24, 2022, at Fountainhead Leadership Centre, Mandwa, Alibaugh. The second session of the lab was online and the third and final session was held 4 days prior to Film Bazaar in Goa.

5.10 Directorate of Film Festivals (DFF)/Festivals Cell of NFDC – Directorate of Film Festivals (DFF) was set up in 1973 with the prime objective of promoting good cinema. Upon its merger with NFDC, the activities of erstwhile DFF are now being undertaken by NFDC. These mainly include the following –

(क) अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, भारत

(ख) सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम और विदेशों में मिशनों के माध्यम से भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग का आयोजन;

(ग) भारतीय पैनोरमा का चयन

(घ) विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भाग लेना

(ड़) भारत सरकार की ओर से विशेष फिल्म प्रदर्शनी और

(च) प्रिंट संग्रह एवं दस्तावेज़ीकरण.

यह गतिविधियां भारत और क्षेत्र के अन्य देशों के बीच विचारों, संस्कृति और अनुभवों के आदान-प्रदान करने हेतु सिनेमा का अनूठा मंच प्रदान करती हैं. यह भारतीय सिनेमा को एक सशक्त मंच भी प्रदान करता है तथा भारतीय फिल्मों के लिए व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा देता है. देश के भीतर, वैश्विक सिनेमा में नवीनतम ट्रेंड्स को आम जनता, फिल्म उद्योग और छात्रों के लिए सुलभ बनाया जाता है.

अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह, भारत

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, ईफ्फी का 53वां संस्करण 20 से 28 नवंबर, 2022 तक गोवा में आयोजित किया गया था. वार्षिक फिल्म महोत्सव ने कला, फिल्म और संस्कृति की एकजुट ऊर्जा और भावना को एकत्रित करते हुए सबसे बड़े दिग्गजों को एक छत के नीचे लाया. डाइटर बर्नर द्वारा निर्देशित ऑस्ट्रियाई फिल्म अल्मा एंड ऑस्कर वार्षिक उत्सव की शुरुआती फिल्म थी, जबकि क्रिज़्सटॉफ़ ज़ानुसी की परफेक्ट नंबर समापन फिल्म थी. फ्रांस 'स्पॉटलाइट' देश था और कंट्री फोकस पैकेज के तहत 8 फिल्में दिखाई गई. 'होमेज' अनुभाग में पंद्रह भारतीय और पांच अंतर्राष्ट्रीय फिल्में शामिल थीं. भारत के राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार की फिल्मों को एनएफडीसी द्वारा 'इंडियन रिस्टोर्ड क्लासिक्स' खंड में प्रदर्शित किया गया था. सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार स्पेनिश फिल्म निर्देशक कार्लोस सौरा को दिया गया.

समारोह के दौरान, आईएफएफआई ने 35,000 मिनट तक देखी गई, 277 फिल्मों की स्क्रीनिंग का आयोजन किया, जिसमें 78 देशों की 65 अंतरराष्ट्रीय और 15 भारतीय भाषाओं में 178 अंतरराष्ट्रीय फिल्में और 99 भारतीय फिल्में शामिल थीं. कुल 24 मास्टरक्लास और इन-कन्वर्सेशन सत्र और गाला प्रीमियर सहित सेलिब्रिटी कार्यक्रमों की एक लंबी सूची आयोजित की गई. महोत्सव की सर्वश्रेष्ठ फिल्म का प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक कोस्टा रिकन फिल्म निर्माता वेलेंटीना मौरेल द्वारा निर्देशित स्पेनिश फिल्म टेंगो सुएनोस इलेक्ट्रिकोस (आई हैव इलेक्ट्रिक ड्रीम्स) को मिला. फिल्म 16 साल की लड़की ईवा के वयस्क होने की कहानी पर आधारित है. ईरानी लेखक और निर्देशक नादेर सैइवर को नो एंड के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सिल्वर पीकॉक पुरस्कार मिला, जो ईरान की प्रतिगामी सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था का एक जादुई और सूक्ष्म चित्रण है. आईएफएफआई ने एथेंस की रहने वाली निर्देशक असिमिना प्रोएड्रो को फिल्म बिहाइंड द हेस्टैक्स के लिए निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फीचर फिल्म से सम्मानित किया, जिसका महोत्सव में अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर हुआ था.

ईफ्फी का 54वां संस्करण 20 से 28 नवंबर, 2023 तक पणजी, गोवा में आयोजित किया जाना है. भारत की विविधता को दर्शाने वाले 54वें आईएफएफआई पोस्टर का अनूठा डिजाइन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) अहमदाबाद द्वारा बनाया गया है. 17 मई, 2023 को फ्रांस में कान्स फिल्म फेस्टिवल में केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन के हाथों इसका अनावरण किया गया. वेबसाइट: www.iffigoa.org

भारतीय पैनोरमा

इंडियन पैनोरमा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, भारत (आईएफएफआई) का एक प्रमुख घटक है, जिसके तहत फिल्म कला को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ समकालीन भारतीय फिल्मों का चयन किया जाता है. इसे 1978 में सिनेमाई कला की मदद से भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत के साथ-साथ भारतीय फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए शानदार आईएफएफआई छत्रछाया के हिस्से के रूप में पेश किया गया था. अपनी स्थापना के पश्चात, भारतीय पैनोरमा वर्ष की सर्वश्रेष्ठ भारतीय फिल्मों को प्रदर्शित करने के लिए पूरी तरह समर्पित रहा है.

(a) the International Film Festival of India;

(b) cultural exchange programme and organising screening of Indian films through the missions abroad;

(c) the selection of Indian Panorama

(d) participation in international film festivals abroad;

(e) special film expositions on behalf of the Government of India; and

(f) print collection and documentation.

These activities provide a unique platform for exchange of ideas, culture and experiences between India and other countries in the field of cinema. It also provides a powerful platform for Indian cinema and fosters commercial opportunities for Indian films. Within the country, the latest trends in global cinema are made accessible to the general public, film industry and students.

International Film Festival of India

The 53rd edition of the International Film Festival of India, IFFI, was held in Goa from November 20 to 28, 2022. The annual film festival brought biggest stalwarts under one roof cumulating the cohesive energy and spirit of art, films and culture. The Austrian film Alma and Oskar, directed by Dieter Berner, was the opening film at the annual festival while Krzysztof Zanussi's Perfect Number the closing film. France was the 'Spotlight' country and 8 films were screened under Country Focus package. The 'Homage' section included fifteen Indian and five international films. Films from the National Film Archives of India were showcased by the NFDC in the 'Indian Restored Classics' section. Satyajit Ray Lifetime Achievement award was given to Spanish film director Carlos Saura.

During the festival, IFFI curated the screenings of 277 films clocking 35,000 minutes of viewing time featuring 178 international films and 99 Indian films in 65 international and 15 Indian languages from 78 countries. A total of 24 Masterclasses and In-Conversation sessions and a long list of celebrity events including Gala Premieres were held. The prestigious Golden Peacock for the Best Film of the festival went to Spanish film Tengo suenos electricos (I Have Electric Dreams) directed by Costa Rican film maker Valentina Maurel. The film explores a 16-year-old girl Eva's passage into adulthood. Iranian writer and director Nader Saeivar bagged the Silver Peacock for Best Director for No End, a magical and subtle portrayal of Iran's regressive socio-political system. IFFI honoured Director Asimina Proedrou, hailing from Athens, with the Best Debut Feature Film of a Director, for the film Behind the Haystacks, which had its international premiere at the festival.

The 54th edition of IFFI will be held in Panjim, Goa from November 20 to 28, 2023. The unique design of 54th IFFI poster featuring diversity of India has been created by National Institute of Design (NID) Ahmedabad. It was unveiled at the hands of Union Minister of State for Information and Broadcasting Dr L Murugan at Cannes Film Festival in France on May 17, 2023. Website – www.iffigoa.org

Indian Panorama

Indian Panorama is a flagship component of the International Film Festival of India (IFFI), under which the best of contemporary Indian films are selected for the promotion of film art. It was introduced in 1978 as part of the stupendous IFFI umbrella to promote Indian Films along with India's rich culture and heritage with the help of cinematic art. Since its inception, the Indian Panorama has been completely devoted to showcasing the best Indian films of the year.

फिल्म समारोह निदेशालय द्वारा आयोजित, भारतीय पैनोरमा का प्राथमिक उद्देश्य विभिन्न श्रेणियों के तहत इन फिल्मों की गैर-लाभकारी स्क्रीनिंग के माध्यम से फिल्म कला को बढ़ावा देने के लिए सिनेमाई, विषयगत और सौंदर्य उत्कृष्टता की फीचर और गैर-फीचर फिल्मों का चयन करना है जैसे: भारत और विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, भारतीय मिशनों द्वारा विदेशों में विशेष स्क्रीनिंग आदि.

भारतीय पैनोरमा में पिछले 1 वर्ष की 26 फीचर और 21 गैर-फीचर फिल्में शामिल हैं जो सिनेमेटिक, विषयगत और सौंदर्य संबंधी उत्कृष्टता से विख्यात हैं.

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) फिल्म महोत्सव, 2023

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की भारत की अध्यक्षता के दौरान, एनएफडीसी ने 27 जनवरी से 31 जनवरी, 2023 तक मुंबई में एससीओ फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया. यह एससीओ फिल्म फेस्टिवल का अब तक का सबसे बड़ा संस्करण था, जिसमें पैनल सत्रों और अन्य सेलिब्रिटी इवेंट्स के अलावा 14 देशों की 57 फिल्मों का प्रदर्शन किया गया था. समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म ' अप्पाथा' के विश्व प्रीमियर के साथ हुई. निखिल महाजन द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म गोदावरी को समारोह की सर्वश्रेष्ठ फिल्म चुना गया. जबकि, चाइनीज फिल्म होमकमिंग के निर्देशक ज़ियाओझी राव ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता.

5.11 प्रिव्यू थिएटर

कंपनी ने तमिलनाडु सरकार के सहयोग से निर्माण कंपनियों, सीबीएफसी, फिल्म उद्योग संघों, दूतावासों, शैक्षणिक संस्थानों, कॉर्पोरेट कार्यालयों आदि के लिए फिल्मों की स्क्रीनिंग के लिए चेन्नई में एक अत्याधुनिक प्रिव्यू थिएटर और होम थिएटर की स्थापना की है. हम विभिन्न सरकारी/गैर-सरकारी ग्राहकों को फिल्मों के प्रदर्शन के लिए इस 100 सीटों वाले प्रीव्यू थिएटर को किराये पर देते हैं.

	टीएफसी, चेन्नई में स्क्रीनिंग	संख्या
1	प्रिव्यू	220
2	सेंसर	189
3	3डी प्रिव्यू	2
4	3डी सेंसर	1
	कुल	**412**

विलय को देखते हुए 01.01.2023, हमने दिल्ली में सिरी फोर्ट और महादेव स्टूडियो जैसे पूर्व फिल्म समारोह निदेशालय के पूर्वावलोकन थिएटर और मुंबई में पूर्व फिल्म डिवीजन के थिएटर भी किराए पर दिए हैं.

5.12 अंतर्राष्ट्रीय प्रचार

भारत की 16 देशों के साथ सह-निर्माण संधियाँ हैं और कुछ अन्य पाइपलाइन में हैं. इनके साथ-साथ ऑडियोविजुअल प्रोत्साहन योजनाओं के साथ, भारत वैश्विक फिल्म उद्योग के साथ सार्थक सहयोग और संबंध बनाने की दिशा में लाभ की स्थिति में है.

वर्ष 2023-24 के लिए, कान्स, वेनिस, टोरंटो और बर्लिन जैसे फिल्म समारोहों और मार्केट्स के साथ कई वर्षों से विकसित संबंधों को मजबूत करने और आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है. इसके अलावा, उज्बेकिस्तान में ताशकंद अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, दक्षिण कोरिया में बुसान अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और स्पेन में वलाडोलिड अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (सेमिनसी) में भागीदारी से नए सिनेमाई सहयोग बनाने में मदद मिलेगी.

Organized by the Directorate of Film Festivals, the primary aim of the Indian Panorama is to select the feature and non-feature films of cinematic, thematic and aesthetic excellence for the promotion of film art through the non-profit screening of these films under different categories such as – International Film Festivals in India and abroad, special screenings abroad by Indian Missions, etc.

The Indian Panorama includes 26 feature and 21 non-feature films of last 1 year that are distinguished by cinematic, thematic and aesthetic excellence.

Shanghai Cooperation Organization (SCO) Film Festival, 2023

During India's chairmanship of the Shanghai Cooperation Organization (SCO), NFDC organized the SCO Film Festival in Mumbai from Janury 27 to January 31, 2023. This was the biggest ever edition of SCO Film Festival, with 57 films from 14 countries having been showcased apart from Panel sessions and other celebrity events. The festival opened with a world premiere of Tamil film 'Appatha', directed by National award-winning filmmaker Priyadarshan. Marathi Film Godavari, directed by Nikhil Mahajan was judged the best film of the Festival. While, Xiaozhi Rao, director of Chinese film Homecoming won the award for the best director.

5.11 Preview Theatre

Your Company in collaboration with the Government of Tamil Nadu has established a state-of-the-art Preview Theatre and Home Theatre in Chennai for screening of films for production companies, CBFC, film industry associations, embassies, educational institutions, corporate offices, etc. We give this 100-seaters Preview Theatre on-hire for the exhibition of films to various government/non-government clients.

	Screenings at TFC, Chennai	Nos
1	Preview	220
2	Censors	189
3	3D Preview	2
4	3D Censor	1
	Total	**412**

In view of merger w.e.f. 01.01.2023, we have also given on-hire Preview Theatres of erstwhile Directorate of Film Festival like Sri Fort and Mahadev Studio in Delhi and Theatre of erstwhile Film Division in Mumbai.

5.12 International Promotions

India has co-production treaties with 16 countries and there are a few more in the pipeline. With the Audiovisual Incentive Schemes in place alongside these, India is in a position of advantage towards forming meaningful collaborations and connections with the global film industry.

For the year 2023-24, the focus is to consolidate and build upon the relationship fostered over several years, with film festivals and markets such as Cannes, Venice, Toronto and Berlin. Apart from this, participation at the Tashkent International Film Festival in Uzbekistan, Busan International Film Festival in South Korea, and Valladolid International Film Festival (Seminci) in Spain shall enable forming new cinematic co-operations.

निकट भविष्य में, विभाग युवा भारतीय फिल्म निर्माताओं को प्रदर्शन के लिए एक मंच देने के अलावा, उन बाजारों में भाग लेने और अपने पदचिह्न का विस्तार करने पर विचार करेगा जहां भारतीय सिनेमा के समृद्ध अनुयायी हैं या जहां भारतीय सिनेमा के लिए भौगोलिक सीमाओं से परे जाने की क्षमता है. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनकी कला को बढ़ावा देना और विश्व सिने बिरादरी से जुड़ने और भारत के समृद्ध सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए सार्थक मध्यस्थी का आयोजन करना.

5.13 युक्ति तथा योजना

ऑनलाइन एनलिस्टमेंट एप्लिकेशन – प्रोडक्शन

एनएफडीसी ने विभिन्न मंत्रालयों तथा उनके विभागों के अपने ग्राहकों को अधिकतम संतुष्टि प्रदान करने के लिए विज्ञापन तथा मीडिया जगत के श्रेष्ठतम प्रोफेशनल्स के साथ भागीदारी की है. कार्यनिष्पादन प्रक्रिया की एक विशेषता यह है कि प्रोडक्शन तथा सोशल मीडिया में सर्वथा उपयुक्त क्रिएटिव एजेंसियों का चुनाव किया जाता है जिनमें आवश्यक कौशल हो और ग्राहक की आवश्यकता को समझने की क्षमता हो. यह सब एनएफडीसी के ऑनलाइन एनलिस्टमेंट एप्लिकेशन की वजह से संभव हो पाता है. इससे एनएफडीसी इस क्षेत्र की एमएसएमई कंपनियों को सहायता देने का मार्ग भी बन जाता है.

वर्ष के दौरान कुल मिला कर 247 एजेंसियां विभिन्न वर्गों के अंतर्गत, जैसे एडवर्टाइजिंग, प्रोडक्शन हाउसेस, ग्राफिक डिजाइन, सोशल मीडिया एजेंसीज, इंपेक्ट, इवेंट तथा रिसर्च एजेसियां सूचीबद्ध की गई. नीचे उन श्रेणियों की सूची दी जा रही है जिनके अंतर्गत एजेंसियों को सूचीबद्ध किया गया है –

In the near future, the department will look to participate and expand its footprint in the markets where Indian cinema has rich following or where there is a potential for Indian cinema to go beyond geographical boundaries, apart from giving a platform to young Indian filmmakers to showcase their craft on international level and organize meaningful interventions to connect with the world cine fraternity and promote the rich cinema of India.

5.13 Strategy & Planning

Online Enlistment Application – for Production

NFDC has partnered with professionals in the advertising and media industries to deliver optimum results for its clients in the various Ministries and their departments. One of the key elements of the execution process is to identify suitable creative agencies in Production & Social Media with the required competence and domain knowledge to meet the client's requirements. This has been made possible and easier from the NFDC Online Enlistment Application. This also gives NFDC a way to help out the MSME companies in this sector.

On the whole, a total of 247 agencies have enlisted during the year under various categories like Advertising, Production Houses, Graphic Design and Print, Social Media Agencies, Impact, Event & Research agencies. Below is the List of the categories under which the agencies are enlisted with NFDC –

	श्रेणी	Category	कुल Total
1	प्रोडक्शन हाउस	Production Houses	147
2	एडवर्टाइजिंग एजेंसियां	Advertising Agency	39
3	इवेंट मैनेजमेंट एजेंसियां	Event Management Agency	28
4	डिजिटल मीडिया एजेंसियां	Digital Media Agency	17
5	ग्राफिक डिजाइन/प्रिंट	Graphic Design Studios/Print	10
6	इंपेक्ट असेसमेंट/मीडिया मॉनिटरिंग/पीआर	Impact Assessment/Media Monitoring/Public Relation	4
7	थिएटर ग्रुप	Theatre Group	2
	कुल	**Grand Total**	**247**

5.14 सिने आर्टिस्ट वेलफेयर फंड ऑफ इंडिया

स्व. लॉर्ड रिचर्ड एटनबरो द्वारा निर्मित फिल्म 'गांधी' से प्राप्त आय के एक हिस्से से 1991 में सिने आर्टिस्ट्स वेलफेयर फंड ऑफ इंडिया की स्थापना की गई. ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य 50 साल से अधिक आयु के उन फिल्म कलाकारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है जो किन्हीं कारणों से दुर्दिन झेल रहे हैं और जिन्हें आर्थिक मदद की जरूरत है.

फंड से दी गई आर्थिक सहायता	वर्ष 2022-23	वर्ष 2021-22
	405 पेंन्शनर्स	383 पेंन्शनर्स

5.14 Cine Artistes Welfare Fund of India

A Trust 'Cine Artistes Welfare Fund of India' was formed out of a portion of profit earned from the film "Gandhi", in the year 1991 by late Lord Richard Attenborough. The main objective of the Trust is to give financial assistance to old cine artistes above 50 years who have fallen on bad days and need financial support.

Financial Assistance from the Fund	Year 2022-23	Year 2021-22
	405 Pensioners	383 Pensioners

6. मानव संसाधन विकास

6.1 श्रमशक्ति

इस वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर कंपनी में 52 कर्मचारी हैं जिनमें 13 कार्यकारी अधिकारी और 39 गैर-कार्यकारी हैं.

6. Human Resource Development

6.1 Manpower

Your company has 52 employees consisting of 13 executives and 39 Non-Executives at the close of this financial year.

6.2 रिक्तियों का आरक्षण

श्रेणी	कुल संख्या		31 मार्च को अ.जा की संख्या		31 मार्च को अ.ज की संख्या		31 मार्च को ओबीसी की संख्या		31 मार्च को पीएच की संख्या		31 मार्च को भूतपूर्व सैनिकों की संख्या	
Group	Total strength As on 31st March		No of SCs As on 31st March		No of STs As on 31st March		No of OBCs As on 31st March		No of PH As on 31st March		No of Ex-Serviceman As on 31st march	
	2023	2022	2023	2022	2023	2022	2023	2022	2023	2022	2023	2022
A	13	11	3	3	0	0	2	1	0	0	0	0
B	13	13	4	4	0	0	3	3	1	1	0	0
C	26	30	6	8	0	0	9	9	0	2	0	0
D	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**52**	**54**	**13**	**15**	**0**	**0**	**14**	**13**	**1**	**3**	**0**	**0**

6.3 स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना –
वर्ष के दौरान स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत कोई भी कर्मचारी/श्रमिक स्वेच्छा सेवानिवृत्त नहीं हुआ है

6.4 औद्योगिक संबंध
वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंध स्नेहपूर्ण बने रहे. कर्मचारियों की शिकायतों पर आपसी विचार-विमर्श किया गया और जहां तक संभव हुआ उनका समाधान किया गया.

7. सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ एमओयू

एनएफडीसी लिमिटेड के साथ चार मीडिया इकाइयों के चल रहे विलय को देखते हुए, वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए डीपीई के एमओयू विभाग ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से छूट प्रदान की.

8. राजभाषा कार्यान्वयन

वर्ष के दौरान कंपनी में राजभाषा अधिनियम तथा उसके अंतर्गत समय-समय पर जारी किए गए नियमों और राजभाषा विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और लोक उद्यम विभाग द्वारा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में जारी आदेशों को लागू किया गया था. कंपनी में हिंदी के प्रयोग की समीक्षा के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं और वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक कार्यक्रम को लागू करने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी की गई. 14 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस मनाया गया और निगम के मुख्यालय में 14 सितंबर 2022 से 28 सितंबर 2022 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया. हिंदी पखवाड़े के दौरान हिंदी कार्यशालाएं और हिंदी प्रतियोगिताएं जैसे हिंदी निबंध, हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद का आयोजन किया गया. विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रतिभागिता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया.

9. ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी समावेशन आदि पर रिपोर्ट

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134 (3) (एम), के प्रावधानों के अनुरूप कंपनी के अधिनियम (अकाउंट्स) 2014 के साथ पढ़ा जाय, ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी समावेशन जाने आदि कंपनी पर लागू नहीं होते.

10. सतर्कता मामले

सतर्कता मामलों की निगरानी के लिए उप महाप्रबंधक स्तर के एक अधिकारी को नामित किया गया है. रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान सतर्कता मामलों से संबंधित आवधिक रिपोर्ट नियमित रूप से मंत्रालय को भेजी गई थी. वर्ष 2022-23 के दौरान शून्य सतर्कता शिकायत प्राप्त हुई थी और पिछले वर्ष की एक शिकायत का परिणाम निकाला गया है.

6.2 Reservation of Vacancies

6.3 Voluntary Retirement Scheme –
During the year no employees/workers has voluntarily retired under Voluntary Retirement Scheme

6.4 Industrial Relations
The industrial relations during the year remain cordial. Grievances of the employees were discussed mutually and as far as possible settled.

7. MoU With Ministry of Information & Broadcasting

In view of on-going merger of four Media Units with NFDC Ltd., MoU Division of DPE, had granted exemption from signing of Memorandum of Understanding with the Ministry of Information & Broadcasting, GoI, for the F.Y. 2022-23.

8. Official Language Implementation

The official Language Act, along with the Rules thereof and orders issued from time to time by the Department of Official Language, Ministry of Information and Broadcasting and the Department of Public Enterprises regarding progressive use of Hindi, were implemented in the Company during the year. Meetings of the Official Language implementation Committee were held regularly to review the use of Hindi in the Company and steps taken to implement the Annual program for the year 2022-23 issued by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India. Hindi Day was celebrated on 14th September 2022 and Hindi Fortnight was organized from 14th September 2022 to 28th September 2022 at the headquarters of the Corporation. During the Hindi fortnight, Hindi workshops and Hindi competitions like Hindi Essay, Hindi noting and drafting, Hindi-English Translation were organized, in which employees enthusiastically participated. Winners were awarded with appreciation certificates.

9. Reportion Conservation Of Energy, Technology Absorption, Etc.

Information in accordance with the provisions of Section 134 (3) (m) of the Companies Act, 2013 read with the Companies (Accounts) Rules, 2014 regarding Conservation of Energy, Technology Absorption is not applicable to the Company.

10. Vigilance Matters

An officer in the rank of Deputy General Manager has been nominated to oversee the vigilance matters. During the year under report periodical reports relating to vigilance matters were sent to Ministry regularly. There was Nil vigilance compliant received during the year 2022-23 and one complaint of previous year has been concluded.

11. राष्ट्रपतिक निर्देश

वर्ष के दौरान कोई राष्ट्रपतिक निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है.

12. धोखाधड़ी की सूचना देना

वर्ष के दौरान कंपनी पर या कंपनी द्वारा कोई धोखाधड़ी नहीं देखी अथवा रिपोर्ट की गई है.

13. निदेशक मंडल तथा मंडल की बैठकें

कंपनी के निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है और उनका पारिश्रमिक भी वही नियत करती है. अत: निदेशकों की नियुक्ति, योग्यता, उनके पारिश्रमिक, सकारात्मक प्रवृत्तियों, निदेशक की स्वतंत्रता तथा सेक्शन 178 के उप सेक्शन (3) के अंतर्गत आने वाले अन्य मामलों के संबंध में कंपनी की कोई नीति नहीं है.

रिपोर्ट की तिथि के अनुसार, एनएफडीसी के बोर्ड में दो गैर-कार्यकारी सरकारी निदेशक शामिल हैं श्री जयंत सिन्हा, अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और श्री पृथुल कुमार, संयुक्त सचिव (फिल्म), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय. श्री पृथुल कुमार कंपनी के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं. कार्यात्मक निदेशकों के दो पद और स्वतंत्र निदेशकों के तीन पद रिक्त हैं.

निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं होती. उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है.

14. लेखा परीक्षक

भारत सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 139 के अधीन मेसर्स सी. बी छाड़ेज एंड को, सनदी लेखाकार, इलेक्ट्रिक मेंशन, 5वीं मंजिल, अप्पासाहेब मराठे मार्ग, प्रभादेवी, मुंबई, 400025, महाराष्ट्र को वित्तवर्ष 2022-23 के लिये निगम के लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया.

14.1 सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर प्रबंधन की टिप्पणियां
लेखा परीक्षकों ने 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के खातों का लेखा परीक्षण किया है. आवश्यक अनुबंध और रिपोर्ट के साथ ऑडिट किए गए खाते इस रिपोर्ट के साथ संलग्न हैं. कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षकों ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी के खातों पर योग्य रिपोर्ट दी है.

14.1.1 लेखाकारों की रिपोर्ट पर टिप्पणियां
क्वालिफाइड ओपिनियन का आधार –
पैरा (क)
कंपनी ने विभिन्न देनदारों, ऋणों तथा अग्रिमों एवं उन जमाओं के संबंध में, जो बही खातों में 31 दिसंबर 2022 को आउटस्टैंडिंग हैं, बकाए के सत्यापन के लिए पत्र भेजे हैं. कुछ पक्षों से जवाब आ भी चुके हैं. उन विभिन्न देनदारों, ऋणों तथा अग्रिमों के बारे में बही खातों में पर्याप्त प्रावधान कर दिये गये हैं जो तीन साल से अधिक समय से बकाया पड़े हैं और उन्हें विधिवत पिछले वर्षों से आगे ले आया गया है. इसके अतिरिक्त टीवी मार्केटिंग के देनदारों और अन्य बकायाओं को लेकर आवश्यकतानुसार केस दायर कर दिए गए हैं.

चालू देनदारियां मुख्यत: मीडिया व्यवसाय के कारण हैं. बहुत सारी देनदारियां क्रमश; निपटा दी गई हैं.

पैरा (ख)
कोई टिप्पणी नहीं.

11. Presidential Directives

No Presidential Directives has been received during the year.

12. Fraud Reporting

No fraud on or by the company has been noticed/reported during the year.

13. Board of Directors and Board Meetings

The Company's Directors are appointed and their remuneration is fixed by the Government of India. Hence the Company has no policy on appointment of Directors and their remuneration including criteria for determining qualification, positive attitudes, independence of a director and other matters provided under sub-section (3) of Section 178.

As on date of report, the Board of NFDC consists of two non-executive Government Director, namely Shri Jayant Sinha, Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of I&B and Mr. Prithul Kumar, Joint Secretary (Films), Ministry of I&B. Mr Prithul Kumar is holding Additional Charge of Managing Director of the Company. The two positions of functional Directors and three positions of Independent Directors are vacant.

The Company has no role in the appointment of its Directors since they are appointed by the Government of India.

14. Auditors

The Comptroller and Auditor General of India appointed M/s. C.B.Chhajed & Co., Chartered Accountants, Mumbai as Auditors of the Company for the FY 2022-23 under Section 139 of the Companies Act, 2013.

14.1 Management comments on Statutory Auditors' Report
The auditors have audited the Accounts of the Company for the year ended March 31, 2023. The audited accounts with required annexure and reports are annexed to this report. The Statutory Auditors of the Company have given a qualified report on the accounts of the Company for the financial year 2022-23.

14.1.1 Comments On The Auditors Report
Basis for Qualified Opinion –
PARA (a)
The Company has sent letters seeking confirmation of balances in respect of Sundry Debtors, Loans and Advances, as well as Deposits outstanding in the Books of Accounts as on 31st December 2022. Responses have been received from some of the parties. Adequate provisions have been made in the Books of Accounts for Sundry Debtors, Loans and Advances that are outstanding for more than three years and have been duly carried forward from previous years. Further, legal cases have been filed for recovery in respect of TV Marketing Debtors and other cases of outstanding dues wherever required.

The Current Liabilities are mainly on account of Media Business. Most of the dues have been cleared subsequently.

PARA (b)
No comments.

पैरा (ग)

₹ 6998.71 (शुद्ध प्रावधान) के कुल व्यापार प्राप्तियों में ₹ 6860.51 की राशि शामिल है, जो सरकारी विभाग/एजेंसियों से संबंधित है, जिनमें से ₹ 4458.66 तीन वर्षों से बकाया हैं. कुल सरकारी देय राशि ₹ 1650.66 में से जोकि 3 वर्षों से बकाया है वह सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा उनके मीडिया इकाइयों से बकाया है, जो एनएफडीसी का प्रशासनिक मंत्रालय है. एनएफडीसी की महत्वपूर्ण लेखा नीति के अनुसार, प्रबंधन की राय में सरकारी देय राशि के लिए प्रावधान उस सीमा तक किया जाता है, जिसे वसूली योग्य नहीं माना जाता है. सरकार से बकाया वसूल किए जाने की उम्मीद है और इसलिए प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है.

पैरा (घ)

कंपनी ने 3 वर्ष से अधिक समय से बकाया व्यापार देय राशि को वापस नहीं लिखा है क्योंकि यह सरकारी देनदारों से संबंधित प्राप्य के विरुद्ध लंबित देय हैं. कार्यादेशों के अनुसार, जैसा कि विक्रेताओं द्वारा सहमति व्यक्त की गई है, भुगतान शेष ग्राहकों से वसूली के अधीन हैं.

पैरा (ड़)

ग्राहक-वार/परियोजन-वार सूची प्रदान की गई है और ऐसा कोई अग्रिम नहीं है जिसके लिए प्रावधान करने की आवश्यकता हो.

पैरा (च)

जीएसटी सलाहकार द्वारा प्रदान किए गए अग्रिमों पर जीएसटी पर रिपोर्ट के अनुसार, लेखा पुस्तकों के अनुसार अग्रिमों पर जीएसटी लेखा पुस्तकों में पड़े ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम के साथ मेल खा रहा है. साथ ही, परियोजनाओं की स्थिति की पहचान की गई है (कुछ परियोजनाओं को छोड़कर) और अनुपालन के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई है/ध्यान दिया गया है.

पैरा (छ)

एमएसएमई अधिनियम, 2006 की धारा 15 के अनुसार, खरीदार को उसके और आपूर्तिकर्ता के बीच लिखित रूप से सहमत होने की तिथि पर या उससे पहले भुगतान करना होगा या, नियत दिन से पहले जहां इस संबंध में कोई समझौता नहीं है. कार्यादेशों के अनुसार, जैसा कि विक्रेताओं द्वारा सहमति व्यक्त की गई है, भुगतान अंतिम ग्राहकों से वसूली के अधीन हैं. तदनुसार, अंतिम ग्राहकों से प्राप्तियों की वसूली न होने के कारण विक्रेताओं को भुगतान देय नहीं हो पाया है. इसलिए 31 मार्च 2022 तक वर्ष के अंत में भुगतान न की गई राशि पर कोई ब्याज भुगतान या देय नहीं है.

14.2 भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी) द्वारा खातों की समीक्षा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ने पत्र दिनांक 27.10.2023 के माध्यम से आपकी कंपनी के वित्तीय विवरणों पर 26.10.2023 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 143(6)(बी) के तहत अपनी टिप्पणी दी है और 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए आपकी कंपनी के वित्तीय विवरणों के लिए (सी एंड एजी) की शून्य टिप्पणियों को इस वार्षिक रिपोर्ट में आपकी कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के साथ अन्यत्र रखा जा रहा है.

PARA (c)

The total trade receivables of ₹ 6998.71 Lakhs (Net of Provision) includes a sum of ₹ 6860.51 Lakhs pertaining to Government Department/agencies of which ₹ 4458.66 Lakhs are outstanding more than 3 years. Of the total Government dues outstanding for more than three years ₹ 1650.66 lakhs is due from the Ministry of Information & Broadcasting & Media units of Ministry of Information & Broadcasting, which is NFDC's administrative Ministry. As per the Significant Accounting Policy of NFDC, provision towards Government dues are made to the extent considered not recoverable in the opinion of the Management. The dues from the Government are expected to be recovered and hence provision is not considered necessary.

PARA (d)

Company has not written back the trade payables outstanding for more than 3 years as the same are pending payables against the corresponding receivable from the government debtors. As per the work orders, as agreed by the vendors, the payments are subject to realization from the end customers.

PARA (e)

Customer wise/Project wise list has been provided and there are no such advances which need provision to be made.

PARA (f)

As per report on GST on advances provided by GST consultant, GST on advances as per Books is matching with advance received from customers lying in Books of Accounts. Also, the status of projects has been identified and the necessary actions have been taken for compliances.

PARA (g)

As per section 15 of MSME Act, 2006, the buyer shall make payment therefore on or before the date agreed upon between him and the supplier in writing or, where there is no agreement in this behalf, before the appointed day. As per the work orders, as agreed by the vendors, the payments are subject to realization from the end customers. Accordingly, due to non-realization of receivables from the end customers, the payments to the vendors have not become due. Hence as on 31st March 2023, there is no interest paid or payable on the amounts unpaid as at the year end.

14.2 Review of accounts by Comptroller & Auditor General of India (C&AG)

The Comptroller & Auditor General of India, through letter dated 27.10.2023, has given their Comment on the Financial Statements of your Company for the year ended 31st March 2023 under Section 143(6)(b) of the Companies Act, 2013 and the 26.10.2023 comments of C&AG for the financial statements of your Company for the year ended 31st March 2023 are being placed with the report of Statutory Auditors of your Company elsewhere in this Annual Report.

15. सूचना का अधिकार एक्ट, 2005

एनएफडीसी में सूचना का अधिकार एक्ट 2005 लागू करने के लिए पर्याप्त आवश्यक कार्यवाही की गई है. आरटीआई संबंधी आवेदन पत्रों को देखने और उन पर की जा रही आगे की कार्यवाही पर निगरानी के लिए समुचित व्यवस्था है. आरटीआई मशीनरी का प्रतिनिधित्व 31.03.2023 तक किया गया है जोकि निम्नानुसार है –

1. मुख्य जन सूचना अधिकारी
   श्री पी.पी मठ, उप महाप्रबंधक, (फिल्म निर्माण)

2. अपीलीय प्राधिकारी
   सुश्री सुमोना मजूमदार, उप महाप्रबंधक (कम्पनी सचिव एवं विधि)

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 32 (सोलह) आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए थे तथा 3 आरटीआई आवेदनों का जवाब दिया गया और 31.03.2023 तक 1 (एक) आवेदन लंबित था.

16. सतर्कता तंत्र

बेहतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रदान करने के लिए एनएफडीसी ने धोखाधडी के मामलों की रोकथाम के लिए नीति निर्धारित की है. इस नीति का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था उपलब्ध कराना है जिससे धोखेबाजी से बचाव एवं उसका पता लगाना संभव हो सके, किसी तरह की धोखेबाजी की आशंका हो तो उसे रिपोर्ट किया जा सके और सामने आए मामलों से निपटा जा सके.

विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधक तथा क्षेत्रीय प्रबंधकों को इस धोखाधड़ी निरोधी नीति का नोडल अधिकारी बनाया गया है. वे नीतिनुसार सभी कार्यवाहियां नियोजित करते हैं.

17. लेखा परीक्षण समिति

31 मार्च 2023 को लेखा परीक्षण समिति की संरचना इस प्रकार है –

निदेशक का नाम	पद	समिति में स्थिति
रिक्त	स्वतंत्र निदेशक	–
रिक्त	स्वतंत्र निदेशक	–
श्री जयंत सिन्हा	सरकार द्वारा नामित निदेशक	सदस्य

लेखा समिति की बैठकों में निदेशक (वित्त), आंरिक लेखा परीक्षक तथा सरकार लेखा परीक्षक स्थायी निमंत्रित होते हैं. समिति को जानकारी प्रदान करने के लिए वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों को भी आवश्यकतानुसार बुलाया जाता है.

18. जोखिम प्रबंधन नीति

निदेशक मंडल बिजनेस के आंतरिक और वाह्य जोखिमों की समय समय पर समीक्षा करते रहते हैं जिससे कि समय रहते सुरक्षात्मक कदम उठाये जा सकें. आंतरिक कमजोरियों तथा विभिन्न वाह्य खतरों की समीक्षा के लिये निदेशक मंडल के सामने रिपोर्ट पेश की जाती है.

19. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

कृपया अनुलग्नक II देखें

15. Right To Information Act, 2005

RTI Machinery is in place in NFDC to attend to RTI applications and follow-ups. Necessary action has been taken by the Company towards implementation of Right to Information (RTI) Act 2005 in NFDC. The RTI machinery is represented as on 31.03.2023 as mentioned hereunder –

1. Chief Public Information Officer
   Mr P.P. Math, Deputy General Manager (Film Production)

2. Appellate Authority
   Ms Sumona Majumdar, Deputy General Manager (CS & Legal)

Total 32 (Thirty Two) RTI applications were received during FY 2022-23 and 29 (Twenty Nine) RTI applications were replied and 3 (Three) applications were pending as on 31.03.2023.

16. Vigil Mechanism

In order to practice better Corporate Governance, NFDC has adopted a Policy for Prevention of Fraud. The objective of the policy is to provide a system for detection and prevention of fraud, reporting of any fraud that is detected or suspected and for fair dealing of matters pertaining to fraud.

The Heads of Departments, General Managers, and Regional Managers are designated as the Nodal officers for this Fraud Policy and will co-ordinate all activities as per the Policy.

17. Audit Committee

The composition of the Audit Committee as on 31st March 2023 is as under –

Name of the Director	Designation	Position in Committee
Vacant	Independent Director	–
Vacant	Independent Director	–
Shri Jayant Sinha	Govt. Nominee Director	Member

Internal Auditors and Statutory Auditors are standing invitees in the Audit Committee meetings. Senior functional executives are also invited as and when required to provide inputs to the Committee.

18. Risk Management Policy

The Board of Directors review internal & external risks of the business periodically so as to take timely corrective action. In order to review its internal weaknesses and various external threats periodically, reports are placed before the Board of Directors.

19. Corporate Social Responsibility

Please see Annexure II

20. महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर हुए यौन उत्पीड़न संबंधी प्रकटीकरण (प्रिवेंशन, प्रोहिबिशन, एंड रिड्रेसल एक्ट 2013)

इसके संबंध में कंपनी की नीति निर्धारित है. महिला कर्मचारीगणों की शिकायतों के निवारण के लिए निगम की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन किया गया था.

वर्ष 2022-23 के दौरान यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायतें प्राप्त होने तथा उनका निपटारा किये जाने का विवरण प्रकार है –

प्राप्त शिकायतों की संख्या	कुछ नहीं
शिकायतों का निपटारा	लागू नहीं

21. कॉर्पोरेट गवर्नेंस

अपने प्रतिदिन के कार्यकलापों में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा एवं जवाबदेही बनाये रखने के लिए कंपनी कॉर्पोरेट गवर्नेंस की श्रेष्ठतम नीतियों का निरंतर अनुसरण करती है. कॉर्पोरेट गवर्नेंस की इन नीतियों को संलग्न (अनुलग्नक I) में प्रमुखता के साथ दर्शाया गया है.

कॉरपोरेट गवर्नेंस सर्टिफिकेट में अवलोकन का उत्तर इस प्रकार है –

(क) अवलोकन का उत्तर (1)
सीपीएसई के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस दिशानिर्देश 2010 के अनुसार 10.01.2023 तक निदेशक मंडल की संरचना में कार्यात्मक, गैर-कार्यात्मक आधिकारिक निदेशक और गैर-आधिकारिक निदेशक की अधिकतम आवश्यकता थी. 11.01.2023 से कोई कार्यकारी निदेशक नहीं है. इसके अलावा, 26.02.2023 को सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के नियुक्ति आदेश दिनांक 27.02.2020 के अनुसार स्वतंत्र निदेशक श्री राजेश कन्ना और श्री जी. गौरीशंकर का कार्यकाल समाप्त हो गया. एनएफडीसी के एओए के अनुच्छेद 78(2) में प्रावधान है कि "निदेशक मंडल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सहित सभी निदेशकों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी". इसलिए, एनएफडीसी के बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति डीपीई/प्रशासनिक मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से होती है और कंपनी के बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं होती है. वर्तमान में बोर्ड में दो गैर-कार्यात्मक आधिकारिक निदेशक या सरकारी नामित निदेशक, श्री जयंत सिन्हा, अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार और श्री पृथुल कुमार, संयुक्त सचिव (फिल्म्स) शामिल हैं. इसके अलावा, श्री पृथुल कुमार, संयुक्त सचिव (फिल्म्स) कंपनी के प्रबंध निदेशक के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं.

(ख) अवलोकन का उत्तर (2)
31.03.2023 को बोर्ड सदस्यों की अपर्याप्त संख्या के कारण, संस्था के नियमावली के अनुसार, चौथी तिमाही में अपेक्षित बोर्ड बैठक आयोजित नहीं की जा सकी.

(ग) अवलोकन का उत्तर (3)
एनएफडीसी के बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति डीपीई/प्रशासनिक मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से होती है और कंपनी के बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं होती है. सीपीएसईज 2010 के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस के दिशानिर्देशों के अनुसार ऑडिट समिति और पारिश्रमिक समिति के लिए तीन निदेशक मंडल की न्यूनतम आवश्यकता वर्तमान में मौजूद नहीं है, इसलिए उल्लिखित समितियां निष्क्रिय हैं.

20. Disclosure Under The Sexual Harrassment of Women At Workplace (Prevention, Prohibition And Redressal) Act, 2013.

The Company has a policy in this regard. The Internal Complaints Committee (ICC) of the Corporation had been constituted for redressal of grievances of women staff members.

The following is a summary of sexual harassment complaints received and disposed of during the year 2022-23 –

No. of complaints received	Nil
No. of complaints disposed of	Not Applicable

21. Corporate Governance

The Company consistently endeavors to adopt the best practices of Corporate Governance to ensure transparency, integrity and accountability in its functioning. The Corporate Governance Report highlighting these endeavors is enclosed herewith (Annexure-I).

The reply to the observation in the Corporate Governance Certificate is as under –

(a) Reply to observation (1)
The composition of Board of Directors had optimum requirement of Functional, Non-Functional official Director and non-Official director till 10.01.2023 as per Guidelines for Corporate Governance for CPSEs 2010. W.e.f. 11.01.2023, there is no functional director. Further, on 26.02.2023 the tenure of Mr. Rajesh Kanna and Mr. G. Gowrishankar, Independent Directors ceased pursuant to the appointment Order dated 27.02.2020 of Ministry of Information and Broadcasting, GOI. Article 78(2) of AOA of NFDC provides that “All Directors including the Chairman of the Board of Directors and the Managing Director shall be appointed by the President.” Therefore, the appointment of Directors on the Board of NFDC is through DPE/Administrative Ministry, GoI and Company has no role in appointment of Directors on the Board of the Company. Currently the Board consists of two Non-Functional official Director or Government Nominee Directors, Shri Jayant Sinha, Additional Secretary and Financial Advisor and Shri Prithul Kumar, Joint Secretary (Films). Further, Shri Prithul Kumar, Joint Secretary (Films) holding additional Charge of Managing Director of the Company.

(b) Reply to observation (2)
Due to insufficient number of Board members as on 31.03.2023, the requisite board meeting in the 4th Quarter could not be held.

(c) Reply to observation (3)
The appointment of Directors on the Board of NFDC is through DPE/Administrative Ministry, GoI and Company has no role in appointment of Directors on the Board of the Company. The minimum requisite of three Board of Directors for the Audit Committee and Remuneration Committee as per the Guidelines for Corporate Governance for CPSEs 2010, is currently not present, therefore the mentioned Committees are defunct.

22. जमा

कंपनी ने कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों 2(31), 73 तथा 74 के अंतर्गत जनता से मियादी जमा आमंत्रित नहीं की.

23. स्वतंत्र निदेशकों द्वारा दी गई घोषणा पर निवेदन

कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या की आवश्यकता नहीं है, हालांकि डीपीई के कॉर्पोरेट प्रशासन के दिशानिर्देशों के तहत दिनांक 14.05.2010 को कंपनी के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक होने चाहिए तदनुसार प्रशासनिक मंत्रालय ने 21.01.2020 को तीन स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की है. स्वतंत्र निदेशक ने स्वतंत्रता का घोषणा पत्र दिया है.

24. सूक्ष्म और लघु उद्यमों से की गई खरीद

सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत सरकार द्वारा अधिसूचित की गई थी, जो निर्धारित करती है कि वस्तुओं और सेवाओं की कुल वार्षिक खरीद का 20% सभी केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों/सीपीएसयू द्वारा सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से किया जाएगा. इस प्रतिशत के भीतर, एससी/एसटी उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से उप-कुल 4% खरीद की जानी है. वर्ष 2021-22 के दौरान खरीद का कुल मूल्य ₹ 175.98 करोड़ है और एमएसई से प्राप्त कुल मूल्य में से ₹ 49.68 करोड़ है. इनमें से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति द्वारा पार्टी ₹ 0.03 थी और महिला उद्यमियों से ₹ 5.37 करोड़ की खरीद की गई.

25. भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं, यदि कोई हों, जो कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करती हैं, जो वित्तीय वर्ष के अंत और रिपोर्ट की तारीख के बीच हुई हैं –

कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धता वित्तीय वर्ष के अंत के बीच नहीं हुई जिससे वित्तीय विवरण संबंधित हैं और इस रिपोर्ट की तारीख.

26. वित्तीय विवरणों या बोर्ड की रिपोर्ट का स्वैच्छिक पुनरीक्षण

प्रबंधन ने स्वेच्छा से वित्तीय विवरणों या बोर्ड की रिपोर्ट को संशोधित नहीं किया है.

27. आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता –

वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता, परिचालन और रणनीतिक लक्ष्यों की उपलब्धि पर समय पर प्रतिक्रिया, नीतियों, प्रक्रियाओं, नियमों और विनियमों का अनुपालन, संपत्तियों की सुरक्षा और संसाधनों के किफायती और कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी में एक आंतरिक नियंत्रण प्रणाली तैयार की गई है.

आंतरिक लेखा परीक्षक जो कि कंपनी द्वारा नियुक्त एक चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म है, आंतरिक नियंत्रणों की प्रभावशीलता की लगातार निगरानी करता है. आंतरिक लेखापरीक्षा गतिविधि का दायरा आंतरिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति के पत्र में अच्छी तरह से परिभाषित किया गया है. लेखापरीक्षा समिति नियमित रूप से बैठक करती है तथा आंतरिक लेखापरीक्षक द्वारा प्रस्तुत आंतरिक लेखापरीक्षा की रिपोर्ट की समीक्षा करती है.

22. Deposit

The Company has not invited deposits from Public under Section 2(31), 73 and 74 of the Companies Act, 2013.

23. Statement On Declaration Given By Independent Directors

The company is not required to have requisite number of independent directors on the board as per the Companies Act, 2013, however under the Guidelines of Corporate Governance of DPE dated 14.05.2010 company should have independent directors on board and accordingly the administrative ministry has appointed two Independent Directors on 21.01.2020. The Independent Directors has given declaration of Independence. The tenure of two Independent Directors has ceased on 26.02.2023

24 Procurement Made From Micro And Small Enterprises

Public Procurement Policy for Micro and Small Enterprises (MSEs) was notified by the Government under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006 which stipulates that 20% of total annual procurement of goods and services shall be made by all Central Ministries/Departments/CPSUs from Micro & small Enterprises (MSEs). Within this percentage, a sub-total of 4% procurement is to be made from MSEs owned by SC/ST entrepreneurs. The total value of procurement during the year 2022-23 is ₹ 175.98 Crore and out of the total value procured from MSE is ₹ 49.68 Cr. Out of these, the party from SC/ST were ₹ 0.03 Crore and procurement from women entrepreneur is ₹ 5.37 Crore.

25 Material Changes And Commitments, If Any, Affecting The Financial Position Of The Company Which Have Occurred Between The End Of The Financial Year To Which The Financial Statements Relate And The Date Of The Report –

No material changes and commitments affecting the financial position of the company occurred between the end of the financial year to which the financial statements relates and the date of this report.

26. Voluntary Revision Of Financial Statements Or Board's Report

The management has not voluntarily revised the financial statements or boards report.

27. Adequacy of Internal Financial Controls System –

An internal control system is formulated in the Company to ensure reliability of financial reporting, timely feedback on the achievement of operational and strategic goals, compliance with policies, procedures, rules and regulations, safeguarding of assets and economical and efficient use of resources.

The internal auditor which is a Chartered Accountant firm appointed by the Company continuously monitor the effectiveness of internal controls. The scope of internal audit activity is well defined in the letter of appointment of internal auditors. The audit committee met regularly and reviewed the reports of internal audit submitted by the internal auditor.

28. संबंधित पक्षों के साथ अनुबंध या व्यवस्था –

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कंपनी ने अपने किसी भी संबंधित पक्ष के साथ कोई महत्वपूर्ण लेन-देन नहीं किया था. कंपनी के प्रमुख संबंधित पक्ष लेनदेन आम तौर पर इसकी सहायक कंपनी के साथ होते हैं, जो एक सरकारी कंपनी भी है. सभी संबंधित पक्ष लेन-देन व्यापार के सामान्य क्रम में थे और समर्थन के आधार पर बातचीत की गई थी और इस वार्षिक रिपोर्ट के एक अलग खंड के रूप में संलग्न वित्तीय विवरण का हिस्सा है. उनका उद्देश्य कंपनी के हितों को आगे बढ़ाना था. तदनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एच) के तहत फॉर्म एओसी-2 में आवश्यक संबंधित पार्टी लेनदेन का प्रकटीकरण लागू नहीं होता है.

29. राष्ट्रीय निधि में योगदान

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कंपनी द्वारा विभिन्न करों/ब्याज के रूप में केंद्र और राज्य दोनों के राष्ट्रीय निधि में योगदान/प्रावधान पिछले वर्ष के ₹ 1197 लाख की तुलना में ₹ 1295.64 लाख था.

30. नियामकों/अदालतों/न्यायाधिकरणों द्वारा पारित महत्वपूर्ण और वास्तविक आदेश जो गोईंग कन्सर्न स्थिति और भविष्य में कंपनी के संचालन को प्रभावित करते हैं –

नियामकों/अदालतों/न्यायाधिकरणों द्वारा कोई महत्वपूर्ण और वास्तविक आदेश पारित नहीं किया गया है, जो गोईंग कन्सर्न स्थिति और भविष्य में कंपनी के संचालन को प्रभावित करते है.

31. कर्मचारियों का विवरण

कंपनी में ऐसा कोई कर्मचारी नहीं था जो कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों 197 (12), जिसे नियम 5 (2) तथा 5 (3) के साथ पढ़ा जाय, के अंतर्गत आता हो (प्रबंधन कर्मचारियों की नियुक्ति तथा पारिश्रमिक) नियम 2014.

32. आभार

निदेशक मंडल कंपनी के व्यावसायिक भागीदारों को उनके सहयोग और संस्था में उनके विश्वास के प्रति आभारी हैं और पूरी आशा करता है कि भविष्य में ऐसा ही निरंतर पारस्परिक सहयोग जारी रहेगा. निदेशक मंडल अपने रिकॉर्ड में निगम के निदेशक मंडल से बाहर जाने वाले निदेशकों के प्रति उनके उल्लेखनीय बहुमूल्य योगदान के लिये अपनी गहरी सराहना दर्ज करता है.भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से जो समर्थन और मार्गदर्शन मिलता रहा है, उसके प्रति भी निदेशक मंडल आभार प्रकट करता है, विशेषकर सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय, कंपनी के संचालन और विकासात्मक योजनाओं के लिये आभारी है. नियंत्रक और महालेखा परीक्षक भारत सरकार, लेखामंडल के अध्यक्ष एवं सदस्यों, वैधानिक लेखा परीक्षकों, आंतरिक लेखा परीक्षकों तथा बैंकों, संरक्षकोंऔर कंपनी ग्राहकों के प्रति निदेशक मंडल आभार प्रदर्शित करता है. निदेशक मंडल राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम परिवार के सभी सदस्यों के प्रति उनके उत्साहपूर्ण, समर्पित कार्यों के लिये गहरी कृतज्ञता भी दर्ज करता है. रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान कंपनी की सुचारु क्रियाशीलता के लिये उनके द्वारा दिया गया सहयोग बहमूल्य था.

निदेशक मंडल की ओर से

	पृथुल कुमार	जयंत सिन्हा
स्थान – मुंबई	प्रबंध निदेशक	निदेशक
दिनांक – 03.11.2023	DIN No. 07792778	DIN No. 09329500

28. Contracts Or Arrangements With Related Parties –

During the period under review, the Company had not entered into any material transaction with any of its related parties. The Company's major related party transactions are generally with its subsidiary, which is also a government company. All related party transactions were in the ordinary course of business and were negotiated on an arm's length basis and forms part of financial statement, attached as a separate section of this Annual Report. They were intended to further the Company's interests. Accordingly, the disclosure of Related Party Transactions as required under Section 134(3)(h) of the Companies Act, 2013 in Form AOC-2 is not applicable.

29. Contribution to National Exchequer

During the year under review, the contribution/provision made by the company in the form of various taxes/interest to the National Exchequer, both Central and State, was of ₹ 1295.64 Lakhs as against ₹ 1197 lakhs in the previous year.

30. Significant And Material Orders Passed By Regulators/Courts/Tribunalsimpacting The Going Concern Status And Company's Operations In Future –

There is no significant and material orders passed by regulators/courts/tribunals impacting the going concern status and company's operations in future.

31. Particulars Of Employees

There was no employee in the Company falling under the category of employees required to be reported under Section 197(12) of the Companies Act, 2013, read with Rules 5(2) and 5(3) of the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personnel) Rules, 2014.

32. Acknowledgements

The Board thanks the Company's business partners for their support and confidence in NFDC and look forward to sustaining and building this mutually supportive relationship in the future as well. The Board also gratefully acknowledges the support and guidance received from the Government of India, various Ministries of the Government of India, particularly the Ministry of Information and Broadcasting, in the Company's operations. The Directors also express their grateful appreciation to the Department of Public Enterprises, Comptroller and Auditor General of India, Chairman and Members of the Audit Board, Statutory Auditors, Internal Auditors, Bankers, patrons and customers of the Company. The Board records its deep appreciation for the enthusiastic and dedicated work of the employees of NFDC. Their outstanding team effort was invaluable for the smooth functioning of the Company during the year under report.

For and on behalf of the Board of Directors

	Prithul Kumar	Jayant Sinha
Place – Mumbai	Managing Director	Director
Date – 03.11.2023	DIN No. 07792778	DIN No. 09329500

अनुलग्नक – I

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर रिपोर्ट

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, जो कि भारत सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, कॉर्पोरेट गवर्नेंस के मामले में डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (डीपीई) भारी उद्योग मंत्रालय तथा पब्लिक एंटरप्राइजेज, भारत सरकार द्वारा जारी किये गये दिशा निर्देशों का पालन करता है.

कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर संक्षिप्त रिपोर्ट इस प्रकार है –

1. कोड ऑफ कार्पोरेट गवर्नेंस पर कंपनी की धारणा

कंपनी उन अच्छे कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिए प्रतिबद्ध है जिसे समुचित पारदर्शी प्रणाली और उन प्रथाओं का सहारा है जिनसे इसके सभी हिस्सेदारों के हितों का संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा सुनिश्चित होती रहे.

एनएफडीसी एक प्रतियोगी, ग्राहक के प्रति मैत्रीभाव रखने वाली और विकासोन्मुखी संस्था के रूप में कार्य करने के लिये प्रतिबद्ध है जो देश-विदेश में स्वस्थ सिनेमा का उन्नयन करे. साथ ही यह अपने सभी ग्राहकों को मैत्रीपूर्ण तथा श्रेष्ठतम सेवाएं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के लिये भी प्रतिबद्ध है. कंपनी ने हमेशा अच्छे कॉरपोरेट गवर्नेंस पर ध्यान केंद्रित किया है, जो अपने शेयरधारकों के लिए स्थायी कॉर्पोरेट विकास और दीर्घकालिक मूल्य निर्माण का एक प्रमुख चालक है. कंपनी का मानना है कि उसे अपने श्रमशक्ति और पूंजीगत संसाधनों का लाभ उठाना चाहिए ताकि अवसरों को हकीकत में तब्दील किया जा सके, कॉर्पोरेट दृष्टि के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके और सभी स्तरों पर गतिशीलता और उद्यमिता को जगाया जा सके. इन सबसे ऊपर, कॉर्पोरेट प्रशासन को व्यक्तिगत हितों को कॉर्पोरेट लक्ष्यों के साथ संतुलित करना चाहिए और औचित्य, इक्विटी, निष्पक्ष खेल और न्याय की भावना के स्वीकृत मानदंडों के भीतर काम करना चाहिए. उत्तरदायित्व और पारदर्शिता निर्णय लेने में सुधार करने और ऐसे निर्णयों के पीछे के तर्क को सुधारने के लिए महत्वपूर्ण चालक हैं, जो बदले में हितधारक विश्वास पैदा करते हैं.

2. निदेशक मंडल

(क) बोर्ड की संरचना –
एनएफडीसी के निदेशक मंडल में सात सदस्य हैं. इनमें से दो कार्यकारी निदेशक हैं. शेष पांच में से दो भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक तथा तीन गैर सरकारी निदेशक हैं. विगत में नियुक्त बोर्ड के अध्यक्ष गैर-सरकारी निदेशक और फिल्म उद्योग से प्रतिष्ठित व्यक्ति रह चुके है. निदेशक मंडल में नियुक्ति विस्तृत अनुभव, ज्ञान एवं कार्य कुशलता के आधार पर की जाती है.

31 मार्च 2023 को कंपनी के बोर्ड की संरचना इस प्रकार थी –

गैर कार्यकारी निदेशक	
श्री जयंत सिन्हा	सरकार द्वारा नामित निदेशक
श्री पृथुल कुमार	सरकार द्वारा नामित निदेशक (प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार)

बोर्ड के पिछले अध्यक्ष का कार्यकाल 15.01.2015 को समाप्त हो गया, तत्पशचात भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा अध्यक्ष का कोई नामांकन नहीं किया गया है. वर्तमान में कार्यकारी निदेशकों के पद रिक्त हैं.

Annexure – I

Corporate Governance Report For The Financial Year 2022-23

A Public Sector Enterprise of Government of India, NFDC follows the extant Guidelines on Corporate Governance issued by Department of Public Enterprises (DPE), Ministry of Finance, Government of India.

A Brief report on Corporate Governance is given below –

1. Company's Philosophy on Code of Corporate Governance.

Your Company is committed to good Corporate Governances supported by transparent systems and practice to protect, promote and safeguard the interests of all its stakeholders.

NFDC is committed to act as a competitive, client-friendly and development-oriented organization for promotion of good cinema in the country and abroad. It is also committed to providing client friendly best services to all its customers in a transparent manner. The Company has always focused on good corporate governance, which is a key driver of sustainable corporate growth and long-term value creation for its shareholders. The Company believes, it must leverage its human and capital resources to translate opportunities into reality, create awareness of corporate vision and spark dynamism and entrepreneurship at all levels. Above all, corporate governance must balance individual interest with corporate goals and operate within accepted norms of propriety, equity, fair play and a sense of justice. Accountability and transparency are key drivers to improve decision-making and the rationale behind such decisions, which in turn creates stakeholder confidence.

2. Board of Directors

(a) Composition of Board –
The composition of Board of Directors of NFDC is of 7 (seven) members, out of which two are Functional Directors and five are Non-Executive Directors, of whom two are the nominees of the Government of India and three are Non-Official Directors. The Chairman of the board appointed is non-official director and eminent personality from the film industry. The Directors bring to the Board a wide range of experience, knowledge and skills.

The composition of the Board as on 31st March 2023 is as follows –

Non-Executive Directors	
Mr. Jayant Sinha	Government Nominee Director
Mr. Prithul Kumar	Government Nominee Director (holding additional charge of Managing Director)

The tenure of the last Chairman of the Board ceased on 15.01.2015, thereafter no nomination of Chairman has been made appointed by the Hon'ble President of India. Currently position of Functional Directors are vacant.

(ख) बैठक और उपस्थिति

(i) वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान हुई बोर्ड मीटिंग्स का विवरण

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान चार बोर्ड मीटिंग्स 21.04.2022, 20.07.2022, 28.09.2022 तथा 19.12.2022 को हुई.

बोर्ड के पास कंपनी के संबंध में सभी आवश्यक सूचनाएं तथा जानकारियां उपलब्ध हैं जिनसे निदेशक मंडल और विभिन्न समितियों को सुविज्ञ तथा प्रभावशाली निर्णय लेने में सहूलियत हुई.

(ii) वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान बोर्ड मीटिंग्स में निदेशकों की उपस्थिति, पिछली आम सभा में उपस्थिति, अन्य निदेशकीय उत्तरदायित्वों की संख्या (अन्य पब्लिक लिमिटेड कंपनियों/समितियों में निदेशकों की सदस्यता) आदि का विवरण निम्नानुसार हैं –

(b) Meeting and attendance

(i) Details of Board Meeting held during the Financial Year 2022-23

During the Financial year 2022-23, four Board Meetings were held on 21.04.2022, 20.07.2022, 28.09.2022 and 19.12.2022.

The Board has complete access to all the relevant information within the Company enabling the Board of Directors and Committees thereof to take informed and efficient decision.

(ii) Details of Number of Board Meetings attended by Directors, attendance at last AGM, number of other directorship/ committee memberships held by Directors during the year 2022-23 are as under –

	निदेशक का नाम	पद	बोर्ड मीटिंग		27/12/2022 को हुई पिछली ए जी एम में उपस्थिति	अन्य निदेशकों की संख्या	अन्य कमिटी मेंबर्स की संख्या	
			कार्यकाल में हुईं	उपस्थित रहे			चेयरमैन के तौर पर	सदस्य के तौर पर
1.	श्री रविंद्र भाकर	प्रबंध निदेशक	4	4	हां	–	लागू नहीं	कुछ नहीं
2.	सुश्री अंजू निगम	सरकार द्वारा नामित निदेशक	2	–	लागू नहीं	–	कुछ नहीं	1
3.	श्री जयंत सिन्हा	सरकार द्वारा नामित निदेशक	4	3	नहीं	–	कुछ नहीं	1
4.	श्री पृथुल कुमार	सरकार द्वारा नामित निदेशक	2	1	हां	–	कुछ नहीं	1
5.	श्री राजेश कन्ना	गैर सरकारी निदेशक	4	4	हां	2	2	1
6.	श्री जी. गौरीशंकर	गैर सरकारी निदेशक	4	3	हां	–	कुछ नहीं	3

	Name of Director	Designation	Board Meeting		Attendances at Last AGM held on 27.12.2022	No. of other Directorships	No. of other Committee Memberships	
			Held during the tenure	Attended			As Chairman	As Member
1.	Mr. Ravinder Bhakar[@]	Managing Director	4	4	Yes	–	NA	Nil
2.	Ms. Anju Nigam[#]	Government Nominee Director	2	–	Not Applicable	–	Nil	1
3.	Mr. Jayant Sinha	Government Nominee Director	4	3	No	–	Nil	1
4.	Mr Prithul Kumar[$]	Government Nominee Director	2	1	Yes	–	Nil	1
5.	Mr. Rajesh Kanna[&]	Non-official Director	4	4	Yes	2	2	1
6.	Mr. G. Gowrishankar[&]	Non-official Director	4	3	Yes	–	Nil	3

@ श्री रविंद्र भाकर, सीईओ, सीबीएफसी को 05.01.2022 से से प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) नियुक्त किया गया. वे 11.01.2023 से निदेशक मंडल कार्यकाल समाप्त हुआ है.
# सुश्री अंजू निगम, संयुक्त सचिव (फिल्म्स) का 20.07.2022 से बोर्ड का कार्यकाल समाप्त हुआ है
$ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव (फिल्म) श्री पृथुल कुमार को

@ Mr Ravinder Bhakar, CEO, CBFC was appointed Managing Director (additional Charge) w.e.f. 05.01.2022 and he ceased to be on Board w.e.f. 11.01.2023.
# Ms Anju Nigam, Joint Secretary (Films) ceased to be on Board w.e.f. 20.07.2022.
$ Mr Prithul Kumar, Joint Secretary (Films), Ministry of

सरकार द्वारा नामित निदेशक के रूप में 20.09.2022 से नियुक्त किया गया. आगे 11.01.2023 को उन्हें प्रबंध निदेशक, एनएफडीसी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया. तथा श्री राजेश कन्ना और श्री जी. गौरीशंकर का बोर्ड में 26.02.2023 से कार्यकाल समाप्त हुआ है.

(iii) बोर्ड का कोई भी निदेशक 10 से ज्यादा समितियों का सदस्य नहीं है.

(iii) सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव (फिल्म) श्री पृथुल कुमार को दिनांक 20.09.2022 से कंपनी के निदेशक मंडल में सरकार द्वारा नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया तथा उन्हें 11.01.2023 से प्रबंध निदेशक, एनएफडीसी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया. वे भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) के 2000 बैच के अधिकारी हैं.

3. निदेशक मंडल की समितियां

3.1 निदेशक मंडल द्वारा गठित समितियां इस प्रकार है –
- लेखा परीक्षण समिति
- कार्मिक उप-समिति
- पारिश्रमिक समिति
- कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति

3.1.1 लेखा परीक्षण समिति

(i) 31 मार्च 2023 को लेखा परीक्षण समिति का गठन इस प्रकार था –

लेखापरीक्षा समिति की सदस्य संख्या चार है जिसमें एक सरकारी नामांकित निदेशक और तीन स्वतंत्र निदेशक शामिल है. दो स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल 26.02.2023 को समाप्त हो गया और स्वतंत्र निदेशकों का पद रिक्त है. वर्तमान में समिति में एक सदस्य श्री जयंत सिन्हा शामिल हैं.

लेखा परीक्षण समिति की बैठकों में आंतरिक लेखा परीक्षक तथा वैधानिक लेखा परीक्षक, स्थायी निमंत्रित होते हैं. आवश्यकता पड़ने पर समिति को आवश्यक सूचनाएं प्रदान करने के लिये वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों को भी बुलाया जाता है.

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान लेखा परीक्षण समिति की 21.04.2022, 20.07.2022, 28.09.2022 तथा 19.12.2022. चार बैठक आयोजित हुई.

3.1.2 कार्मिक उप-समिति
स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल समाप्त होने पर, समिति में सिर्फ श्री पृथुल कुमार, संयुक्त सचिव (फिल्म्स) एकमात्र सदस्य है, कार्मिक उप समिति का कार्यक्षेत्र प्रबंधक से लेकर उप महाप्रबंधक तक के पदों पर अधिकारियों की पदोन्नति, कल्याणकारी कदमों एवं कर्मचारियों से ताल्लुक रखने वाले नीति संबंधी अन्य मामलों पर विचार. वर्ष 2022-23 के दौरान कार्मिक सब कमिटी की बैठक 05.01.2023 को हुई. वर्तमान में कार्मिक उपसमिति के कार्य निदेशक मंडल द्वारा निष्पादित किये जाते हैं.

3.1.3 पारिश्रमिक समिति
स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल समाप्त होने पर, समिति में सिर्फ श्री पृथुल कुमार, संयुक्त सचिव (फिल्म्स) एकमात्र सदस्य है, पारिश्रमिक समिति की संदर्भ परिभाषा वार्षिक बोनस/परिवर्तनीय वेतन पूल और निर्धारित सीमा के भीतर अधिकारियों और गैर-संघीय पर्यवेक्षकों के बीच इसके वितरण के लिए नीति तय करना. वर्ष 2022-23 के दौरान पारिश्रमिक समिति की कोई बैठक नहीं हुई.

3.1.4 कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति
कंपनी को वित्त वर्ष 2022-23 में ₹ 1.85 करोड़ की लाभ अर्जित किया है. जैसा कि पिछले 3 वर्षों में सीएसआर व्यय ₹ 50.00 लाख से कम था, इसलिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति का पुनर्गठन किया जाना है.

Information & Broadcasting was appointed as the Government Nominee Director w.e.f. 20.09.2022. Further w.e.f. 11.01.2023, he was given additional charge of Managing Director, NFDC. & Mr. Rajesh Kanna and Mr. G. Gowrishankar ceased to be on Board w.e.f. 26.02.2023.

(iii) None of the Directors on the Board is a member of more than 10 Committees.

(iv) Brief Profile of new Directors
Mr Prithul Kumar, Joint Secretary (Films), Ministry of Information & Broadcasting was appointed as the Government Nominee Director on the Board of the Company w.e.f. 20.09.2022 and further w.e.f. 11.01.2023 he was given additional charge of Managing Director, NFDC. He is 2000 batch officer of Indian Railway Traffic Services (IRTS).

3. Committees of the Board of Directors

3.1 The Committees constituted by the Board are as follows –
- Audit Committee
- Personnel Sub-Committee
- Remuneration Committee
- Corporate Social Responsibility Committee

3.1.1 Audit Committee

(i) The composition of the Audit Committee as on 31st March 2023 –

The strength of the Audit Committee is four consisting of one Govt. Nominee Director and three Independent Directors. The tenure of two Independent Directors ceased on 26.02.2023 and the post of Independent Directors are vacant. The Committee currently has one member, Mr. Jayant Sinha.

Internal Auditors and Statutory Auditors are standing invitees in the Audit Committee meetings. Senior functional executives are also invited as and when required to provide inputs to the Committee.

During the Financial Year 2022-23, four Audit Committee Meetings were held namely on 21.04.2022, 20.07.2022, 28.09.2022 and 19.12.2022.

3.1.2 Personnel Sub-Committee
With the cessation of tenure of Independent Directors, there is only one committee member, Mr Prithul Kumar, JS (Films). The terms of reference of the Personnel Sub-Committee is to consider the promotion of officers from Manager up to the level of Deputy General Manager and Welfare issues and other policy matters related to personnel. During the year 2022-23, one Personnel Sub-Committee Meeting was held on 05.01.2023. Currently the functions of Personnel Sub-Committee are performed by Board.

3.1.3 Remuneration Committee
With the cessation of tenure of Independent Directors, there is only one committee member, Mr Prithul Kumar, JS (Films). The terms of reference of the Remuneration Committee is to decide the annual bonus/variable pay pool and policy for its distribution across the executives and non-unionized supervisors within the prescribed limits. During FY 2022-23, no Remuneration Committee Meeting was held.

3.1.4 Corporate Social Responsibility Committee
The company earned profit of ₹ 1.85 Cr in FY 2022-23. As in last 3 years the CSR spending was less than ₹ 50.00 Lakhs, therefore the Corporate Social Responsibility Committee is under reconstitution.

4. लेखा परीक्षण योग्यता

कंपनी हमेशा अयोग्य वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने का प्रयास करती है; हालाँकि, वैधानिक लेखा परीक्षकों ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी के वित्तीय विवरण पर अपनी रिपोर्ट में योग्य राय दी है. 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के खातों पर वैधानिक लेखा परीक्षकों की योग्य राय के लिए प्रबंधन का जवाब निदेशकों की रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया है.

5. बोर्ड के सदस्यों का प्रशिक्षण

वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए में वर्तमान में कंपनी अपने नवनियुक्त निदेशकों को औपचारिक प्रशिक्षण प्रदान करने में असमर्थ है, हालांकि बोर्ड के निदेशकों को कंपनी के व्यवसाय मॉडल, संचालन के क्षेत्र आदि का परिचय प्रदान किया गया है. निदेशक डीपीई द्वारा आयोजित मौजूदा और नवनियुक्त निदेशकों के क्षमता निर्माण के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लेते हैं. कंपनी के पास एनएफडीसी के निदेशक मंडल के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित प्रशिक्षण नीति है.

6. निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों का पारिश्रमिक

6.1 सरकारी कंपनी होने के नाते, कार्यात्मक निदेशक जैसे प्रबंध निदेशक और निदेशक (वित्त) का पारिश्रमिक भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है. सरकारी नामित निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों को कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाता है. वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान किसी भी निदेशक को पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया गया.

6.2 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी के कार्यकारी निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के पारिश्रमिक का विवरण निदेशकों की रिपोर्ट के अनुबंध-II में वार्षिक विवरण के सार में प्रदान किया गया है.

7. वार्षिक आम सभा

7.1 कंपनी की पिछली तीन वार्षिक आम बैठकें निम्नानुसार आयोजित की गईं –

4. Audit Qualification

It is always the company's endeavor to present unqualified financial statement; however, the Statutory Auditors has given qualified opinion in its report on the financial statement of the Company for the financial year 2022-23. Management reply to the Statutory Auditors' Qualified opinion on the Accounts of the company for the financial year ended 31st March, 2023 is furnished in the Directors' Report.

5. Training Of Board Members

Having regard to the financial status currently company is unable to provide formal training to its newly appointed directors, however directors on board have been provided with an introduction to the company's business model, area of operations etc. Directors attend the Orientation Program for capacity building for existing and newly appointed directors organized by DPE. The Company has a Board approved Training Policy for Board of Directors of NFDC.

6. Remuneration of Directors And Key Managerial Personnel –

6.1 Being a Government Company, the remuneration of functional director like Managing Director and Director (Finance) are decided by the Government of India. Government Nominee Directors and Independent Directors are not paid any remuneration. None of the Directors were paid any remuneration during the financial year 2022-23.

6.2 Details of the remuneration of functional directors and Key Managerial Personnel of the company during the year under review are provided in the extract of the Annual Return in Annexure – II of the Directors' Report.

7. Annual General Meeting

7.1 The last three Annual General Meetings of the Company were held as under –

	वर्ष	स्थान	दिनांक तथ समय	क्या कोई विशेष प्रस्ताव पास किया गया
45वीं	2019-20	6 ठी मंज़िल, डिस्कवरी ऑफ इंडिया बि., नेहरू सेंटर, डॉ. ए.बी.रोड, वर्ली , मुंबई, महाराष्ट्र-400018 पर स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में	29.12.2020 दोपहर 3.00	नहीं
46वीं	2020-21	6 ठी मंज़िल, डिस्कवरी ऑफ इंडिया बि., नेहरू सेंटर, डॉ. ए.बी.रोड, वर्ली , मुंबई, महाराष्ट्र-400018 पर स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में	18.11.2021 सुबह 11.00	नहीं
47वीं	2021-22	6 ठी मंज़िल, डिस्कवरी ऑफ इंडिया बि., नेहरू सेंटर, डॉ. ए.बी.रोड, वर्ली , मुंबई, महाराष्ट्र-400018 पर स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में	27.12.2022 दोपहर 3.00	नहीं

	Year	Location	Date & Time	Whether any special resolution passed
45th	2019-20	At the Registered office of the Company situated at 6th Floor, Discovery Building, Nehru Centre, Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai, Maharashtra-400018 through Video Conferencing	29.12.2020 3.00 P.M.	No
46th	2020-21	At the Registered office of the Company situated at 6th Floor, Discovery Building, Nehru Centre, Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai, Maharashtra-400018 through Video Conferencing	18.11.2021 11.00 A.M.	No
47th	2021-22	At the Registered office of the Company situated at 6th Floor, Discovery Building, Nehru Centre, Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai, Maharashtra-400018 through Video Conferencing	27.12.2022 3.00 P.M	No

7.2 कंपनी की 48वीं वार्षिक आम बैठक का आयोजन शुक्रवार, 3 नवंबर, 2023 को 3.00 बजे कंपनी के पंजीकृत कार्यालय मेंएनएफडीसी-एफडी कॉम्प्लेक्स, 24, डॉ.गोपालराव देशमुख मार्ग, मुंबई, महाराष्ट्र - 400026 पर किया जाना निर्धारित है.

8. आचार संहिता

कंपनी ने कंपनी के उद्देश्यों और लक्ष्यों के अनुरूप भारत सरकार द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) में कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देशों के संदर्भ में कंपनी के मामलों के प्रबंधन में नैतिक और पारदर्शी प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए "बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यापार आचरण और नैतिकता का कोड" लागू किया है. इसके अनुसरण में बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने वित्तीय वर्ष के अंत से 30 दिनों के भीतर वार्षिक आधार पर कोड के अनुपालन की पुष्टि की है और इसे बोर्ड के समक्ष रखा गया है. अनुपालन का प्रमाण पत्र निदेशकों की रिपोर्ट के परिशिष्ट के रूप में संलग्न है. इसके अलावा, कंपनी ने धोखाधड़ी रोकथाम पर एक नीति तैयार की है.

9. व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी

कंपनी ने "धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए नीति" के अलावा 28.08.2023 से "व्हिसल ब्लोअर नीति" को मंजूरी दे दी है, जो धोखाधड़ी का पता लगाने, रोकथाम और रिपोर्टिंग के लिए प्रयास करती है. यह नीति किसी भी संदेहास्पद धोखाधड़ी जिसमें कोई कर्मचारी, स्टेकहोल्डर, सलाहकार, वेंडर, उधार लेने या देने वाला, ठेकेदार, कंपनी के साथ बिजनस करने वाली बाहरी एजेंसियां, ऐसी एजेंसियों के कर्मचारी और/अथवा कोई अन्य पार्टी जिसके कंपनी के साथ बिजनस संबंध हो, संलग्न पाये जाने पर लागू होती है.

10. संपर्क साधन

10.1 वैबसाइट
कंपनी की वेबसाइट https://www.nfdcindia.com निवेशकों और सभी हितधारकों के लिए जानकारी देती है. कंपनी के वार्षिक वित्तीय विवरण उपयोगकर्ता के अनुकूल और डाउनलोड करने योग्य वेबसाइट पर उपलब्ध हैं.

10.2 आधिकारिक समाचार विज्ञप्ति
कंपनी इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में आधिकारिक समाचार विज्ञप्ति के माध्यम से हितधारकों के साथ संवाद करती है.

निदेशक मंडल की ओर से

	पृथुल कुमार	जयंत सिन्हा
स्थान – मुंबई	प्रबंध निदेशक	निदेशक
दिनांक – 03.11.2023	DIN No. 07792778	DIN No. 09329500

7.2 48th Annual General Meeting of the company is scheduled to be held on Friday, the 3rd day of November, 2023 at 3.00 Hrs at the Registered Office of the Company situated at NFDC-FD Complex, 24, Gopalrao Deshmukh Marg, Mumbai, Maharashtra - 400026.

8. Code of Conduct

The company has implemented “Code of Business Conduct and Ethics for Board Members and Senior Management” in terms of guidelines on corporate governance in Central Public Sector Enterprises (CPSEs) issued by the Government of India, in alignment with the Company’s mission and objectives and aims at enhancing ethical and transparent process in managing the affairs of the Company. Pursuant to this Board members and senior management personnel have affirmed compliance with the code on an annual basis within 30 days from the end of FY and same was placed before board. The certificate of Compliance is enclosed as Addendum to the Directors’ Report. Further, the Company has formulated a policy on Fraud Prevention.

9. Whistle Blower Policy

The company has Board approved “Whistle Blower Policy” w.e.f. 28.08.2023 in addition to The “Policy for Prevention of Frauds”, which endeuvour for detection, prevention and reporting of fraud. This policy applies to any fraud or suspected fraud involving employees as well as stakeholder, consultants, vendors, lenders, borrowers, contractors, outside agencies doing business with the Company, employees of such agencies, and/or any other parties with a business relationship with the Company.

10. Means of Communication

10.1 Website
The company’s website https –//www.nfdcindia.com hosts information for investors and all stakeholders. The Annual Financial statements of the company are available on the website in a user friendly and downloadable form.

10.2 Official News releases
The company communicates with stakeholders by way of official news releases in electronic and print media.

For and on behalf of the Board of Directors

	Prithul Kumar	Jayant Sinha
Place – Mumbai	Managing Director	Director
Date – 03.11.2023	DIN No. 07792778	DIN No. 09329500

अनुलग्नक – II

सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट

1. कम्पनी के सीएसआर नीति पर संक्षिप्त

दिनांक 04.07.2019 को आयोजित सीएसआर समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार तथा निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित, निम्नलिखित गतिविधियों को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति में शामिल किया गया है –

i) अकाल, निर्धनता और कुपोषण का उन्मूलन, 'निवारक स्वास्थ्य देखभाल सहित स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता को बढ़ावा देना और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्थापित स्वच्छ भारत कोष में योगदान;

ii) विशेष शिक्षा और रोजगार बढ़ाने सहित शिक्षा को बढ़ावा देना, विशेषकर बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों तथा आजीविका वृद्धि परियोजनाओं में व्यावसायिक कौशल बढ़ाना;

iii) लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, महिलाओं को सशक्त बनाना, महिलाओं और अनाथों के लिए घरों और छात्रावासों की स्थापना करना; वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्धाश्रम, डे केयर सेंटर और ऐसी अन्य सुविधाएं स्थापित करना और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों के सामने आने वाली असमानताओं को कम करने के उपाय;

iv) गंगा नदी के पुनरूध्दार के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्थापित स्वच्छ गंगा कोष में योगदान सहित पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना, पर्यावरण संतुलन, वनस्पतियों और जीवों की सुरक्षा, पशु कल्याण, कृषि वनीकरण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और मिट्टी, हवा और पानी की गुणवत्ता बनाए रखना;

v) राष्ट्रीय विरासत, कला और संस्कृति का संरक्षण भवनों की पुनर्स्थापना और ऐतिहासिक महत्व और कला के कार्यों सहित सार्वजनिक पुस्तकालयों की स्थापना; पारंपरिक कला और हस्तशिल्प का प्रचार और विकास;

vi) सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों, युद्ध विधवाओं और उनके आश्रितों के लाभ के लिए उपाय;

vii) ग्रामीण खेलों, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेलों, पैरालंपिक खेल और ओलंपिक खेल को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण;

viii) प्रधान मंत्री राष्ट्रीय राहत कोष या केंद्र सरकार द्वारा स्थापित किसी अन्य कोष में अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के सामाजिक आर्थिक विकास और राहत और कल्याण के लिए योगदान

ix) केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित शैक्षणिक संस्थानों के भीतर स्थित प्रौद्योगिकी इन्क्यूबेटरों को प्रदान किए गए योगदान या निधि;

ix) ग्रामीण विकास परियोजनाएं

ix) झुग्गी क्षेत्र के विकास

2. सीएसआर समिति का गठन

Annexure – II

Annual Report on CSR Activities

1. Brief outline on CSR Policy of the Company -

As per decision taken in the meeting of CSR Committee held on 04.07.2019, and approved by the Board of Directors, the following activities are included in the Corporate Social Responsibility Policy –

i) Eradicating hunger, poverty and malnutrition, ''promoting health care including preventive health care'' and sanitation including contribution to the Swacch Bharat Kosh set up by the Central Government for the promotion of sanitation and making available safe drinking water;

ii) Promoting education, including special education and employment enhancing vocation skills especially among children, women, elderly and the differently abled and livelihood enhancement projects;

iii) Promoting gender equality, empowering women, setting up homes and hostels for women and orphans; setting up old age homes, day care centres and such other facilities for senior citizens and measures for reducing inequalities faced by socially and economically backward groups;

iv) Ensuring environmental sustainability, ecological balance, protection of flora and fauna, animal welfare, agroforestry, conservation of natural resources and maintaining quality of soil, air and water including contribution to the Clean Ganga Fund set-up by the Central Government for rejuvenation of river Ganga;

v) Protection of national heritage, art and culture including restoration of buildings and sites of historical importance and works of art; setting up public libraries; promotion and development of traditional art and handicrafts;

vi) Measures for the benefit of armed forces veterans, war widows and their dependents;

vii) Training to promote rural sports, nationally recognised sports, Paralympic sports and Olympic sports;

viii) Contribution to the prime minister's national relief fund or any other fund set up by the central govt. for socio economic development and relief and welfare of the schedule caste, tribes, other backward classes, minorities and women;

ix) Contributions or funds provided to technology incubators located within academic institutions, which are approved by the central government;

x) Rural development projects;

xi) Slum area development.

2. Composition of CSR Committee

क्र.	निदेशक का नाम	निदेशक का पदनाम/स्वरूप	वर्ष के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठक	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों में भाग लिया
1	रिक्त	अध्यक्ष	कुछ नहीं	कुछ नहीं
2	श्री पृथुल कुमार	प्रबंध निदेशक	कुछ नहीं	कुछ नहीं
3	रिक्त	निदेशक (वित्त)	कुछ नहीं	कुछ नहीं
4	रिक्त	गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक	कुछ नहीं	कुछ नहीं

No.	Name of Director	Designation/Nature of Directorship	Number of meetings of CSR Committee held during the year	Number of meetings of CSR Committee attended during the year
1	Vacant	Chairman	NIL	NIL
2	Shri Prithul Kumar	Managing Director	NIL	NIL
3	Vacant	Director (Finance)	NIL	NIL
4	Vacant	Non-official Independent Director	NIL	NIL

3.	वेब-लिंक प्रदान करें जहां सीएसआर समिति का गठन, सीएसआर नीति और सीएसआर कंपनी की वेबसाइट पर किया जाता है.	http://nfdcindia.com/pdf/corporatesocialresponsibility.pdf
3.	Provide the web-link where Composition of CSR Committee, CSR Policy and CSR On the website of the company.	http://nfdcindia.com/pdf/corporatesocialresponsibility.pdf
	बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं का खुलासा	कुछ नहीं
	Projects approved by the board are disclosed	NA
4.	कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 8 के उप-नियम (3) के अनुसरण में किए गए सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन का विवरण प्रदान करें 2014, के नियम, यदि लागू हो (रिपोर्ट संलग्न करें)	कुछ नहीं
4.	Provide the details of Impact assessment of CSR projects carried out in pursuance of sub-rule (3) of rule 8 of the Companies (Corporate Social responsibility Policy) Rules, 2014, if applicable (attach the report).	NA
5.	नियम 7 के उप-नियम (3) के अनुसरण में उपलब्ध राशि का विवरण और वित्तीय वर्ष के लिए समायोजन के लिए आवश्यक राशि कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के समायोजन के लिए यदि कोई हो	
5.	Details of the amount available for set off in pursuance of sub-rule (3) of rule 7 of the Companies (Corporate Social responsibility Policy) Rules, 2014 and amount required for set off for the financial year, if any	

क्र.	वित्तीय वर्ष	पिछले वित्त वर्ष से समायोजन के लिए उपलब्ध राशि (₹)	वित्तीय वर्ष के लिए समायोजन के लिए आवश्यक राशि
1		कुछ नहीं	
2		कुछ नहीं	
3		कुछ नहीं	
	कुल	**कुछ नहीं**	

No.	Financial Year	Amount available for set-off from preceding financial years (in ₹)	Amount required to be set- off for the financial year, if any (in ₹)
1		NA	
2		NA	
3		NA	
	Total	**NA**	

6.	धारा 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ	हानि (1,82,73,502)
6.	Average net profit of the company as per section 135(5)	Loss (1,82,73,502)
7.	(क) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत	(3,65,470)
7.	(a) Two percent of average net profit of the company as per section 135(5)	(3,65,470)
	(ख) पिछले वित्तीय वर्षों के कार्यक्रमों या शून्य गतिविधियों से अथवा सीएसआर परियोजनाओं से उत्पन्न अधिशेष	कुछ नहीं
	(b) Surplus arising out of the CSR Projects or programmes or activities of the previous financial years.	NIL
	(ग) वित्तीय वर्ष के लिए समायोजन हेतु आवश्यक राशि यदि कोई हो	कुछ नहीं
	(c) Amount required to be set off for the financial year if any	NIL
	(घ) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व (7क+7ख+7ग)	(3,65,470)
	(d) Total CSR obligation for the financial year (7a+7b+7c)	(3,65,470)
8.	(क) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च या खर्च न की गई सीएसआर राशि –	
8.	(a) CSR amount spent or unspent for the financial year –	

वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई राशि	खर्च न की गई				
	धारा 135(6) के अनुसार सीएसआर खाते में खर्च न की गई राशि हस्तांतरित कुल राशि		धारा 135(5) के दूसरे उपनियम के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड को स्थानातरित राशि		
	राशि	स्थानांतरण की तिथि	निधि का नाम	राशि	स्थानांतरण की तिथि
कुछ नहीं					

Total Amount Spent for the Financial Year. (in ₹)	Amount Unspent (in ₹)				
	Total Amount transferred to Unspent CSR Account as per section 135(6).		Amount transferred to any fund specified under Schedule VII as per second proviso to section 135(5).		
	Amount.	Date of transfer.	Name of the Fund	Amount.	Date of transfer.
NIL					

(ख) वित्तीय वर्ष के लिए जारी परियोजनाओं हेतु खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण –

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	
	परियोजना का नाम	अधिनियम के अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से मद	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना की अवधि	परियोजना के लिए आबंटित राशि	चालू वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए सीएसआर खाते में हस्तांतरित अव्ययित राशि(रुपये में)	कार्यान्वयन का प्रकार - प्रत्यक्ष (हां/ नहीं)	कार्यान्वयन का प्रकार - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	जिला						नाम	सीएसआर रजिस्ट्रेशन क्रमांक
1.									कुछ नहीं			
2.									कुछ नहीं			
3.									कुछ नहीं			
	कुल								**कुछ नहीं**			

(b) Details of CSR amount spent against ongoing projects for the financial year –

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	
	Name of the Project	Item from the list of activities in Schedule VII to the Act.	Local area (Yes/ No).	Location of the project.		Project duration.	Amount allocated for the project (in ₹)	Amount spent in the current financial Year (in ₹)	Amount transferred to Unspent CSR Account for the project as per Section 135(6) (in ₹)	Mode of Implem-entation Direct (Yes/ No).	Mode of Implementation – Through Implementing Agency	
				State	District						Name	CSR Regis-tration number.
1.									NIL			
2.									NIL			
3.									NIL			
	Total								**NIL**			

वित्तीय वर्ष के लिए जारी परियोजनाओं के अलावा खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण –

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		(6)	(7)	(8)	
क्र.	परियोजना का नाम	अधिनियम के अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से मद	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का प्रकार - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का प्रकार - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सीएसआर रजिस्ट्रेशन क्रमांक
1.						कुछ नहीं			
2.						कुछ नहीं			
3.						कुछ नहीं			
	कुल					**कुछ नहीं**			

Details of CSR amount spent against other than ongoing projects for the financial year –

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		(6)	(7)	(8)	
No.	Name of the Project	Item from the list of activities in schedule VII to the Act	Local area (Yes/ No)	Location of the project		Amount spent for the project (in ₹)	Mode of implementation - Direct (Yes/ No)	Mode of implementation - Through implementing agency	
				State	District			Name	CSR registration number
1.							NIL		
2.							NIL		
3.							NIL		
	Total						**NIL**		

(घ) प्रशासनिक लागत में खर्च की गई राशि	शून्य
(ड़) प्रभाव आकलन पर खर्च की गई राशि, यदि लागू हो	शून्य
(च) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (8ख+8ग+8घ+8ड़)	शून्य

(d) Amount spent in Administrative Overheads	NIL
(e) Amount spent on Impact Assessment, if applicable	NIL
(f) Total amount spent for the Financial Year (8b+8c+8d+8e)	NIL

(छ) समायोजन के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो

	विवरण	राशि (रुपये में)
i)	धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत	(3,65,470)
ii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि	शून्य
iii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि [(ii)-(i)]	शून्य
iv)	सीएसआर परियोजनाओं या पिछले वित्तीय वर्षों के कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष, यदि कोई हो	शून्य
v)	आगामी वित्तीय वर्षों में समायोजन के लिए उपलब्ध राशि [(iii)-(iv)]	शून्य

(g) Excess amount for set off, if any

No.	Particular	Amount (in ₹)
i)	Two percent of average net profit of the company as per section 135(5)	(3,65,470)
ii)	Total amount spent for the Financial Year	NIL
iii)	Excess amount spent for the financial year [(ii)-(i)]	NIL
iv)	Surplus arising out of the CSR projects or programmes or activities of the previous financial years, if any	NIL
v)	Amount available for set off in succeeding financial years [(iii)-(iv)]	NIL

9) पिछले तीन वित्तीय वर्ष में खर्च न की गई सीएसआर राशि का विवरण –

क्र.	पिछले वित्तीय वर्ष	धारा 135(6) के अनुसार सीएसआर खाते में खर्च न की गई राशि हस्तांतरित कुल राशि	चालू वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	धारा 135(5) के दूसरे उपनियम के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड को स्थानातरित राशि			परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)
				निधि का नाम	राशि (रुपये में)	स्थानांतरण की तिथि	
1.		कुछ नहीं					
2.		कुछ नहीं					
3.		कुछ नहीं					
	कुल	**कुछ नहीं**					

9) Details of Unspent CSR amount for the preceding three financial years –

No.	Preceding Financial Year.	Amount transferred to Unspent CSR Account under section 135 (6) (in ₹)	Amount spent in the reporting Financial Year (in ₹)	Amount transferred to any fund specified under Schedule VII as per section 135(6), if any			Amount remaining to be spent in succeeding financial years. (in ₹)
				Name of the Fund	Amount (in ₹)	Date of transfer	
1.		NIL					
2.		NIL					
3.		NIL					
	Total	**NIL**					

(ख) पिछले वित्तीय वर्ष (वर्षों) में जारी परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण –

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
क्र.	प्रोजेक्ट आईडी कुल	प्रोजेक्ट का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें प्रोजेक्ट की शुरूआत हुई	प्रोजेक्ट अवधि	परियोजना के लिए आबंटित कुल राशि	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में प्रोजेक्ट पर व्यय की गई राशि	वित्तीय वर्ष की रिपोर्टिंग के अंत में खर्च की गई संचयी राशि (रुपये में)	परियोजना की स्थिति - पूर्ण / जारी
1.						कुछ नहीं		
2.						कुछ नहीं		
3.						कुछ नहीं		
	कुल					**कुछ नहीं**		

(b) Details of CSR amount spent in the financial year for ongoing projects of the preceding financial year(s) –

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
No.	Project ID.	Name of the Project.	Financial Year in which the project was commenced.	Project duration.	Total amount allocated for the project (in ₹)	Amount spent on the project in the reporting Financial Year (in ₹)	Cumulative amount spent at the end of reporting Financial Year. (in ₹)	Status of the project Completed /Ongong.
1.						NIL		
2.						NIL		
3.						NIL		
	Total					**NIL**		

10.	वित्तीय वर्ष में पूंजी संपत्ति के अधिग्रहण पर सृजन के मामले में, संपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें. खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से सृजित या अर्जित किया गया (परिसंपत्ति-वार विवरण)	
(क)	पूंजी संपत्ति के सृजन या अधिग्रहण की तिथि	शून्य
(ख)	पूंजीगत संपत्ति के सृजन या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि	शून्य
(ग)	संस्था या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिसके नाम से ऐसी पूंजी संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि.	शून्य
(घ)	सृजित या अर्जित की गई पूंजीगत संपत्ति (पूंजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) का विवरण प्रदान करें.	शून्य
11.	कारण निर्दिष्ट करें, धारा 135(5) के अनुसार यदि कंपनी औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में असफल रही है:	शून्य

10.	In case of creation on acquisition of capital asset, furnish the details relating to the asset so created or acquired through CSR spent in the financial year (asset-wise details).	
(a)	Date of creation or acquisition of the capital asset(s)	NIL
(b)	Amount of CSR spent for creation or acquisition of capital asset.	NIL
(c)	Details of the entity or public authority or beneficiary under whose name such capital asset is registered, their address etc.	NIL
(d)	Provide details of the capital asset(s) created or acquired (including complete address and location of the capital asset)	NIL
11.	Specify the reason(s), if the company has failed to spend two percent of the average net profit as per Section 135(5)	NIL

निदेशक मंडल की ओर से

	पृथुल कुमार	जयंत सिन्हा
स्थान – मुंबई	प्रबंध निदेशक	निदेशक
दिनांक – 03.11.2023	DIN No. 07792778	DIN No. 09329500

For and on behalf of the Board of Directors

	Prithul Kumar	Jayant Sinha
Place – Mumbai	Managing Director	Director
Date – 03.11.2023	DIN No. 07792778	DIN No. 09329500

अनुलग्नक – III

फॉर्म नं- एम जी टी – 9
31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के कंपनी के वित्तीय परिणामों का सार संक्षेप

[कंपनी के अधिनियम 2013 तथा कंपनी के (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम 12 (1) नियम 2014] के अनुवर्ती.

i. पंजीकरण एवं अन्य विवरण –

i.	सीआईएन	यू92100एमएच1975जीओआई022994	CIN	U92100MH1975GOI022994
ii.	पंजीकरण की तारीख	01.05.1975	Registration Date	01.05.1975
iii.	कंपनी का नाम	राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड	Name of the Company	National Film Development Corporation Limited
iv.	कंपनी की कैटेगरी-सब कैटेगरी	सरकारी कंपनी	Category/Sub-Category of the Company	Private Company/ Government Company
v.	पंजीकृत कार्यालय का पता तथा संपर्क के अन्य विवरण	एनएफडीसी-एफडी कॉम्प्लेक्स, 24, डॉ. गोपालराव देशमुख मार्ग, मुंबई – 400 026, महाराष्ट्र टेलीफोन :+91 22 35248444 Email:nfdc@nfdcindia.com	Address of the registered office and contact details	NFDC-FD Complex, 24, Gopalrao Deshmukh Marg, Mumbai, Maharashtra – 400 026 Telephone – +91 22 35248444 Email – nfdc@nfdcindia.com
vi.	क्या यह लिस्टेड कंपनी है	नहीं	Whether listed company	No
vii.	रजिस्ट्रार तथा ट्रांसफर एजेंट (यदि कोई हो तो) का पता	कोई नहीं	Name, Address and Contact details of Registrar and Transfer Agent, if any	NA

ii. कंपनी की प्रमुख व्यावसायिक गतिविधि

कंपनी की वे सब व्यावसायिक गतिविधियां जिनसे 10% प्रतिशत या अधिक योगदान आता हो, इस प्रकार हैं –

	मुख्य उत्पाद/सेवा का नाम तथा उसका विवरण	उत्पाद/सेवा का एनआईसी कोड	कंपनी के कुल उत्पाद का प्रतिशत
1	गैर फीचर फिल्म निर्माण		35.31 %
2	समारोह		29.12%

ii. सब्सिडियरी एवं असोसिएट कंपनियों में होल्डिंग्स का विवरण

	कंपनी का नाम तथा पता	सीआईएन/जीएलएन	शेयर्स का प्रतिशत
	सब्सिडियरी कंपनी {सेक्शन 2(87)(ii)}		
1	कोई नहीं		

Annexure – III

FORM NO. MGT – 9
EXTRACT OF ANNUAL RETURN
As on the financial year ended on 31st March 2023

[Pursuant to Section 92(3) of the Companies Act, 2013 and Rule 12(1) of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014]

i. Registration And Other Details –

ii. Principal Business Activities Of The Company

All the business activities contributing 10% or more of the total turnover of the company shall be stated –

	Name and Description of main products/ services	NIC Code of the Product/service	% to total turnover of the company
1	Non Feature Film Production		35.31 %
2	Festivals		29.12%

iii. Particulars of Holding, Subsidiary and Associate Companies

	Name and address of the company	CIN/GLN	% of shares held
	Subsidiary Company {Section 2(87)(ii)}		
1	Nil		

iv.(क) शेयर होल्डिंग पैटर्न (कुल इक्विटी के प्रतिशत के रूप में इक्विटी शेयर कैपिटल ब्रेकअप)

i. श्रेणीवार शेयर होल्डिंग

iv. (A) Share Holding Pattern (Equity Share Capital Breakup As Percentage Of Total Equity)

i. Category-wise Share Holding

	शेयरहोल्डर्स की श्रेणी	Category of Shareholders	वर्ष के प्रारंभ में शेयरों की संख्या No. of Shares held at the beginning of the year				वर्ष के अंत में शेयरों की संख्या No. of Shares held at the end of the year				वर्ष के दौरान हुए परिवर्तन % Change during the year
			डीमेट Demat	फिजिकल Physical	कुल Total	कुल शेयर्स का प्रतिशत % of Total Shares	डीमेट Demat	फिजिकल Physical	कुल Total	कुल शेयर्स का प्रतिशत % of Total Shares	
A.	प्रमोटर्स	Promoter									
1)	भारतीय	Indian									
a)	व्यक्ति/एचयूएफ	Individual/HUF	0	0	0	0	0	0	0	0	0
b)	केंद्र सरकार	Central Govt.	0	4539985	4539985	100	0	4539985	4539985	100	100
c)	राज्य सरकार	State Govt(s)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
d)	निकाय/निगम	Bodies Corp	0	0	0	0	0	0	0	0	0
e)	बैंकर्स/एफ आई	Banks/FI	0	0	0	0	0	0	0	0	0
f)	कोई अन्य	Any Other	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सब टोटल (क)(1)	Sub-total(A)(1) –	0	4539985	4539985	100	0	4539985	4539985	100	100
2)	विदेशी	Foreign									
g)	एन आर आई व्यक्ति	NRIs-Individuals	0	0	0	0	0	0	0	0	0
h)	अन्य व्यक्ति	Other-Individuals	0	0	0	0	0	0	0	0	0
i)	बॉडीज कॉर्प	Bodies Corp.	0	0	0	0	0	0	0	0	0
j)	बैंकर्स/एफ आई	Banks/FI	0	0	0	0	0	0	0	0	0
k)	कोई अन्य	Any Other….	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सब टोटल (क)(2)	Sub-total(A)(2) –	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सब टोटल क =क(1)+क(2)	Total of A= A(1)+A(2) –	–	4539985	4539985	100	–	4539985	4539985	100	100
B.	पब्लिक शेयरहोल्डिंग	Public Shareholding									
1.	संस्थाएं	Institutions									
a)	म्यूचुअल फंड्स	Mutual Funds	0	0	0	0	0	0	0	0	0
b)	बैंक्स/एफ आई	Banks/FI	0	0	0	0	0	0	0	0	0
c)	केंद्र सरकार	Central Govt	0	0	0	0	0	0	0	0	0
d)	राज्य सरकार	State Govt.(s)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
e)	वेंचर कैपिटल फंड्स	Venture Capital Funds	0	0	0	0	0	0	0	0	0
f)	बीमा कंपनियां	Insurance Companies	0	0	0	0	0	0	0	0	0

Table Contd.

	शेयरहोल्डर्स की श्रेणी	Category of Shareholders	वर्ष के प्रारंभ में शेयरों की संख्या No. of Shares held at the beginning of the year				वर्ष के अंत में शेयरों की संख्या No. of Shares held at the end of the year				वर्ष के दौरान हुए परिवर्तन % Change during the year
			डीमेट Demat	फिजिकल Physical	कुल Total	कुल शेयर्स का प्रतिशत % of Total Shares	डीमेट Demat	फिजिकल Physical	कुल Total	कुल शेयर्स का प्रतिशत % of Total Shares	
g)	एफआईआईएस	FIIs	0	0	0	0	0	0	0	0	0
h)	विदेशी वेंचर कैपिटल फंड्स	Foreign Venture Capital Funds	0	0	0	0	0	0	0	0	0
i)	अन्य (उल्लेख करें)	Others (specify)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सब टोटल (ख)(1)	Sub-total (B)(1)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2.	2 गैर संस्थाएं	Non Institutions									
a)	निकाय निगम	Bodies Corp.	0	0	0	0	0	0	0	0	0
(i)	भारतीय	Indian	0	0	0	0	0	0	0	0	0
(ii)	विदेशी	Overseas	0	0	0	0	0	0	0	0	0
b)	व्यक्तिगत	Individuals	0	0	0	0	0	0	0	0	0
(i)	व्यक्तिगत शेयरहोल्डर्स जिनकी शेयरकैपिटल होल्डिंग्स नाममात्र-₹ एक लाख तक की हों	Individual shareholders holding nominal share capital upto ₹ 1 lakh	0	0	0	0	0	0	0	0	0
(ii)	व्यक्तिगत शेयरहोल्डर्स जिनकी शेयरकैपिटल होल्डिंग्स ₹ एक लाख से अधिक की हों	Individual shareholders holding nominal share capital in excess of Rs 1 lakh	0	0	0	0	0	0	0	0	0
c)	अन्य (उल्लेख करें)	Others (Specify)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सब टोटल (ख)(2)	Sub-total(B)(2)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल पब्लिक शेयरहोल्डिंग्स (ख)=(ख)(1)+(ख)(2)	Total Public Shareholding (B)=(B)(1)+ (B)(2)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	ग.कस्टोडियन द्वारा जीडीआर एवं एडीआर के लिए रखे गये शेयर्स की संख्या	C. Shares held by Custodian for GDRs and ADRs	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल योग (क+ख+ग)	**Grand Total (A+B+C)**	**0**	**4539985**	**4539985**	**100**	**0**	**4539985**	**4539985**	**100**	**100**

ख) प्रमोटर्स की शेयरहोल्दिंग

(B) Shareholding of Promoters

	शेयरहोल्डर का नाम	Shareholder's Name	Shareholding at the beginning of the year			Shareholding at the end of the year			वर्ष के दौरान शेयरहोल्डिंग में हुए परिवर्तन का प्रतिशत % change in shareholding during the year
			शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total Shares of the company	कुल शेयरों में से गिरवी/ भारग्रस्त शेयरों का प्रतिशत % of Shares Pledged/ encumbered to total shares	शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total Shares of the company	कुल शेयरों में से गिरवी/ भारग्रस्त शेयरों का प्रतिशत % of Shares Pledged/ encumbered to total shares	
1	भारत के राष्ट्रपति	President of India	4539983	100	0	4539983	100	0	–
2	एमडी, एनएफडीसी	MD, NFDC	1	0	0	1	0	0	
3	जेएस (फिल्म्स)	JS (Films)	1	0	0	1	0	0	

(ग) प्रमोटर्स की शेयरहोल्दिंग में परिवर्तन (अगर परिवर्तन हो तो कृपया वैसा उल्लेख करें)

(C) Change in Promoters' Shareholding (please specify, if there is no change)

	विवरण	Particulars	वर्ष के प्रारंभ में शेयरहोल्डिंग		वर्ष के दौरान लेन-देन			वर्ष के दौरान संचयी शेयरहोल्डिंग	
			Shareholding at the beginning of the year		Transaction during the year			Cumulative Shareholding during the year	
			शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company	Date	Increase/ Decrease in share holding	Reason	शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company
1	वर्ष के प्रारंभ में	At the beginning of the year	4539985	100				4539985	100
2	अलॉटमेंट	Allotment	–	–	–	–	–	–	–
3	वर्ष के अंत में	At the end of the year	4539985	100				4539985	100

(घ) सर्वोच्च दस शेयरहोल्डर्स की शेयरहोल्डिंग्स का पैटर्न (निदेशकों, प्रमोटर्स तथा जी डी आर्स होल्डर्स को छोड़ कर)

(D) Shareholding Pattern of top ten Shareholders (other than Directors, Promoters and Holders of GDRs and ADRs)

	विवरण	Particulars	वर्ष के प्रारंभ में शेयरहोल्डिंग		वर्ष के दौरान लेन-देन			वर्ष के दौरान संचयी शेयरहोल्डिंग	
			Shareholding at the beginning of the year		Transaction during the year			Cumulative Shareholding during the year	
			शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company	Date	Increase/ Decrease in share holding	Reason	शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company
1	वर्ष के प्रारंभ में	At the beginning of the year	0	0				0	0
2	अलॉटमेंट	Allotment			–	0	–	–	–
3	वर्ष के अंत में	At the end of the year	0	0				0	0

(ङ) निदेशकों तथा महत्वपूर्ण प्रबंधन कर्मचारियों का शेयरहोल्डिंग्स –

(E) Shareholding of Directors and Key Managerial Personnel –

	विवरण	Particulars	वर्ष के प्रारंभ में शेयरहोल्डिंग Shareholding at the beginning of the year		वर्ष के दौरान लेन-देन Transaction during the year			वर्ष के दौरान संचयी शेयरहोल्डिंग Cumulative Shareholding during the year	
			शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company	Date	Increase/ Decrease in share holding	Reason	शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company
1	एमडी, एनएफडीसी	MD, NFDC	1	0		–	–	1	0
2	जेएस (फिल्म्स)	JS (Films)	1	0		–	–	1	0

v. देनदारियां

कंपनी की देनदारियां जिनमें ब्याज, बकाया, उपार्जित किंतु भुगतान के लिए देय नहीं, शामिल हों.

v. Indebtedness

Indebtedness of the Company including interest outstanding/ accrued but not due for payment

विवरण	Particulars	सुरक्षित ऋण- जमाओं को छोड़ कर Secured Loans excluding deposits	असुरक्षित ऋण Unsecured Loans	जमाएं Deposits	कुल कर्जदारी Total Indebtedness
वित्तवर्ष के प्रारंभ में देनदारी	Indebtedness at the beginning of the financial year				
i) मूल राशि	i) Principal Amount	–	–	–	–
ii) देय ब्याज किंतु अदा नहीं किया गया.	ii) Interest due but not paid	–	–	–	–
iii) ब्याज की जमा राशि किंतु अदा नहीं की गई	iii) Interest accrued but not due				
कुल (i+ii+iii)	Total (i+ii+iii)	NIL	NIL	NIL	NIL
वित्तवर्ष के दौरान देनदारियों में परिवर्तन	Change in Indebtedness during the financial year				
- जोड़	- Addition	–	–	–	–
- कमी	- Reduction	–	–	–	–
कुल परिवर्तन	Net Change	NIL	NIL	NIL	NIL
वित्तवर्ष के अंत में देनदारी	Indebtedness at the end of the financial year				
i) मूल राशि	i) Principal Amount	–	–	–	–
ii) देय ब्याज किंतु अदा नहीं किया गया.	ii) Interest due but not paid	–	–	–	–
iii) ब्याज की जमा राशि किंतु अदा नहीं की गई	iii) Interest accrued but not due				
कुल (i+ii+iii)	**Total (i+ii+iii)**	**NIL**	**NIL**	**NIL**	**NIL**

* भारत सरकार के ऋण पर पिछले वर्ष में लगाए गए अतिरिक्त ब्याज को वापस लिखा गया.

* Excess interest charged in earlier year on Government of India loan were written back.

vi. निदेशकों एवं अन्य प्रबंधकीय कर्मचारियों का पारिश्रमिक

क) प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशकों एवं/अथवा प्रबंधकों को पारिश्रमिक

vi. Remuneration of Directors And Key Managerial Personnel

a) Remuneration to Managing Director, Whole-time Directors and/or Manager

	पारिश्रमिक का विवरण / Particulars of Remuneration		प्रबंध निदेशक/डब्ल्यूटीडी का नाम / Name of MD/WTD/Manager			कुल राशि / Total Amount
1.			एमडी MD	डब्ल्यूटीडी WTD	प्रबंधक Manager	
2.			Mr. Ravinder Bhakar/ Mr Prithul Kumar			
3.	सकल वेतन	Gross salary				
	(क) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (1) के प्रावधानों के अनुरूप वेतन,	(a) Salary as per provisions contained in section 17(1) of the Income tax Act, 1961	–	–	–	–
	(ख) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (2) के प्रावधानों के अनुरूप अनुलाभों का मूल्य	(b) Value of perquisites u/s 17(2) Income Tax Act, 1961	–	–	–	–
	(ग) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (3) के प्रावधानों के अनुरूप, वेतन के बदले मिलने वाले लाभ	(c) Profits in lieu of salary under section 17(3) Income Tax Act,1961	–	–	–	–
4.	स्टॉक विकल्प	Stock Option	–	–	–	–
5.	स्वॅट इक्विटी	Sweat Equity	–	–	–	–
6.	कमीशन	Commission	–	–	–	–
	- लाभ के प्रतिशत के रूप में	- as % of profit	–	–	–	–
	- अन्य (उल्लेख करें)	- others, specify…	–	–	–	–
7.	अन्य (कृपया उल्लेख करें)	Others, please specify	–	–	–	–
8.	कुल (क)	Total(A)	NIL	NIL	NIL	NIL
	नियम के अनुसार सीलिंग	Ceiling as per the Act	-NA*			

* दिनांक 5.6.2015 के एमसीए अधिसूचना द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 लागू नहीं होगी

* Section 197 of Companies Act, 2013 shall not apply vide MCA notification dated 5.6.2015

ख) अन्य निदेशकों को पारिश्रमिक

b) Remuneration to other directors

	पारिश्रमिक का विवरण / Particulars of Remuneration		निदेशकों के नाम / Name of Director	कुल / Total
1.	स्वतंत्र निदेशक	Independent Directors	–	
	• स्वतंत्र निदेशक बोर्ड/कमिटी की बैठकों में भाग लेने की फीस	• Fee for attending board/committee meetings – Sitting Fees		–
	• कमीशन	• Commission		–
	• अन्य (उल्लेख करें)	• Others, please specify		–
	कुल(1)	Total(1)	–	–
2.	अन्य गैर कार्यकारी निदेशक कमीशन	Other Non-Executive Directors		
	• स्वतंत्र निदेशक बोर्ड/कमिटी की बैठकों में भाग लेने की फीस	• Fee for attending board/committee meetings		–
	• कमीशन	• Commission		–
	• अन्य (उल्लेख करें)	• Others, please specify		–

	कुल(2)	Total(2)	–	–
	कुल(1) (ख)=(1+2)	Total(B)=(1+2)	–	–
	प्रबंधक वर्ग का कुल वेतन	Total Managerial Remuneration	–	–
	अधिनियम के अनुसार अधिकतम सीमा (कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 198 के तहत गणना किए गए मुनाफे का 1%)	Ceiling as per the Act (@ 1 % of profits calculated under Section 198 of the Companies Act, 2013)	NA*	

* दिनांक 5.6.2015 के एमसीए अधिसूचना द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 लागू नहीं होगी

* Section 197 of Companies Act, 2013 shall not apply vide MCA notification dated 5.6.2015

ग) प्रबंध निदेशक, प्रबंधकों एवं डब्ल्यू टी डी को छोड़ कर अन्य प्रमुख प्रबंधकीय कर्मचारियों को पारिश्रमिक

c) Remuneration To Key Managerial Personnel Other Than MD/Manager/WTD

	पारिश्रमिक का विवरण	Particulars of Remuneration	प्रमुख प्रबंधकीय कर्मचारी Key Managerial Personnel				कुल Total
			सीईओ CEO	कंपनी सचिव CS		सीएफओ CFO	
				श्री ई.जे. पॉल Mr. E J Paul	सुश्री सुमोना मजूमदार Ms Sumona Majumdar		
1.	कुल वेतन	Gross salary		12.19	14.31		26.5
	(क) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (1) के प्रावधानों के अनुरूप वेतन	(a) Salary as per provisions contained insection17(1) of the Income tax Act, 1961	–			–	
	(ख) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (2) के प्रावधानों के अनुरूप अनुलाभों का मूल्य	(b) Value of perquisites u/s 17(2) Income Tax Act, 1961	–			–	
	(ग) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (3) के प्रावधानों के अनुरूप, वेतन के बदले मिलने वाले लाभ	(c) Profits in lieu of salary under section 17(3) Income Tax Act,1961	–			–	–
2.	स्टॉक ऑप्शन	Stock Option	–			–	–
3.	स्वेट इक्विटी	Sweat Equity	–			–	–
4.	कमीशन	Commission	–			–	–
	- लाभ के प्रतिशत के रूप में	- as % of profit	–			–	–
5.	अन्य (कृपया उल्लेख करें)	Others, please specify	–	12.19	14.31	–	26.5
	कुल	**Total**	**–**	**12.19**	**14.31**	**–**	**26.5**

vii. दोषों का दंड/सजा/अधिरोपित समझौता

vii. Penalties/Punishment/Compounding of Offences

प्रकार	कंपनी अधिनियम की धारा	संक्षिप्त विवरण	दंड/सजा/अधिरोपित समझौता फीस का विवरण	प्राधिकरण (आरडी/एन सीएलटी/कोर्ट)	अगर कोई अपील की गई हो तो उसका विवरण
Type	**Section of the companies Act**	**Brief description**	**Details of Penalty/ Punishment/Compounding fees imposed**	**Authority [RD/ NCLT/Court]**	**Appeal made. If any (give details)**
वर्ष के दौरान कंपनी या इसके निदेशकों या चूक करने वाले अन्य अधिकारियों, यदि कोई हो, के विरुद्ध कंपनी अधिनियम की किसी भी धारा के उल्लंघन के लिए कोई दंड/दंड/अपराध का प्रशमन नहीं था.					
There were no penalty/punishment/compounding of offences for breach of any section of Companies Act against the company or its Directors or other officers in default, if any, during the year.					

निदेशक मंडल की ओर से

स्थान – मुंबई
दिनांक – 03.11.2023

पृथुल कुमार
प्रबंध निदेशक
DIN No. 07792778

जयंत सिन्हा
निदेशक
DIN No. 09329500

For and on behalf of the Board of Directors

Place – Mumbai
Date – 03.11.2023

Prithul Kumar
Managing Director
DIN No. 07792778

Jayant Sinha
Director
DIN No. 09329500

व्यवस्थापन विश्लेषण रिपोर्ट

कंपनी

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम देश में अच्छे सिनेमा के विकास आंदोलन को प्रोत्साहित करने के लिये सरकार द्वारा स्थापित सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है. एनएफडीसी का बुनियादी लक्ष्य भारतीय फिल्म उद्योग तथा भारतीय सिनेमा का एकीकृत एवं प्रभावशाली ढंग से विकास के लिये योजनाएं बनाना, उन्हें प्रोन्नत करना तथा केंद्र सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित नीतियों के अनुरूप सिनेमा में श्रेष्ठता को प्रोत्साहित करना है. दिसंबर 2020 के कैबिनेट निर्णय के परिणामस्वरूप, सूचना और प्रसारण मंत्रालय की चार फिल्म मीडिया इकाइयों, अर्थात् फिल्म प्रभाग, फिल्म समारोह निदेशालय, भारत के राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार और भारतीय बाल फिल्म सोसायटी को 01.01.2023 से राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (एनएफडीसी) में विलय कर दिया गया है. विलय के साथ एनएफडीसी के पोर्टफोलियो में वृद्धि हुई है और गतिविधियों और संसाधनों का अभिसरण और बेहतर समन्वय हुआ है, जिससे प्रत्येक मीडिया इकाई के जनादेश को प्राप्त करने में तालमेल और दक्षता सुनिश्चित हुई है.

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम की दृष्टि भारत के विभिन्न सिनेमाज के घरेलू और वैश्विक प्रशंसा का निर्माण करना रही है और इसका उद्देश्य सिनेमा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और विभिन्न भारतीय भाषाओं में बनाई गई फिल्मों का समर्थन और प्रोत्साहन देकर अपनी संस्कृति की विविधता को बढ़ावा देना है. निगम ने 21 भारतीय भाषाओं में 300 से अधिक फिल्मों के वित्तपोषण और निर्माण द्वारा अपने विजन और मिशन के बयानों को सफलतापूर्वक लागू करके अपने प्रभाव का प्रदर्शन किया है, जिनमें अकादमी पुरस्कार (गांधी), राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार सहित कई अंतर्राष्ट्रीय प्रशंसाएं हासिल की है.

उद्योग संरचना और विकास

भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग नए मील के पत्थर हासिल कर रहा है तथा 12% सीएजीआर की वृद्धि दर का अनुभव करते हुए एक परिपक्व चरण में प्रवेश कर चुका है. हाल ही में " नातू-नातू " गीत और "एलिफेंट व्हिस्परर्स" के लिए ऑस्कर पुरस्कार मिलना, भारतीय कहानियों और संस्कृति में वैश्विक रुचि को उजागर करता है. यह उपलब्धि मनोरंजन क्षेत्र में भारत के बढ़ते योगदान को दर्शाती है. विश्व सिनेमा पर इस उभरते प्रभाव को देखते हुए, एनएफडीसी को परियोजनाओं के वित्तपोषण और युवा फिल्म निर्माताओं को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, जिनके पास धन उपलब्ध नहीं है. एनएफडीसी का समर्पित ओटीटी प्लेटफॉर्म उन फिल्मों का प्रदर्शन करेगा जो अक्सर बाजार में जगह पाने के लिए संघर्ष करती हैं, जिससे युवा प्रतिभाओं को अपना कौशल प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा. मनोरंजन उद्योग में नई प्रौद्योगिकियों के तेजी से एकीकरण के साथ, एनीमेशन, दृश्य प्रभाव और ग्राफिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं. भारतीय एम एंड ई उपभोक्ता आधार पर्याप्त है, जो सामग्री की तलाश में है लेकिन केवल गुणवत्ता के लिए भुगतान करने को तैयार है, और प्रौद्योगिकी के साथ प्रयोग करने के लिए तैयार है. इसे ध्यान में रखते हुए एनएफडीसी एनिमेटेड फिल्मों और पर्याप्त वीएफएक्स, ग्राफिक्स, एनीमेशन प्रभावों वाली परियोजनाओं के निर्माण पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगा. विलय के बाद के परिवर्तन चरण में आपकी कंपनी वर्ष के दौरान अपनी आय में 30% की वृद्धि करने में सफल रही.

कॉर्पोरेशन का सामर्थ्य

फिल्म निर्माण

एनएफडीसी की विरासत तथा फिल्म क्षेत्र में इसका योगदान –

- 21 भारतीय भाषाओं में 300 फिल्मों का निर्माण
- 'गांधी' फिल्म को 8 ऑस्कर पुरस्कार.
- संस्कृत में 'आदि शंकराचार्य'एवं कश्मीरी में 'बब'का निर्माण. इन फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिले.

Management Discussion and Analysis Report

The Company

National Film Development Corporation Limited (NFDC) is a Central Public Sector Undertaking established to encourage the good cinema movement in the country. The primary goal of the NFDC is to plan, promote and organize an integrated and efficient development of the Indian Film Industry in accordance with the national economic policy laid down by the Central Government from time to time. Consequent to Cabinet decision of December 2020, the four film media units, namely Films Division, Directorate of Film Festivals, National Film Archives of India and Children's Film Society of India of Ministry of Information and Broadcasting have been merged with the National Film Development Corporation Ltd. (NFDC) w.e.f. 01.01.2023. With the merger the portfolio of NFDC has enhanced and lead to convergence of activities and resources and better coordination, thereby ensuring synergy and efficiency in achieving the mandate of each media unit.

NFDC's vision has been to create domestic and global appreciation and celebration of the various cinemas of India and its mission aims at fostering excellence in Cinema and promoting the diversity of its culture by supporting and encouraging films made in various Indian languages. The Corporation has demonstrated its efficacy in successfully implementing its Vision and Mission statements by funding and producing over 300 films in 21 Indian languages, which have won several international accolades including the Academy Awards (Gandhi), National and State Awards.

Industry Structure and Developments

The Indian Media & Entertainment industry has been achieving new milestones and has entered a mature phase experiencing a growth rate of 12% CAGR. The recent Oscar wins for the "Naatu-Naatu" song and the "Elephant Whisperers", highlight the global interest in Indian stories and culture. This accomplishment demonstrates India's increasing contribution to the entertainment field. Given this emerging influence on world cinema, NFDC has a significant role to play in financing projects and providing support to young film makers who lack access to funds. NFDC's dedicated OTT platform will showcase those films that often struggle to find a place in the market, offering young talent a chance to exhibit their skills. With the rapid integration of new technologies into the entertainment industry, the Animation, visual effects and graphics (AVGC) sector hold immense potential. The Indian M&E consumer base is substantial, seeking for content but willing to pay only for quality, and open to experimenting with technology. Bearing this in mind NFDC will focus more on producing Animated films, and project featuring substantial VFX, Graphics, Animation effects. In the Post-Merger transition phase your company managed to enhance its topline by 30% during the year.

Strengths of the Corporation

Film Production

NFDC's legacy and its contribution to the film sector

- Produced more than 300 films across 21 languages
- 8 Oscar Awards for film "Gandhi"
- Produced National Award winning films "Adi Shankaracharya" in Sanskrit and "Bub" in Kashmiri

- नामी निर्देशकों के साथ काम
- प्रमुख केंद्रीय मंत्रालयों/राज्य सरकारों की फीचर फिल्मों में कार्यकारी निर्माता
- 11वीं तथा 12वीं योजना के अंतर्गत 13 भाषाओं में 27 फीचर फिल्मों का निर्माण
- 33 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार
- 8 राष्ट्रीय पुरस्कार
- 1 गोल्डन पीकॉक

एनएफडीसी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की उपयोजना "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण" के तहत "फिल्मी सामग्री का विकास संचार और प्रसार" (डीसीडीएफसी) योजना को क्रियान्वित करता है. एनएफडीसी को क्षेत्रीय फिल्म के लिए 0.74 करोड़ रुपये, पूर्वेत्तर भाषा की फीचर फिल्म, वृत्तचित्र और लघु एनीमेशन फिल्म के निर्माण के लिए 11.99 करोड़ रुपये और एकेएएम के लिए 5.32 करोड़ रुपये सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से "विभिन्न भारतीय भाषाएँ फिल्मों का निर्माण' योजना के लिए मिले हैं." श्री हाओबम पबन कुमार द्वारा निर्देशित मणिपुरी फिल्म जोसेफ सन की शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म को सेंसर कर दिया गया है.

1. नवोदित निर्देशक श्री के. जयदेव द्वारा तेलुगु फिल्म कोरंगी नूंची पूर्ण हुई तथा सीबीएफसी द्वारा प्रमाणित किया गया है.

2. नवोदित निर्देशक सुश्री इंद्राणी द्वारा निर्देशित बंगाली फिल्म छाड़ चक्रवर्ती पूर्ण हुई है तथा सीबीएफसी द्वारा प्रमाणित किया गया है.

3. फिल्म मुजीब – द मेकिंग ऑफ अ नेशन भारत गणराज्य और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश के बीच ऑडियो विजुअल को-प्रोडक्शन समझौते के तहत बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर रहमान के जीवन पर एक भारत-बांग्लादेश सह-निर्माण. एनएफडीसी और बीएफडीसी कार्यकारी निर्माता हैं. इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने डायरेक्टर श्याम बेनेगल कर रहे हैं. फिल्म पूरी हो चुकी है और बांग्लादेश में सेंसर भी कर दी गई है.

विभिन्न श्रेणी और क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों में पूर्वोत्तर फिल्मों का निर्माण

डीसीडीएफसी के तहत, 11.99 करोड़ रुपये की मंजूरी है और उक्त राशि में से, एनएफडीसी को निम्नलिखित गतिविधियों के लिए 11.99 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं.

1. बच्चों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में पूर्वोत्तर की प्रसिद्ध हस्तियों पर एनिमेटेड लघु फिल्मों का निर्माण.
2. पूर्वोत्तर क्षेत्र के निर्देशकों/निर्माताओं के बीच से वृत्तचित्र फिल्मों का निर्माण.
3. पूर्वोत्तर फिल्म निर्माताओं द्वारा पूर्वोत्तर भाषाओं में फीचर फिल्मों का निर्माण.

21 लघु-सूचीबद्ध पूर्वोत्तर फिल्में और क्षेत्रीय भाषा की फिल्में बोर्ड/मंत्रालय द्वारा अनुमोदित कर दी गई हैं और अब निर्माण के लिए तैयार हैं. फ्लोर पर जाने से पहले कलाकारों और क्रू सदस्यों के साथ आवश्यक समझौते किए जाएंगे.

स्वीकृत फिल्म मोई इति निक्सासोर (कोडवा – द थीफ) आसामी भाषा की फिल्म ने शूटिंग पूरी कर ली है. शूटिंग स्थान गुवाहाटी है.

अन्य स्वीकृत फिल्म बिबो बिनानाओ (मेरी तीन बहनें) तिब्बती भाषा में और करकेन गालो, हिंदी, अंग्रेजी भाषा में फिल्म की असम, उदलगिरि और अरुणाचल प्रदेश में शूटिंग भी शुरू कर चुकी हैं.

- Rich Associations with acclaimed Directors
- Executive Producer of feature films backed by key Central Ministries/State Government
- Produced 27 feature under the 11th and 12th plan Scheme in 13 languages
- 33 International Awards
- 8 National Awards
- 1Golden Peacock

NFDC executes the scheme "Development Communication and Dissemination of Filmic Content" (DCDFC) under the sub scheme "Production of films in various Indian languages" of the Ministry of Information & Broadcasting. NFDC has received ₹ 0.74 for Regional Film, ₹ 11.99 Crores for production of North Eastern language feature film, documentary & short animation film and ₹ 5.32 crores for AKAM from the Ministry of Information & Broadcasting for the scheme "Production of films in various Indian languages". The Shooting of Manipuri film Joseph's Son directed by Shri Haobam Paban Kumar has been completed and film it has been censored.

1. Telugu film Korangi Nunchi directed by the first time director Mr.K Jayadev has been completed and certified by the CBFC.

2. Bengali film Chhaad directed by the first-time director Ms. Indrani Chakrbarti has been completed and certified by the CBFC.

3. Film Mujib – The making of A Nation an Indo Bangladesh Coproduction on the life of Sheikh Mujibur Rahman, the father of the nation of Bangladesh, under Audio Visual Co–Production agreement between the Republic of India and the People's Republic of Bangladesh. NFDC and BFDC are the Executive Producers. The film is being directed by eminent Director Shri Shyam Benegal. The Film has been completed and has been also censored in Bangladesh.

Production of North East Films in various Category and Regional Language Films

Under DCDFC, there is a sanction of ₹ 11.99 Crore and out of the said amount, NFDC has received ₹ 11.99 Crore for the following activities.

1. Production of animated short films on well-known personalities of NE in various fields for children.
2. Production of documentary films from NE from amongst directors/producers from NE region.
3. Production of feature films in NE languages from NE filmmakers.

The 21 Short-listed North East films and regional language films have been approved by the Board/Ministry and are ready for production now. The necessary agreements will be entered with cast and crew members before going to the floor.

One of the approved film Moi eti nixasor (Kodwa-the thief in Assamese language has completed shooting. The shooting location is Guwahati

Other approved film Bibo Binanao (my three sisters) in Tibetean Language and Karken in Galo, Hindi, English language has also started shooting in Assam, Udalgiri and Arunachal Pradesh.

पूर्वोत्तर की स्वीकृत 15 फिल्मों में से पूर्वोत्तर सामग्री वाली चार फिल्में एनिमेटेड फिल्में हैं . यह दर्शाता है कि एनएफडीसी एवीजीसी की नई तकनीक के रूप में उभर रहा है.

' आजादी' का अमृत महोत्सव ' पर एनीमेशन सीरीज

भारती और बिबो (भारती एंड हर मैजिकल वॉर्म) का लक्ष्मी बाई पर पहला एपिसोड तैयार है.

' आजादी का अमृत महोत्सव ' पर वृत्तचित्र फिल्म

वृत्तचित्र फिल्म " ब्रेकिंग द फोर्थ वॉल " समझौते पर को-प्रोड्यूसर्स (एनएफडीसी एंड चंद्रशीला आर्ट्स) द्वारा हस्ताक्षर किए गए और शूटिंग भी शुरू हो गई है.

फिल्म वितरण

हिंदी सहित 20 से अधिक क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में 320 से अधिक फिल्मों और 85 टाइटल्स को पुन:स्थापित करने के साथ एनएफडीसी 120 फिल्मों की सूची को एकीकृत करता है जिसमें प्रीमियम और मार्की फिल्में शामिल हैं जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और मान्यताएं जीती हैं. उचित उपयोग, राजस्व और पहुंच के लिए ये सामग्री दुनिया भर के विभिन्न टीवी, डिजिटल, वीडियो ऑन डिमांड प्लेटफॉर्म पर एकीकृत हैं. भारत के सिनेमाघरों की स्थिति को बनाए रखने के लिए फिल्म समारोहों और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहचान करके तथा उसमें भाग लेने से वैश्विक स्तर पर सामग्री का लाभ उठाया जाता है, जो कि भारत के स्वतंत्र सिनेमा का मुखमंडल है. एनएफडीसी फिल्म वितरण के समकालीन तरीकों का प्रभावी ढंग से उपयोग करके दर्शकों को सिनेमा दिखाने में सफल रहा है. वितरण को विभिन्न वर्टिकल में संरचित किया गया है, जैसे वितरण – थिएट्रीकल, सिंडिकेशन - घरेलू, निर्यात - अंतर्राष्ट्रीय बिक्री, ओटीटी – सिनेमाज ऑफ इंडिया, होम-वीडियो के साथ-साथ फिल्म समारोह और बाजार. ओटीटी प्लेटफॉर्म www.cinemasofindia.com पूरे साल एनएफडीसी की फिल्में प्रदर्शित करता है और दुनिया में कहीं से भी उपलब्ध हो सकता है.

आज़ादी का अमृत मोहोत्सव के भाग में हमने श्री रिचर्ड एटनबरो द्वारा निर्देशित एनएफडीसी की फीचर फिल्म गांधी और श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित द मेकिंग ऑफ महात्मा के हिंदी और तेलुगु में डब संस्करण का प्रसारण की तेलंगाना, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सुविधा प्रदान की. आईएन 10 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने वर्ल्डवाइड के लिए एसवीओडी अधिकारों के लिए गैर-विशिष्ट आधार पर 18 महीने की अवधि के लिए 60 फिल्मों के सौदे को औपचारिक रूप दिया. वायाकॉम 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने वर्ल्डवाइड के लिए सैटेलाइट राइट्स (एक्सक्लूसिव) और एसवीओडी (नॉन-एक्सक्लूसिव) राइट्स पर 5 साल की अवधि के लिए 06 फिल्मों का सौदा किया.

डोमेस्टिक फेस्टिवल स्क्रीनिंग के तहत निर्देशक श्री श्याम द्वारा बेनेगल द्वारा "गांधी से महात्मा तक " द लिंडस वैली इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, चंडीगढ़ में 02 अक्टूबर 2022 को प्रदर्शित किया गया और " गट्टू " नवंबर 2022 को धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, हिमाचल प्रदेश में प्रदर्शित किया गया .

निर्यात

मुबी, यूके ने दुनिया भर में एसवीओडी अधिकारों के लिए गैर-विशिष्ट आधार पर 18 महीने की अवधि के लिए मुबी ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ 37 फिल्मों का सौदा किया. क्राइटेरियन कलेकशन (जेनस फिल्म्स कंपनी) - न्यूयॉर्क, यूएसए ने एनएफडीसी यानी के 5 शीर्षकों को औपचारिक रूप दिया है जैसे पाथेर पांचाली, आगंतुक, गणशत्रु, घरे बैरे, म्यूजिक ऑफ सत्यजीत रे और फिल्म्स डिवीजन के 4 शीर्षक जैसे सत्यजीत रे, द इनर आई, रवींद्रनाथ टैगोर और क्रिएटिव आर्टिस्ट ऑफ इंडिया - सत्यजीत रे का 1 अप्रैल, 2022 से 31 अप्रैल तक 5 साल की अवधि के लिए क्राइटेरिया कलेक्शन के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, उत्तरी आइर्लंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड के क्षेत्रों के लिए मार्च 2027 डील करते हैं. ईडी वितरण, फ्रान्स वितरण विभाग ने एनएफडीसी के 4 शीर्षक यानी उसकी रोटी, आषाढ़ का एक दिन, दुविधा और नज़र ने को औपचारिक रूप से 9 मई, 2022 से 5 साल की अवधि के लिए पेरिस, फ्रान्स स्थित कंपनी ईडी डिस्ट्रीब्यूशन के साथ सौदा किया. फ्रान्स, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड के क्षेत्रों के लिए जर्मनी के लिए टीवी अधिकार केवल सांस्कृतिक चैनल आर्टे को बिक्री के मामले में दिए जाते हैं.

Among the 15 North East Approved Films Four Films are Animated Film having North East content. It shows that NFDC is emerging into new technology of AVGC.

Animation Series on ‘Azadi Ka Amrit Mahotsav’

The Pilot episode of Hindi Animation Series Bharti Aur Bibo (Bharti and her Magical Worm) on Laxmi Bai is ready.

Documentary Film on ‘Azadi Ka Amrit Mahotsav’

The Documentary film “Breaking the Fourth Wall” agreement has been signed by Co-Producers (NFDC AND CHANDRASHEELA ARTS) and the shooting is also started.

Film Distribution

With over 320 films in 20+ regional Indian languages including Hindi and 85 titles restored, NFDC films are syndicated in a catalog of 120 films which includes premium & marquee films that have won National and International Awards & recognitions. These content are syndicated across various TV, Digital, Video on Demand platforms worldwide for appropriate exploitation, revenue and reach. The content is further leveraged globally by identifying and participating at various film festivals and International markets to maintain the positioning of Cinemas of India as the brand that is the face of independent cinema from India. NFDC has been successful in showcasing cinema to the audiences by effectively exploiting contemporary modes of film distribution avenues. Distribution is structured into various verticals namely Distribution – Theatrical, Syndication – Domestic, Exports – International Sales, OTT – Cinemas of India, Home-Video along with Film Festivals & Markets. The OTT platform www.cinemasofindia.com streams NFDC’s films throughout the year and is accessible from anywhere in the world.

Part of Azadi Ka Amrit Mohotsav we facilitated the telecast of NFDC’s feature film Gandhi directed by Shri Richard Attenborough and The Making of Mahatma Directed by Shyam Benegal in Hindi and Telugu dubbed versions in Telangana, Rajasthan & Chhattisgarh. IN10 Media Private Limited, formalized 60 films deal for a period of 18 months on a non-exclusive basis for SVOD rights for Worldwide. Viacom 18 Media Pvt Ltd, formalized 06 films deal for a period of 5 years on a Satellite Rights (exclusive) & SVOD (non-exclusive) rights for Worldwide.

Under Domestic Festival Screening “Gandhi Se Mahatma Tak” Dir – by Shri Shyam Benegal, was showcased at The Lindus Vally International Film Festival, Chandigarh, on 02 October 2022 and “Gattu”, was showcased at The Dharamshala International Film Festival, Himachal Pradesh, on November 2022.

Export

MUBI, UK, formalized 37 films deal with MUBI OTT platform for a period of 18 months on non-exclusive basis for SVOD rights Worldwide. CRITERION COLLECTION (JANUS FILMS COMPANY)- New York, USA, has formalized 5 titles of NFDC i.e. Pather Panchali, Agantuk, Ganashatru, Ghare Baire and Music of Satyajit Ray & 4 titles of Films Division i.e. Satyajit Ray, The Inner Eye, Rabindranath Tagore and Creative Artist of India – Satyajit Ray deal with CRITERION COLLECTION for a period of 5 years period from 1st April, 2022 to 31st March 2027 for the territories of USA, Canada, UK, North Irlend, Australia, New Zealand. E.D. Distribution, France Distribution Department has formalized 4 titles of NFDC i.e. Uski Roti, Ashad Ka Ek Din, Duvidha and Nazar deal with E.D. Distribution, Paris, France based company for a period of 5 years period from 9 th May, 2022 for the territories of France, Belgium and Switzerland. TV rights are granted for Germany only in the case of a sale to the Cultural Channel Arte.

इंटरनेशनल फेस्टिवल स्क्रीनिंग के तहत निदेशक कमल स्वरूप द्वारा "ओम दर ब दर" (1955) 15 मई 2022 को सुपाकिनो लिमिटेड, लंदन द्वारा रियो सिनेमा, यूके में विशेष स्क्रीनिंग में प्रदर्शित की गई थी. 17-27 नवंबर, 2022 के दौरान लेस 3 कंटेंट्स, फ्रान्स में स्क्रीनिंग की गई. निदेशक सईद अख्तर मिर्ज़ा द्वारा नसीम (1995) को 14 सितंबर 2022 को शिर्न कुन्स्टहल्ले फ्रैंकफर्ट में प्रदर्शित किया गया था. निर्देशक पंकज पराशर द्वारा बनारसी जासूस (2019), बाल चित्र समिति की फिल्म 9-15 नवंबर, 2022 को बॉलीवुड फेस्टिवल, नॉर्वे में प्रदर्शित की गई थी . निदेशक स्व. श्री सत्यजीत रे द्वारा पाथेर पांचाली (1955), 6 सितंबर 2022 को मुनीच स्टैड म्यूजियम, जर्मनी में प्रदर्शनी स्क्रीनिंग, फिल्म संग्रहालय में प्रदर्शित की गई . निदेशक सईद अख्तर मिर्ज़ा द्वारा अरविन्द देसाई की अजीब दास्तान (1978), 17-27 नवंबर, 2022 के दौरान लेस 3 कंटेंट्स, फ्रान्स में प्रदर्शित की गई .

बच्चों की फिल्म

गहरे और लंबे संबंधों के साथ, राज्य और जिला प्रशासन, जिला बाल संरक्षण इकाइयों, सरकारी पंजीकृत गैर सरकारी संगठनों, शैक्षिक उपग्रह चैनलों, नगर निगम वर्चुअल शैक्षिक स्टूडियो के अलावा बच्चों का सिनेमा स्कूली बच्चों को दिखाया जाता है और विशेष देखभाल के तहत बच्चों को जैसे कि अनाथालयों, आश्रय घरों, रिमांड होम, कैंसर से पीड़ित बच्चों की देखभाल केंद्रों, दिव्यांग बच्चों, एचआईवी संक्रमित बच्चों, विकलांग बच्चों आदि को मनोरंजन प्रदान करने में भी कामयाब हो रहे है.

वृत्तचित्र समारोह

मुंबई इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट एंड एनिमेशन फिल्म्स फेस्टिवल (एमआईएफएफ) फिल्म निर्माताओं, निर्माताओं, वितरकों, प्रदर्शकों और फिल्म समीक्षकों को दुनिया भर की सर्वश्रेष्ठ फिल्में देखने, विचारों और अवधारणाओं का आदान-प्रदान करने और बेहतर फिल्म संस्कृति के लिए नेटवर्क बनाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है. मिफ का 17 वां संस्करण 29 मई से 04 जून, 2022 तक फिल्म्स डिवीजन कॉम्प्लेक्स में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था.

फिल्म बाजार

फिल्म बाजार विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय और दक्षिण एशियाई फिल्म बिरादरी के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया एक मंच है तथा फिल्म बनाना, फिल्म निर्माण और वितरण के क्षेत्र में दक्षिण एशियाई सामग्री और प्रतिभा की खोज, समर्थन और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करता है. दुनिया भर के फिल्म खरीदारों और विक्रेताओं का एक अभिसरण बिंदु, फिल्म बाजार का उद्देश्य दक्षिण एशियाई क्षेत्र में विश्व सिनेमा की बिक्री को सुविधाजनक बनाना है.

ए. एनएफडीसी फिल्म बाजार और मार्चे डू फिल्म सहयोग

मार्शे डु फिल्म ने 'गोज़ टू कान्स' और 'को-प्रोडक्शन डे' के लिए 2021 की अपनी कार्यक्रम योजनाओं में भाग लेने के लिए एनएफडीसी से संपर्क किया था. यह उन फिल्म निर्माताओं के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करने के लिए था, जिन्होंने एनएफडीसी फिल्म बाजार ऑनलाइन 2020 के विशिष्ट वर्गों में क्रमशः वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब और सह-निर्माण बाजार में भाग लिया. इसलिए संबंध जारी रखने के लिए, एनएफडीसी ने एक बार फिर इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मार्शे डू फिल्म के साथ सहयोग किया. इस सहयोग ने दुनिया के सबसे बड़े फिल्म बाजार में भारतीय/दक्षिण एशियाई फिल्म निर्माताओं और उनकी चयनित परियोजनाओं की दृश्यता को अधिकतम किया.

गोज टू कान्स - मार्चे डु फिल्म प्रसिद्ध बाजारों/समारोहों को बिक्री एजेंटों, वितरकों या समारोह चयन की तलाश में मूल कार्य-प्रगति शीर्षकों के अपने चयन को प्रदर्शित करने की संभावना प्रदान करती है. एनएफडीसी फिल्म बाजार की वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब अपनी संरचना और सलाह के मामले में एक अनूठी लैब है जो वर्षों से फिल्म निर्माताओं की प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप विकसित हुई है. एनएफडीसी में प्रगति पर चल रही लैब वास्तव में व्यक्तिगत विशेषज्ञ प्रतिक्रिया और संपादन सलाह के माध्यम से फिल्म के अंतिम संपादन को आकार देती है. एनएफडीसी फिल्म बाजार ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब 2021 से 5 फिल्मों के पिच वीडियो प्रदर्शित किए. यह कार्यक्रम शनिवार, 21 मई 2022 को 16:30-18:30 तक चौथी मंजिल, पैलेस डेस फेस्टिवल्स, कान्स में

Under International Festival Screenings "Om Dar B Dar" (1955), Dir – Kamal Swaroop, was screened on 15th May, 2022 at special screening at Rio Cinema, UK. By SUPAKINO Ltd, London. Screened during 17-27 November, 2022 at Less 3 Contents, France. Naseem (1995) Dir – Saeed Akthar Mirza was screened on 14th September 2022 at the Schirn Kunsthalle Frankfurt. Banarasi Jasoos (2019), Dir – Pankuj Parashar a CFSI film was screened on 9-15th November, 2022 at Bollywood Festival, Norway. Pather Panchali (1955), Dir – Lt Shri Satyajit Ray, was screened on 6th September, 2022 at the Exhibition Screening, Film museum Im Munchner Stadmuseum, Germany. Arvind Desai ki Ajeeb Dastan (1978), Dir – Saeed Akthar Mirza, was Screened during 17-27 November, 2022 at Less 3 Contents, France.

Children Film

With deep and long linkages with State & District Administration, District Child Protection Units, Govt. Registered NGOs, Educational Satellite Channels, Municipal Virtual Educational Studio, to among other, Children's cinema is showcased its to school children and also managed to provide entertainment to children under special care i.e those in Orphanages, Shelter Homes, Remand Homes, Cancer-Stricken Children care centers, Divyang Children, HIV Transmitted Children, Differently-Abled Children etc.

Documentary Festival

The Mumbai International Documentary, Short and Animation Films Festival (MIFF) provides an unique opportunity to film makers, producers, distributors, exhibitors and film critics to watch best films from across the globe, exchange ideas and concepts and to network for better film culture. The 17th edition of MIFF was successfully held from 29th May to 04th June, 2022 at Films Division Complex.

Film Bazar

Film Bazaar is a platform exclusively created to encourage collaboration between the international and South Asian film fraternity and focuses on discovering, supporting and showcasing South Asian content and talent, in the realm of filmmaking, production and distribution. A converging point for film buyers and sellers from all over the world, the Bazaar aims at facilitating sales of world cinema in the South Asian region.

A. NFDC Film Bazaar and Marché du Film Collaboration

Marché du Film which was organized on ground had approached NFDC to participate in their 2022 Program 'GOES TO CANNES' and 'CO-PRODUCTION DAY'. This was to provide a wider platform for the filmmakers who participated in the specific sections of NFDC Film Bazaar Online 2021, namely Work-in-Progress Lab and Co-Production Market respectively. Hence, to continue the relationship, NFDC collaborated with Marché du Film once again to participates in these programs. This collaboration maximized the visibility of Indian/South Asian filmmakers and their selected projects at the biggest film market in the world.

GOES TO CANNES – The Marché du Film offers renowned markets/festivals the possibility to showcase their selection of original work-in-progress titles looking for sales agents, distributors or festival selection. The Work-in-progress Lab of NFDC Film Bazaar is a unique lab in terms of its structure and mentoring which has evolved as a result of feedback from filmmakers over the years. Work-in-progress Lab at NFDC actually shapes the final edit of the film through personalized expert feedback and editing mentoring. NFDC Film Bazaar participated in this programme and showcased the pitch videos of 5 films from the Work-in-Progress Lab 2021. This programme was held on Saturday, May 21, 2022 from 16:30-18:30 at 4th

आयोजित किया गया था तथा इसे ऑनलाइन प्रतिभागी के लिए ऑनलाइन स्ट्रीम भी किया गया था.

को-प्रोडक्शन मार्केट – को–प्रोडक्शन मार्केट का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सह-निर्माण के अवसरों को बढ़ाने के लिए फिल्म व्यावसायिकों को आमंत्रित करना है. 2022 संस्करण में 11 देशों - ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, जापान, मलेशिया, स्पेन, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत की 14 भाषाओं में कुल 20 परियोजनाओं को ऑनलाइन संस्करण में अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत करने के लिए चुना गया था. इस साल भारत और स्पेन के बीच को- प्रोडक्शन संधि के तहत पहली बार ला प्रिंसेस डी कपूरथला (द प्रिंसेस ऑफ कपूरथला) वेबसीरीज को फिल्म बाजार में प्रस्तुत करने और पेश करने के लिए आमंत्रित किया गया था.

वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब – डब्ल्यूआईपी लैब चयनित फिल्म निर्माताओं को अपनी फिल्म के रफ कट को अंतरराष्ट्रीय सलाहकारों के एक प्रतिष्ठित पैनल में प्रदर्शित करने का मौका देती है, जिसमें फिल्म फेस्टिवल निर्देशक, फिल्म समीक्षक, निर्माता और संपादक शामिल हैं. ये सलाहकार फिल्म निर्माता को फिल्म के अंतिम कट को हासिल करने में मदद करने के उद्देश्य से संपादन पर बहुमूल्य प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं.

व्यूइंग रूम – व्यूइंग रूम (वीआर) एक वीडियो लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म है, जो फिनिशिंग फंड, विश्व बिक्री, संभावित वितरण भागीदारों और फिल्म समारोहों की यात्रा की तलाश वाली फिल्मों को प्रदर्शित करता है. व्यूइंग रूम में 6 देशों की 33 भाषाओं की 250 फिल्में प्रस्तुत की गई. 170 फ़िल्में फ़ीचर लेंथ फ़िल्में हैं और 104 डेब्यू फ़ीचर फ़िल्में हैं. विश्व प्रीमियर की प्रतीक्षा में 179 फ़िल्में, जो दुनिया भर के फ़िल्म समारोहों के लिए फ़िल्मों की एक बड़ी पसंद थीं, और प्रस्तुत की गई फ़िल्मों में 33 बोली जाने वाली भाषाएँ थीं. इस वर्ष व्यूइंग रूम में फिल्म में प्रदर्शित कुछ दुर्लभ भाषाएँ कोडवा, कुल्लवी, तांगखुल, संथाली, बोडो और चटगांवियन थीं. इस वर्ष दर्शक कक्ष में पुनर्स्थापित फिल्मों के लिए नया अनुभाग भी शामिल किया गया है.

इंडस्ट्री स्क्रीनिंग - इंडस्ट्री स्क्रीनिंग फिल्म बाजार का एक मंच है जो फिल्म निर्माताओं/निर्माताओं को बाजार में आने वाले अंतरराष्ट्रीय बिक्री एजेंटों, वितरकों, फिल्म समारोह प्रोग्रामरों के चुनिंदा दर्शकों को अपनी तैयार फिल्में दिखाने का अवसर देता है. कुल 45 फिल्में प्रदर्शित की गई, जिनमें 7 लघु फिल्में, 2 डॉक्यूमेंट्री फिल्में, 3 एनिमेशन फिल्में और 1 मूक फिल्म सहित 36 फिक्शन फीचर फिल्में शामिल हैं.

नॉलेज सीरिज – नॉलेज सीरिज में फिल्म उद्योग के प्रमुख निर्णायकों और बाजार संचालकों के साथ विशेष रूप से क्यूरेटेड प्रस्तुतियां, व्याख्यान और पैनल चर्चाएं शामिल हैं. बाज़ार के 4 दिनों के दौरान कुल 26 सत्र आयोजित किये गये.

बॉक्स ऑफिस पर बुक – इस साल, पहली बार, फिल्म बाज़ार ने पुस्तक अनुकूलन पर एक कार्यक्रम पेश किया, जहां भारत के शीर्ष प्रकाशकों ने अपनी पुस्तकों का चयन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध निर्माताओं, ओटीटी प्लेटफार्मों के प्रतिनिधियों, बिक्री एजेंटों और दुनिया भर से बाजार में आने वाले वितरकों के सामने पेश किया. कुल 21 प्रकाशन गृह, 2 साहित्यिक एजेंसियां, 4 लेखक संभावित खरीदारों और निर्माताओं के सामने अपनी किताबें पेश करते हैं. बॉक्स ऑफिस पर इस नई वर्टिकल बुक का उद्देश्य भारतीय प्रकाशन गृहों/साहित्यिक एजेंसियों/लेखकों को फिल्म बाजार 2022 में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों से संभावित खरीदारों के साथ नेटवर्क बनाने में मदद करने के लिए एक मंच देना था.

प्रोड्यूसर्स वर्कशॉप – प्रोड्यूसर्स वर्कशॉप को फिल्म निर्माण के सभी रूपों में अधिक समावेशी बनाने के लिए फिर से तैयार किया गया था. हमारे पास इंडी फीचर, स्टूडियो प्रोडक्शन्स और फिल्म निर्माण के एपिसोडिक प्रारूपों पर विशेष सत्र थे. इस वर्ष की कार्यशाला में विभिन्न पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व करने वाले 26 प्रतिभागी शामिल थे. कार्यक्रम ने विशिष्ट समूह-आधारित सलाहकार समर्थन के प्रारूप को आगे बढ़ाया. कार्यशाला के पांच दिनों के गहन मास्टर क्लासेस, कार्यशालाओं, केस स्टडीज के प्रदर्शन और यहां तक कि एक-एक मार्गदर्शन देने वाले पोस्ट सत्रों के साथ प्रोग्राम किया गया था.

स्क्रिन राइटर्स लैब – 2007 में शुरू की गई एनएफडीसी लैब्स की स्थापना भारतीय फिल्म निर्माताओं के लिए व्यावसायिक विकास की एक रूपरेखा प्रदान करने के लिए की गई है जो पहले से ही कार्य क्षेत्र में स्थापित हैं या फिल्म और/

Floor, Palais des Festivals, Cannes and it was also streamed online for the online participant.

Co-Production Market – The Co-Production Market aimed to bring film professionals to enhance opportunities for international co-productions. In the 2022 edition a total of 20 projects in 14 languages from 11 countries – Australia, France, Germany, Japan, Malaysia, Spain, United Kingdom, United states of America and India were selected to present their projects at the online edition. This year for the first time under the Co-production treaty between India & Spain La Princess De Kapurthala (The Princess of Kapurthala) webseries was invited to present & pitch at Film Bazaar.

Work-in-Progress Lab – The Lab gave selected 5 filmmakers a chance to screen the rough cut of their film to an eminent panel of international advisors, which include a film festival director, a film critic, producers and editors. These advisors provided valuable feedback on the edit with aim of helping the filmmaker achieve an accomplished final cut of the films.

Viewing Room – The Viewing Room (VR) is a video library platform to showcase films seeking finishing funds, world sales, potential distribution partners and looking to travel to film festivals. 250 films in 33 language from 6 countries were presented at Viewing Room. 170 films are Feature length films and 104 are Debut features. 179 films Awaiting a World Premiere which was a huge choice of films for film festivals worldwide, and 33 spoken languages of the films that were presented. Some of the rare languages showcased in the film in Viewing Room this year were Kodava, Kullvi, Tangkhul, Santhali, Bodo and Chittagonian. This year viewing room also included new section for Restored films.

Industry Screenings – Industry Screenings is a platform at Film Bazaar that gives an opportunity to filmmakers/producers to showcase their finished films to a select audience of international sales agents, distributors, film festival programmers attending the market. Total of 45 films which includes 7 short films, 2 documentary films, 36 fiction feature films including 3 animation films and 1 silent film were screened.

Knowledge Series – Knowledge Series consists of specially curated presentations, lectures and panel discussions with key decision-makers and market drivers of the film industry. Total of 26 session were held during the 4 days of the Bazaar.

Book to Box office – This year, for the first time, Film Bazaar introduced a programme on Book Adaptation where top publishers from India pitched a selection of their books to the internationally renowned producers, representatives of OTT platforms, sales agents and distributors from around the world attending the market. Total of 21 Publication house, 2 Literary Agencies, 4 authors pitch their books to the potential buyers and producers. The aim of this new vertical Book to Box Office was to give a platform to Indian Publishing houses/Literary agencies/ Authors to help them network with potential buyers from the delegates who participated at Film Bazaar 2022.

Producers' Workshop - Producers' Workshop was remodeled to be more inclusive to all forms of film production. We had exclusive sessions on indie features, studio productions and episodic formats of film production. This year's workshop included 26 participants representing varied backgrounds. The program carried forward the format of exclusive group-based mentor support. The five days of the workshop were programmed with intensive master classes, workshops, demonstration of case studies and even one-on-one mentoring post sessions.

Screenwriters' Lab – NFDC LABS, started in 2007, has been established to provide a framework of professional development for Indian filmmakers already established in the work field or developing their careers following Film and/or Media studies.

या मीडिया अध्ययन के बाद अपने करियर का विकास कर रहे हैं. एनएफडीसी लैब्स परियोजना-आधारित कार्यशालाओं, प्रयोगशालाओं और मास्टर-क्लासों के माध्यम से प्रतिभाशाली लेखकों और निर्देशकों के कामकाजी अभ्यास को गहरा और बढ़ाने का प्रयास करती है. विभिन्न चरणों में स्क्रिप्ट के विकास के लिए प्रयोगशालाएँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित उद्योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में हैं. एनएफडीसी लैब्स स्थापित और उभरते भारतीय फिल्म निर्माताओं दोनों के लिए व्यावसायिक विकास की एक रूपरेखा प्रदान करती है. पटकथा विकास लैब्स को 3 भाग के सत्र में व्यवस्थित और सावधानीपूर्वक संकलित किया जाता है, जो किसी प्रोजेक्ट के समग्र रचनात्मक स्क्रिप्ट विकास के लिए एक स्वस्थ गर्भधारण अवधि की अनुमति देने के लिए पांच महीने की अवधि में फैला हुआ है. प्रत्येक सत्र एक सप्ताह की अवधि का होता है, जहां प्रतिभागियों को समूह चर्चा के साथ-साथ सलाहकारों के साथ एक-पर-एक सत्र में अपनी स्क्रिप्ट पर चर्चा करने का मौका मिलता है. कुछ पटकथाएं जो शुरुआत से ही प्रयोगशाला में विकसित की गई और सफल फिल्मों में बनीं, जैसे द लंचबॉक्स, दम लगा के हईशा, तितली, लिपस्टिक अंडर माई बुर्का, द गुड रोड, चौरंगा, आइलैंड सिटी, फायर इन द माउंटेंस, इन द बेली ऑफ ए टाइगर, रुज, गोस कोटा मनुह (द वुडकटर) आदि.

(iii) अवसर, खतरे और दृष्टिकोण: सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने दिनांक 5 जनवरी 2021 के का.ज्ञा. संख्या एम-14011/2/2020- डीओ (एफए) के माध्यम से सूचित किया था कि कैबिनेट की 23 दिसंबर 2020 तारीख को हुई बैठक में में चार फिल्म मीडिया इकाइयों – फिल्म प्रभाग, बाल चित्र समिति, भारत राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, भारत और फिल्म समारोह निदेशालय को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड के साथ विलय करने का निर्णय लिया गया है. कंपनी विलय के बाद संक्रमण चरण में है और अवसरों की तलाश कर रही है तथा खुद को विकसित कर रही है. (सभी चार निकायों की) गतिविधियों और संसाधनों का उचित अभिसरण बेहतर तालमेल प्रदान कर रहा है और इससे भारतीय फिल्म उद्योग का संतुलित विकास होगा जिसमें ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफार्मों के लिए सामग्री, बच्चों की सामग्री, एनीमेशन, लघु फिल्में, वृत्तचित्र सहित फीचर फिल्में एक एकल संगठन द्वारा बनाई जाएंगी. एनएफडीसी एक व्यापक संगठन के रूप में काम करेगा, जिसका अर्थ यह होगा कि फिल्म विकास, निर्माण प्रचार और फिल्म सामग्री का संरक्षण सभी एक ही प्रबंधन के अंतर्गत आएंगे. इससे श्रमशक्ति की भागीदारी, परिचालन व्यय और वित्तीय बर्बादी भी बचेगी. विलय डिजिटल माध्यमों का दोहन करने, लाभप्रदता बढ़ाने और फिल्म और टीवी पेशेवरों का उपयोग करने पर केंद्रित है. राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के तहत बेहतर संग्रह, महत्वपूर्ण फिल्म समारोहों में अधिक दृश्यता जैसे लंबे समय से लंबित मुद्दे केंद्र में आ गए हैं. विलय ने लाभप्रदता और डिलिवरेबल्स द्वारा निर्देशित विकास पथ को बढ़ाया जो कंपनी की बैलेंस शीट में प्रतिबिंबित होता है. अब, एनएफडीसी सभी इकाइयों की मौजूदा संपत्तियों और बुनियादी ढांचे का मुद्रीकरण कर सकता है और विस्तारित परिसंपत्ति आधार के साथ, एनएफडीसी एक मजबूत संस्थान के रूप में उभरा है जो अब तक की तुलना में सामग्री निर्माण में निर्णय ले सकता है. संरक्षण शाखा में किए जा रहे संग्रहण और पुनर्स्थापन को बढ़ावा मिला है क्योंकि एनएफडीसी के पास चित्र और ध्वनि पुनर्स्थापन के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया है, जिसके परिणामस्वरूप मानकों में एकरूपता आती है. सभी पांच संस्थानों द्वारा आयोजित समारोहों/बाजारों को अब एक ही टीम द्वारा नियंत्रित किया जाता है जो ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए आवश्यक विशिष्ट कौशल सेट से सुसज्जित है.

कंपनी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र, क्षेत्रीय फिल्मों, बच्चों की फिल्मों और वृत्तचित्र की प्रतिभा का उपयोग करने की दिशा में अपने प्रयासों को निर्देशित किया है जिसके परिणामस्वरूप विशेष प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है. पूर्वोत्तर क्षेत्र से फीचर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री और एनिमेटेड फिल्मों की कुल 15 फिल्मों को निर्माण के लिए मंजूरी दी गई है. मंत्रालय ने इन फिल्मों के निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए एक बजट आवंटित किया है. फिल्म प्रभाग, बाल चित्र समिति, भारत के विलय के बाद, एनएफडीसी ने क्षेत्रीय फिल्मों और पूर्वोत्तर भाषा की फिल्मों के निर्माण के अलावा बाल फिल्म, वृत्तचित्र का निर्माण भी शुरू कर दिया है. इसके अलावा, एनएफडीसी एनिमेटेड फिल्मों और महत्वपूर्ण वीएफएक्स, ग्राफिक्स, एनीमेशन प्रभाव (एवीजीसी) को शामिल करने वाली परियोजनाओं के निर्माण पर जोर देगा. भारत गणराज्य और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश के बीच ऑडियो विजुअल सह-

NFDC Labs seeks to deepen and enhance the working practice of talented writers and directors, through project-based workshops, labs, and master-classes. The labs are under the mentorship of Internationally acclaimed Industry experts for the development of scripts at different stages. NFDC Labs provides a framework of professional development for both established and emerging Indian filmmakers. The Script Development Labs are organized and carefully compiled in a 3 part session, spread over a period of five months to allow a healthy gestation period for the overall creative script development of a project. Each session is of one week duration, where participants get to discuss their scripts over group discussions as well as one-on-one sessions with the mentors. Some of the scripts that were developed at the lab since its inception and got made into successful films are The Lunchbox, Dum Laga Ke Haisha, Titli, Lipstick Under My Burkha, The Good Road, Chauranga, Island City, Fire in the Mountains, In the Belly of a Tiger, Ruj, Gos Kota Manuh (The Woodcutter) etc.

(iii) Opportunities, Threats and Outlook – The Ministry of Information & Broadcasting vide its Office Memorandum No.M-14011/2/2020-DO(FA) dated 5th January 2021 had informed that the Cabinet in the meeting held on 23rd December 2020 has decided to merge four Film Media Units namely- Films Division, Children's Film Society of India, National Film Archive of India and Directorate of Film Festivals with National Film Development Corporation Ltd. Your Company is in post-merger transition phase and is exploring the opportunities and evolving itself. Reasonable convergence of activities and resources (of all four bodies) is providing better synergy and will create balanced growth of Indian film industry, wherein feature films including content for over-the- top (OTT) platforms, children's content, animation, short films and documentaries, will be made by a singular organisation. NFDC will work as an umbrella organisation, which will mean that film development, production, promotion and preservation of filmic content will all come under single management. This will save manpower engagement, operational expenditure and also financial wastage. The merger focuses on tapping into digital mediums, enhancing profitability and utilising film and TV professionals. Long pending issues like better archiving under the National Film Archives, greater visibility at important film festivals, have taken center stage. The merger enhanced growth trajectory guided by profitability and deliverables that reflects in the balance sheet of the company. Now, NFDC can monetize the existing assets and infrastructure of all the units and with an expanded asset base, NFDC has emerged as stronger institution which can take decisions in content creation than it has hitherto. Archiving and restoration being done in Preservation arm has received boost as NFDC has a laid-out process for picture and sound restoration, resulting in uniformity of standards. Festivals/markets held by all the five institutions are now be handled by a single team equipped with the specific skill sets required to organize such events.

Your Company has directed its efforts towards harnessing the talent of North East region, Regional Films, Children films and documentary resulting in an exceptional response. A total of 15 Films spanning across Feature Films, Documentary and Animated films have been granted approval for production from NE region. Ministry has allocated a budget to facilitate the production of these Films. Post-merger of Films Division, Children Film Society India, NFDC has commenced producing Children's Film, Documentary apart from producing Regional Films and North Eastern language films. Moreover, NFDC will emphasize the production of Animated films, and projects that incorporates significant VFX, Graphics, Animation effects (AVGC). Film Mujib - The making of A Nation an Indo Bangladesh Coproduction on the life of Sheikh Mujibur Rahman, the father of the nation of

निर्माण समझौते के तहत बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर रहमान के जीवन पर मुजीब – द मेकिंग ऑफ अ नेशन इंडो बांग्लादेश सह-निर्माण फिल्म है. एनएफडीसी और बीएफडीसी कार्यकारी निर्माता हैं. फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर श्री श्याम बेनेगल कर रहे हैं. फिल्म मुजिब की शूटिंग पूरी हो चुकी है और बांग्लादेश में सेंसर हो चुकी है.

एकेएएम डॉक्यूमेंट्री फिल्म "ब्रेकिंग द फोर्थ वॉल" समझौते पर सह-निर्माताओं (एनएफडीसी और चंद्रशीला आर्ट्स) द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं और शूटिंग भी शुरू हो गई है.

एकेएएम एनिमेटेड सीरीज फिल्म "भारती और बेबो" की शूटिंग भी 2023 में शुरू हो गई है. हिंदी एनीमेशन सीरीज "भारती और बेबो" (भारती एंड हर मैजिकल वॉर्म) का पहला एपिसोड लक्ष्मी बाई रेडी हुआ है.

(iv) खंड के अनुसार प्रदर्शन – कमीशण्ड निर्माण राजस्व का प्रमुख योगदानकर्ता रहा है, जिसने 4075 लाख रुपये का योगदान दिया है, इसके बाद आईएफएफआई ने 1813 रुपये का योगदान दिया है और फेस्टिवल वर्टिकल ने 1549 लाख रुपये का योगदान दिया है, मीडिया अभियान वर्टिकल ने 1195 लाख रुपये का योगदान दिया है और सोशल मीडिया ने 718 लाख रुपये का योगदान दिया.

(v) जोखिम प्रबंधन – कंपनी के व्यवसाय का मुख्य क्षेत्र फिल्म निर्माण है और समय के साथ कंपनी ने डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और कमीशन प्रोडक्शन आदि में अपना ध्यान केंद्रित किया है.

(vi) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता: कंपनी ने आंतरिक लेखापरीक्षा गतिविधियों को पूरा करने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट की एक फर्म को आंतरिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया है. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रक्रिया को कंपनी के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करने वाले सिस्टम में आंतरिक नियंत्रण जांच की पर्याप्तता की समीक्षा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है. कंपनी की एक ऑडिट समिति है जो आंतरिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की समीक्षा भी करती है.

(vii) परिचालन प्रदर्शन के संबंध में वित्तीय प्रदर्शन पर चर्चा : कंपनी को पिछले वर्ष के 673.99 लाख रुपये के नुकसान की तुलना में 185 लाख रुपये की हानि हुई है.

(viii) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 198 के अनुसार शुद्ध लाभ 149 लाख रुपये है और पिछले वर्ष में शुद्ध हानि 722 लाख रुपये की तुलना में है. पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ को देखते हुए 183 लाख रुपये की हानि हुई है अत: वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान आवश्यक सीएसआर व्यय न होने के कारण, कंपनी को सीएसआर गतिविधियों पर खर्च करने की आवश्यकता नहीं है.

निदेशक मंडल की ओर से

	पृथुल कुमार	जयंत सिन्हा
स्थान – मुंबई	प्रबंध निदेशक	निदेशक
दिनांक – 03.11.2023	DIN No. 07792778	DIN No. 09329500

Bangladesh, under Audio Visual Co-Production agreement between the Republic of India and the People's Republic of Bangladesh. NFDC and BFDC are the Executive Producers. The film is being directed by eminent Director Shri Shyam Benegal. The shooting of the film MUJIB is completed and censored in Bangladesh.

The AKAM Documentary film "Breaking the Fourth Wall" agreement has been signed by Co-Producers (NFDC AND CHANDRASHEELA ARTS) and the shooting is also started.

AKAM Animated Series Film "Bharti aur Bibo" is also started the shooting in 2023. The Pilot episode of Hindi Animation Series "Bharti Aur Bibo" (Bharti and her Magical Worm) on Laxmi Bai is ready.

(iv) Segment wise performance – The commissioned production has been the major contributor of the revenue, contributing ₹ 4075 Lakhs followed by IFFI contributing 1813 and Festival vertical contributing ₹ 1549 Lakhs, Media Campaign vertical contributing ₹ 1195 Lakhs and Social Media contributing ₹ 718 Lakhs.

(v) Risks Management – The Company's core area of business is film production and over the period company has diversified its focus into Digital and Social Media Platform and Commission Production etc.

(vi) Internal Control System and their Adequacy – The Company has appointed a firm of Chartered Accountants as Internal Auditor to carry out the Internal Audit activities. Internal Audit process is designed to review the adequacy of internal control checks in the systems covering all significant area of the company. Company has an audit committee which also reviews the report of internal auditors.

(vii) Discussion on financial performance with respect to operational performance – The Company has earned profit of ₹ 185 Lakhs in comparison to loss of ₹ 673.99 Lakhs in the previous year.

(viii) Corporate Social Responsibility – The Net Profit as per Sec 198 of the Companies Act, 2013 for FY 2022-23 is ₹ 149 Lakhs and compared to Net Loss ₹ 722 Lakhs in the previous year. In view of the average Net Profit for the last three years is Loss of ₹ 183 Lakhs and therefore the required CSR expenditure during FY 2022-23 is negative, company is not required to spend on CSR activities.

For and on behalf of the Board of Directors

	Prithul Kuma	Jayant Sinha
Place – Mumbai	Managing Director	Director
Date – 03.11.2023	DIN No. 07792778	DIN No. 09329500

कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रमाणपत्र

सेवा में,
सदस्यगण
राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड

हमने 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिये राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (द कंपनी) के कॉर्पोरेट गवर्नेंस की उन शर्तों के अनुपालन संबंधी वक्तव्यों की जांच की है जिनकी अपेक्षा सार्वजनिक उपक्रम विभाग के सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज (सीपीएसई) द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस के दिशा निर्देशों के अंतर्गत की जाती है.

कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन कंपनी के प्रबंधन का दायित्व है. हमारे द्वारा किया गया परीक्षण कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन के लिये अपनाये गये तरीकों और उन्हें लागू करने की समीक्षा तक सीमित है. यह न तो लेखा परीक्षण है और न ही कंपनी की वित्तीय स्थिति के प्रति प्रकट की गयी राय है.

हमारी राय, हमें प्रदान की गई सूचनाओं और स्पष्टीकरणों के आधार पर हम यह प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने उन कॉर्पोरेट गवर्नेंस की उन शर्तों को पूरा किया है, जिनकी अपेक्षा सार्वजनिक उपक्रम विभाग के सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज (सीपीएसई) द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस के दिशा निर्देशों के अंतर्गत की जाती है. निम्नलिखित मामले को छोड़कर –

1. 31-मार्च-2023 को निदेशक मंडल की संरचना में केवल 2 सरकारी नामित निदेशक शामिल थे और निदेशक मंडल में कोई स्वतंत्र निदेशक नहीं थे.

2. वित्तीय वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में निदेशक मंडल की बैठक आयोजित नहीं की गई अर्थात वित्तीय वर्ष 2022-23 की अंतिम बोर्ड बैठक 19-दिसंबर-2022 को आयोजित की गई जिसके परिणामस्वरूप 90 दिनों से अधिक कालावधि का अंतर हुआ.

3. स्वतंत्र निदेशकों और बोर्ड में पर्याप्त संख्या में अन्य निदेशकों की अनुपस्थिति के कारण अनिवार्य समितियों जैसे लेखापरीक्षा समिति और पारिश्रमिक समिति में 26-फरवरी-2023 से केवल एक सदस्य थे इसलिए ये समितियां उपरोक्त तिथि से स्वचालित रूप से विलीन हो जाती हैं.

सी.बी.छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
(फर्म का रजिस्ट्रेशन नंबर – एफआरएन 101796W)

सी.पी.भाटिया
{साझेदार}
सदस्यता सं. 045210
UDIN – 23045210BGWSZT7336

स्थान – मुंबई
दिनांक – 05.10.2023

Corporate Governance Certificate

To
The Members,
National Film Development Corporation Limited

We have examined the compliance of conditions of Corporate Governance by National Film Development Corporation Limited (the "Company"), for the year ended March 31, 2023 as stipulated in Guidelines on Corporate Governance issued by Department of Public Enterprises for Central Public Sector Enterprises (CPSEs).

The compliance of conditions of Corporate Governance is the responsibility of the management. Our examination has been limited to review of the procedures and implementation thereof, adopted by the Company, for ensuring the compliance with the conditions of Corporate Governance. It is neither an audit nor an expression of opinion of financial statements of the Company.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanation given to us, we certify that the Company has complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated in Guidelines on Corporate Governance issued by Department of Public Enterprises for Central Public Sector Enterprises (CPSEs) except in the following case –

1. The Composition of Board as on 31-March-2023 consisted of only 2 Government nominee directors and there were no independent directors on Board.

2. Board meeting was not held in the 4th quarter of the financial year 2022-23 i.e. last board meeting of financial year 2022-23 was held on 19-December-2022 resulting in time gap of more than 90 days.

3. Due to absence of independence directors and sufficient number of other directors on board, the mandatory committees viz. Audit Committee and Remuneration Committee were having only one member w.e.f. 26-February-2023 and thus these committees automatically stands dissolved- from the aforesaid date.

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
(Firm Regn No : 101796W)

C. P. Bhatia
{Partner}
Membership No : 045210
UDIN –
23045210BGWSZT7336

Place – Mumbai
Dated – 05.10.2023

आचार संहिता प्रमाणपत्र – आचार संहिता-अनुपालन पुष्टीकरण

यह पुष्टि की जाती है कि राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड ने बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों के लिए एनएफडीसी लिमिटेड की व्यावसायिक आचरण और नैतिक संहिता निर्धारित की है और कोड कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है. बोर्ड और वरिष्ठ प्रबंधन ने 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए उक्त संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है.

निदेशक मंडल की ओर से

स्थान – मुंबई
दिनांक – 25.08.2023

पृथुल कुमार
प्रबंध निदेशक
डीआईएन संख्या 07792778

Code of Conduct – Compliance Affirmation

This is to confirm that National Film Development Corporation Limited has laid down a NFDC Ltd. Code of Business Conduct and Ethics for Board Members and Senior Management Officers and the code is posted on the company website. The board and Senior Management have affirmed compliance with the said Code for the financial year ended 31st March, 2023.

For and on behalf of the Board of Directors

Place – Mumbai
Date – 25.08.2023

Prithul Kumar
Managing Director
DIN No. 07792778

दिनांक 31 मार्च 2023 का तुलन पत्र
Balance Sheet as on 31st March 2023

₹ लाखो में / ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	टिप्पणी Notes	31.03.2023 को As at 31.03.2023	31.03.2022 को As at 31.03.2022
इक्विटी और देयताएं	**Equity And Liabilities**			
अंशधारकों की निधि	**Shareholders' Funds**			
(क) अंश पूंजी	(a) Share Capital	3	4,539.99	4,539.99
(ख) संचय एवं अधिशेष	(b) Reserves and Surplus	4	(1,863.08)	(2,364.37)
गैर चालू देयताएं	**Non-Current Liabilities**			
(क) अन्य दीर्घकालिक देयताएं	(a) Other Long-Term Liabilities	5	8,065.12	2,676.09
(ख) दीर्घकालिक प्रावधान	(b) Long-Term Provisions	6	798.03	765.51
चालू देयताएं	**Current Liabilities**			
(क) व्यापारिक देय	(a) Trade Payables	7		
सूक्ष्म उद्यम और लघू उद्यम का कुल बकाया	total outstanding dues of micro enterprises and small enterprises		1,484.78	1,365.00
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों की	total outstanding dues of creditors other than micro enterprises			
कुल बकाया राशि	and small enterprises		3,481.33	3,670.45
(ख) अन्य चालू देयताएं	(b) Other Current Liabilities	8	7,025.90	6,008.37
(ग) अल्पकालिक प्रावधान	(c) Short-Term Provisions	9	156.46	146.74
कुल	**Total**		**23,688.53**	**16,807.78**
परिसम्पत्तियां	**Assets**			
गैर चालू परिसम्पत्तियां	**Non-Current Assets**			
(क) सम्पत्ति, संयंत्र, उपकरण और अवास्तविक परिसम्पत्तियां	(a) Property, Plant and Equipment and Intangible assets			
सम्पत्ति, संयंत्र और उपकरण	Property, Plant and Equipment	10	267.38	289.70
अवास्तविक परिसम्पत्तियां	Intangible Assets		5.59	4.72
पूंजीगत कार्य जारी	Capital Work-in-Progress		–	–
विकास के तहत अवास्तविक परिसम्पत्तियां	Intangible assets under development		–	2.21
(ख) आस्थगित कर परिसम्पत्तियां	(b) Deferred Tax Asset		1,295.96	981.64
(ग) दीर्घकालिक ऋण एवं अग्रिम	(c) Long-Term Loans and Advances	11	–	–
(घ) अन्य गैर - चालू परिसम्पत्तियां	(d) Other Non Current Assets	12	112.02	117.58
चालू परिसम्पत्तियां	**Current Assets**			
(क) सम्पत्ति सूची	(a) Inventories	13	–	0.33
(ख) व्यापारिक प्राप्तियाँ	(b) Trade Receivables	14	6,998.71	6,240.51
(ग) रोकड़ और बैंक शेष	(c) Cash and Bank Balances	15	7,368.24	2,856.53
(घ) अल्पकालिक ऋण एवं अग्रिम	(d) Short-Term Loans and Advances	16	7,585.08	6,292.40
(ड़) अन्य चालू परिसम्पत्तियां	(e) Other Current Assets	17	55.55	22.16
कुल	**Total**		**23,688.53**	**16,807.78**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	2		

टिप्पणी संख्या 1 से 59 तक वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग है
समदिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
निदेशक मंडल की ओर से

Notes 1 to 59 are integral part of Financial Statement
As per our report of even date
For and on behalf of Board of Directors

सी.बी.छाजेड़ एंड कं की ओर से
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
(एफआरएन 101796W)

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
(FRN 101796W)

पृथुल कुमार
प्रबंध निदेशक
डीआईएन नं 07792778

Prithul Kumar
Managing Director
DIN No. – 07792778

सी.पी. भाटिया
पार्टनर
एम. नं. 045210
UDIN – 21045210AAAAFI2115

(C. P. Bhatia)
Partner
M.No. 045210

जयंत सिन्हा
निदेशक
डीआईएन नं 09329500

Jayant Sinha
Director
DIN No. – 09329500

सुमोना मजूमदार
कम्पनी सचिव
स.क्र. एफसीएस 8043

Sumona Majumdar
Company Secretary
M.No. FCS 8043

स्थान – मुम्बई
दिनांक – 28.08.2023

Place – Mumbai
Dated – 28.08.2023

दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष का लाभ एवं हानि का विवरण
Statement of Profit and Loss for the year ended 31st March 2023

₹ लाखो में ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	Notes	Year 2022-23	Year 2021-22
आय	**Income**			
प्रचलन से आय	Revenue from Operations	18	11,539.93	6,887.02
अन्य आय	Other Income	19	483.75	392.55
कुल	**Total Income**		**12,023.68**	**7,279.57**
व्यय	**Expenses**			
प्रचलित व्यय	Operating Expenditure	20	10,055.00	6,231.11
सम्पत्ति सूची में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Inventory	21	0.33	12.15
कार्मिक लाभ व्यय	Employee Benefits Expenses	22	822.95	828.21
अन्य व्यय	Other Expenses	23	911.74	820.00
मूल्य -हास एवं परिशोधन	Depreciation and Amortisation		48.35	62.09
कुल व्यय	**Total Expenses**		**11,838.37**	**7,953.56**
असाधारण मदों के पूर्व लाभ/(हानि)	**Profit/(Loss) Before Exceptional Items**		**185.31**	**(673.99)**
घटाइये – असाधारण मदें	Less – Exceptional items		–	–
कर पूर्व लाभ/(हानि)	Profit/(Loss) Before Tax		185.31	(673.99)
घटाईये – कर व्यय	Less – Tax Expense			
चालू कर	Current Tax		–	–
घटाईये – आस्थगित कर	Add – Deferred Tax		314.32	–
जोडिए – पूर्व वर्ष के अतिरिक्त आयकर/मॅट प्रावधानों वापिस	Add – Excess Income Tax/MAT Provision of earlier year written back		1.66	–
कर पश्चात लाभ/(हानि)	**Profit/(Loss) After Tax**		**501.29**	**(673.99)**
प्रति इक्विटी शेयर आय –	Earnings Per Equity Share –			
(1) मूल	(1) Basic		11.10	(14.85)
(2) तनुकृत	(2) Diluted		11.10	(14.85)
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	2		

टिप्पणी संख्या 1 से 59 तक वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग है
समदिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
निदेशक मंडल की ओर से

Notes 1 to 59 are integral part of Financial Statement
As per our report of even date
For and on behalf of Board of Directors

सी.बी.छाजेड़ एंड कं की ओर से
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
(एफआरएन 101796W)

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
(FRN 101796W)

पृथुल कुमार
प्रबंध निदेशक
डीआईएन नं 07792778

Prithul Kumar
Managing Director
DIN No. – 07792778

सी.पी. भाटिया
पार्टनर
एम. नं. 045210

(C. P. Bhatia)
Partner
M.No. 045210

UDIN – 21045210AAAAFI2115

जयंत सिन्हा
निदेशक
डीआईएन नं 09329500

Jayant Sinha
Director
DIN No. – 09329500

सुमोना मजूमदार
कम्पनी सचिव
स.क्र. एफसीएस 8043

Sumona Majumdar
Company Secretary
M.No. FCS 8043

स्थान – मुम्बई
दिनांक – 28.08.2023

Place – Mumbai
Dated – 28.08.2023

दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष का रोकड़ प्रवाह का विवरण
Cash Flow Statement for the year ended 31st March, 2023

₹ लाखो में ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	Year 2022-23	Year 2021-22
प्रचलन गतिविधियों में रोकड़ प्रवाह	**I. Cash Flows From Operating Activities**		
कराधान के पहले शुध्द लाभ	**Net Profit Before Taxation**	185.31	-673.99
समंजन हेतु	Adjustments for		
सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की बिक्री पर हानि/(लाभ)	Loss/(Profit) on Sale of Property, Plant and Equipment	8.87	-0.06
मूल्य -हास और हानि	Depreciation & Impairment	48.35	62.10
संदिग्ध ऋणों/ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts/Loan/Advance	3.24	–
अशोध्य ऋण बट्टे खाते में	Bad Debts Written off	–	–
प्रावधान वापस	Provisions written back	–	–
जमा शेष वापिस	Credit Balance Written Back	-39.28	1.13
कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान	Provision for Employee Benefits	42.24	46.72
व्याज आय	Interest Income	-131.95	-90.56
व्याज व्यय	Interest Expenses	–	–
कुल (क)	**Total of (a)**	**-68.53**	**19.34**
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन के पहले प्रचलित रोकड़	Operating Cash Profit Before Working Capital Changes	116.78	-654.65
समंजन हेतु	Adjustments for		
सम्पत्ति सूची में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Inventories	0.33	12.15
विविध देनदारों में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Sundry Debtors	-761.44	-124.53
दीर्घ कालिक ऋण एवं अग्रिम में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Long Term Loans & Advances	–	–
अन्य चालू परिसम्पत्तियों में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Other Non Current Assets	5.56	-3.15
अल्पावधिक ऋण एवं अग्रिमों में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Short Term Loans & Advances	(1,184)	118.59
अन्य चालू परिसम्पत्तियों में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Other Current Assets	-33.39	6.80
विविध लेनदारों में (वृध्दि)/कमी	Increase/(Decrease) in Sundry Creditors	-30.06	5.16
दीर्घ कालिक देयताएं में वृध्दि/(कमी)	Increase/(Decrease) in Long Term Liabilities	5,389.03	-663.07
अल्पावधिक देयताएं में (वृध्दि)/कमी	Increase/(Decrease) in Short Term Liabilities	1,017.53	-1,219.52
कुल (ख)	**Total of (b)**	**4,403.46**	**-1,867.57**
प्रचलनों द्वारा उत्पन्न रोकड़	Cash Generated From Operations	4,520.24	-2,522.22
आयकर (भुगतान) कुल रिफंड	Income Tax (Paid)/Refund - Net	-106.92	-369.09
असाधारण मदों के पूर्व रोकड़ प्रवाह	Cash Flows Before Extraordinary Item	4,413.32	-2,891.31
प्रचलन गतिविधियों से शुध्द रोकड़ (क)	**Net Cash From Operating Activities (A)**	4,413.32	-2,891.31
II. निवेश गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह	**II. Cash Flows From Investing Activities**		
स्थायी परिसम्पत्तियों की खरीद	Purchases of Fixed Assets	-34.48	30.12
स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री	Sale of Fixed Assets	0.92	0.51
सावधि जमा	Fixed Deposits	-3,468.74	794.46

दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष का रोकड़ प्रवाह का विवरण
Cash Flow Statement for the year ended 31st March, 2023

₹ लाखो में ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	Year 2022-23	Year 2021-22
व्याज आय	Interest Income	101.09	90.56
निवेश गतिविधियों में प्रयुक्त शुध्द रोकड़ (ख)	**Net Cash Used In Investing Activities (B)**	-3,401.21	915.65
III. वित्तीय गतिविधियों में रोकड़ प्रवाह	**III. Cash Flows From Financing Activities**		
दीर्घकालिक उधार	Long Term Borrowings	–	–
ब्याज भुगतान	Interest paid	–	–
वित्तीय गतिविधियों से शुध्द रोकड़ (ग)	**Net Cash From Financing Activities (C)**	–	–
रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्यों पर शुध्द वृध्दि (क + ख + ग)	**Net Increase In Cash And Cash Equivalents (A + B + C)**	1,012.11	(1,976)
रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्यों का प्रारम्भिक शेष	Opening Balance Of Cash And Cash Equivalents	1,876.03	3,852
रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्यों का अंतिम शेष	**Closing Balance Of Cash And Cash Equivalents**	**2,888.14**	**1,876**
रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्यों के पूरक	Component Of Cash And Cash Equivalents		
बैंक में शेष	Balances with Banks		
चालू खाते में	In Current Account	2,634.70	1,487.04
सावधि जमा 3 महिने से कम की मूल परिपक्वता के साथ	Fixed Deposits with original maturity of less than 3 months	253.03	388.07
रोकड़ बाकी	Cash on Hand	0.42	0.93
कुल रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्य (टिप्पणी सं 15)	**Total Cash And Cash Equivalents (Note No.15)**	**2,888.15**	**1,876.03**

समदिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
निदेशक मंडल की ओर से

As per our report of even date
For and on behalf of Board of Directors

सी.बी.छाजेड़ एंड कं की ओर से
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
(एफआरएन 101796W)

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
(FRN 101796W)

पृथुल कुमार
प्रबंध निदेशक
डीआईएन नं 07792778

Prithul Kumar
Managing Director
DIN No. – 07792778

सी.पी. भाटिया
पार्टनर
एम. नं. 045210
UDIN – 21045210AAAAFI2115

(C. P. Bhatia)
Partner
M.No. 045210

जयंत सिन्हा
निदेशक
डीआईएन नं 09329500

Jayant Sinha
Director
DIN No. – 09329500

सुमोना मजूमदार
कम्पनी सचिव
स.क्र. एफसीएस 8043

Sumona Majumdar
Company Secretary
M.No. FCS 8043

स्थान – मुम्बई
दिनांक – 28.08.2023

Place – Mumbai
Dated – 28.08.2023

लेखाओं पर टिप्पणियां

टिप्पणी – 1. कॉर्पोरेट सूचना

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (कंपनी) भारत स्थित कंपनी है जिसकी स्थापना कंपनी के अधिनियम 1956 के प्रावधानों के अंतर्गत की गयी है. निगम विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्में बनाता है तथा कम्पनी फीचर एवं ऑडियो–विज्युअल फिल्में तथा मीडिया अभियान तथा एफएफओ सहित फिल्मों का निर्माण, वितरण, विकास एवं बढावा देने में कार्यरत है. निगम का मुख्यालय मुंबई में है तथा नई दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता में क्षेत्रीय कार्यालय हैं.

निगम की स्थापना केंद्रीय सरकार द्वारा समय समय पर सुनिश्चित की जाने वाली आर्थिक नीतियों एवं उद्देश्यों के अंतर्गत फिल्म उद्योग का योजनाबद्ध तरीके से समग्र विकास तथा प्रभावशाली उन्नयन करने के लिये की गई थी. बाद के वर्षों में निगम ने 20 भारतीय भाषाओं में 300 से भी अधिक फिल्मों का निर्माण किया अथवा उन्हें आर्थिक सहयोग प्रदान किया.

टिप्पणी – 2. महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

क. लेखाओं का आधार तथा अनुमानों का उपयोग.

i. वित्तीय विवरणों को हिस्टॉरिकल कॉस्ट कन्वेंशन के अंतर्गत, अकाउंटिंग के एक्युरल आधार तथा भारत में लागू लेखा सिद्धांतों, कंपनी (लेखा मानकों) द्वारा अधिसूचित अनिवार्य लेखा मानकों तथा तत्संबंधी कंपनी अधिनियम 2013 (द एक्ट) के उपनियम 133, जिसे कंपनी के (लेखाओं) नियम, 2014 के नियम 7 के साथ पढ़ा जाय, के उन प्रावधानों के साथ सभी तथ्यों के अनुपालन करते हुए तैयार किया गया है.

ii. सामान्यत: स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के समनुरूप वित्तीय विवरणों को तैयार करने में यह अपेक्षित है कि प्रबंधन उस पर अनुमान और कल्पना करे कि रिपोर्ट की गई परिसंपत्तियां तथा देयताएं और आकस्मिक देयताओं का प्रकटीकरण, वित्तीय विवरण की तारीख और प्रचालनों के परिणाम रिपोर्टाधीन वर्ष के अंत में हैं. यद्यपि ये अनुमान प्रबंधन की वर्तमान घटनाओं एवं क्रियाओं के संबंध में अच्छी जानकारी पर आधारित है फिर भी वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं.

ख. राजस्व तथा तत्संबंधी व्यय की मान्यता

ख 1 लागत का परिशोधन –
फिल्म्स, प्रिंट्स, टीवी अधिकार, स्वकीय फिल्मों का निर्माण, अधिगृहीत फिल्में तथा फिल्मों के सहनिर्माण में कॉर्पोरेशन का अंश.

ख.1.1 वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पहले यदि फिल्म वाणिज्यिक आधार पर प्रदर्शन के लिये रिलीज की जाती है तो उस फिल्म की संपूर्ण निर्माण/अधिग्रहण लागत को लाभ/हानि के विवरण में चार्ज किया जाता है. अगर फिल्म पूरी हो गई है लेकिन वर्ष के दौरान रिलीज के लिये तैयार नहीं हुई है तो उस की संपूर्ण लागत/अधिग्रहण को विस्तृत सूची में दर्शाया जाता है.

ख.2 भारतीय टीवी धारावाहिकों की निर्माण लागत/अधिगृहीत कार्यक्रमों और फिल्मों के खरीदे गये टीवी अधिकारों के पूर्ण रूप से की लागत को उसी वित्तीय वर्ष में चार्ज किया जाता है जिस वर्ष में उन फिल्मों/धारावाहिकों का पहला प्रदर्शन होता है अथवा अधिकार समाप्त होते हैं, इनमें से जो पहले हो.

ख.3 कंपनी द्वारा खरीदे गये टीवी अधिकारों के लिये ऐसी स्थिति में जहां टीवी पर फिल्म प्रदर्शित नहीं हुई और उनके लिये भुगतान किया जा चुका है तो उस भुगतान राशि को अग्रिम के रूप में माना जाता है. चूंकि वास्तविक देयता तो करार की शर्तों के अनुसार टेलीकास्ट होने पर लागू होती हैं इसलिए उनके भुगतान न किये अधिगृहीत मूल्य के लिये कोई प्रावधान नहीं किया जाता है.

Notes on Accounts

Note – 1. Corporate Information

National Film Development Corporation Limited ("the Company") is a Government company domiciled in India and incorporated under the provisions of the Companies Act, 1956. The Company is engaged in production, distribution, development and promotion of films, including feature and audio-visual films, media campaigns and film facilitation office. The Company has its Head Office in Mumbai and Regional offices at New Delhi, Chennai and Kolkata.

The Company was set up with the objective to plan, promote and organize an integrated and efficient development of the film industry in accordance with the national economic policy and objectives laid down by the Central Government from time to time. Over the years, NFDC has funded/produced more than 300 films in twenty Indian languages.

Note – 2. Significant Accounting Policies

A. Basis of Accounting and use of Estimates.

i. Financial statements are prepared under the historical cost convention, on accrual basis of accounting in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under section 133 of the Companies Act, 2013 ("the Act") read with rule 7 of the Companies (Accounts) Rule, 2014.

ii. The preparation of financial statements, in conformity with generally accepted accounting principles requires management to make estimates and assumptions that affect the reported amounts of assets and liabilities and disclosure of contingent liabilities at the date of the financial statements and the Revenue and Expenditure of operations during the end of the reporting period. Although these estimates are based upon the management's best knowledge of current events and actions, actual results could differ from these estimates.

B. Recognition of Revenue and related expenses

B.1 Amortization of cost of –
Films, prints, TV rights, own production of films, taken over films and Corporation's share in co-production of films.

B.1.1 Where the film is ready for release for exhibition on Commercial basis before the close of the financial year, the entire cost of production/acquisition of the films is charged to the Statement of Profit and Loss. Where the film is completed but not ready for release during the year, the entire cost of production/acquisition is shown as inventory.

B.2 Cost of production of Indian Television serials/acquired programme and films purchased for TV rights are charged off in the financial year in which the first telecast of such films/serials takes place or in the financial year, in which the rights expired, whichever is earlier.

B.3 Rights in films for distribution through Television acquired by the Company wherein no telecast is made are accounted as advance to the extent of the amounts paid thereof. No provision is made for the unpaid acquisition price thereof, since actual liability shall arise only in the event of telecast as per terms of the agreement.

ख.4 फिल्म निर्माण/सिनेमा उपकरण खरीद/सिनेमागृह निर्माण आदि के गैर निष्पादन ऋणों के ब्याज को प्रबंधन द्वारा वसूली योग्य माना हो, उस सीमा तक आय में लिया जाता है और जब तक वह मूल राशि के बराबर न हो जाय और उसके आगे कोई जमा नहीं दिखाई जाती जब तक कि वह वास्तविक रूप से वसूल न हो जाय.

ख.5 विभिन्न मंत्रालयों/ग्राहकों की ओर से प्रदर्शित मीडिया कैंपेंस के सिलसिले में हुए आय और व्यय को उसी वर्ष में परिस्वीकृत किया जाता है जिस वर्ष में संबंधित विज्ञापन अथवा कमर्शियल स्पॉट जनता के लिये प्रदर्शित अथवा ब्रॉडकास्ट किये गये हों और जिनके संबंध में एजेंसी को चैनल/सिनेमाघर/वेबसाइट से सफलतापूर्वक टेलीकास्ट/ब्रॉडकास्ट की सूचना मिल गई हो. वित्तीय वर्ष में प्रारंभ किये गये कैंपेन जो अगले वित्तीय वर्ष में पूरे हुए हों उन्हें क्रमानुसार वित्तीय वर्ष में ही उस वर्ष में टेलीकास्ट/ब्रॉडकास्ट किये गये विज्ञापनों अथवा व्यापारिक स्पॉट्स के आधार पर ही परिस्वीकृत किया जाता है.

ख.6 विभिन्न मंत्रालयों/ग्राहकों की ओर से वर्ष के दौरान लिये गये गैर फीचर फिल्म के आय व्यय को तब तक मान्य नहीं किया जाता जब तक ग्राहक उन्हें स्वीकार न कर लें या ग्राहकों की ओर से उन्हें स्वीकार कर लेने जैसी कोई कार्रवाई न कर दी जाय.

ख.7 विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्म निर्माण करने के लिये भारत सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त हुआ तथा इनमें से वर्ष के अंत तक प्राप्त व्यय आस्थगित सरकारी अनुदान के अंतर्गत देयताओं के अंतर्गत दर्शाया गया है. विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्म निर्माण का वास्तविक व्यय सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित सीमा तक तथा इन फिल्मों के सीधे व्ययों को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदन के अनुसार संपत्ति सूची में दर्शाया जाता है किंतु इन फिल्मों में खर्च की गई शेष राशि के परंतु, जिसे सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित नहीं किया गया है उसे 'क्षेत्रीय फिल्म निर्माण के लिये अग्रिम' में दर्शाया गया है. प्राप्त राशि तथा संबंधित फिल्मों के निर्माण पर व्यय फिल्म के रिलीज होने पर क्रमश: आय और व्यय में दर्शाया गया है. फिल्म के रिलीज के लिये तैयार हो जाने पर निगम अपनी आय के लिये कुल निर्माण लागत का 10 प्रतिशत अपने कमीशन के रूप में चार्ज करता है.

ख.8 सेवा परियोजनाओं से प्राप्त आय को वस्तुत: आधार पर मान्य किया जाता है.

ख.9 कपनी को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से फिल्म फेसिलिटेशन ऑफिस (एफएफओ) कार्यालय स्थापित करने के लिए फंड मिले हैं. कंपनी को फिल्म फेसिलिटेशन ऑफिस (एफएफओ) स्थापित करने के लिए हुए खर्च पर 7 प्रतिशत की दर से क्षतिपूर्ति दी जाएगी. कंपनी ने खर्च पर आधारित राजस्व तथा सर्विस चार्ज मिला कर लेखा प्रस्तुत किया तथा उसे राजस्व की मद के अंतर्गत दर्ज किया. विवरण के लाभ/मद में कुल खर्च संचालन व्यय में दर्शाया गया. मंत्रालय की ओर से प्राप्त फंड को तुलन पत्र में कुल आधार पर अन्य दीर्घकालीन दायित्वों के अंतर्गत दर्शाया गया है. तथा मंत्रालय से प्राप्त अन्य फंड लघुकालीन ऋण एवं अग्रिमों के अंतर्गत दर्शाया गया है.

ग. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण तथा मूल्यह्रास

ग.1 स्थायी परिसंपत्तियों की मूल लागत (सकल ब्लॉक) से संचित मूल्यह्रास को घटा कर दर्शायी गई है. अधिग्रहण की कीमत अथवा निर्माण में परिवहन शुल्क, महसूल, कर, अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक खर्च, स्थापना अथवा निर्माण व्यय, आरोप्य ब्याज और वित्तीय खर्च आदि को तब तक शामिल किया जाता है जब तक कि परिसंपत्तियां निर्दिष्ट उपयोग के लिये बन कर तैयार न हो जाएं.

ग.2 परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II में "दरों पर शेष घटाव" पद्धति के अनुसार किया जाता है जब तक कि नीचे कहा न जाय.

B.4 Interest on loans for Films and Purchase of Equipment/ Construction of theatres is accrued and accounted in the income only to the extent equal to principal amount and no further credits are recognized thereafter unless the same is actually realized.

B.5 Revenue and Expense in respect of Media Campaigns released on behalf of various ministries/clients are recognized in the year in which the related advertisement or commercial spots are telecast/broadcast/appear before the public and in respect of which necessary intimation is received by the agency from the channel/theatre/website for successful telecast/broadcast. Campaigns commencing in a financial year and concluding in next financial year are recognized in the respective financial years on the basis of advertisement or commercial spots telecasted/broadcasted during that year.

B.6 Revenue and Expense in respect of Non-Feature Films produced during the year on behalf of various ministries/ clients are not recognized until the goods have been formally accepted by the client or the client has done an act adopting the transaction.

B.7 The funds received from the Government of India for Film Production in various Indian languages and the expenditure incurred up to year end out of the same is shown on net basis under other long term liabilities in the Balance Sheet. The actual expenditure incurred on production of films in various Indian languages that are incomplete at the year end and to the extent certified by Chartered Accountants is shown as Inventory. The amount received and the expenditure incurred on production of respective films is shown as Income and Expenditure respectively when the Film is ready for release. The Company accounts for its income by way of Production Fee at 10% of the cost of production of such films when the film is ready for release.

B.8 Income from Service Projects is recognized on Accrual basis.

B.9 The Company has received funds from Ministry of Information and Broadcasting, Government of India for setting up of Film Facilitation Office (FFO).The Company will be paid compensation at the rate of 7% on expenditure incurred for setting up of Film Facilitation Office. The Company has accounted the revenue based on expenditure incurred plus the service charge and disclosed the same under the head revenue from operation and the total expenses incurred has been disclosed under the head operating expenditure in the Statement of Profit and Loss. The funds received from ministry is shown on net basis under other long term liabilities in the Balance Sheet and any funds receivable from ministry is shown under Short term loans and advances.

C. Property, plant & equipment and Depreciation/ Amortization

C.1 Property, plant & equipment are stated at cost of acquisition or construction less accumulated depreciation/amortization and impairment losses. Cost of acquisition or construction is inclusive of freight, duties, taxes, incidental expenses relating to acquisition, cost of installation/erection, attributable interest and financial cost till such time assets are ready for its intended use.

C.2 Depreciation on assets has been provided on the "Written Down Value" based on useful life of the assets as prescribed under of Schedule II of the Companies Act, 2013 unless otherwise stated below.

ग.3 पट्टे की भूमि का पट्टे की समयावधि तक ही परिशोधन किया जाता है.

ग.4 हेड प्लैंट और मशीनरी के तहत ऑडियो – विज्युअल तकनीकी उपकरण से सम्बंधित मूल्यह्रास सीधी रेखा पधति के आधार पर प्रदान किया जाता है.

ग.5 वास्तविक स्थायी परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास पूंजी में परिणत मूल्य के 95 प्रतिशत तक लिया जाता है. बाकी का 5 प्रतिशत अधिनियम के अनुरूप अंशोद्धार मूल्य के रूप में रखा जाता है.

ग.6 अवास्तविक संपत्तियों को 5 साल की अवधि में बढ़ाया जाता है.

ग.7 मूल्यह्रास उनकी अनुवृद्धि अथवा बिक्री की तारीख से, जैसा भी केस हो, यथाअनुपात से उपलब्ध कराया गया है.

ग.8 जो फिल्में पूरी हो गई लेकिन जिनके अधिकार बेचे नहीं गये, उनमें से प्रत्येक की कीमत नाममात्र ₹1/- रखी गयी है.

घ. परिसंपत्तियों का हानिकरण/क्षति

'परिसंपत्तियों के हानिकरण' के लेखा मानक 28 (ए एस-28) के अनुरूप, जहां कहीं भी कंपनी की संपत्तियों के हानिकरण का संकेत है, कंपनी की परिसंपत्ति की राशि का हर तुलनपत्र में पुनरीक्षण किया गया है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि वह आंतरिक अथवा बाह्य कारणोंपर आधारित है. यदि क्षति के कारण कोई नुकसान हुआ हो तो उसका उल्लेख लाभ-हानि के विवरण में किया जाता है बशर्ते कि प्रतिप्राप्ति परिसंपत्ति की आगे लाई गई राशि इसकी अनुमानित प्रतिप्राप्ति राशि से अधिक हो. परिसंपत्ति की प्रतिप्राप्ति राशि का अनुमान इसके शुद्ध उच्चतम विक्रय मूल्य तथा उपयोग में आ रही कीमत से लगाया जाता है. उपयोग में आ रही कीमत का अनुमान लगाते समय भविष्य के अनुमानित रोकड़ प्रवाहों के वर्तमान मूल्य का पूंजी के औसतन मूल्य के अनुसार बट्टा-काटा कर दिया जाता है. हानिकरण के बाद परिसंपत्तियों के शेष उपयोगी जीवन के अनुसार मूल्यह्रास का प्रावधान कर दिया जाता है. इसके पहले की स्वीकृत हानिकरण/क्षति का परिस्थितियों में परिवर्तन के अनुसार प्रावधान कर दिया जाता है या उसे पीछे ले लिया जाता है.

ड़. विदेशी मुद्रा में किये गये लेन देन

विदेशी मुद्रा में किये गये लेन देनों का लेखा रिपोर्टिंग मुद्रा की राशि पर लागू लेन देन की तारीख विनिमय दर के आधार पर किया जाता है. सभी मौद्रिक परिसंपत्तियां और देयताएं तुलनपत्र की तारीख के दिन लागू विनिमय दरों के अनुसार पुनर्व्यक्त की जाती हैं. विनिमय दरों में आने वाले अंतर को लाभ अथवा हानि के विवरण में चार्ज/क्रेडिट कर दिया जाता है. गैर मौद्रिक आइट्म्स जो ऐतिहासिक मूल्य के तौर पर विदेशी मुद्रा में प्रदर्शित किये जाते हैं, वे विनिमय की तारीख को चल रहे विनिमय दरों के अनुसार रिपोर्ट किये जाते हैं.

च. संदेहास्पद कर्जों/अग्रिमों/ऋणों के संबंध में प्रावधान

च.1 3 वर्षों से अधिक समय से बकाया गैर-सरकारी/निजी संस्थाओं से व्यापार प्राप्य की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और मामले दर मामले के आधार पर आंशिक/पूर्ण प्रावधान तभी किया जाता है जब किसी ऋण की वसूली संदिग्ध हो जाती है या यदि मामला मध्यस्थता या अदालत में है, अंतिम आदेश प्राप्त होने तक ऋणों का प्रावधान नहीं किया जाएगा.

च.2 जब व्यापार प्राप्य देय हो केंद्र सरकार/राज्य सरकार/स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक उपक्रमों/स्वतंत्र निकायों/अर्ध-सरकारी संस्थाओं (सरकारी) से व्यापार ह देय राशि की वसूली में कोई संदेह नहीं है तथा बकाया के किसी भी स्थिति में अशोध्य होने का सवाल ही नहीं उठता और इस तरह ऐसी प्राप्तियों के खिलाफ प्रावधान नहीं किया जाता है सिवाय इसके कि जब मामला मध्यस्थता या न्यायालय में हो या जब सरकार द्वारा इकाई बंद हो, ऐसे मामले में, अंतिम आदेश के अनुसार भत्ता दिया जाता है या केवल तब जब सरकार द्वारा इकाई को बंद कर दिया जाता है.

च.3 3 वर्षों से अधिक समय से बकाया गैर-सरकारी/निजी संस्थाओं के ऋणों और अग्रिमों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और मामले दर मामले के आधार पर आंशिक/पूर्ण भत्ता तभी दिया जाता है जब ऋण और अग्रिम

C.3 Leasehold land is amortized over the period of lease.

C.4 Depreciation in respect of audio – visual technical equipment's under the head Plant and Machinery has been provided on the Straight Line Method.

C.5 Depreciation on Property, plant & equipment is charged upto 95% of capitalized value, retaining the balance 5% as salvage value as per the Act.

C.6 Intangible assets are amortized over the period of 5 years.

C.7 Depreciation has been provided on pro-rata basis from the date of addition/upto the date of sale as the case may be.

C.8 Completed films for which rights have not been sold out are valued at a nominal value of ₹ 1 each.

D. Impairment of Assets

In accordance with Accounting Standard 28 (AS 28) "Impairment of Assets," where there is an indication of impairment of the Company's assets, the carrying amounts of the Company's assets are reviewed at each balance sheet date to determine whether there is any impairment based on internal/external factors. An impairment loss, if any, is recognized in the Statement of Profit and Loss, wherever the carrying amount of an asset exceeds its estimated recoverable amount. The recoverable amount of the assets is estimated at its net selling price or its value in use, whichever is higher. In assessing the value in use, the estimated future cash flows are discounted to the present value at the weighted average cost of capital. After impairment, depreciation is provided on the revised carrying amount of the assets over its remaining useful life. Previously recognized impairment loss is further provided or reversed depending on changes in circumstances.

E. Foreign Currency Transactions

Transactions in foreign exchange are accounted for at the date of transaction. Foreign currency monetary items of assets & liabilities are reported using exchange rates prevailing at the close of the year and exchange difference arising there from is charged/credited to the Statement of Profit and Loss. Non-monetary items which are carried in terms of historical cost denominated in a foreign currency are reported using the exchange rate at the date of the transaction.

F. Provision for Doubtful debts/Advances/Loans

F1. Trade Receivables from non-Government/private entities outstanding for over 3 years are periodically reviewed and partial/full provision is made on case to case basis only when a debt becomes doubtful of recovery or in case the matter is under arbitration or in Court, the provisions for debts shall not be made till the receipt of final order.

F2. When the Trade Receivables are due from Central Government/State Government/Autonomous Bodies/ PSUs/Sovereign Bodies/Semi-Government entities (Government), there is no doubt in recovery of the dues and there is no question of dues becoming bad in any condition or if the matter is under arbitration or in Court, in such case, allowance is made as per the final order or only when the entity is closed by the Government.

F3. Loans & advances from non-Government/private entities outstanding for over 3 years are periodically reviewed and partial/full allowance is made on case to case basis only when a loan and advance becomes doubtful of recovery

की वसूली संदिग्ध हो जाती है या यदि मामला मध्यस्थता या अदालत में है, अंतिम आदेश प्राप्त होने तक संदिग्ध ऋण और अग्रिम के प्रावधान नहीं किए जाएंगे.

च.4 जब ऋण और अग्रिम देय हैं केंद्र सरकार/राज्य सरकार/स्वायत्त निकायों/ सार्वजनिक उपक्रमों/स्वतंत्र निकायों/अर्ध-सरकारी संस्थाओं (सरकारी) द्वारा वसूली योग्य ऋण और अग्रिम को पूरी तरह से वसूली योग्य माना जाता है तथा किसी भी स्थिति में बकाया राशि के अशोध्य होने का कोई सवाल ही नहीं उठता है तथा इस प्रकार ऐसी ऋण एवं अग्रिम (बकाया) की वसूली में कोई संदेह नहीं है ऋणों और अग्रिमों के खिलाफ प्रावधान नहीं किया जाता है सिवाय इसके कि जब मामला मध्यस्थता या न्यायालय में हो या जब सरकार द्वारा इकाई बंद हो, ऐसे मामले में, अंतिम आदेश के अनुसार भत्ता दिया जाता है या केवल तब जब सरकार द्वारा इकाई को बंद कर दिया जाता है.

ज. कराधान

चालू करों के लिये प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधान के अंतर्गत अभिस्वीकृत लाभ पर विचार करने के बाद किया जाता है. आस्थगित कर जो खातों तथा करयोग्य लाभ के बीच टाइमिंग डिफरेंस का नतीजा होता है, उसका तुलनपत्र में लेखा बाद में निर्धारित किये गये नियमों तथा कर की दरों अनुरूप कर दिया जाता है. आस्थगित कर संपत्तियां जो हानि को आगे लाये जाने तथा असमाविष्ट मूल्यह्रास से होती हैं उन्हे केवल उस सीमा तक मान्य किया जाता है जहां तक इस बात की वास्तविक सुनिश्चितता होती है कि परिसंपत्ति को भविष्य में वसूल किया जा सकता है.

झ. प्रतिअंश आय

प्रति इक्विटी शेयर की आय (प्रारंभिक/तनूकृत) को इक्विटी अंशधारकों को वर्ष के लिये शुद्ध लाभ एवं हानि (देय करों को घटा कर) में वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभक्त करके आकलित किया जाता है.

ड़. कर्मचारियों के लाभ

1) परिभाषित अंशदान योजना
कंपनी के कर्मचारियों की भविष्य निधि, जो सरकार के भविष्य निधि फंड तथा कार्मिक कल्याण फंड के अंतर्गत संचालित की जाती है, को परिभाषित अंशदान योजना माना जाता है. इन परिभाषित अंशदान योजनाओं में कंपनी द्वारा दे दिये गये अथवा देय अंशदान उस अवधि में, जब कार्मिक संबंधित सेवा में कार्यरत है, लाभ तथा हानि लेखाओं में 'व्यय'के तौर पर मान्य किये गये हैं. उक्त फंड से फायदा पाने वाले को प्रतिवर्ष दिये जाने वाले ब्याज की दर सरकार द्वारा घोषित की जाती है. विनियोग से मिलने वाले मुनाफे और ब्याज दर के बीच अगर कोई अंतर हो तो उस कमी की भरपाई करने का कंपनी पर कोई नैतिक बंधन नहीं है.

2) परिभाषित हितकारी योजना
ग्रेच्युटी अथवा लंबे समय तक मुआवजा प्राप्त अनुपस्थिति जैसी कंपनी की बाध्यताओं को परिभाषित बेनेफिट योजना माना जाता है. इन परिभाषित हितकारी योजनाओं के अंतर्गत इनका वर्तमान मूल्य 'प्रोजेक्टेड यूनिट क्रेडिट मेथड'के द्वारा 'विशेषज्ञ द्वारा आंके गये मूल्य'के आधार पर सुनिश्चित किया जाता है जिसमें सेवा की हर अवधि को कार्मिक को लाभ की एक अतिरिक्त यूनिट के हकदार के रूप में मान्य किया जाता है तथा अंतिम अनुग्रह के लिए हर यूनिट को अलग गिना जाता है. हानि तथा लाभ के विवरण में विशेषज्ञ द्वारा आंके गये लाभ अथवा हानि को तुरंत मान्य कर लिया जाता है. कंपनी के अनुग्रहों को अनुमानित भविष्य रोकड़ प्रवाह की वर्तमान कीमत से मापा जाता है जिसमें डिस्काउन्ट की दर का प्रयोग किया जाता है. डिस्काउन्ट की दर का निर्धारण सरकारी प्रतिभूतियों में तुलनपत्र की तारीख में बाजार की अनुकूलता के संदर्भ से किया जाता है.

त. पट्टे

संचालित पट्टे के अंतर्गत पट्टों के भुगतान को लाभ तथा हानि के विवरण में पट्टे की शर्तों पर सीधी रेखा के आधार पर मान्य किया जाता है

or in case the matter is under arbitration or in Court, the provisions for doubtful loans & advances shall not be made till the receipt of final order.

F4. When the Loans & advances are due from Central Government/State Government/Autonomous Bodies/PSUs/ Sovereign Bodies/Semi-Government entities (Government), there is no doubt in recovery of Loans & Advances (dues) and there is no question of dues becoming the bad in any condition or if the matter is under arbitration or in Court, in such case, allowance is made as per the final order or only when the entity is closed by the Government.

G. Taxation

Provision for current tax is made after taking into consideration benefit admissible under the provisions of Income Tax Act, 1961. Deferred tax resulting "timing differences" between book and taxable profit is accounted for using the tax rates and laws that have been enacted or substantively enacted as on the balance sheet date. Deferred tax asset is recognized and carried forward only to the extent that there is a virtual certainty that the asset will be realized in future.

H. Earning Per Share

Earning per equity share (Basic/Diluted) is calculated by dividing the Net Profit or Loss for the year attributable to Equity Shareholders (after deducting attributable taxes) by the weighted average number of Equity Shares outstanding during the year.

I. Employee Benefits

1) Defined Contribution Plan
The Company's Employee's Provident Fund administered through Government Provident Fund and Labour Welfare Fund are considered as Defined Contribution Plans. The Company's contributions paid/payable towards these defined contributions plan are recognized as expense in the Statement of Profit and Loss during the period in which the employee renders the related service. The interest rate payable by the said funds to the beneficiaries every year is being notified by the Government. The Company has no obligation to make good the shortfall, if any between the return from the investment and the interest rate.

2) Defined Benefit Plan
Company's liabilities towards gratuity, long term compensated absences are considered as Defined Benefit Plans. The present value of the obligations under such Defined Benefit Plans are determined based on actuarial valuation using the projected unit credit method, which recognizes each period of service as giving rise to an additional unit of employee benefit entitlement and measures each unit separately to build up the final obligation. Actuarial gains and losses are recognized immediately in the Statement of Profit and Loss. The obligation is measured at the present value of estimated future cash flows using a discount rate that is determined by reference to market yields at the balance sheet date on Government securities.

J. Leases

Lease transactions under operating lease are recognized as an expense or Income in the Statement of Profit and Loss on a straight-line basis over the lease term.

थ. प्रावधानो तथा आकस्मिक देयताएं

प्रावधानो वे देयताएं हैं जिन्हें जिन्हें सिर्फ विशिष्ट अनुमान स्तर को प्रयुक्त करके आंका जा सकता है. उन्हें हर एक तुलनपत्र की दिनांक पर दर्शाया जाता है तथा चालू प्रबंधन आकलन पर परावर्तित करके समायोजित किया जाता है. आकस्मिक देयताएं उपयुक्त अनुगृहीत मामलों में प्रकट हो सकती हैं जहां संसाधन की गति की संभावना निश्चित नहीं है अथवा दायित्व राशि का विश्वसनीय आकलन बनाया नहीं गया है.

K. Provisions and Contingencies

Provisions are liabilities that can be measured only by using substantial degree of estimation. These are reviewed at each balance sheet date and adjusted to reflect the current management estimates. Contingent liability is disclosed in case of possible obligation where the probability of outflow of resources is not certain or where reliable estimate of the amount of obligation cannot be made.

टिप्पणी – 3. शेयर पूंजी

Note – 3. Share Capital

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at 31 March 2023		31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022	
		संख्या Number	राशि Amount	संख्या Number	राशि Amount
प्राधिकृत	**Authorised**				
प्रत्येक 100 प्रति के इक्विटी शेयर्स	Equity Shares of 100/-each	45,40,000	4,540.00	45,40,000	4,540.00
निर्गमित	**Issued**				
प्रत्येक 100 प्रति के इक्विटी शेयर्स	Equity Shares of 100 each	45,39,985	4,539.99	45,39,985	4,539.99
अनुमोदित और प्रदत्त	**Subscribed & Paid up**				
प्रत्येक 100 प्रति के प्रदत्त इक्विटी शेयर्स	Equity Shares of 100 each fully Paid	45,39,985	4,539.99	45,39,985	4,539.99
कुल	**Total**	**45,39,985**	**4,539.99**	**45,39,985**	**4,539.99**

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31.03.2023 को इक्विटी शेयर्स Equity Shares as on 31.03.2023		31.03.2022 को इक्विटी शेयर्स Equity Shares as on 31.03.2022	
		संख्या Number	राशि Amount	संख्या Number	राशि Amount
वर्ष के प्रारम्भ में बकाया शेयर्स	Shares outstanding at the beginning of the year	45,39,985	4,539.99	45,39,985	4,539.99
वर्ष के दौरान आबंटन	Allotment during the year	–	–	–	–
वर्ष के अंत में बकाया शेयर्स	Shares outstanding at the end of the year	45,39,985	4,539.99	45,39,985	4,539.99

5% से ज्यादा अंशधारकों का विवरण **Details of Shareholders holding more than 5% of shareholding**

अंशधारक का नाम	Name of Shareholder	31 मार्च 2023 को As at 31 March 2023		31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022	
		शेयर धारित सं. No. of Shares held	धारक का प्रतिशत % of Holding	शेयर धारित संख्या No. of Shares held	धारक का प्रतिशत % of Holding
"सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली के माध्यम भारत के राष्ट्रपति"	"President of India through Secretary Minstry of I&B, New Delhi"	45,39,983	99.999956%	45,39,983	99.999956%

इक्विटी शेयर्स से संलग्न शर्तें/अधिकार

कम्पनी के पास प्रत्येक ₹ 100/- शेयर्स के सिर्फ एक श्रेणी के इक्विटी शेयर्स है. कम्पनी द्वारा भारती रूपयों में लाभांश की घोषणा तथा भुगतान किया जाता है.

Terms/Rights attached to Equity Shares

The Company has only one class of equity shares having par value of 100 per share. The Company declare and pays dividend in Indian Rupees.

प्रमोटर की शेयरधारिता का विवरण –
31 मार्च 2022 तक प्रमोटरों के शेयर

Details of Shareholding of Promoter's –
Shares held by promotes as at 31 March 2023

अंशधारक का नाम	Name of Shareholder	शेयर धारित संख्या	कुल शेयरों का%	"% वर्ष के दौरान परिवर्तन"
		No. of Shares	% of Total Shares	"% Change during the Year"
"सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली के माध्यम भारत के राष्ट्रपति"	President of India through Secretary Minstry of I&B, New Delhi	45,39,983	99.999956%	0.00%
प्रबंध निदेशक	Managing Director	1	0.00%	0.00%
संयुक्त सचिव (फिल्म्स)	Joint Secretary (Films)	1	0.00%	0.00%

31 मार्च 2021 तक प्रमोटरों के शेयर

Shares held by promotes as at 31 March 2022

अंशधारक का नाम	Name of Shareholder	शेयर धारित संख्या	कुल शेयरों का%	"% वर्ष के दौरान परिवर्तन"
		No. of Shares	% of Total Shares	"% Change during the Year"
"सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली के माध्यम भारत के राष्ट्रपति"	President of India through Secretary Minstry of I&B, New Delhi	45,39,983	99.999956%	0.00%
प्रबंध निदेशक	Managing Director	1	0.00%	0.00%
संयुक्त सचिव (फिल्म्स)	Joint Secretary (Films)	1	0.00%	0.00%

टिप्पणी – 4. संचय और अधिशेष

Note – 4. Reserves And Surplus

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
		As at 31 March 2023	As at 31 March 2022
क. पूंजीगत संचय	a. Capital Reserves	0.22	0.22
ख. अन्य संचय	b. Other Reserves		
विशेष संचय (निर्यात)	Special Reserve (Exports)	2.11	2.11
ग. अधिशेष	c. Surplus		
गत वित्तीय विवरण के अनुसार शेष	Balance as Per last financial statement	(2,366.70)	(1,692.71)
जोडिए – शुध्द लाभ/(शुध्द हानि) चालू वर्ष के लिए	Add – Net Profit/(Net Loss) for the current year	501.29	(673.99)
अंतिम शेष	Closing Balance	(1,865.41)	(2,366.70)
कुल	**Total**	**(1,863.08)**	**(2,364.37)**

टिप्पणी – 5. अन्य दीर्घकालिक देयताएं

Note – 5. Other Long Term Liabilities

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण		31 मार्च 2023 को As at 31 March 2023	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त अग्रिम (संदर्भ टिप्पणी संख्या – 29)	**Advance received from Ministry of Information and Broadcasting (Refer Note – 29)**		
फिल्म निर्माण के लिए	For Film Production	2,878.43	1,100.78
घटाईये – क्षेत्रीय फिल्मों की सूची	Less – Inventory of Regional Film	100.15	100.16
फिल्म निर्माण के लिए आबंटित शेष	As allocated for Film Production	2,778.28	1,000.62
फिल्म बंगबंधु के लिए अग्रिम प्राप्त	Advance received for Film Bangabandhu		
सूचना और प्रसारण मंत्रालय (भारत) से अग्रिम प्राप्त	Advance received from Ministry of Information and Broadcasting (India)	3,772.96	3,737.70
फिल्म विकास निगम (बांग्लादेश) से अग्रिम प्राप्त	Advance received from Film Development Corporation (Bangladesh)	404.22	1,784.25
घटाइयें - फिल्म बंगबंधु की सम्पत्ति सूची	Less – Inventory of Film Bangabandhu	2,037.52	4,026.68
फिल्म निर्माण के लिए आबंटित के रूप में	As allocated for Film Production	2,139.66	1,495.27
बैंक बैलेंस के लिए संरक्षक	Custodian for Bank Balance	2,885.25	–
मर्ज इकाई का जीएसटी इनपुट	GST Input of Merged unit	162.63	–
फिल्म फेसिलिटेशन ऑफीस के लिए	For Film Facilitation Office	21.15	105.05
अमानतें प्राप्त	Deposits Received	78.15	75.15
कुल	**Total**	**8,065.12**	**2,676.09**

टिप्पणी – 6. दीर्घकालिक प्रावधान

Note – 6. Long Term Provisions

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at 31 March 2023	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022
कार्मिक लाभ के लिए प्रावधान	**Provision for Employee Benefits**		
उपदान	Gratuity	460.46	438.72
छुट्टी का भुगतान	Leave Encashment	337.57	326.79
कुल	**Total**	**798.03**	**765.51**

टिप्पणी – 7. व्यापारिक देय 31.03.2022 तक

Note – 7. Trade Payable as on 31.03.2023

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	विवरण	Particulars	एक वर्ष से कम Less than 1 year	1 - 2 वर्ष 1 - 2 years	2 - 3 वर्ष 2 - 3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	कुल Total
(i)	एमएसएमई	MSME	1,112.23	95.25	23.86	253.44	1,484.78
(ii)	अन्य	Others	1,047.39	24.79	13.85	2,395.30	3,481.33
(iii)	विवादित देय एमएसएमई	Disputes dues - MSME	–	–	–	–	–
(iv)	अन्य विवादित देय	Disputes dues - others	–	–	–	–	–
	कुल	**Total**	**2,159.62**	**120.04**	**37.71**	**2,648.74**	**4,966.11**

व्यापारिक देय 31.03.2021 तक

Trade Payable as on 31.03.2022

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	विवरण	Particulars	एक वर्ष से कम Less than 1 year	1 - 2 वर्ष 1 - 2 years	2 - 3 वर्ष 2 - 3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	कुल Total
(i)	एमएसएमई	MSME	1,127.95	25.18	18.09	193.78	1,365.00
(ii)	अन्य	Others	1,171.61	20.57	208.20	2,270.07	3,670.45
(iii)	विवादित देय एमएसएमई	Disputes dues - MSME	–	–	–	–	–
(iv)	अन्य विवादित देय	Disputes dues - others	–	–	–	–	–
	कुल	**Total**	**2,299.56**	**45.75**	**226.29**	**2,463.85**	**5,035.45**

टिप्पणी – 8. अन्य चालू देयताएं

Note – 8. Other Current Liabilities

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at 31 March 2023	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम	Advance from Customers	3,383.34	3,255.65
निर्माण के लिए अग्रिम	Advance for Production	2,600.88	2,433.05
अन्य अग्रिम	Others Advances	43.70	50.57
सांविधिक देय	Statutory Dues	214.17	102.75
अन्य देयताएं	Other Liabilities	782.91	166.35
जमा प्राप्त	Deposits Received	0.90	–
कुल	**Total**	**7,025.90**	**6,008.37**

टिप्पणी – 9. अल्पावधिक प्रावधान

Note – 9. Short Term Provisions

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at 31 March 2023	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022
(क) कार्मिक लाभ के लिए प्रावधान	**(a) Provision for Employee Benefits**		
उपदान	Gratuity	39.08	36.01
छुट्टी का भुगतान	Leave Encashment	73.28	66.63
(ख) कराधान के लिए प्रावधान	**(b) Provision for Taxation**		
आय कर के लिए	For Income Tax	44.10	44.10
कुल	**Total**	**156.46**	**146.74**

टिप्पणी – 10. संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण तथा अवास्तविक परिसम्पत्तियां

Note – 10. Property, Plant And Equipment And Intangible Assets

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	विवरण	Particulars	सकल सम्पत्ति (लागत में)			Gross Block [At Cost]		मूल्य-ह्रास			Depreciation		शुध्द सम्पत्ति	Net Block
			01.04.2022 को	वृध्दियां	आंतर युनिट/प्रमुख स्थानांतरण	कटौतियां	31.03.2023 को	01.04.2022 तक	आंतर युनिट/प्रमुख स्थानांतरण	कटौतियां	वर्ष के लिए	31.03.2023 तक कुल	31.03.2023 को	31.03.2022 को
			As At 01.04.2022	Addition	Inter Unit/ Head Transfer	Deduction	As At 31.03.2023	Upto 01.04.2022	Inter Unit/ Head Transfer	Deduction	For The Year	Total Upto 31.03.2023	As At 31.03.2023	As At 31.03.2022
A	संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	Property, Plant and Equipment												
1	पट्टेपर भूमी	Leasehold Land	1.38	–	–	–	1.38	0.58	–	–	0.01	0.59	0.79	0.80
2	इमारत	Building	365.56	–	–	–	365.56	222.56	–	–	12.76	235.32	130.24	143.00
3	कार्यालय उपकरण	Office Equipments	180.85	9.86	–	0.26	190.45	168.36	–	0.21	2.73	170.88	19.57	12.49
4	संयंत्र तथा मशीनरी	Plant & Machinary	398.35	–	–	–	398.35	329.95	–	–	13.71	343.66	54.69	68.40
5	कम्प्यूटर्स	Computers	158.35	9.97	–	11.66	156.66	148.71	–	1.92	3.57	150.36	6.30	9.64
6	सज्जा सामग्री और उपस्कर	Furniture & Fixture	439.56	11.23	–	–	450.79	397.33	–	–	8.05	405.38	45.41	42.23
7	वाहन	Vehicles	34.85	–	–	–	34.85	32.03	–	–	0.62	32.65	2.20	2.82
8	इलेक्ट्रिकल फिटिंग	Electrical Fittings	77.35	0.56	–	–	77.91	67.04	–	–	2.70	69.74	8.17	10.31
9	अस्थायी संरचना	Temprory Structure	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
10	पदक	Medals	0.01	–	–	–	0.01	–	–	–	–	–	0.01	0.01
	कुल	**Total**	**1,656.26**	**31.62**	**–**	**11.92**	**1,675.96**	**1,366.56**	**–**	**2.13**	**44.15**	**1,408.58**	**267.38**	**289.70**
B	**अवास्तविक परिसम्पत्ति**	Intangible Asset												
1	फिल्म अधिकार	Film Rights	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2	सॉफ्टवेयर	Software	66.71	5.07	–	–	71.78	61.99	–	–	4.20	66.19	5.59	4.72
	कुल	Total	66.71	5.07	–	–	71.78	61.99	–	–	4.20	66.19	5.59	4.72
C	**पूंजीडब्ल्यूआईपी**	Capital Wip												
	विकास के तहत अवास्तविक परिसम्पत्तियां	Intangible Asset Under Development	2.21	1.33	–	3.54	–	–	–	–	–	–	–	2.21
	कुल	**Total**	**1,725.18**	**38.02**	**–**	**15.46**	**1,747.74**	**1,428.55**	**–**	**2.13**	**48.35**	**1,474.77**	**272.97**	**296.63**
	गत वर्ष कुल	**Previous Year**	**1,763.77**	**8.16**	**–**	**46.76**	**1,725.18**	**1,374.49**	**–**	**8.03**	**62.10**	**1,428.56**	**296.61**	**389.28**

टिप्पणी – 11. दीर्घकालिक ऋण एवं अग्रिम

Note – 11. Long Term Loans And Advances

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at 31 March 2023		31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022	
1) फिल्मों के निर्माण के लिए ऋण	**1) Loans for Production of Films**				
संदिग्ध	Doubtful	144.03		144.03	
घटाइएं – संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	Less – Provision for doubtful loans	144.03	–	144.03	–
2) सिनेमागृह के निर्माण के लिए ऋण	**2) Loans for Construction of Theatres**				
संदिग्ध	Doubtful	2.99		2.99	
घटाइएं – संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	Less – Provision for doubtful loans	2.99	–	2.99	–
कुल	**Total**	**–**	**–**		

टिप्पणी – 12. अन्य गैर चालू परिसम्पत्तियां

Note – 12. Other Non Current Assets

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at 31 March 2023		31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022	
1) अमानते	**1) Deposits**				
अप्रतिभूत, असंदिग्ध	Unsecured, Considered Good	112.02		117.58	
संदिग्ध	Considered Doubtful	0.31		0.31	
घटाइएं – संदिग्ध अमानतों के लिए प्रावधान	Less – Provision for Doubtful Deposits	0.31	112.02	0.31	117.58
कुल	**Total**		**112.02**		**117.58**

टिप्पणी – 13. सम्पत्ति सूची

Note – 13. Inventories

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2023	31 मार्च 2021 को As at 31 March 2022
तैयार सामान	**Finished Goods**		
डीवीडी का स्टॉक	Stock of DVD	–	0.33
कुल	**Total**	**–**	**0.33**

टिप्पणी 14. – 31.03.2023 को व्यापारिक प्राप्य Note – 14. Trade Receivable as at 31.03.2023

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	Less Than 6 months	6 month to 1 year	1 - 2 Years	2 - 3 Years	More Than 3 Years	Total Amount
(i) अविवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(i) Undisputed Trade Receivables - Considered Good	2,246.58	107.91	141.64	43.92	4,458.66	6,998.71
(i) अविवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(ii) Undisputed Trade Receivables - Considered Doubtful	–	–	–	–	–	–
(iii) विवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(iii) Disputed Trade Receivables - Considered good	–	–	–	–	–	–
(iv) विवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(iv) Disputed Trade Receivables - Considered Doubtful	–	–	–	–	1,997.78	1,997.78
कुल	**Total**	**2,246.58**	**107.91**	**141.64**	**43.92**	**6,456.44**	**8,996.49**
घटाइएं – संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	Less – Provision for Doubtful Debts						1,997.78
शुद्ध व्यापारिक प्राप्य	**Net Trade Receivable**						**6,998.71**

जैसे की संग्रहण की नियत तारीख परिभाषित नही की है इसलिए बिल की तारीख को नियत तिथि माना गया है.

As the due date of collection has not been defined hence bill date is considered as due date.

31.03.2022 को व्यापारिक प्राप्य Trade Receivable as at 31.03.2022

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	Less Than 6 months	6 month to 1 year	1 – 2 Years	2 – 3 Years	More Than 3 Years	Total Amount
(i) अविवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(i) Undisputed Trade Receivables - Considered Good	1,629.25	63.67	89.00	141.08	4,317.51	6,240.51
(i) अविवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(ii) Undisputed Trade Receivables - Considered Doubtful	–	–	–	–	–	–
(iii) विवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(iii) Disputed Trade Receivables - Considered good	–	–	–	–	–	–
(iv) विवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(iv) Disputed Trade Receivables - Considered Doubtful	–	–	–	–	1,994.55	1,994.55
कुल	**Total**	**1,629.25**	**63.67**	**89.00**	**141.08**	**6,312.06**	**8,235.06**
घटाइएं – संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	Less – Provision for Doubtful Debts						1,994.55
शुद्ध व्यापारिक प्राप्य	**Net Trade Receivable**						**6,240.51**

जैसे की संग्रहण की नियत तारीख परिभाषित नही की है इसलिए बिल की तारीख को नियत तिथि माना गया है.

As the due date of collection has not been defined hence bill date is considered as due date.

टिप्पणी – 15. रोकड तथा रोकड़ प्रवाह

Note – 15. Cash And Bank Balances

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at 31 March 2023	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022
1. रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्य	**A. Cash and Cash Equivalent**		
क) बैंक में शेष	a) Balances with Banks		
(i) चालू खाते में	(i) Current Account	2,634.70	1,487.04
(ii) मूल परिपक्वता के साथ 3 महिनों से कम की सावधि जमा पूंजी.	(ii) Term Deposits with original maturity of less than 3 months	253.03	388.07
ख) रोकड़ बाकी	b) Cash on Hand	0.42	0.93
		2,888.15	**1,876.04**
2. अन्य बैंक शेष	**B. Other Bank Balance**		
(i) मूल परिपक्वता के साथ 3 महिनों से अधिक की सावधि जमा पूंजी.12 महिनों से कम	(i) Term Deposits with original maturity of more than 3 months but less than 12 months	1,232.63	475.40
(ii) मूल परिपक्वता के साथ 12 महिनों से अधिक की सावधि जमा पूंजी.	(ii) Term Deposits with maturity for more than 12 months	3,137.15	268.88
(iii) बैंक गारंटी के सामने मार्जिन राशि के रूप में रखे अवधि जमा	(iii) Term Deposits held as margin money against bank guarantee.	110.31	236.21
		4,480.09	980.49
कुल	**Total**	**7,368.24**	**2,856.53**

टिप्पणी – 16. अल्पावधिक ऋण एवं अग्रिम

Note – 16. Short Term Loans And Advances

₹ लाखो में
₹ in lakhs

		As at 31 March 2023		As at 31 March 2022	
1) कर्मचारियों के लिए ऋण एवं अग्रिम	**1) Loans and advances to Staff**				
अप्रतिभूत, असंदिग्ध	Unsecured, Considered Good	0.86	0.86	0.72	0.72
2) नगद् या वस्तुरूप में प्राप्य मूल्य के रूप में वसूली योग्य अग्रिम	**2) Advances recoverable in cash or kind for value to be received**				
अप्रतिभूत, असंदिग्ध	Unsecured, Considered Good	1,537.16		1,230.58	
संदिग्ध	Considered Doubtful	12.18		12.18	
घटाईएं – संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	Less – Provision for Doubtful Loans	12.18	1,537.16	12.18	1,230.58
सेवा कर प्राप्य/जीएसटी	Balances with statutory authorities	4,215.63		4,006.48	
जीएसटी प्राप्य पर टीडीएस	TDS On GST Receivable	109.75		42.13	
कर का अग्रिम भुगतान	Advance Payment of Tax	936.10	5,261.48	827.52	4,876.13
3) स्वकीय फिल्मों के लिए अग्रिम	**3) Advances for Own Production of Films**				
अप्रतिभूत, असंदिग्ध	Unsecured, Considered Good	785.58	785.58	184.97	184.97
कुल	**Total**		**7,585.08**		**6,292.40**

टिप्पणी – 17. अन्य चालू परिसम्पत्तियां

Note – 17. Other Current Assets

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at 31 March 2023	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022
स्थायी जमा पर उपार्जित व्याज	Interest Accured on Fixed Deposit	53.02	22.16
सुरक्षा जमा राशि	Security Deposit	2.53	–
कुल	**Total**	**55.55**	**22.16**

टिप्पणी – 18. प्रचलन से आय

Note – 18. Revenue From Operation

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2022-23 Year 2022-23		वर्ष 2021-22 Year 2021-22	
फीचर फिल्म निर्माण	Feature Film Production		–		342.06
गैर फीचर फिल्म निर्माण	Non Feature Film Production		4,074.76		4,828.04
फिल्म फेसिलिटेशन ऑफिस	Film Facilitation Office		274.49		215.41
मीडिया कैपेन	Media Campaign		1,195.49		425.99
सोशल मीडिया	Social Media		718.06		444.12
फिल्मों का वितरण	**Distribution of Films**				
विदेशी	Overseas	137.33		118.11	
घरेलू	Domestic	179.28	316.61	86.16	204.27
सेवा परियोजनाएं	**Service Projects**				
कार्यशाला/बाजार/फिल्म बाजार	Workshop/Market/Film Bazaar		1,158.90		240.66
आईएफएफआई	IFFI		1,813.01		–
प्रशिक्षण/कार्यशाला	Training and Development		206.57		108.48
समारोह	Festivals		1,548.64		23.26
उपशीर्षक	Sub-titling		–		0.64
व्यापारिक आय	Merchandise Income		–		3.92
थिएटर (एनएफएआई/सिरीफोर्ट/ महादेव/जेबी हॉल)	Theaters (NFAI/Sirifort/ Mahadev/JB Hall)		140.81		–
एनएमआईसी (संग्रहालय)	NMIC (Museum)		16.22		–
पूर्व दर्शन प्रेक्षागार	Preview Theatre		76.37		50.17
कुल	**Total**		**11,539.93**		**6,887.02**

टिप्पणी – 19. अन्य आय

Note – 19. Other Income

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2022-23 Year 2022-23	वर्ष 2021-22 Year 2021-22
कार्यालय भवनों का किराया	Rent from Office Premises	190.96	171.26
बैंक स्थायी जमाराशि पर व्याज	Interest on Bank Fixed Deposit	131.95	90.56
बैंको की संचित धन पर व्याज	Interest on Savings Bank	39.51	67.22
टीडीएस रिफंड पर ब्याज	Interest on TDS Refund	29.02	–
सेवा कर जमा पर ब्याज	Interest on Service Tax Deposit	–	2.43
पैनल शुल्क	Empanelment Fee	8.66	8.46
स्क्रिप्ट के प्रसंस्करण शुल्क	Processing charges of script	30.66	21.77
विविध आय	Miscellaneous Income	13.71	19.00
परिसम्पत्तियों की बिक्री पर लाभ	Profit on Sale of Assets	–	0.06
विदेशी मुद्रा के उतार चढाव पर लाभ	Profit on Foreign Exchange Fluctuation	–	–
जमा शेष वापिस	Credit Balances written back	39.28	10.66
प्रावधानों वापिस	Provision written back	–	1.13
कुल	**Total**	**483.75**	**392.55**

टिप्पणी – 20. प्रचलित व्यय

Note – 20. Operating Expenditure

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2022-23 Year 2022-23		वर्ष 2021-22 Year 2021–22	
फीचर फिल्म निर्माण	Feature Film Production		–		310.96
गैर फीचर फिल्म निर्माण	Non Feature Film Production		3,471.35		4,512.19
फिल्म फेसिलिटेशन ऑफिस	Film Facilitation Office		257.57		201.32
मीडिया कैम्पेन	Media Campaign		1,195.49		425.99
सोशल मीडिया	Social Media		668.12		414.62
फिल्मों का वितरण	**Distribution of Films**				
विदेशी	Overseas	7.62		2.48	
घरेलू	Domestic	54.67	62.29	46.39	48.87
सेवा परियोजनाएं	**Service Projects**				
कार्यशाला/बाजार/फिल्म बाजार	Workshop/Market/Film Bazaar		1,150.77		219.96
आईएफएफआई	IFFI		1,596.70		–
प्रशिक्षण एवं विकास	Training & Development		60.25		27.14
समारोह	Festivals		1,530.49		41.89
उपशीर्षक	Sub-titling		–		0.36
व्यापारिक व्यय	Merchandise Expenses		–		3.02
एनएमआईसी (संग्रहालय)	NMIC (Museum)		29.14		–
पूर्व दर्शन प्रेक्षागार	Preview Theatre		32.83		24.79
कुल	**Total**		**10,055.00**		**6,231.11**

टिप्पणी – 21. सम्पत्ति सूची में (वृध्दि)/कमी

Note – 21. (Increase)/Decrease In Inventories

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2022-23	वर्ष 2021-22	(वृध्दि)/कमी वर्ष 2020-21	(वृध्दि)/कमी वर्ष 2019-20
		Year 2022-23	Year 2021-22	(Increase)/ Decrease Year 2021-22	(Increase)/ Decrease Year 2020-21
डीवीडी का स्टॉक	Stock of DVD	–	0.33	0.33	12.15
कुल	**Total**	**–**	**0.33**	**0.33**	**12.15**

टिप्पणी – 22. कार्मिक लाभ व्यय

Note – 22. Employee Benefit Expenses

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2022-23	वर्ष 2021-22
		Year 2022-23	Year 2021-22
वेतन, भत्ते और बोनस	Salaries, Wages and Bonus	645.19	613.97
भविष्य निधियों में अंशदान	Contributions to Provident Fund	55.81	51.90
अन्य निधियों में अंशदान	Contributions to Other Fund	0.58	0.53
छुट्टी का भुगतान	Leave Encashment	44.32	70.08
उपदान	Gratuity	52.60	65.50
मेडीकल व्यय	Medical Expenses	24.45	26.23
कुल	**Total**	**822.95**	**828.21**

टिप्पणी – 23. अन्य व्यय

Note – 23.Other Expenses

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2022-23	वर्ष 2021-22
		Year 2022-23	Year 2021-22
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	Auditors Remuneration	5.50	5.50
बैंक प्रभार	Bank Charges	1.38	0.40
ब्रोकरेज और कमीशन	Brokerage and Commission	–	1.78
कैपिटल डब्ल्यूआईपी बट्टे खाते में	Capital WIP written off	–	38.28
निदेशकों का यात्रा व्यय	Director's Travelling Expenses	8.98	4.28
डोनेशन	Donation	–	–
बिजली प्रभार	Electricity Charges	65.87	18.47
बीमा	Insurance	1.71	4.51
टीडीएस तथा सेवा करों पर ब्याज	Interest on TDS and GST	1.49	1.66
विधि व्यय	Legal Expenses	26.77	10.14
परिसम्पत्ति के बिक्री पर हानि	Loss on Sale of Assets	8.87	–
विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव पर हानि	Loss on Foreign Exchange Fluctuation	0.48	1.83
कार्यालयीन सामान्य व्यय	Office General Expenses	33.42	35.54
डाक, तार, टैलेक्स और टेलिफोन व्यय	Postage,Telgrams, Telex and Telephone Expenses	18.47	12.24
छपाई और लेखन सामग्री	Printing & Stationery	8.95	7.11

Table Contd.

विवरण	Particulars	वर्ष 2022-23 Year 2022-23	वर्ष 2021-22 Year 2021-22
श्रमशक्ति शुल्क	Manpower Charges	283.19	226.67
कार्यालयीन सामान्य व्यय	Professional Charges	122.63	132.67
संदिग्ध ऋणों/ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts/Loan/Advance	3.24	–
पूर्व कालिन व्यय	Prior Period Expenses	0.53	28.84
दरों एवं करों	Rates & Taxes	11.53	15.65
भर्ती व्यय	Recruiting Exp	6.11	1.25
किराया भुगतान	Rent Paid	84.96	120.05
मरम्मत और अनुरक्षण	Repairs & Maintenance	42.14	48.39
सुरक्षा सेवा प्रभार	Security Srevices Charges	47.57	33.39
कार्मिक कल्याण व्यय	Staff Welfare Expenses	4.44	3.55
स्वच्छता कार्य योजना व्यय	Swachhta Action Plan Expenses	48.49	38.91
यात्रा और स्थानिक यात्रा व्यय	Travelling and Local Conveyance Expenses	49.29	28.89
	Processing charges of script	25.73	–
कुल	**Total**	**911.74**	**820.00**

टिप्पणी – 24. मर्ज की गई इकाई पर नोट्स

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, चार मीडिया इकाइयों- बाल चित्र समिति, भारत (सीएफएसआई), फिल्म प्रभाग (एफडी), राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, भारत(एनएफएआई) और फिल्म समारोह निदेशालय (डीएफएफ) का 1 जनवरी 2023 से राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के साथ विलय किया है. निर्देशों के अनुसार, उपरोक्त संस्थाओं के संचालन को केवल कंपनी में विलय कर दिया गया है, लेकिन बाल चित्र समिति, भारत द्वारा रखे गए बैंक शेष और अप्राप्य को छोड़कर संस्थाओं की संपत्ति और देनदारियों को एमआईबी द्वारा स्थानांतरित नहीं किया गया है. बाल चित्र समिति, भारत का जीएसटी इनपुट बैलेंस, जिसे कार्यालय ज्ञापन संख्या एम-14016/32/2022-डीओ(एफए) दिनांक 29-12-2022 के अनुसार एनएफडीसी को अभिरक्षक के रूप में हस्तांतरित कर दिया गया है. विलय के बाद संस्थाओं के व्यापारिक लेनदेन को कंपनी की पुस्तकों में दर्ज किया गया है और विलय की तारीख के अनुसार बैंक शेष और जीएसटी इनपुट शेष को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रति संबंधित देनदारी दिखाकर कंपनी की लेखा पुस्तकों में शामिल किया गया है. हालाँकि, उपर्युक्त कारण से, संस्थाओं की अन्य संपत्तियों और देनदारियों को लेखा पुस्तकों में शामिल नहीं किया गया है.

Note – 24. Notes on Merged Unit

As per directives from the Ministry of Information and Broadcasting, the Four Media Units namely Children Film Society India (CFSI), Film Division (FD), National Film Archives of India (NFAI) and Directorate of Film Festival (DFF) have been merged with National Film Development Corporation w.e.f. 1St Janauary 2023. As per directives, the operations of the aforesaid entities have only been merged into the Company but the assets and liabilities of the entities have not been transferred by the MIB except the Bank balances held by Children Film Society of India and the unavailed GST Input balances of Children Film Society of India, which have been transferred to NFDC as a custodian as per office memorandum no. M-14016/32/2022-DO(FA) dt.29-12-2022. The business transactions of the entities post-merger have been accounted in the Books of the Company and the Bank balances and GST Input balance as on date of merger have been incorporated in books of the Company by showing corresponding liability towards the Ministry of Information and Broadcasting. However, for the reason afore-mentioned, the other assets and liabilities of the entities have not been incorporated in the books.

टिप्पणी – 25. आकस्मिक देयताओं के लिए प्रावधान नहीं किया गया –

Note – 25. Contingent Liabilities not provided for –

₹ लाखो में
₹ in lakhs

		Particulars	2022-23	2021-22
1.	निगम विरूध्द दावा ऋण की वजह से मान्य नही किये गये	Claims against the company not acknowledged as debt;	869.51	828.65
2.	गारंटी;	Guarantees;	77.24	236.21
3.	अन्य धन जिसके लिए कंपनी आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है	Other money for which the company is contingently liable	214.70	180.95
	कुल	**Total**	**1161.45**	**1245.81**

टिप्पणी – 26.

विविध देनदारों, ऋण एवं अग्रिमों, जमानतों तथा चालू देयताओं और कुछ शेष पिछले कुछ वर्षों से चले आ रहे है, के लेखाओं के शेष का पुष्टिकरण तथा समंजन के उपरांत आई राशि, यदि कोई हो, और उसका वित्तीय विवरणों पर यदि कोई प्रभाव हो तो इसका अभिनिश्चयन नहीं किया जा सकता.

टिप्पणी – 27.1. अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान

वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिये ₹ 3.24 (पिछले वर्ष कुछ नही) के विविध देनदारों तथा ऋण एवं अग्रिमों का प्रावधान किया गया है. वर्ष के दौरान किये गये 'कुछ नहीं (पिछले वर्ष 'कुछ नही) के प्रावधान को बुरे तथा संदिग्ध ऋणों के लिये काम में ले लिया गया. वर्ष के दौरान बट्टे खाते में डाले गये अशोध्य ऋण 'कुछ नहीं (पिछले वर्ष 'कुछ नही) है वर्ष के दौरान अतिरिक्त प्रावधान जो वर्ष के दौरान बट्टा काटा किये गये कुछ नहीं (पिछले वर्ष ₹ 1.13 लाख).

टिप्पणी – 27.2. मैडल्स का स्टॉक नाममात्र कीमत पर बरकरार रखा गया.

मेडल्स का स्टॉक प्रति मेडल ₹ 1 के नाममात्र मूल्य पर दर्शाया गया. इन मेडल्स का नाममात्र मूल्य स्थाई परिसंपत्तियों के शिड्यूल में दर्शाया गया है.

टिप्पणी – 27.3. क्रेडिट बैलेंस का रिटर्न बॅक

कम्पनी के प्रबंधन ने उन मामलों में क्रेडिट बैलेंस वापस करने का निर्णय किया जहां से लेनदारी की कोई उम्मीद नहीं थी. इसी के अनुरूप वर्ष के दौरान लेनदार की राशि ₹ 39.28 लाख (पिछले वर्ष ₹ 10.66 लाख) रिटर्न बॅक कर दिये गये.

टिप्पणी – 28. कार्मिक लाभ

प्रोजेक्टेड यूनिट क्रेडिट का उपयोग करते हुए एक्यूएरियल वेल्यूएशन के आधार पर वेल्युएशन

(i) लाभ तथा हानि के विवरण में दिये गये मान्य खर्च

Note – 26.

The balances in Sundry Debtors, Loans and Advances, Deposits and Current Liabilities including outstanding balances since last few years are subject to confirmation and consequential adjustment, if any on reconciliation. The financial impact, if any, is unascertainable.

Note – 27.1. Provision for Bad and Doubtful Debts

During the year provision for bad and doubtful debts of ₹ 3.24 lakhs (Previous year NIL) has been made towards Sundry Debtors. Provision of NIL (Previous year NIL) towards bad and doubtful debts has been utilized for the bad debts during the year. Bad debts written off during the year is NIL (Previous year NIL). Excess provision of doubtful debtors written back during the year NIL (Previous year ₹ 1.13 lakhs).

Note – 27.2. Stock of Medals retained at nominal value.

Stock of Medals is disclosed at nominal values of ₹ 1 each. The nominal value of these Medals is disclosed in Property, plant & equipment Schedule.

Note – 27.3. Credit Balances Written Back

The management of the Company has decided to write back credit balances in cases where there is no likelihood of liability arising. Accordingly during the year credit balance amounting to ₹ 39.28 lakhs (Previous year ₹ 10.66 lakhs) have been written back.

Note – 28. Employee Benefits

Valued as per Actuarial valuation using Projected Unit Credit Method

(i) Expense recognized in the Statement of Profit & Loss

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Description	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2023	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2022	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2023	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2022
		Gratuity (Funded) March 31, 2023	Gratuity (Funded) March 31, 2022	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2023	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2022
चालू सेवा लागत	Current Service Cost	13.09	14.25	12.52	11.92
व्याज लागत	Interest Cost	32.47	30.62	26.91	22.69
कुल बीमांकिक (वृध्दि)/हानियां	Net Actuarial (Gains)/Losses	7.03	20.63	4.88	35.47
विगत सेवा लागत – अवधि के दौरान मान्यता प्राप्त निहित लाभ	Past Service Cost – Vested Benefit Recognised during the period	–	–	–	–
कुल	**Total**	**52.59**	**65.50**	**44.31**	**70.08**

(ii) शुद्ध परिसंपत्तियां/(देनदारियां) जैसी बैलेंस शीट में दर्शाई गई हैं

(ii) Net Assets/(Liability) recognized in the Balance Sheet

₹ लाखो में
in lakhs

विवरण	Description	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2023	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2022	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2023	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2022
		Gratuity (Funded) March 31, 2023	Gratuity (Funded) March 31, 2022	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2023	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2022
निर्धारित दायित्व का वर्तमान मूल्य	Present Value of Defined Obligation	(509.11)	(506.56)	(410.86)	(393.41)
योजना परिसम्पत्तियां का शुध्द मूल्य	Fair Value of Plan Assets	9.57	31.83	–	–
वित्तपोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	Funded Status [Surplus/(Deficit)]	(499.54)	(474.73)	(410.86)	(393.41)
शुध्द परिसम्पत्ति/(देयताएं)	**Net Asset/(Liability)**	**(499.54)**	**(474.73)**	**(410.86)**	**(393.41)**

(iii) वर्ष के दौरान बाध्यताओं में परिवर्तन

(iii) Change in Obligation during the year

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Description	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2023	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2022	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2023	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2022
		Gratuity (Funded) March 31, 2023	Gratuity (Funded) March 31, 2022	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2023	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2022
वर्ष के प्रारम्भ में निर्धारित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	Present Value of the Defined Benefit Obligation at the beginning of the Year	506.57	480.28	393.42	349.61
चालू सेवा लागत	Current Service Cost	13.09	14.25	12.52	11.92
व्याज लागत	Interest Cost	34.65	31.17	26.91	22.69
विगत सेवा लागत – अवधि के दौरान मान्यता प्राप्त निहित लाभ	Past Service Cost – Vested Benefit incurred during the period	–	–	–	
देयताएं हस्तांतरित/अधिग्रहण	Liability transferred in/acquisitions	4.60	–	7.55	–
देयताएं स्थानांतरित/विनिवेश	Liability Transferred out/ Divestment)	–	–	–	
बीमांकिक (लाभ)/हानियां	Actuarial (Gains)/Losses	5.72	20.83	4.88	35.47
लाभ भुगतान	Benefit Payments	(55.52)	(39.97)	(34.42)	(26.28)
वर्ष के अंत में निर्धारित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	**Present Value of the Defined Benefit obligation at the end of the year**	**509.11**	**506.56**	**410.86**	**393.41**

(iv) वर्ष के दौरान परिसंपत्तयों में परिवर्तन

(iv) Change in Assets during the year

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Description	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2023	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2022	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2023	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2022
		Gratuity (Funded) March 31, 2023	Gratuity (Funded) March 31, 2022	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2023	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2022
वर्ष के प्रारम्भ में योजित परिसम्पत्तियों का शुध्द मूल्य योजना	Fair Value of Plan Assets at the beginning of the Year	31.83	8.47	–	–
परिसम्पत्तियों पर अपेक्षित रिटर्न	Expected Return on Plan Assets	2.18	0.55	–	–
नियोक्ता द्वारा अंशदान	Contribution by Employer	9.66	35.78	–	–
परिसम्पत्तियां स्थानांतरित/अधिग्रहण	Assets Transferred In/Acquisitions	–	–	–	
प्रदत्त वास्तविक लाभ	Actual Benefits Paid	(32.79)	(13.17)	–	–
योजना परिसम्पत्ति पर बीमांकित लाभ/ (हानियां)	Actuarial Gains/(Losses) on Plan Assets	(1.31)	0.20	–	–
वर्ष के अंत में योजना परिसम्पत्तियों का शुध्द मूल्य	**Fair Value of Plan Assets at the year end**	**9.57**	**31.83**	**–**	**–**

(v) वस्तुत: पूर्वानुमान

(v) Actuarial Assumptions

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Description	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2023	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2022	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2022	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2023
		Gratuity (Funded) March 31, 2023	Gratuity (Funded) March 31, 2022	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2022	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2023
बट्टागत दर	Discount Rate	7.39%	6.84%	7.39%	6.84%
योजना परिसम्पत्तियों पर आय की दर	Rate of Return on Plan Assets	7.39%	6.84%	–	–
वेतन वृध्दि दर	Salary Escalation Rate	7.00%	7.00%	7.00%	7.00%

*वर्ष में उपलब्ध लीव बेनिफिट सहित जिसे वर्ष में किये गये पारिश्रमिक में समाहित किया गया है.

क) भविष्य में होने वाली वेतन में बढोत्तरी के अनुमानों का वस्तुत: मूल्यांकन में प्रावधान करते समय मुद्रास्फीति की दर का लंबी अवधि के आधार पर विचार किया गया है.

ख) निगम की नीति के अनुसार कंपनी के कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति की आयु 60 वर्ष है.

*Including Leave Benefit availed during the year which is accounted in Salary paid during the year.

a) The estimates of future salary increases considered in actuarial valuation take into account the inflation rate on Long term basis.

b) The employees of the company retire at the age of 60 years as per the policy of the Company.

टिप्पणी – 29.

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय ने अपनी योजना 'विविध भारतीय भाषाओं में फिल्म निर्माण'का क्रियान्वयन एनएफडीसी को सौंपा. इस योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2023 तक ₹ 8253.65 लाख की राशि प्राप्त हुई. वर्ष के दौरान इन फिल्मों के वितरण से राजस्व प्राप्ति की रकम ₹ 9.11 लाख (पिछले वर्ष ₹ 11.48 लाख) है जिसे कंपनी ने ऑर्डर नं. 202/21/2009-एफ (पीएसयू) दिनांक 04.08.2009 की शर्तों के मुताबिक पुन: इसी योजना में लगा दिया.

कंपनी ने फिल्मों के वितरण की मद में ₹ 27.10 लाख खर्च किए (पिछले वर्ष – ₹ 1.56 लाख) जो उक्त योजना के अंतर्गत बनीं फिल्मों की प्रचार और विज्ञापन में खर्च हुए.

फिल्म निर्माण के लिए सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय से मिली अग्रिम राशि तथा उसके सदुपयोग का विश्लेषण इस प्रकार है –

Note – 29.

The Ministry of Information and Broadcasting entrusted to NFDC the execution of its Plan Scheme of "Production of films in various Indian languages". Under the scheme, an amount of ₹ 8253.65 lakhs (net of refunds), was received up to 31 March 2023. Revenue generated from distribution of these films during the year is ₹ 9.11 lakhs (Previous Year ₹ 11.48 lakhs) that has been ploughed back by Company into the scheme as per the terms of the Order no.202/21/2009-F (PSU) dated 04.08.2009.

During the year the company has incurred an expenditure of ₹ 27.10 lakhs towards distribution of films (Previous Year ₹1.56 lakhs) for publicity and advertising of release of films under the above scheme.

The break up of advance received from the Ministry of Information and Broadcasting for film production and their utilization are as under –

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at 31st March, 2023	31 मार्च 2022 को As at 31st March, 2022
सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त अग्रिम	Advance received from Ministry of Information and Broadcasting		
गत वर्ष में प्राप्त	Received in Earlier Year	6458.00	6355.00
चालू वर्ष में प्राप्त	Received in Current Year	1834.35	488.00
घटाइएं – मंत्रालय को रिफंड	Less – Refund to Ministry	38.70	385.00
(क)	**(A)**	**8253.65**	**6458.00**
जोडिए – बिक्री/आय उत्पन्न पुनर्निवेश द्वारा निधि	Add – Funds from Sale/Revenue Generation Plough back		
गत वर्ष में	In Earlier Year	1043.57	1032.09
चालू वर्ष में	In Current Year	9.11	11.48
	(I)	**1052.68**	**1043.57**
घटाइएं – वितरण/प्रचार व्यय	Less – Distribution/Publicity Expenses		
गत वर्ष में	In Earlier Year	286.34	284.78
चालू वर्ष में	In Current Year	27.10	1.56
	(II)	**313.44**	**286.34**
	(I-II)	**739.24**	**757.23**
फिल्म निर्माण के लिए उपलब्ध कुल निधि (ख)	**Total Fund available for Film Production (B)**	**8992.89**	**7215.23**
घटाइएं – फिल्म निर्माण के लिए कुल निधि व्यय किया गया	Less – Total Fund expensed for Film Production		
चालू वर्ष के दौरान व्यय किए गए	Expensed during the current year	–	403.63
गत वर्ष में व्यय किए गए	Expensed in earlier year	6114.45	5710.82
क्षेत्रीय फिल्म की सूची	Inventory of Regional Film	100.16	100.16
विभिन्न फिल्मों के लिए आवंटित	As allocated for various films	6214.61	6214.61
		2778.28	1000.62

टिप्पणी – 30.

सूचनातथाप्रसारणमंत्रालयकेपत्रसंख्याएम-35014/16/2015-डीओ(FI)दिनांक 8 जनवरी 2016 के अंतर्गत सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय एवं राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड के बीच सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय का फिल्म फेसिलिटेशन ऑफिस (एफएफओ) स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे. एफएफओ स्थापित करने के लिए सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय की ओर से ₹ 240 लाख (पिछले वर्ष ₹ कुछ नहीं) स्वीकृत किये गये थे. वर्ष के दौरान कंपनी ने ₹ 274.49 लाख (पिछले वर्ष ₹ 215.41 लाख) का राजस्व ऑपरेशन्स से आय के अंतर्गत दर्ज किया तथा लाभ/हानि की मद में ₹ 257.57 लाख (पिछले वर्ष ₹ 201.32 लाख) का खर्च प्रचलन व्यय के तौर पर लाभ एवं हानि लेखा के विवरण में दिखाया.

टिप्पणी – 31.

निदेशक मंडल ने 15 सितंबर 2009 को आयोजित अपनी बैठक में सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय की ओर से प्राप्त पत्र संख्या 202/21/2009 -- एफ (पीएसयू) दिनांक 06.08.2009 पर विचार किया. निदेशक मंडल का यह मानना था कि फिल्म उद्योग में प्रचलित मानकों के अनुरूप ही राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम को भी निर्माता की फीस के रूप में फिल्म निर्माण की कुल लागत का 10 प्रतिशत तथा इसके द्वारा संपन्न कराई गयी सभी बिक्रियों पर 15 प्रतिशत कमीशन मिलना चाहिये क्योंकि ये खर्चे फिल्म के निर्माण तथा वितरण व्यय का अभिन्न हिस्सा हैं. इसी के अनुरूप निगम ने वर्ष के दौरान पूरी हुई दो फिल्मों के कुल निर्माण व्यय में से ₹ कुछ नहीं (पिछले वर्ष ₹ 31.10) निर्माता की फीस के रूप में दर्शाये हैं.

टिप्पणी – 32.

मीडिया रिलीजों के लिये आय स्वीकृत वर्ष के दौरान लिये गये मीडिया कैंपेंस के अपने अपने आय व्यय के लेखे, टेलीकास्ट/ब्रॉडकास्ट/प्रदर्शित किये गये विज्ञापनों के मूल्य का ग्राहक/मंत्रालय द्वारा अनुमोदित वास्तविक मूल्य से सनदी लेखाकार द्वारा सत्यापन/प्रमाणन के बाद किया जाता है. मीडिया अभियानों के सम्बंध में राजस्व और व्यय जिसके लिए सफल टेलीकास्ट/प्रसारण/विज्ञापन की उपस्थिति के वास्तविक मूल्य का सत्यापन/प्रमाणन की प्रक्रिया पिछले/चालू वित्तीय वर्ष की प्रवृत्ति के अनुसार अनुमानित ड्रॉप/कटौती से कम किए गये सम्बंधित अभियान की रिलीज राशियों के आधार पर अनंतिम आधार पर गणना की जाती है.

टिप्पणी – 33.

निदेशक मंडल की राय में चालू परिसंपत्तियों, ऋणों एवं अग्रिमों की व्यक्त राशियां सामान्य व्यवसाय के अंतर्गत वसूल हो जाएंगी. मूल्य ह्रास और सभी ज्ञात देयताओं का प्रावधान पर्याप्त है और आवश्यकतानुकूल राशि से ज्यादा नहीं समझा जाएगा.

टिप्पणी – 34.

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत प्रकटीकरण

Note – 30.

As per letter No. M-35014/16/2015-DO (FI) dated 8th January, 2016 of the Ministry of Information and Broadcasting, Memorandum of Understanding was signed between Ministry of Information and Broadcasting and National Film Development Corporation Ltd for setting up of Film Facilitation Office (FFO) of Ministry of I & B. The Ministry has sanctioned an expenditure of ₹ 240 lakhs (Previous Year NIL -) in connection with setting up of Film Facilitation Office. During the year, the company has accounted the Revenue of ₹ 274.49 lakhs (Previous Year ₹ 215.41 lakhs) and disclosed the same under the head Income from Operations and the expenditure of ₹ 257.57 lakhs (Previous Year ₹ 201.32 lakhs) has been disclosed under the head Operating Expenditure in the Statement of Profit and Loss Account.

Note – 31.

The Board of Directors in their meeting held on 15th September 2009 considered the letter No.202/21/2009– F (PSU) dated 06/08/2009 received from the Ministry of Information & Broadcasting and decided that NFDC should be given a Production Fee of 10% of the total cost of production of a film and 15% Commission on all sales effected by it in accordance with industry norms as these expenses are an intrinsic component of the production and distribution budgets of a film. Accordingly the Company has accounted for NIL (Previous year ₹ 31.10 lakhs) as Production Fees.

Note – 32.

Revenue recognition for Media Releases, Revenue and Expense of respective Media Campaign undertaken during the year is accounted for after due verification/certification by the Chartered Accountants of the actual value of telecast/broadcast/appearance of the advertisement out of the Release amounts approved by the client/ministry. Revenue and Expenses in respect of media campaigns for which verification/certification of the actual value of successful telecast/broadcast/appearance of advertisement in process, are accounted for on provisional basis on the basis of Release amounts of respective campaign reduced by the estimated drop/deduction as per the trend of previous/current financial year.

Note – 33.

In the opinion of the Board, the current assets, loans and advances have been stated at amounts that would be realized in the ordinary course of business. The provision of depreciation and for all known liabilities is adequate and not in excess of amounts considered reasonably necessary.

Note – 34.

Disclosures under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at March 31, 2023	31 मार्च 2022 को As at March 31, 2022
1)	मूल राशि देय और शेष अवैतनिक (45 दिनों से अधिक)	Principal amount due and remaining unpaid (more than 45 days)	642.85	349.01
2)	उपरोक्त पर देय ब्याज	Interest due on above	995.99	157.18

	विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at March 31, 2023	31 मार्च 2022 को As at March 31, 2022
3)	वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद किया गया भुगतान	Payment made beyond the appointed day during the year	1919.25	1415.99
4)	उपरोक्त पर दिया गया ब्याज	Interest Paid on above	NIL	NIL
5)	विलंब की अवधि के लिए उपरोक्त पर देय और ब्याज देय	Interest due and payable on above for the period of delay	167.41	88.78
6)	अर्जित ब्याज और अप्राप्य शेष	Interest accrued and remaining unpaid	1163.40	372.87
7)	आगामी वर्षों में देय और शेष देय ब्याज की राशि	Amount of further interest remaining due and payable in succeeding years	1163.40	372.87

कंपनी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर ऐसे विक्रेताओं के संबंध में उस सीमा तक सूचना दी गई है, जहां तक उन्हें "सूक्ष्म और लघु" उद्यमों के रूप में पहचाना जा सकता है.

कार्यादेशों के अनुसार, जैसा कि विक्रेताओं द्वारा सहमति व्यक्त की गई है, भुगतान अंतिम ग्राहकों से वसूली के अधीन हैं. तदनुसार, प्रबंधन का मत है कि अंतिम ग्राहकों से प्राप्य की वसूली न होने के कारण, विक्रेताओं को भुगतान देय नहीं हुआ है. अत: प्रबंधन की राय में भुगतान की गई राशि या बकाया राशि पर कोई ब्याज देय नहीं है तदनुसार ब्याज के लिए लेखा पुस्तकों में कोई प्रावधान नहीं किया गया है.

टिप्पणी – 35.

1991 में कुछ अचल संपत्तियों को गिरवी रख देने से प्राप्त जो ₹ 30.00 लाख (पिछले वर्ष ₹ 30.00 लाख) तीन पार्टियों के पास रख दिया गया था, पार्टियों ने यह राशि लौटाई नहीं और तत्संबंधी प्रतिभूतियों को परिसमाप्त भी नहीं किया गया. इस जमा राशि की वापसी के लिये निगम ने इन पार्टियों के विरूद्ध मध्यस्थता कार्यवाही प्रारंभ की और दो पार्टियों के साथ इस मध्यस्थता कार्यवाही का फैसला निगम के पक्ष में हुआ तथा दो पार्टियों को जमाराशि में से ₹ 18.00 लाख निगम को लौटाने का निर्देश दिया गया. (पिछले वर्ष ₹ 18.00 लाख). और इसे डिक्री के लिए उच्च न्यायालय में दायर किया गया है. कोर्ट की प्रक्रिया चल रही है. इसका लेखा खातों में प्रावधान नहीं किया गया है.

टिप्पणी – 36.

फिल्म 'गांधी'के ओवरसीज वितरण से प्राप्त आय के मामले में लाभ एवं वितरण शुल्क लेखा ओवरसीज एजेंसी से प्राप्त विवरण के आधार पर किया गया है. कंपनी को जनवरी 2022 तक का ब्योरा प्राप्त हुआ है और वहां तक का हिसाब कर दिया गया है.

टिप्पणी – 37.

कंपनी ने व्यापारिक/रिहायशी परिसर संचालन लीज पर दिए हैं. इस व्यवस्था के अंतर्गत आमतौर पर वापस कर दिए जाने वाली ब्याजमुक्त राशियां स्वीकार की गई हैं. उक्त व्यवस्था के अंतर्गत लीज से प्राप्त होने वाले किराए वर्ष के हानि-लाभ विवरण में दर्ज किए जाते हैं. किराए के ₹ 190.96 लाख (पिछले वर्ष ₹ 171.26 लाख) को (टिप्पणी नं-19 में अन्य आय के अंतर्गत दिखाया गया है.) ऑपरेटिंग लीज के संबंध में प्रारंभिक सीधे मूल्य को हानि-लाभ विवरण में दर्शाया गया है.

कंपनी की महत्वपूर्ण लीज व्यवस्थाएं रिहायशी फ्लैट्स, कार्यालय स्थलों, प्लांट तथा मशीनरी और उपकरण आदि लीज पर देने के संबंध में है. यह व्यवस्था आमतौर पर 1 से लेकर 30 वर्ष तक के लिए है जिसे आपसी समझौते अथवा शर्तों के अनुसार बढ़ाया जा सकता है. इन व्यवस्थाओं में आमतौर पर ब्याजमुक्त वापस कर दी जाने वाली राशियां दी गई हैं.

The information has been given in respect of such vendors to the extent they could be identified as "Micro and Small" enterprises on the basis of information available with the Company.

As per the work orders, as agreed by the vendors, the payments are subject to realization from the end customers. Accordingly, management is of the opinion that due to non-realization of receivables from the end customers, the payments to the vendors have not become due. Hence, in the opinion of the management, there is no interest payable on the amounts late paid or remaining unpaid and accordingly, no provision is made in the books for the Interest.

Note – 35.

Deposits of ₹ 30 lakhs (Previous Year ₹ 30 lakhs) placed with three parties in 1991 are secured against mortgage of immovable properties. The parties have not refunded the deposits and securities are also not liquidated. The Company has initiated arbitration proceedings against the parties for recovery of the deposits. Awards have been issued in favour of the Company against two parties for recovery of the deposit amounting to ₹18 lakhs (Previous Year ₹18 lakhs) and the same has been filed in the High Court for decree. The Court process is going on. No provision has been made for the same in the books of accounts.

Note – 36.

In case of revenue from Overseas Distribution of Film 'Gandhi', the accounting of profits and distribution fee has been done on the basis of receipt of statement from the overseas Agency. The Company has received the statement till July 2022 and the same has been accounted.

Note – 37.

The Company has given Commercial/Residential Premises on operating lease. Under this arrangement, generally refundable interest-free deposit have been taken. In respect of above arrangements, lease rentals receivable are recognized in the Statement of Profit and Loss for the year and are included Rental of ₹ 190.96 lakhs (Previous Year ₹171.26 lakhs) (Disclosed under Other Income in Note No.19). The initial direct cost in respect of operating lease are recognized in the Statement of Profit and Loss.

The company's significant leasing arrangements are in respect of residential flats, office premises, plant and machinery and equipment taken on lease. The arrangements range between 1 year and 30 years generally and are usually renewable by mutual consent or mutually agreeable terms. Under these arrangements, generally refundable interest free deposits have been given.

इस व्यवस्था में वर्ष के लिए देय लीज किराए हानि-लाभ और किराए की मद में शामिल किए गए हैं. (टिप्पणी नं-23 में इनका अन्य आय के अंतर्गत उल्लेख किया गया है). वर्ष के लिए सभी परिचालन लीज का कुल खर्च ₹ 84.96 लाख है. (पिछले वर्ष ₹ 120.05 लाख).

In respect of above arrangements, lease rentals payable are recognized in the Statements of Profit and Loss for the year and included under Rent (Disclosed under Other Expenses in Note No.23). The aggregate rental expenses of all the operating leases for the year are ₹ 84.96 lakhs (Previous Year ₹120.05 lakhs)

टिप्पणी – 38. आस्थगित कर देयताएं (शुद्ध)

Note – 38. Deferred Tax Assets (Net)

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2023 को As at March 31, 2023	31 मार्च 2022 को As at March 31, 2022
समय में अन्तर के कारण उत्पन्न होनेवाली आस्थगित कर परिसम्पत्तियां –	Deferred tax Assets arising on account of timing difference due to –		
मूल्य–ह्रास	Depreciation	58.01	74.72
कार्मिक लाभ के लिए प्रावधान	Provision for Employee Benefits	253.27	236.29
संदिग्ध ऋणों/ऋणों के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts/Loans	600.16	670.63
घाटे को आगे बढ़ाया	Carried forward Losses	384.53	–
आस्थगित कर परिसम्पत्तियां (शुध्द)	**Net deferred tax assets**	**1295.96**	**981.64**

टिप्पणी – 39.

संबंधित पक्षों के प्रकटीकरण
रिपोर्टिंग एंटरप्राइजेज – राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड.

प्रमुख प्रबंधन कार्मिक

1)	श्री पृथुल कुमार	नामित निदेशक (20.09.2022 से 10.01.2023 तक) प्रबंध निदेशक (11.01.2023 से)
2)	श्री रविंद्र भाकर	प्रबंध निदेशक (11.12.2021 से 10.01.2023 तक)
3)	सुश्री सुमोना मजूमदार	कम्पनी सचिव (01.07.2022 से)
4)	श्री ई.जे. पॉल	कम्पनी सचिव (30.05.2022 को सेवानिवृत्त हुए)

Note – 39.

Related Party Disclosures
Reporting Enterprise – National Film Development Corporation Ltd.

Key Management Personnel –

1)	Mr. Prithul Kumar	Nominee Director (from 20.09.2022 to 10.01.2023) Managing Director (from 11.01.2023)
2)	Mr. Ravinder Bhakar	Managing Director (from 11.12.2021-10.01.2023)
3)	Ms. Sumona Majumdar	Company Secretary (from 01.07.2022)
4)	Mr. E. J. Paul Company	Secretary (retired on 30.05.2022)

संबद्ध पक्षों के साथ लेनदेन का विवरण जो कि एएस-18 के अंतर्गत आवश्यक है –

प्रमुख प्रबंधन कार्मिक

Transactions with the Related Parties as required by AS-18 is given below –

Key Management Personnel

निदेशक का नाम	Name of the Key Personnel	लेन देन का स्वरूप	Nature of Transaction	2022-23	2021-22
सुश्री सुमोना मजूमदार कम्पनी सचिव	Ms. Sumona Majumdar Company Secretary	पारिश्रमिक	Remuneration	14.31	–
श्री ई.जे. पॉल कम्पनी सचिव	Mr. E J Paul Company Secretary	पारिश्रमिक	Remuneration	12.19	24.65

टिप्पणी – 40. आय प्रति शेयर

Note – 40. Earnings per Share

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2022-23	2021-22
इक्विटी अंशधारकों को रोप्य शुध्द लाभ/(हानि)	Net Profit/(Loss) attributable to Equity Shareholders (₹ in lakhs)	501.29	(673.99)
मूल के लिए इक्विटी शेयर्स की भारित औसत सं. (इपीएस)	Weighted Average No. of Equity Shares for Basic (EPS)	45,39,985	45,39,985
तनुकृत के लिए इक्विटी शेयर्स की भारित औसत सं. (इपीएस)	Weighted Average No. of Equity Shares for Diluted (EPS)	45,39,985	45,39,985
शेयर का अंकित मूल्य	Nominal Value of Share (₹)	100	100
प्रति शेयर आय – मूल	Earning Per Share – Basic (₹)	11.10	(14.85)
प्रति शेयर आय – तनुकृत	Earnings Per Share – Diluted (₹)	11.10	(14.85)

टिप्पणी – 41. निदेशकों के पारिश्रमिक का विवरण

Note – 41. Particulars of Directors Remuneration

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2022-23	2021-22
निदेशक (वित्त) – पारिश्रमिक	Remuneration of Director (Finance)	–	–
इपीएफ का अंशदान	Contribution to EPF	–	–

टिप्पणी – 42. कंपनीज एक्ट 2013 के पैराग्राफ्स 5 (i) (m), (viii) b,5 (viii) 5 e and 5 (A) (j) के शिड्यूल 3 के पार्ट 2 के प्रावधानों के अंतर्गत अतिरिक्त सूचना, जहां तक उपयुक्त हो.

Note – 42. Additional information pursuant to the provisions of paragraphs 5(i)(m),5(viii) b,5 (viii) e and 5 (A) (j)of the part II of Schedule III to the Companies Act, 2013 to the extent applicable.

i) पूर्व कालिन मदें

i) Prior Period Items

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2022-23	2021-22
पूर्व कालिन आय	Prior Period Income	-	0.03
पूर्व कालिन व्यय	Prior Period Expenses	0.53	28.87
निवल पूर्व अवधि आय/(व्यय)	Net Prior Period Income/(Expenses)	(0.53)	(28.84)

ii) विदेशी मुद्रा में आय

ii) Earnings in Foreign Exchange

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2022-23	2021-22
वस्तुओं/अधिकारों पर निर्यात आकलन एफओबी आधार पर िकया गया	Export on goods/rights calculated on FOB basis	72.48	115.27

iii) विदेशी मुद्रा में खर्च

iii) Expenditure in Foreign Currency

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2022-23	2021-22
विदेशी यात्राएं/सहभागिता व्यय	Foreign Tours/Participation Exp/Mentor Fees	384.79	147.92

iv) लेखा परिक्षकों को भुगतान

iv) Payment to Auditors

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2022-23	2021-22
लेखा परीक्षण की फीस	Audit Fees	4.50	4.50
कर लेखा परीक्षण की फीस	Tax Audit Fees	1.00	1.00

टिप्पणी – 43.

दूरदर्शन 1980 से 2008 तक एनएफडीसी की फिल्में डीडी-1 और डीडी इंडिया पर दिखाने के लिए लेता रहा. दूरदर्शन ने जो पैसा एनएफडीसी को देना था उसमें से उसने कुछ पैसा काट लिया. उस पैसे को वापस लेने के लिए कोशिशें जारी हैं. इसके लिए उनके साथ जिन जरूरी दस्तावेजों का आदान प्रदान किया जाना था, वह भी किया जा चुका. दूरदर्शन और एनएफडीसी दोनौं ही सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं अत: यह फैसला किया गया कि इस बारे में दोनों पक्ष आपसी सहमति से इस मामले को सुलझा लें. दीर्घकालीन लंबित विवाद का निराकरण करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त पत्र 17.5.2019 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने श्री अजय मित्तल, पूर्व सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय को मध्यस्थ के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी है.

उसके बाद प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने 5 दिसम्बर 2019 को एक बैठक बुलाई जिसमें एनएफडीसी और प्रसार भारती के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. एक संक्षिप्त चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है कि दोनों दल एक साथ बैठेंगे और बकाया राशि में सामंजस्य और और समय पर निपटान के लिए प्रासंगिक दस्तावेजों का आदान-प्रदान करें. तदनुसार एनएफडीसी टीम ने डीडी डीजी, फिल्म प्रभाग के संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की और बिल और भुगतान में विसंगतियों को हल करने के लिए एमओयू के प्रत्येक खंड को स्पष्ट किया और सभी आवश्यक दस्तावेज भी दिए जिसमें सुलह के बाद संशोधित दावा, चालान की प्रतियां, वसूलियों का विवरण और उसी दिन अधिकार क्षेत्र में अन्य दस्तावेज शामिल है.

यह मामला संयुक्त बैठक के बाद सूचनार्थ माननीय सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, के कार्यालय में प्रस्तुत किया गया था. जिसे नोट करते हुए खुशी हो रही है कि –

1. हमें पीबी के साथ सौहार्दपूर्ण समझौता करने का प्रयास करना चाहिए
2. मध्यस्थता का प्रयोग किया जाना चाहिए, यदि सौहार्दपूर्ण निपटान संभव नहीं है

इस संबंध में, डीजी, दूरदर्शन ने संयुक्त सचिव (फिल्म्स) सूचना और प्रसारण मंत्रालय और प्रबंध निदेशक, एनएफडीसी के साथ नवंबर 2020 के पहले सप्ताह में एक बैठक की. और उन्होंने सभी लंबित मुद्दों को जल्द से जल्द एनएफडीसी के साथ हल करने का आश्वासन दिया.

अत: कंपनी को उम्मीद है कि इस मामले को सुलझा लिया जाएगा और दूरदर्शन से ₹563.65 लाख की देय राशि के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना जाएगा.

टिप्पणी – 44.

कंपनी की लेखा नीति के अनुसार, गैर-सरकारी देनदारों के संबंध में 3 वर्ष से अधिक समय से बकाया किसी भी ऋण के लिए अशोध्य और संदिग्ध ऋण के लिए नियमित अभ्यास के रूप में प्रावधान. कुल व्यापार प्राप्य ₹ 6998.71 लाख में सरकारी विभाग/प्रशासनिक मंत्रालय से संबंधित ₹ 4458.66 लाख की राशि के देनदार शामिल हैं और ये देनदार 3 वर्ष से अधिक की अवधि के लिए बकाया हैं और कंपनी द्वारा उचित माना जा सकता है.

टिप्पणी – 45.

कंपनी ने ₹ 2648.74 लाख (पिछले वर्ष ₹ 2463.85 लाख) के 3 वर्षों से अधिक के व्यापार देय को वापस नहीं किया है क्योंकि यह सरकारी देनदारों से संबंधित प्राप्य के सामने बकाया देय हैं. कार्यादेशों के अनुसार, जैसा कि विक्रेताओं द्वारा सहमति व्यक्त की गई है, भुगतान शेष ग्राहकों द्वारा वसूली के अधीन हैं.

Note – 43.

As per MOU signed between Doordarshan and NFDC, Doordarshan had been sourcing films from NFDC for telecast on DD-1 and DD India since 1980 to 2008. There were certain deductions made by Doordarshan from the amounts due to NFDC. Attempts have been made to recover the amounts due and necessary documents were also shared with DD as per their requirement. Since both the media units, i.e. Doordarshan & NFDC are under the administrative control of Ministry of Information & Broadcasting, it was decided to resolve the issues through arbitration. The Ministry of Information & Broadcasting vide letter dated 17.05.2019 informed that the competent authority has approved the appointment of Shri Ajay Mittal, ex-Secretary, M/o I&B as sole arbitrator to resolve the long pending dispute.

Thereafter, the CEO Prasar Bharati, convened a meeting on 5th December 2019 wherein senior officers from NFDC and Prasar Bharati were present. After a brief discussion,it was decided that both the parties will sit together and reconcile outstanding dues and exchange relevant documents for timely settlement. Accordingly NFDC team had detailed discussion with concerned officials of Film section DGDD and explained each and every clause of MOU to resolve discrepancies in bills and payments and also given all the required documents including revised claim after reconciliation, copies of invoices, details of recoveries and other documents in justification on same day.

The matter was submitted to the office of Hon'ble Secretary, MIB after the joint meeting for kind information who pleased to note that –

1. We should try to have an amicable settlement with PB
2. Arbitration should be exercised, in case amicable settlement is not possible

In this connection DG Doordarshan had a meeting with JS (Films) MIB & MD NFDC in first week of November 2020 and he assured to resolve all pending issues with NFDC as early as possible.

Therefore Company expects that the matter will be resolved hence no provision was considered necessary towards the amounts of ₹ 563.65 lakhs due from Doordarshan.

Note – 44.

As per accounting policy of the company, provision for bad and doubtful debt for any debts outstanding for more than 3 years in respect to non-government debtors as regular practice. The Net trade receivables of ₹ 6998.71 lakhs includes debtors for a sum of ₹ 4458.66 lakhs pertaining to government department/ administrative ministry and theses debtors are outstanding for the period more than 3 years and may be considered good by the company.

Note – 45.

Company has not written back the trade payables outstanding for more than 3 years of ₹ 2648.74 lakhs (Previous Year ₹ 2463.85 lakhs) as the same are pending payables against the corresponding receivable from the government debtors. As per the work orders, as agreed by the vendors, the payments are subject to realization from the end customers.

टिप्पणी – 46.

एनएफडीसी ने श्री श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित फिल्म मुजीब – द मेकिंग ऑफ नेशन के सह-निर्माण के लिए वित्त वर्ष 2018-19 से 2021-2022 तक सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली से ₹ 3,737.70 लाख और वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान फिल्म विकास निगम (बांग्लादेश) से ₹ 1,784.25 लाख प्राप्त किए थे. सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार और सूचना मंत्रालय, पीपल्स रिपब्लिक, बांग्लादेश सरकार निर्माता हैं और एनएफडीसी और बीएफडीसी, बांग्लादेश उक्त फिल्म के कार्यकारी निर्माता हैं. एनएफडीसी ने ₹ 2037.52 लाख का खर्च दर्ज किया है और फिल्म मुजीब – द मेकिंग ऑफ नेशन के तहत अपने व्यय के लिए इन्वेंटरी के रूप में इसका खुलासा किया गया है. बीएफडीसी की ओर से किए गए व्यय को फिल्म विकास निगम (बांग्लादेश) से प्राप्त अग्रिम से घटा दिया गया है.

Note – 46.

NFDC had received ₹ 3737.70 lakhs from the Ministry of Information & Broadcasting, New Delhi in the F.Y 2018-19 to 2021-2022 and ₹1784.25 lakhs during FY 2020-21 from Film Development Corporation (Bangladesh) for the co-production of film “Mujib – The Making of Nation” directed by Shri Shyam Benegal. The Ministry of Information & Broadcasting, Govt of India and the Ministry of Information, Government of People’s Republic of Bangladesh are the Producers and NFDC and BFDC, Bangladesh are Executive Producer for the said film. NFDC has booked an expenditure of ₹ 2037.52 lakhs for the film “ Mujib – The Making of Nation “and same has been disclosed as Inventory under movie Mujib – The Making of Nation for the own expenditure. Expenditure incurred on behalf of BFDC has been reduced from the advances from Film Development Corporation (Bangladesh)

टिप्पणी – 47. खण्डीय सूचना

लेखांकन मानक 17 के अनुसार आवश्यक खण्ड सूचनाएं निम्नांकित है –

Note – 47. Segment Reporting

The segment information required as per accounting standard 17 is given below –

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2022-23						2021-22					
		फिल्म निर्माण	फिल्म वितरण	सेवा परियोजनाएं	मीडिया अभियान	अन्य	कुल	फिल्म निर्माण	फिल्म वितरण	सेवा परियोजनाएं	मीडिया अभियान	अन्य	कुल
		Film Production	Film Distribution	Service Project	Media Campaign	Other	Total	Film Production	Film Distribution	Service Project	Media Campaign	Other	Total
खण्ड आय	Segment Revenue												
विदेशी बिक्री	External Sales	4,074.76	316.61	5,235.02	1,913.55	483.74	12,023.68	5,170.11	204.27	642.54	870.11	392.54	7,279.57
अंतर खण्ड बिक्री	Inter segment Sales												
कुल आय	Total Revenue	4,074.76	316.61	5,235.02	1,913.55	483.74	12,023.68	5,170.11	204.27	642.54	870.11	392.54	7,279.57
खण्ड व्यय	Segment Expenses	3,471.35	62.61	4,657.75	1,863.61	–	10,055.33	4,823.15	61.02	518.49	840.60	–	6,243.27
परिचालित लाभ (हानि)	Operation Profit/(Loss)	603.40	254.00	577.27	49.94	483.74	1,968.35	346.95	143.25	124.05	29.50	392.54	1,036.30
व्याज व्यय	Interest Expenses	–	–	–	–	–	–						
मूल्य -हास एवं परिशोधन	Depreciation & Amortisation	29.16	19.19	48.36	–	33.30	28.80	62.10					
अनआबंटित व्यय	Unallocated Expenses	1,734.68	1,734.68	–	–	–	1,648.19	1,648.19					
आयकर	Income Taxes	–	–	–	–	–	–	–					
साधारण गतिविधियों द्वारा लाभ/(हानि)	Profit/(Loss) from ordinary activities	603.40	254.00	548.10	49.94	(1,270.13)	185.31	346.95	143.25	90.75	29.50	(1,284.45)	(673.99)
असाधारण मदें	Exceptional Item	–	–										
पूर्व वर्षों में आस्थगित कर और आय कर	Deferred Tax and Income Tax for earlier Years	315.99	315.99	–									
शुध्द लाभ/(हानि)	Net Profit/(Loss)	603.40	254.00	548.10	49.94	(1,586.12)	501.30	346.95	143.25	90.75	29.50	(1,284.45)	(673.99)
अन्य जानकारी	Other information	–											
खण्डीय परिसम्पत्तियां	Segment Assets	3,647.08	678.01	5,589.21	449.05	13,325.17	23,688.53	7,290.85	638.94	821.66	1,095.75	6,960.58	16,807.78
अनआबंटित निगमित परिसम्पत्तियां	Unallocated Corporate Assets	–											
कुल परिसम्पत्तियां	Total Assets	3,647.08	678.01	5,589.21	449.05	13,325.17	23,688.53	7,290.85	638.94	821.66	1,095.75	6,960.58	16,807.78
खण्डीय देयताएं	Segment Liablities	10,503.26	273.50	3,672.25	4,127.61	2,435.00	21,011.62	5,264.77	250.44	3,666.37	3,999.98	1,450.60	14,632.16
अन आबंटित निगमित देयताएं	Unallocated Corporate Liabilities	–											
कुल देयताएं	Total Liabilities	10,503.26	273.50	3,672.25	4,127.61	2,435.00	21,011.62	5,264.77	250.44	3,666.37	3,999.98	1,450.60	14,632.16
पूंजी कार्य प्रगति पर	Capital Work in Progress	–											
अन्य	Other	–											
कुल पूंजी कार्य प्रगति पर	Total Capital Work in Progress	–											
मूल्य -हास एवं परिशोधन	Depreciation & Amortisation	29.16	19.19	48.36	–	–	33.30	–	28.80	62.10			
अन्य	Other	–											
कुल मूल्य-हास	Total Depreciation	29.16	–	19.19	48.36	–	–	33.30	–	28.80	62.10		
मूल्य -हास एवं परिशोधन के अलावा अन्य गैर रोकड व्यय	Non cash expense other than depreciation - Amortisation												

* सेवा परियोजनाओं के अंतर्गत समूहीकृत 4 मीडिया इकाइयों और एफएफओ की आय और व्यय

* Income & Expenses of 4 Media units & FFO grouped under Service Projects

टिप्पणी – 48.

कंपनी के स्वामित्व वाली सभी अचल संपत्ति के टाइटल डीड कंपनी के नाम पर हैं, 31 मार्च, 2023 तक स्पुतनिक में सकल ब्लॉक ₹ 2.77 लाख के कार्यालय परिसर के मामले को छोड़कर, जिनके टाइटल डीड पूर्ववर्ती के नाम पर हैं फिल्म फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जिसे कंपनी के साथ 11 अप्रैल 1980 से और हाउसिंग सोसाइटी द्वारा कंपनी के पक्ष में केवल शेयर प्रमाण पत्र जारी किया जाता है. इसी प्रकार पट्टेदार के रूप में धारित अचल संपत्ति के मामले में पट्टा करारों को भी कंपनी के नाम पर विधिवत निष्पादित किया जाता है.

टिप्पणी – 49.

कंपनी के पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है और बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही लंबित नहीं है.

टिप्पणी – 50.

कंपनी ने बैंकों और/या वित्तीय संस्थानों से कोई उधार नहीं लिया है.

टिप्पणी – 51.

कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाता द्वारा विलफुल डिफॉल्टर घोषित नहीं किया गया है.

टिप्पणी – 52.

हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 अथवा कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 के तहत बंद कंपनियों के साथ कोई लेनदेन दर्ज नहीं किया है या उनका कोई समापन शेष नहीं है.

टिप्पणी – 53.

कंपनी के पास कोई शुल्क या संतुष्टि नहीं है जिनका वैधानिक अवधि के बाद भी कंपनी रजिस्ट्रार के पास पंजीकरण होना बाकी है.

टिप्पणी – 54.

कंपनी का किसी अन्य कंपनी में कोई डाउनस्ट्रीम निवेश नहीं है.

टिप्पणी – 55.

कम्पनी ने विदेशी संस्थाओं (मध्यस्थों) सहित किसी भी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (यों) को अग्रिम या ऋण या निवेशित धन (या तो उधार धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या किसी प्रकार की निधि) का मध्यस्थ की धारणा सहित (चाहे लिखित या अन्य दर्ज किया गया हो) निवेश नहीं किया है –

(i) कंपनी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार या निवेश करें या

(ii) अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा आदि जैसे प्रदान करना;
कंपनी को विदेशी संस्थाओं (फंडिंग पार्टी) सहित किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (संस्थाओं) से कम्पनी की धारणा सहित (चाहे लिखित रूप में या अन्य दर्ज किया गया हो) कोई फंड प्राप्त नहीं हुआ है.

Note – 48.

The title deeds of all the immovable property owned by the company are in the name of company except in case of Office Premises at Sputnik with Gross Block ₹2.77 lakhs as at March 31, 2023, whose title deeds are held in the name of earstwhile Film Finance Corporation Limited, which was amalgamated with the company w.e.f. April 11, 1980 and only share certificate is issued in favour of the Company by the Housing Society. Similarly the lease agreements in case of immovable property held as lesee are also duly executed in the name of company.

Note – 49.

The Company does not hold any Benami property and there is no proceedings initiated on pending against the Company for holding any benami property under the Benami Transactions (Prohibition) Act, 1988 (45 of 1988) and the rules made thereunder.

Note – 50.

The Company has not taken any borrowings from banks and/or financial institutions.

Note – 51.

The Company has not been declared as wilful defaulter by any bank or financial institutions or other lender.

Note – 52.

To the best of our knowledge the company has not entered into any transactions with or have any closing balances of the companies struck off under section 248 of the Companies Act, 2013 or Section 560 of the Companies Act, 1956.

Note – 53.

The Company does not have any charges or satisfaction which are yet to be registered with the Registrar of Companies beyond the statutory period.

Note – 54.

The Company does not have any downstream investment in any other company.

Note – 55.

The company has not advanced or loaned or invested funds (either borrowed funds or share premium or any other sources or kind of funds) to any other person(s) or entity(ies), including foreign entities (Intermediaries) with the understanding (whether recorded in writing or otherwise) that the Intermediary shall –

(i) directly or indirectly lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the company (Ultimate Beneficiaries) or

(ii) provide any guarantee, security or the like to or on behalf of the Ultimate Beneficiaries;
The company has not received any fund from any person(s) or entity(ies), including foreign entities (Funding Party) with the understanding (whether recorded in writing or otherwise) that the company shall

(i) फंडिंग पार्टी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार या निवेश करें या

(ii) अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की अन्य सुविधाएं प्रदान करें

टिप्पणी – 56.

कंपनी का कोई लेन-देन नहीं है, जोकि आयकर अधिनियम 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान सरेंडर या आय के रूप में प्रकट किए गए लेखा पुस्तकों में दर्ज नहीं किया गया है.

टिप्पणी – 57.

वर्ष के दौरान कंपनी ने क्रिप्टो चलन या वर्चुअल चलन में व्यापार या निवेश नहीं किया है.

(i) directly or indirectly lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the Funding Party (Ultimate Beneficiaries) or

(ii) provide any guarantee, security or the like on behalf of the Ultimate Beneficiaries

Note – 56.

The company does not have any transaction, not recorded in the books of accounts that has been surrendered or disclosed as income during the year in the tax assessments under the Income Tax Act 1961.

Note – 57.

The Company has not traded or invested in the Crypto Currency or Virtual Currency during the year.

टिप्पणी – 58. 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए अनुपातों का प्रकटीकरण

Note – 58. Ratio Analysis For The Year Ended March 31, 2023

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	अनुपात	Ratio	न्यूमरेटर में शामिल आइटम्स	Items included in Numerator	31 मार्च 2023 को (₹) As at March 31, 2023 (₹)	31 मार्च 2022 को (₹) As at March 31, 2022 (₹)	भाजक में शामिल आइटम्स	Items included in Denominator	31 मार्च 2023 को (₹) As at March 31, 2023 (₹)	31 मार्च 2022 को (₹) As at March 31, 2022 (₹)	31 मार्च 2023 को अनुपात Ratio as at March 31, 2023	31 मार्च 2022 को अनुपात Ratio as at March 31, 2022	परिवर्तन का प्रतिशत % Change	25% से अधिक भिन्नता का कारण	Reason for variance more than 25%
(a)	चालू अनुपात (समय में)	Current Ratio (in times)	चालू परिसम्पत्तियां [जैसे वर्तमान निवेश, सूची, व्यापार प्राप्तियां, नकद और बैंक शेष, अल्पावधि ऋण और अग्रिम और अन्य मौजूदा संपत्ति]	Current assets [i.e. Current Investments, Inventories, trade receivables, cash and bank balances, short term loans and advance and other current assets]	22,008	15,412	चालू देयताएं [जैसे अल्पावधि उधार, व्यापार देय, अन्य वर्तमान देनदारियां और प्रावधान]	Current liabilities [i.e. short term borrowings, trade payables, other current liabilities and provisions]	12,148.5	11,190.6	1.81	1.38	31.54%	मंत्रालय के आदेशानुसार सीएफएसआई की एफडी सहित बैंक बैलेंस एनएफडीसी के नाम पर स्थानांतरित कर दिया गया है.	Bank Balance including FD's of CFSI has been transferred in name of NFDC as per Ministry Order
(b)	ऋण इक्विटी अनुपात (समय में)	Debt Equity Ratio (in times)	कुल ऋण [जैसे कुल उधार दीर्घावधि और अल्पावधि]	Total debt [i.e. total borrowing long-term and short term]	NA	NA	कुल शेयरधारक इक्विटी [जैसे शेयर पूंजी और भंडार और अधिशेष]	Total Shareholders equity [i.e. Share capital and Reserves and Surplus]	NA	NA	NA	NA	NA		
(c)	ऋण सेवा कवरेज अनुपात (समय में)	Debt Service Coverage Ratio (in times)	ऋण सेवा के लिए कमाई [कर पूर्व शुद्ध लाभ + मूल्यह्रास और अन्य परिशोधन जैसे गैर-नकद परिचालन व्यय + ब्याज + अन्य समायोजन जैसे अचल संपत्तियों की बिक्री पर हानि आदि]	Earning for Debt Service [Net Profit before taxes + Non-cash operating expenses like depreciation and other amortizations + Interest + other adjustments like loss on sale of Fixed assets etc.]	NA	NA	ऋण सेवा [जैसे ब्याज और लीज भुगतान + मूल भुगतान]	Debt service [i.e. Interest & Lease Payments + Principal Repayments]	NA	NA	NA	NA	NA		

Table Contd.

	अनुपात	Ratio	न्यूमरेटर में शामिल आइटम्स	Items included in Numerator	31 मार्च 2023 को (₹) As at March 31, 2023 (₹)	31 मार्च 2022 को (₹) As at March 31, 2022 (₹)	भाजक में शामिल आइटम्स	Items included in Denominator	31 मार्च 2023 को (₹) As at March 31, 2023 (₹)	31 मार्च 2022 को (₹) As at March 31, 2022 (₹)	31 मार्च 2023 को अनुपात Ratio as at March 31, 2023	31 मार्च 2022 को अनुपात Ratio as at March 31, 2022	परिवर्तन का प्रतिशत % Change	25% से अधिक भिन्नता का कारण	Reason for variance more than 25%
(d)	इक्विटी अनुपात पर रिटर्न (प्रतिशत में)	Return on Equity Ratio (in percentage)	कर पश्चात शुद्ध लाभ - वरीयता लाभांश (यदि कोई हो)	Net Profits after taxes – Preference Dividend (if any)	501	-674	औसत शेयरधारक की इक्विटी [जैसे (प्रारंभिक नेट वर्थ + क्लोजिंग नेट वर्थ)/2]	Average Shareholder's Equity [i.e. (opening net worth + closing net worth)/2]	2,426.3	2,512.6	20.66%	-26.82%	-177%	चालू वर्ष में परिचालन से राजस्व में वृद्धि के कारण.	Due to Increase in revenue from operations in the current year.
(e)	इन्वेंटरी टर्नओवर अनुपात (समय में)	Inventory Turnover Ratio (in times)	बिक्री किए गए माल की लागत [जैसे ओपनिंग स्टॉक + खरीदारी - क्लोजिंग स्टॉक] या बिक्री [जैसे संचालन से राजस्व]	Cost of goods sold [i.e. opening stock + purchases - closing stock] OR sales [i.e. Revenue from operations]	NA	NA	औसत इन्वेंटरी [जैसे (प्रारंभिक + अंतिम शेष)/2]	Average inventory [i.e. (Opening + Closing balance)/2]	NA	NA	NA	NA	NA		
(f)	व्यापारिक प्राप्य टर्नओवर अनुपात (समय में)	Trade Receivables Turnover Ratio (in times)	शुद्ध ऋण बिक्री [जैसे सकल क्रेडिट बिक्री माइनस सेल्स रिटर्न] या कुल बिक्री [यदि क्रेडिट बिक्री का विवरण उपलब्ध नहीं है]	Net credit sales [i.e. gross credit sales minus sales return] OR Total sales [if details of credit sales not available]	11,540	6,887	प्राप्य औसत लेखा खाते [जैसे (प्रारंभिक व्यापार प्राप्य + अंतिम व्यापार प्राप्तियां)/2]	Average Accounts Receivable [i.e. (Opening trade receivables + Closing trade receivables)/2]	6,619.6	6,178.3	1.74	1.11	56.39%	टर्नओवर में वृद्धि के कारण	Due to Increase in turnover
(g)	व्यापारिक देय टर्नओवर अनुपात (समय में)	Trade Payables Turnover Ratio (in times)	नेट क्रेडिट खरीद [जैसे सकल क्रेडिट खरीद माइनस खरीद वापसी] या कुल खरीदारी [यदि क्रेडिट खरीद का विवरण उपलब्ध नहीं है]	Net credit purchases [i.e. gross credit purchases minus purchase return] OR Total purchases [if details of credit purchases not available]	10,967	7,051	औसत व्यापार देय [जैसे (प्रारंभिक व्यापारिक देय + अंतिम व्यापारिक देय)/2]	Average Trade Payables [i.e. (Opening trade payables + Closing trade payables)/2]	5,000.8	5,032.3	2.19	1.40	56.51%	टर्नओवर में वृद्धि के अनुरूप खरीद में वृद्धि के कारण	Due to increse in Purchases corresponding to increase in turnover

Table Contd.

	अनुपात	Ratio	न्यूमरेटर में शामिल आइटम्स	Items included in Numerator	31 मार्च 2023 को (₹) As at March 31, 2023 (₹)	31 मार्च 2022 को (₹) As at March 31, 2022 (₹)	भाजक में शामिल आइटम्स	Items included in Denominator	31 मार्च 2023 को (₹) As at March 31, 2023 (₹)	31 मार्च 2022 को (₹) As at March 31, 2022 (₹)	31 मार्च 2023 को अनुपात Ratio as at March 31, 2023	31 मार्च 2022 को अनुपात Ratio as at March 31, 2022	परिवर्तन का प्रतिशत % Change	25% से अधिक भिन्नता का कारण	Reason for variance more than 25%
(h)	नेट कैपिटल टर्नओवर अनुपात (समय में)	Net Capital Turnover Ratio (in times)	शुद्ध बिक्री [जैसे कुल बिक्री माइनस सेल्स रिटर्न]	Net Sales [i.e. total sales minus sales returns]	11,540	6,887	औसत कार्यशील पूंजी [जैसे {(वर्तमान संपत्ति खोलना - वर्तमान देनदारियों को खोलना) + (वर्तमान अंतिम चालू परिसम्पत्तियां - चालू देनदारियों को बंद करना) }/2]	Average Working Capital [i.e. {(opening current assets - opening current liabilities) + (closing current assets - closing current liabilities) }/2]	7,040.2	4,831.6	1.64	1.43	14.99%		
(i)	शुद्ध लाभ अनुपात (प्रतिशत में)	Net Profit Ratio (in percentage)	कर पश्चात शुद्ध लाभ	Net Profit after Tax	501	-674	शुद्ध बिक्री [जैसे कुल बिक्री माइनस सेल्स रिटर्न]	Net Sales [i.e. total sales minus sales returns]	11,539.9	6,887.0	4.34%	-9.79%	-144.39%	चालू वर्ष में परिचालन से राजस्व में वृद्धि के कारण.	Due to Increase in revenue from operations in the current year.
(j)	नियोजित पूंजी पर रिटर्न (प्रतिशत में)	Return on Capital employed (in percentage)	ब्याज और कर पूर्व आय [जैसे कर पूर्व शुद्ध लाभ + वित्त लागत]	Earning before interest and taxes [i.e. Net profit before tax + finance costs]	185	-674	नियोजित पूंजी [जैसे वास्तविक नेट वर्थ + कुल ऋण + आस्थगित कर देयता]	Capital Employed [i.e. Tangible Net Worth + Total Debt + Deferred Tax Liability]	2,676.9	2,175.6	6.92%	-30.98%	-122.35%	चालू वर्ष में परिचालन से राजस्व में वृद्धि के कारण.	Due to Increase in revenue from operations in the current year.
(k)	निवेश पर रिटर्न (प्रतिशत में)	Return on Investment (in percentage)	अवधि के अंत में बाजार मूल्य - अवधि की शुरुआत में बाजार मूल्य - नकदी प्रवाह, नकदी आउटफ्लो का योग	Market Value at end of period - Market Value at beginning of the period - Sum of cash inflow, cash outflow	NA	NA	अवधि की शुरुआत में बाजार मूल्य + [वजन शुद्ध नकदी प्रवाह X नकदी प्रवाह, आउटफ्लो का योग	Market Value at beginning of the period + Sum of [weight net cash flows X Cash inflow, outflow	NA	NA	NA	NA	NA		

टिप्पणी – 59.

पिछले वर्ष की राशियों का इस वर्ष की प्रस्तुतियों के साथ करने के लिये जहां लागू हो, वहां पुन: वर्गीकरण कर दिया गया.

वित्तीय विवरणों पर हस्ताक्षर

सी.बी.छाजेड़ एंड कं की ओर से
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
(एफआरएन 101796W)

सी.पी. भाटिया
पार्टनर
एम. नं. 045210
UDIN –
23045210BGWSXY3860

स्थान – मुम्बई
दिनांक – 28.08.2023

बोर्ड के लिए बोर्ड की ओर से

पृथुल कुमार
प्रबंध निदेशक
डीआईएन नं
07792778

जयंत सिन्हा
निदेशक
डीआईएन नं 09329500

सुमोना मजूमदार
कम्पनी सचिव
स.क्र. एफसीएस 8043

Note – 59.

Previous year figures have been re-classified to confirm with current year presentation, wherever applicable.

Signature to Notes
Financial Statements

For C. B. Chhajed & Co.,
Chartered Accountants
(FRN 101796W)

(C. P. Bhatia)
Partner
M. No. 045210
UDIN –
23045210BGWSXY3860

Place – Mumbai
Dated – 28.08.2023

For and on behalf of Board

Prithul Kumar
Managing
Director
DIN No.
07792778

Jayant Sinha
Director
DIN No. 09329500

Sumona Majumdar
Company Secretary
M. No. FCS 8043

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड
के सदस्यों के लिये
वित्तीय वक्तव्यों के लेखा परीक्षण पर पर रिपोर्ट

सशर्त राय

हमने राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (द कंपनी) के संलग्न वित्तीय वक्तव्यों का लेखा परीक्षण किया है जिनमें के 31 मार्च 2023 को तथा उसी तिथि को समाप्त होने वाले वर्ष के तुलनपत्र, लाभ-हानि लेखे तथा रोक़ड़ प्रवाह विवरण, साथ ही महत्वपूर्ण लेखा नीतियों तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं का सारांश भी शामिल है.

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, हमारी रिपोर्ट के योग्य राय अनुभाग के आधार में वर्णित मामले के संभावित प्रभावों को छोड़कर, उपरोक्त वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित जानकारी को आवश्यक तरीके से देते हैं और 31 मार्च, 2023 को कंपनी के मामलों की स्थिति उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए उसके हानि और रोकड़ प्रवाह के बारे में भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं.

सशर्त राय का आधार

(क) विविध देनदारों के कुल शेषों की वसूली, ऋण एवं अग्रिमों तथा चालू देयताएं जिनमें कुछ शेष आयकर, सेवाकर, वैट, जीएसटी से संबंधित हैं, इनमें पिछले कुछ वर्षों की बकाया देनदरियां भी शामिल हैं. में से कुछ की पुष्टि होनी है और यदि कुछ हो तो तत्परिणामस्वरूप समंजन होना है. इसका यदि कोई वित्तीय परिणाम हो तो उसका अनुमान नहीं लगाया जा सका है. (देखिये नोट संख्या 26).

(ख) सन 1991 में कुछ अचल संपत्तियों को गिरवी रख देने से प्राप्त जो ₹30 लाख तीन पार्टियों के पास रख दिया गया था, उसके संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया. पार्टियों ने यह जमा राशि लौटाई नहीं और तत्संबंधी प्रतिभूतियों को परिसमाप्त (लिक्विडेट) भी नहीं किया गया. कंपनी ने मार्च 2007 में ₹ 18.00 लाख की जमा राशि की वसूली के लिए दो पक्षों के लिए समझौता किया. हालाँकि अभी भी उच्च न्यायालय में कार्यवाही लंबित होने के कारण भुगतान की वसूली नहीं की जा सकी है. शेष राशि ₹ 12.00 लाख के लिए मध्यस्थता कार्यवाही अभी भी जारी है. (देखें संदर्भ नोट 35).

(ग) जैसा कि नोट 44 में उल्लेख किया गया है, गैर सरकारी लोगों से जो ऋण 3 साल की अवधि तक वसूल नहीं हो पाते उनके लिए कंपनी ने नियमित चलन के तौर पर बुरे ऋण या संदेहास्पद ऋण का प्रावधान किया है. कुल ₹ 6,998.71 लाख (प्रोविजन का नेट) में ₹ 4,458.66 लाख उन सरकारी विभागों/एजेंसियों की ओर बकाया हैं जो 3 साल की अवधि से भी ज्यादा बकाया हैं. इन्हें कंपनी द्वारा ठीक माना गया था अत: इनके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया. इसके अलावा, दूरदर्शन के साथ वसूली को लेकर विवाद चल रहा है. केंद्र सरकार ने इस विवाद को निपटाने के लिए मध्यस्थ की नियुक्ति की है. इस चलन के मुताबिक अब तक कंपनी की ओर से कोई प्रावधान नहीं किया गया है. तथ्य यह है कि ऋण 3 वर्ष से अधिक समय से बकाया हैं, प्राप्तियों की पुष्टि अधिकांश मामलों में उपलब्ध नहीं है और सरकारी देनदारों की प्रतिक्रिया इस तरह के ऋणों का भुगतान करने की इच्छा को इंगित करने के लिए सकारात्मक नहीं है, ऐसे ऋणों की वसूली पर एक महत्वपूर्ण संदेह पैदा करता है. इसलिए कंपनी को इन सरकारी ऋणों के संबंध में नीति निर्धारित करने और इनकी वसूली के बारे में वास्तविक प्रस्तुतिकरण की आवश्यकता है. इसके अभाव में इस तरह के कर्जदारों से

Independent Auditor's Report

To theMembers of
National Film Development Corporation Limited
Report on the Audit of the Financial Statements

Qualified Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of National Film Development Corporation Limited (the "Company"), which comprise the Balance Sheet as at March 31, 2023, the Statement of Profit and Loss, and Statement of Cash Flows for the year then ended, and notes to the financial statements, includinga summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, except for the possible effects of the matter described in the Basis of Qualified Opinion section of our report, the aforesaid Financial Statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Company as at March 31, 2023, its profit, and its cash flows for the year ended on that date.

Basis forQualified Opinion

(a) The Balances in Sundry Debtors, Loans and Advances, Deposits and Current Liabilities including few balances in respect of Income Tax, Service Tax and GST are subject lo confirmation, reconciliation and consequential adjustment, if any, on the reconciliation. The financial impact, if any, is unascertained. (Refer Note 26)

(b) No provision is made in respect of deposit of ₹ 30.00 Lakhs placed with three parties in 1991 which are secured against mortgage of certain immovable properties. These parties have not refunded the deposits and the relevant securities are not liquidated. The Company has initiated arbitration proceedings against the parties for recovery of deposits and Arbitration awards have been made in favour of the Company in March 2007 for two parties for recovery of deposit of ₹ 18.00 Lakhs. however still the payments have not been recovered due to pending proceedings in High Court. For the balance amount of ₹ 12.00 Lakhs arbitration proceedings are still continuing. (Refer Note No 35)

(c) As mentioned in Note 44, the company is making provision for bad and doubtful debt for any debts outstanding for more than 3 years. in respect to non-government debtors as a regular practice. The total trade receivables of ₹ 6,998.71 Lakhs (net of provision) includes debtors for a sum of ₹ 4,458.66 Lakhs pertaining to government department/ agencies which are outstanding for the period more than 3 yoars and these were considered good by the company, and for which no provision is being made; further, there is an on-going dispute with Door-Darshan on recoverability (The Central Government has appointed an arbitrator to resolve the dispute) of dues, yet as a practice, no provision is being made by the company. The facts that debts are outstanding for more than 3 years, confirmations of receivables are not available in most of the cases and there is no response from government debtors to the reminders sent by the company; raise a significant doubt on recoverability of such debts. Therefore the company needs to adopt a policy for making provisions in respect to such government debts and a realistic presentation of recoverables should be made. In absonce of any concrete outcome of correspondence with

की गई किसी भी तरह की लिखत पढ़त को, जिसमें यह स्पष्ट हो कि उन्हें कर्ज अदायगी के लिये कितना समय दिया जाय, हम इस तरह के प्रावधानों को लेकर कोई निर्धारण करने में असमर्थ हैं.

(घ) जैसा कि नोट 45 में उल्लेख किया गया है, कंपनी के कुल व्यापार देय ₹ 4,966.11 लाख में 3 साल से अधिक की बकाया राशि ₹ 2,648.74 लाख तक शामिल है. जैसा कि पूर्वोक्त नोट में उल्लेख किया गया है, ये भुगतान अंतिम ग्राहकों से प्राप्य राशि के अनुरूप हैं और इस प्रकार उसमें बताए गए कारण के लिए, व्यापार देय राशि वापस नहीं लिखी जाती है. अंत ग्राहकों से व्यापार प्राप्तियों की वसूली के किसी भी ठोस सबूत और प्रमाण के अभाव में, हम इस तरह के भुगतानों की संभावना और हिस्से का न्याय करने में असमर्थ हैं और ऐसे लेनदारों की राशि को वापस लिखा जाना है, यदि कोई हो.

(ड़) ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम ₹ 3383.34 लाख, फिल्म निर्माण के लिए अग्रिम ₹ 2,600.88 लाख और अन्य अग्रिम ₹ 43.70 लाख जैसा कि नोट 8 में बताया गया है "अन्य मौजूदा देनदारियों" में कई अग्रिम शामिल हैं जो 1 वर्ष से अधिक बकाया हैं. उसी प्रकार नकद या वस्तु के रूप में वसूली योग्य अग्रिम ₹ 1,537.16 लाख और फिल्मों के निर्माण के लिए अग्रिम ₹ 785.58 लाख, जैसा कि नोट 16 "अल्पकालिक ऋण और अग्रिम" में बताया गया है, में एक वर्ष से अधिक बकाया प्राप्तियां भी शामिल हैं. जैसा कि हमें सूचित किया गया है, ये अग्रिम उन चालू परियोजनाओं के संबंध में हैं जो अभी तक पूरी नहीं हुई हैं, हालांकि, सत्यापन के लिए ऐसे अग्रिमों की परियोजना-वार सूची हमें प्रदान नहीं की गई है. परियोजनावार विवरण और इसके मिलान के अभाव में, हम वित्तीय प्रभाव का पता लगाने तथा प्रावधान की राशि यदि कोई हो, की मात्रा निर्धारित करने में असमर्थ हैं.

(घ) नोट 16 अल्पावधि ऋण और अग्रिमों में सेवा कर/जीएसटी भुगतान शामिल है जिसमें प्राप्त अग्रिमों पर जीएसटी भुगतान और जीएसटी इनपुट क्रेडिट शामिल हैं. वर्ष के दौरान, कंपनी ने जीएसटी रिटर्न के साथ ऐसे जीएसटी इनपुट क्रेडिट के मिलान की प्रक्रिया शुरू की है और ग्राहकों से प्राप्त अग्रिमों के खिलाफ अग्रिमों पर भुगतान किए गए बकाया जीएसटी का आलेख बनाया है. हालांकि, जैसा कि ऊपर बिंदु (ई) में उल्लेख किया गया है, ऐसे अग्रिमों का परियोजना-वार विवरण हमें उपलब्ध नहीं कराया गया है. पूर्ण सामंजस्य के अभाव में, हम वित्तीय प्रभाव का पता लगाने और प्रावधान की राशि की मात्रा यदि कोई हो, निर्धारित करने में असमर्थ हैं.

(छ) जैसा कि नोट 34 में उल्लेख किया गया है, कंपनी को कुछ आपूर्तिकर्ताओं से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 (एमएसएमईडी अधिनियम) के तहत उनकी स्थिति और सूक्ष्म और लघु उद्यम 31 मार्च 2023 तक ₹1,484.78 लाख है. एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 15 के अनुसार, खरीददार उसके और आपूर्तिकर्ता के बीच लिखित रूप से सहमत होने की तारीख पर या उससे पहले भुगतान करेगा या, जहां इस संबंध में कोई समझौता नहीं है, नियत तिथि से पहले जो किसी भी स्थिति में 45 दिन से अधिक नहीं होगा. विलंबित भुगतान के मामले में, कंपनी बैंक दर के तीन गुना चक्रवृद्धि ब्याज का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है. 31 मार्च 2023 तक, 45 दिनों से अधिक बकाया ऐसे सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए देय व्यापार राशि रू 642.85 लाख थी और 31 मार्च 2023 तक ऐसे बकाया देय पर देय ब्याज ₹ 995.99 लाख था. इसके अलावा इस वर्ष तथा पिछले वर्ष के दौरान भुगतान के मामले में 45 दिनों से अधिक का विलंब हुआ था जिस पर एमएसएमईडी अधिनियम के तहत ब्याज भी देय है और 31 मार्च, 2023 तक बकाया संचित ब्याज ₹ 1,163.40 लाख था. तथापि, उक्त नोट में बताए गए कारण के लिए, कंपनी ने लेखा पुस्तकों में इस तरह के ब्याज के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है.

such debtors, so as to show the quantum and lime by which such debts shall be paid, we are unable to quantify the amount of such provision to be made.

(d) As mentioned in Note 45, the company's total trade payables of ₹ 4,966.11 Lakhs include amounts outstanding beyond 3 years to the extent of ₹ 2,648.74 As mentioned in the aforesaid notes, these payables are corresponding to the receivables from the end customers and thus for the reason stated therein, the trade payables are not written back. In absence of, any concrete evidence of recoverability of the trade receivables from the end customers and quantum thereof, we are unable to judge the posibility and quantum of such payables and quantify the amount of such creditors to be written back, if any.

(e) Advances roceived from Customers ₹ 3383.34 Lakhs, Advance for Production ₹ 2,600.88 Lakhs and other advances ₹ 43.70 Lakhs as disclosed in Note 8 "Other current liabilities" include several advances which arc outstanding beyond 1 year. Similarly advances recoverable in cash or kind ₹1,537.16 Lakhs and advances for production of films ₹ 785.58 Lakhs as disclosed in note 16 "Short term loans and advances" also include recoivables which are outstanding beyond 1 year. As informed to us, these advances are in respect of ongoing projects which are not yet completed, however, the project-wise list of such advances are not provided to us for verification. In absence of project wise details and its reconciliation, we are unable to ascertain the financial impact and quantify the amount of provision, if any.

(f) Note 16 short term Joans and advances mcludes service tax I GST paid which consists of GST paid on advances received and GST input credit The Company has mit,ated the process of reconciliation of such GST mput credit with the GST Returns and mapped the outstanding GST paid on advances against the advances received from the customers. However, as mentioned in point (e) above, the project-wise details of such advances are not made available to us In absence of complete details and reconciliation, we are unable to ascertain the financial impact and quantify the amount of provision, if any.

(g) As mentioned in Note 34, the Company has recoived intimation from few Suppliers regarding their status under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006 (MSMED Act) and the amounts unpaid as at the year-end to the micro and small enterpnses as on 31-March-2023 is ₹1,484.78 lakhs. As per soc/ion 15 of MSMED Act, the buyer shall make payment therefore on or before the date agreed upon botwoen him and the supplier in writing or, where there is no agreement in this behalf, before the appointed day which shall in no case exceed 45 days In case of delayed payments, the company is liable to pay compound interest at three times the bank rate. As on 31-March-2023, the trade payables towards such micro and small enterprises outstanding beyond 45 days was amounting to ₹ 642.85 Lakhs and interest payable on suc/1 outstanding payables till 31-March-2023 was ₹ 995.99 Lakhs. Further, in case of payments during the year and previous year, there were dealys beyond 45 days, on which also interest is payable under/he MSMED Act. The accumulated accrued interest remaining unpaid as on 31-March-2023 was ₹ 1,163.40 Lakhs. However, for the reason stated in the aforesaid note, the Company has not made any provision for such interest in the books.

बुनियादी लेखा परीक्षण मामले

बुनियादी लेखा परीक्षण मामलों में वे मामले आते हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णयों में हमारे करंट वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण में अत्यधिक महत्व के होते हैं. वित्तीय विवरणों के हमारे लेखा परीक्षण में तथा इन पर अपनी राय कायम करने में इन्हें समग्र रूप में संबोधित किया गया है.इस संबंध में अलग से कोई राय जाहिर नहीं की गई है.

हमने यह सुनिश्चित किया है कि हमारी लेखा परीक्षण रिपोर्ट में ऊपर दिए गए सशर्त राय का आधार में वर्णित के अतिरिक्त कोई भी उल्लेखनीय मामले नहीं हैं.

वित्तीय वक्तव्यों पर प्रबंधन का दायित्व

इन वित्तीय वक्तव्यों को तैयार करने का दायित्व कंपनी के निदेशक मंडल का है जिनमें कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन तथा रोकड़ प्रवाह का समुचित परिदृश्य उन लेखा मानकों के अनुरूप प्रस्तुत किया गया हो जिनका उल्लेख कंपनी एक्ट 2013 (द एक्ट) के सेक्शन 134 (5) के अंतर्गत किया गया है. इस दायित्व में डिजाइन, परिपालन तथा आंतरिक नियंत्रणों की देखभाल आदि इस प्रकार शामिल हों जो विवरणों का सच्चा तथा समुचित परिदृश्य प्रस्तुत करें, जिसमें धोखाधड़ी या गलती से उत्पन्न कोई गलतबयानी न हो. साथ ही ये भारत में आमतौर पर अपनाये जाने वाले लेखा मानकों के अनुरूप हों जिनमें लेखाओं के वे मानक शामिल हों जिनका उल्लेख एक्ट के सेक्शन 133 में है जिसे कंपनी (अकाउंट्स) नियम 2014 के नियम 7 के साथ पढ़ा जाय, इस उत्तरदायित्व में एक्ट के प्रावधानों के अनुरूप लेखाओं के समुचित रिकॉर्ड्स रखना भी शामिल है जिनसे कि कंपनी की परिसंपत्तियों की रक्षा की जा सके और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं को रोका जा सके एवं उनका पता लगाया जा सके ; समुचित लेखा परीक्षण प्रणालियों का चुनाव करके उन्हें लागू किया जा सके ; तर्कसंगत निर्णय और अनुमान लगाये जा सकें ; समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के तरीके सोच कर उन्हें लागू किया जा सके जिनसे लेखाओं के रिकॉर्ड्स की शुद्धता तथा संपूर्णता सुनिश्चित की जा सके, जिनकी सहायता से सच्चे एवं निष्पक्ष वित्तीय विवरण तैयार किये जा सकें जो धोखाधड़ी या फिर भूलचूक से उत्पन्न भ्रांतिपूर्ण विवरणों से मुक्त हों.

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में यह प्रबंधन का उत्तरदायित्व है कि वह कंपनी के आगे चलते रह सकने की संभावनाओं का अनुमान लगा सके. उसे वे मामले उजागर करने चाहिएं जो किसी कंपनी के आगे चलते रह सकने की संभावनाओं के लिए आवश्यक होते हैं. उसे अकाउंटिंग बेसिस के लिए भी कंपनी की आगे चल सकने की क्षमताओं का आकलन करना चाहिए. अगर प्रबंधन कंपनी को बंद करना चाहता हो या लीज ऑपरेशंस समाप्त करना चाहता हो या उसके पास ऐसा करने के अलावा और कोई वास्तविक विकल्प नहीं है.

निदेशक मंडल का यह भी दायित्व है कि वह कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया पर नजर बनाए रखे.

वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण के लिए लेखा परीक्षकों के दायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण समग्र रूप से सामग्री के गैर कथन से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारी राय शामिल है. उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार आयोजित एक लेखा परीक्षण हमेशा मौजूद होने पर किसी सामग्री के गलत विवरण का पता लगाएगा. गलतियाँ धोखाधड़ी या त्रुटि और मानी जाने वाली सामग्री से उत्पन्न हो सकती हैं, अगर, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, तो इन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की अपेक्षा की जा सकती है.

एस ए की अनुरूपता के अनुकूल लेखा परीक्षण के एक भाग के तौर पर हम पेशेवर निर्णय लागू करते हैं और पूरे लेखापरीक्षण में पेशेवर संशयात्मकता बनाए रखते हैं. साथ ही हम –

- धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों की सामग्री के गलत होने के जोखिम को पहचानें और उनका आकलन करें, उन जोखिमों के लिए उत्तरदायी ऑडिट प्रक्रियाओं को डिज़ाइन और निष्पादित करें, और लेखा

Key Audit Matters

Key audit matters are those matters that In our professional Judgment, were of most significance in our audit of the Financial Statements of the current period. These matters were addressed in the context of our audit of the financial statements asa whole, and in forming our opinion thereon, and we do not provide a separate opinion on these matters.

We have determined that there are no key audit matters to communicate in our report except for the matters described in the Basis for Qualified Opinion section above.

Responsibility of Management for the Financial Statements

The Company's Board of Directors is responsible for the matters stated in Section 134(5) of the Companies Act, 2013 ("the Act") with respect to the preparation and presentation of these Financial Statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance, changes in equity and cash flows of the Company in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under section 133 of the Act read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules, 2014. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the Financial Statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the Financial Statements, management is responsible for assessing the Company's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Company or to cease operations. or has no realistic alternative but to do so.

The Board of Directors is also responsible for overseeing the Company's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the Financial Statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements canarise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also –

- Identify and assess the risks of material misstatement of the Financial Statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks,

परीक्षण प्रमाण प्राप्त करें जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो. धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली सामग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले एक से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण की ओवरराइड शामिल हो सकती है.

- लेखा परीक्षण मे प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों की जानकारी हासिल करते हैं जिससे लेखा परीक्षण की वह प्रक्रिया निर्धारित की जा सके जो परिस्थितिओं के अनुसार उपयुक्त साबित हो. कंपनीज एक्ट 2013 के सेक्शन 143 (3) (i) के अंतर्गत हम पर इस बात के लिए भी अपनी राय प्रकट करने की जिम्मेदारी है कि क्या कंपनी में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली सही तरीके से काम कर रही है और सभी नियंत्रण प्रभावी हैं.

- अकाउंटिंग की जो नीतियां अपनाई जा रही हैं, उनकी तथा अकाउटिंग अनुमानों केऔचित्य एवं प्रबंधन की ओर से प्रस्तुत खुलासों की उपयुक्तता एवं तर्कसंगतता का मूल्यांकन करना.

- प्रबंधन द्वारा किए जा रहे अकाउंटिंग आधार की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालना तथा लेखापरीक्षण के लिए प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर यह जांचना कि क्या घटनाओं या परिस्थतियों से जुड़ी ऐसी कोई वस्तुगत अनिश्चितता मौजूद है जिससे कंपनी की आगे कार्य करते रह सकने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा होता हो. अगर हमारा निर्णय यह हो कि वस्तुगत अनिश्चितता विद्यमान है तो हमारा फर्ज बनता है कि हम अपने लेखा परीक्षण के वित्तीय विवरण में इस संबंधित खुलासे की ओर ध्यान आकर्षित करें या फिर अगर इस प्रकार के खुलासे अपर्याप्त हों तो अपनी राय बदलें. हमारे नतीजे हमारे लेखा परीक्षण की तारीख तक हमें मिले साक्ष्यों पर आधारित हैं. लेकिन संभवत:,आगे आने वाली घटनाएं या परिस्थितियां कंपनी को अपनी गतिविधियां समाप्त करने पर मजबूर कर सकती हैं.

- वित्तीय विवरणों की कुल प्रस्तुतिकरण, संचरना तथा सामग्री का मूल्यांकन करना जिसमें खुलासे भी शामिल हों, और यह देखना कि वित्तीय विवरण बुनियादी लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व इस तरह करते हों जिससे साफ सुथरे प्रस्तुतिकरण की छवि उजागर हो.

- हम उन सब के साथ भी बातचीत करते हैं जिन पर अन्य मामलों के अलावा सुनियोजित व्यापकता तथा लेखा परीक्षण के समय को लेकर तथा आंतरिक नियंत्रणों के उन महत्वपूर्ण निष्कर्षों या महत्वपूर्ण कमियों को लेकर जो हमने लेखा परीक्षण के दौरान स्पष्ट किए, अभिशासन के संबंध में आरोप लगते हैं.

- जिन पर अभिशासन के संबंध में आरोप लगते हैं, हम उन्हें वह विवरण भी उपलब्ध कराते हैं जो हमने प्रासंगिक, नैतिक आवश्यकताओं के अनुरूप संकलित किया हो. हम उन्हें उन सभी संबंधों सहित, जिनके बारे में यह समझा जा सकता हो कि वे हमारे स्वतंत्र विचार चिंतन पर असर डाल सकते हैं, और जहां उपयुक्त हो वहां संबंधित बचाव संसूचित करते हैं.

अन्य कानूनी तथा नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. जैसा कि केंद्रीय भारत सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम परिवर्तित एवं संशोधित, सेक्शन 143 की उपधारा (11) के अनुसार आवश्यक है, कंपनी (लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट) आदेश 2016 (द ऑर्डर) के संबंध में हम उक्त आदेश के पैराग्राफ 3 तथा 4 में उल्लिखित विषयों पर अनुलग्नक ए, संलग्न कर रहे हैं.

2. जैसा कि नियम की धारा 143 (3) में अपेक्षित है, हम उपरोक्तानुसार रिपोर्ट करते हैं कि –

   क. हमने वे सारी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त किय्रे जो हमारी संपूर्ण जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारे लेखा परीक्षण के लिये आवश्यक थे.

   ख. हमारी राय में कंपनी द्वारा रखे गये वे सब खाते तथा बहियां, जो कानून के अनुसार आवश्यक हैं, उचित ढंग से तैयार करके रखे गये हैं. बही खातों की जांच से हमें यही अनुभूति हुई.

and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. Under section 143(3) (i) of the Companies Act, 2013, we are also responsible for expressing our opinion on whether the company has adequate internal financial controls system in place and theoperating effectiveness of suchcontrols.

- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management

- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Company's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the Financial Statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Company to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the Financial Statements, including the disclosures, and whether the Financial Statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

- We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significantaudit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during ouraudit.

- Wealso provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2020 ("the Order") issued by the Central Government of India in terms of sub-section (11) of section 143 of the Act, we give in the Annexure "I", a statement on the matters specified in paragraphs 3 and 4 of theOrder. to the extent applicable.

2. As required by section 143(3) of the Act, we report that –

   a. we have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

   b. in ouropinion, proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as appears from our examination of those books;

ग. इस रिपोर्ट के साथ जिस तुलनपत्र तथा लाभ हानि के विवरण तथा रोक़ड प्रवाह से वास्ता रहा, उसका बही खातों से सामंजस्य था.

घ. सशर्त राय के आधार पैराग्राफ मे उल्लिखित मामले को छोड़ कर, हमारी राय के अनुसार इस रिपोर्ट से संबंधित तुलनपत्र तथा लाभ हानि खाते तथा रोक़ड प्रवाह मानक लेखाओं के अनुरूप हैं जिनका जिक्र कंपनी अधिनियम 1956, जिसे कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के जनरल परिपत्र 15/2013 दिनांक 13 सितंबर 2013 के साथ कंपनी अधिनियम 2013 के धारा 133 के साथ पढ़ा जाय, में है.

ड़. कंपनी एक सरकारी कंपनी है जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (45) में परिभाषित है और 5 जून 2015 की अधिसूचना संख्या 463 (ई) के तहत अधिनियम की धारा 164 (2) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं. सरकारी कंपनी. तदनुसार, अधिनियम की धारा 164 (2) के अनुसार किसी भी निदेशक को 31 मार्च, 2022 को निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने से अयोग्य ठहराए जाने का प्रश्न ही नहीं उठता है.

च. आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता के कारण कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग एवं इस प्रकार के नियंत्रणों की प्रभावशीलता के लिए कृपया "अनुलग्नक II" में हमारी अलग से दी गई रिपोर्ट देखें.

छ. कंपनी के (लेखा परीक्षण और लेखा परीक्षकों) नियम 2014 के रूल 11 के अनुरूप हमारी राय और हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार वे अन्य मामले जो लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किये जाने चाहिएं –

(i) कंपनी ने अपने वित्तीय विवरण में अपने लंबित मुकदमों का जिक्र किया है. देखिये – वित्तीय विवरणों का संदर्भ नोट 25.

(ii) कंपनी ने डेरीवेटिव अनुबंधों समेत कोई दीर्घकालीन अनुबंध नहीं किये हैं जिनमें भविष्य में हानि होने की कोई संभावना उत्पन्न होने की आशंका हो.

(iii) ऐसे कोई राशि नहीं पाए गये जिन्हें कंपनी द्वारा इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड में स्थानांतरित करने की आवश्यकता हो.

iv. (क) प्रबंधन ने निवेदन किया है कि, अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अलावा, जैसा कि लेखाओं के टिप्पणियों में निर्दिष्ट किया गया है, कोई भी निधि अग्रिम या ऋण या निवेश नहीं किया गया है (उधार ली गई निधि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत से) कंपनी द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (यों) में, विदेशी संस्थाओं सहित ("मध्यस्थ"), इस समझ के साथ मध्यस्थ के चाहे अनुसार लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, कंपनी द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार या निवेश करेगा ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा के समान प्रदान करना.

(ख) प्रबंधन ने निवेदन किया है, कि, लेखों की टिप्पणियों में निर्दिष्ट के अलावा, इसके सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (यों) से कोई धन प्राप्त नहीं किया गया है, विदेशी संस्थाओं ("फंडिंग पार्टियां") सहित, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि कंपनी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगी या निवेश करेगी, जो किसी भी तरीके से या उसकी ओर से पहचानी गई हो. फंडिंग पार्टी ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस समान प्रदान करते हों; तथा

c. the Balance Sheet, the Statement of Profit and Loss and the Cash Flow Statement dealt with by this Report are in agreement with the books of account;

d. except for the matter described in the Basis for Qualified Opinion paragraph, in our opinion, the Balance Sheet, Statement of Profit and Loss, and Cash Flow Statement comply with the Accounting Standards notified under the Companies Act, 1956 read with the General Circular 15/2013 dated 13th September 2013 of Ministry of Corporate Affairs in respect of section 133 of the Companies Act, 2013;

e. the company is a Government Company as defined in Section 2 (45) of the Companies Act, 2013 and vide Notification No 463(E) dated June 5, 2015, the provisions of Section 164(2) of the Act does not apply to the Government Company. Accordingly, the question of any of the directors being disqualified as on March 31, 2022 from being appointed as a director in terms of Section 164 (2) of the Act does not arise

f. With respect to the adequacy of the internal financial controls over financial reporting of the Company and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate report in "Annexure II".

g. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014, in ouropinion and to the best of our information and according to the explanations given to us –

i. the Company has disclosed the impact of pending litigations on its financial position in its Financial Statements - Refer Note 25 to the Financial Statements;

ii. the Company did not have any long-term contracts including derivative contracts for which there were any material foreseeable losses

iii. there were no amounts which were required to be transferred to the Investor Education and Protection Fund by the Company.

iv(a) the management has represented that, to the best of it's knowledge and belief, other than as disclosed in the notes to the accounts, no funds have been advanced or loaned or invested (either from borrowed funds or share premium or any other sources or kind of funds) by the company to or in any other person(s) or entity(ies), including foreign entities ("Intermediaries"), with the understanding, whether recorded in writing or otherwise, that the Intermediary shall, whether, directly or indirectly lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the company ("Ultimate Beneficiaries") or provide any guarantee, security or the like on behalf of the Ultimate Beneficiaries;

(b) the management has represented, that, to the best of it's knowledge and belief, other than as disclosed in the notes to the accounts, no funds have been received by the company from any person(s) or entity(ies), including foreign entities ("Funding Parties"), with the understanding, whether recorded in writing or otherwise, that the company shall. whether, directly or indirectly, lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the Funding Party ("Ultimate Beneficiaries") or provide any guarantee, security or the like on behalf of the Ultimate Beneficiaries – and

(ग) लेखा परीक्षण की प्रक्रियाओं के आधार पर जिन्हें परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया है, हमारे ध्यान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें विश्वास हो कि नियम 11 (ई) के उप-खंड (i) और (ii) के तहत प्रतिवेदन, जैसा कि ऊपर (क) और (ख) के तहत प्रदान किया गया है, इसमें कोई महत्वपूर्ण गलत विवरण शामिल है.

v. कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई लाभांश घोषित या भुगतान नहीं किया है. तदनुसार, नियम 11 के खंड (एफ) में अपेक्षित धारा 123 के अनुपालन पर रिपोर्टिंग लागू नहीं होती है.

3. भारत के महालेखाकार तथा नियंत्रक द्वारा जारी निर्देशों के संदर्भ में एक्ट के सेक्शन 143 (5) द्वारा आवश्यक रिपोर्ट अलग से "अनुलग्नक III" में दी गई है.

सी.बी.छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म का रजिस्ट्रेशन नंबर – एफआरएन 101796W

सी.पी.भाटिया (साझेदार)
स्थान – मुंबई सदस्यता सं. – 045210
दिनांक – 28.08.2023 UDIN – 23045210BGWSXY3860

(c) based on the audit procedures that have been considered reasonable and appropriate in the circumstances, nothing has come to our notice that has caused us to believe that the representations under sub-clause (i) and (ii) of Rule 11(e), as provided under (a) and (b) above. contain any material misstatement.

v. The Company has not declared or paid any dividend during the year. Accordingly, reporting on compliance of Section 123 as required in clause (f) of Rule 11 is not applicable.

3. With respect to the directions issued by Comptroller and Auditor-General of India under section 143(5) of the Act, refer to our separate report in “Annexure III”.

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. – FRN101796W

C. P. Bhatia (Partner)
Place – Mumbai Membership No. – 045210
Dated – 28.08.2023 UDIN – 23045210BGWSXY3860

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "I"

अन्य कानूनी तथा नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट के पैरा 1 के उसी तिथि के संदर्भ में.

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (द कंपनी) के सदस्यों के लिये

1क.(i) कॉर्पोरेशन ने सभी अभिलेखों की साज सम्हाल सही तरीके से की है जिनमें सभी विवरण, व संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की स्थिति भी शामिल है, परिमाणात्मक विस्तार के साथ दिये गये हैं.

(ii) कॉर्पोरेशन ने सभी अभिलेखों की साज सम्हाल सही तरीके से की है जिनमें सभी विवरण, व अचल संपत्तियों की स्थिति भी शामिल है, परिमाणात्मक विस्तार के साथ दिये गये हैं.

ख. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी की संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों को वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा भौतिक रूप से सत्यापित किया गया है और बही रिकॉर्ड और वास्तविक सूची के बीच कोई महत्वपूर्ण विसंगति नहीं देखी गई है. हमारी राय में, सत्यापन की वारंवारता उचित है.

ग. हमारी राय में तथा हमें उपलब्ध कराई गई सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार अचल संपत्तियों का टाइटल डीड कंपनी के नाम पर है उन संपत्तियों के अलावा जहां कंपनी एक पट्टेदार है और पट्टे के पक्ष में पट्टे के करार को विधिवत निष्पादित किया जाता है) वित्तीय विवरणों में प्रकटित सिवाय स्पूतनिक में ऑफिस के लिए जगह लेने के जिसमें ग्रॉस ब्लॉक शामिल है (एकत्रित ₹ 2.77 लाख), 31 मार्च 2023 को, वहां जहां टाइटल डीड्स पूर्ववर्ती फिल्म फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नाम पर हैं जिसका 11 अप्रैल 1980 को कंपनी के साथ विलय कर दिया गया था और हाउसिंग सोसाइटी द्वारा सिर्फ शेयर सार्टिफिकेट एनएफडीसी के पक्ष में जारी किया गया है.

घ. कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (संपत्ति का उपयोग करने के अधिकार सहित) अथवा अवास्तविक संपत्ति का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है. तदनुसार, आदेश के पैरा 3 का खंड (i)(डी) वर्ष के लिए कंपनी पर लागू नहीं होता है.

ङ. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार, बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम, 1988 और उसके तहत बने नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू या लंबित नहीं है.

2क. वर्ष के दौरान कंपनी के पास कोई सम्पत्ति सूची नहीं है. तदनुसार, आदेश के पैराग्राफ 3 का खंड (ii)(ए) वर्ष के लिए कंपनी पर लागू नहीं है.

3. हमारी राय में तथा हमें उपलब्ध कराई गई सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने दूसरी किन्हीं कंपनियों, फर्मों या दूसरी पार्टियों को वर्ष के दौरान, निवेश किया, गारंटी या सुरक्षा प्रदान की या या ऋण के स्वरूप में अग्रिम,कोई प्रतिभूत या अप्रतिभूत ऋण नहीं दिये हैं. तद्नुसार, ऑर्डर के पैराग्राफ 3 की उपधारा (iii) (क) और (iii) (ख) इस वर्ष के लिये कंपनी पर लागू नहीं होतीं.

4. हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने दूसरी किन्हीं कंपनियों, फर्मों या दूसरी पार्टियों को धारा 185 और 186 के प्रावधानों के अंतर्गत कोई ऋण दिये है अथवा निवेश किया है अथवा न ही कोई गारंटी या प्रतिभूति प्रदान करता है नहीं दिये हैं और न ही कोई किया है. तद्नुसार, ऑर्डर के पैराग्राफ 3 की उपधारा (iv) कंपनी पर लागू नहीं होतीं.

Annexure "I" To The Independent Auditors' Report

[Referred to in paragraph 1 of "Report on other legal and regulatory requirements" of our report of even date)

To the members of
National Film Development Corporation Limited (the "Company")

1a.(i) The Company has maintained proper records showing full particulars including quantitative details and situation of Property, plant and equipments on the basis of available information.

(ii) The Company has maintained proper records showing full particulars of Intangible assets on the basis of available information.

b. In ouropinion and according to the information and explanations given to us, the Property, plant and equipments of the Company have been physically verified by the management during the year and no material discrepancies between the book records and the physical inventory have been noticed. In our opinion, the frequency of verification is reasonable.

c. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the title deeds of immovable properties (other than properties where the company is a lesee and the lease agreements are duly executed in favour of the lesee) disclosed in the financial statements are held in the name of the company except in case of Office Premises at Sputnik with Gross Block ₹ 2.77 Lakhs as at March 31, 2023, whose title deeds are held in the name of earstwhile Film Finance Corporation Limited, which was amalgamated with the company w.e.f. April 11, 1980 and only share certificate is issued in favour of the Company by the Housing Society.

d. The Company has not revalued its Property, plant and equipment (including right to use assets) or intangible assets during the year. Accordingly, clause (i)(d) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company for the year.

e. In our opinion and according to the information and explanations given to us, there are no proceedings initiated or pending against the Company for holding any benami property under the Prohibition of Benami Property Transactions Act, 1988 and the rules made thereunder.

2 a. The Company does not have any inventory during the year. Accordingly, clause (ii)(a) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company for the year.

3. In ouropinion and according to the information and explanations given to us, during the year, the Company has not made investments, provided guarantee or security or granted any loans or advances in the nature of loan, secured or unsecured, to companies, firms, limited liability partnerships or other parties. Accordingly, clauses (iii)(a) to (iii)(f) of paragraph 3 of the Order are not applicable to the Company for the year.

4. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the company has not made any investments or given any loans or provided any guarantees or securities to the parties covered under section 185 and 186 of the Act. Accordingly clause (iv) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company.

5. हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने आम जनता से कोई जमा स्वीकार नहीं किये हैं अत: तद्नुसार, ऑर्डर के पैराग्राफ 3 की उपधारा (v) कंपनी पर लागू नहीं होतीं. हालाँकि, ग्राहकों से प्राप्त कई अग्रिम, निर्माण के लिए अग्रिम और कंपनी द्वारा प्राप्त अन्य अग्रिम और 1 वर्ष से अधिक समय से बकाया हैं जिन्हें अधिनियम की धारा 73 के संदर्भ में सार्वजनिक जमा माना जा सकता है।

6. हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार केंद्रीय सरकार ने कंपनी की गतिविधियों के संबंध में एक्ट की धारा 148 की उपधारा (1) के अंतर्गत अभिलेखों की देखरेख का निर्धारण नहीं किया है. तदनुसार, ऑर्डर के पैराग्राफ 3 की उपधारा (vi) कंपनी पर लागू नहीं होतीं.

7क. हमारी राय में तथा हमें दी गयी जानकारी तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार और हमारे द्वारा जांचे गये कंपनी के रिकार्ड्स के मुताबिक कंपनी सभी अविवादित देनदारियां अदा करती रही है जिनमें माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्रीकर, सेवाकर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, सेस तथा इस पर लागू होने वाली अन्य वस्तुपरक संवैधानिक देयताएं शामिल हैं.

हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार के संबंध में देय कोई निर्विवाद राशि जैसे माल और सेवा कर, प्रोविडंट फंड, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्रीकर, सेवाकर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर सेस तथा इस पर लागू होने वाली अन्य सामग्री वैधानिक बकाया 31 मार्च 2023 को बकाया थी सामान्यत: उनकी देय तिथि से 6 महीने अधिक.

ख. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार, तुलन पत्र की तारीख पर माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारियों के राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर और उपकर के बकाये का विवरण जिन्हें किसी विवादित मामलों की वजह से जमा नहीं किया गया, इस प्रकार हैं –

5. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company has not accepted any deposits from the public. Accordingly clause (v) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company. However, there are several advances received from Customers, Advances for Production and other advances received by the Company and remaining unsettled for more than 1 year which may be deemed as Public Deposit in terms of Section 73 of the Act.

6. In ouropinionand according to the information and explanations given to us, the Central Government of India has not prescribed the maintenance of cost records under sub-section (1) of Section 148 of the Act tor any of the products of the Company. Accordingly, clause (vi) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company for the year

7a. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Companyexamined by us, the Company Is generally regular in depositing the undisputed statutory dues including Goods and Service tax, provident fund, employees' state insurance, income-tax, sales lax. service tax, duty of customs. duty of excise, value added tax, cess and other material statutory dues as applicable with the appropriate authorities.

According to information and explanation given to us, no undisputed amounts payable in respect of Goods and Service tax, provident fund, employees' state insurance, income-tax, sales-tax, service tax, customs duty, excise duty, value added tax, cess and other material statutory dues were in arrears as at 31 March 2023 for a period of more than six months from the date they became payable.

b. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the particulars of dues of Goods and Service tax, provident fund, employees' state insurance, income-tax, sales-tax, service tax, customs duty, excise duty,value added tax and cess as on Balance Sheet Date which have not been deposited on account of a dispute, are as follows –

संविधि का नाम	देय राशि की प्रकृति	राशि	वह अवधि जिससे राशि उस से संबंधित है	फोरम जहां विवाद लंबित है
आयकर अधिनियम	आयकर	₹ 160.65 लाख	वर्ष 2012-13	मा. मुम्बई उच्च न्यायालय
वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम	जीएसटी	34.06	वर्ष 2017-18	सीजीएसटी और सीएक्स के अधीक्षक, डिवीजन VIII, मुंबई सेंट्रल आयुक्तालय

Name of the Statute	Nature of Dues	Amount	Period to which the amount relates	Forum where the dispute is pending
Income Tax Act	Income tax	₹ 160.65 Lakhs	A.Y. 2012-13	Hon'ble Bombay High Court
Goods and Service Tax Act	GST	34.06	F.Y. 2017-18	Superintendent of CGST & ex, Division VIII, Mumbai Central Commissionerate

8. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार, कंपनी ने किसी भी लेन-देन को प्रस्तुत या प्रकट नहीं किया है, वर्ष के दौरान आय के रूप में आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में, खाते की पुस्तकों में आय के रूप में पूर्व में दर्ज नहीं किया गया.

8. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not surrendered or disclosed any transactions, previously unrecorded as income in the books of account, in the tax assessments under the Income-tax Act, 1961 as income during the year.

9क. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार और हमारे द्वारा जांचे गये कंपनी के रिकाईस के मुताबिक कम्पनी ने किसी भी वित्तीय संस्थानों, बैंको, अथवा सरकारी या डिबेंचर धारकों को ऋण के पुनर्भुगतान में चूक नही की है.

ख. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या सरकार या सरकारी प्राधिकरण द्वारा हेतुपुरस्सर बकायेदार घोषित नहीं किया गया है.

ग. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई सावधि ऋण नहीं लिया है. तदनुसार, आदेश के पैराग्राफ 3 का खंड (ix) (सी) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

घ. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी द्वारा अल्पकालिक आधार पर जुटाई गई किसी भी धनराशि का उपयोग दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया गया है.

ङ. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, और कंपनी के वित्तीय वक्तव्यों की समग्र जांच पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी ने किसी संस्था या व्यक्ति से या इसकी सहायक कंपनियों, सहयोगियों या संयुक्त उद्यमों के दायित्वों को पूरा करने के लिए कोई फंड नहीं लिया है. तदनुसार, आदेश के पैराग्राफ 3 का खंड (ix) (ई) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

च. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों या सहयोगी कंपनियों में रखी प्रतिभूतियों की गिरवी पर वर्ष के दौरान ऋण नहीं लिया है. तदनुसार, आदेश के पैरा 3 का खंड (ix)(f) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

10क. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार कंपनी ने प्रारंभिक पब्लिक ऑफर या अग्रसर पब्लिक ऑफर के तौर पर जिसमें ऋण दस्तावेज भी शामिल हैं किसी तरह के धन की उगाही नहीं की है. तदनुसार ऑर्डर का क्लॉज 3 (x)(a) कंपनी पर लागू नहीं होता.

ख. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष के दौरान, कंपनी ने शेयरों के कोई प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट या प्राइवेट प्लेसमेंट नहीं किये और न ही पूर्णत: या आंशिक कन्वर्टिबल डिबेंचर्स जारी किये. इस वजह से ऑर्डर के पैरा 3 के क्लॉज (x)(b) इस कंपनी पर लागू नहीं होते

11क. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार हमारी रिपोर्ट है कि हमारे लेखा परीक्षा के दौरान कंपनी द्वारा अथवा उनके अधिकारियों अथवा कर्मचारियों द्वारा कोई धोखाधड़ी नहीं की गई है.

ख. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप-धारा (12) के तहत लेखापरीक्षकों द्वारा कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षकों) के नियम, 2014 केंद्र सरकार के साथ नियम, 13 के तहत निर्धारित प्रपत्र एडीटी-4 में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है.

ग. जैसा कि प्रबंधन ने हमें बताया है, वर्ष के दौरान कंपनी को कोई व्हिसल ब्लोअर शिकायत प्राप्त नहीं हुई है.

9a. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not defaulted in repayment of dues to any financial institution or bank or Government or debenture holders.

b. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not been declared as wilful defaulter by any bank or financial institution or government or government authority.

c. Inouropinionand according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us. the Company has not taken any term loan during the year. Accordingly, clause (ix)(c) of paragraph 3 of the Order Is not applicable to the Company.

d. In our opinion and according to the information and explanations given to us, and on an overall examination of the financial statements of the company, we report that no funds raised on short-term basis have been used for long-term purposes by the company.

e. In our opinion and according to the information and explanations given to us, and on an overall examination of the financial statements of the company, we report that the company has not taken any funds from any entity or person on account of or to meet the obligations of its subsidiaries. associates or Joint ventures. Accordingly, clause (1x)(e) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company.

In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us. we report that the company has not raised loans during the year on the pledge of securities held 1n its subsidiaries, Joint ventures or associate companies. Accordingly, clause (ix)(f) of paragraph 3 of the Order Is not applicable to the Company.

10a. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not raised money by way of initial public offer or further public offer or debt instruments. Accordingly, clause (x)(a) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company

b. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not made any preferential allotment or private placement of shares or fully, partially or optionally convertible debentures during the year. Accordingly, clause (x)(b) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company.

11a. In our opinion and according to the information and explanations given to us, no material fraud by the Company or on the Company by its officers oremployees has been noticed or reported during the course of our audit

b. According to the information and explanations given to us. no report under sub-section (12) of Section 143 of the Companies Act, 2013 has been filed by the auditors in Form ADT-4 as prescribed under Rule 13 of Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014 with the Central Government.

c. As represented to us by the management, there are no whistle blower complaints received by the company during the year.

12. हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार प्रबंधन द्वारा दी गई सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों के आधार पर, हमारी राय में यह कंपनी निधि कंपनी नहीं है अत: ऑर्डर के प्रावधान पैरा 3 के क्लॉज (xii) (a) स्ो (xii)(c) कंपनी पर लागू नहीं होते.

13. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार और हमारे द्वारा जांचे गये कंपनी के रिकार्ड्स के मुताबिक सभी संबंधित पक्षों के साथ सभी लेनदेन सेक्शन 177 और 178 के प्रावधानों के अनुरूप हैं और जैसा कि मान्य प्रचलित लेखा मानदंडों में आवश्यक माना जाता है. वित्तीय विवरणों में विस्तार दे दिये गये हैं

14क. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकॉर्ड की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी के पास अपने व्यवसाय के आकार और स्वरूप के आनुषंगिक आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली है.

ख. हमने लेखापरीक्षा के अंतर्गत अवधि के लिए अब तक जारी की गई कंपनी की आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर विचार किया है.

15. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने वर्ष के दौरान डायरेक्टरों अथवा उनसे संबंद्ध किन्हीं व्यक्तियों के साथ किसी तरह का नकदी रहित लेनदेन नहीं किया. और इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 192 के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं.

16क. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट 1934 के सेक्शन 45 IA के अंतर्गत रजिस्टर्ड कराए जाने की आवश्यकता नहीं है. इसी कारण ऑर्डर के पैरा 3 के क्लॉज (xvi)(a) और (xvi)(b) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते.

ख. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी कोर निवेश कंपनी (रिज़र्व बैंक) के दिशा-निर्देश, 2016 में परिभाषित कोर निवेश कंपनी नहीं है. तदनुसार, आदेश के पैरा 3 का खंड (xvi) (c) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

ग. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी के समूह में कोई मूल निवेश कंपनी नहीं है. तदनुसार, आदेश के पैरा 3 का खंड (xvi)(डी) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

17. लेखापरीक्षा के तहत कवर किए गए वित्तीय वर्ष में कंपनी को 611.90 लाख का नकद घाटा नहीं हुआ है. हालांकि इसके पूर्व वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि नहीं हुई थी.

18. वर्ष के दौरान वैधानिक लेखापरीक्षकों ने त्यागपत्र नहीं दिया है और तदनुसार आदेश के पैरा 3 का खंड (xviii) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

19. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और वित्तीय अनुपात, पुराने होने तथा वित्तीय संपत्तियों की वसूली की अपेक्षित तारीखों और वित्तीय देनदारियों के भुगतान के आधार पर, वित्तीय विवरणों के साथ अन्य जानकारी, निदेशक मंडल और प्रबंधन का हमारा ज्ञान योजनाओं और मान्यताओं का समर्थन करने वाले सबूतों की हमारी जांच के आधार पर, हमारे संज्ञान में कुछ नहीं आया है, जिससे हमें विश्वास हो जाता है कि ऑडिट रिपोर्ट की तारीख के अनुसार कोई भी सामग्री अनिश्चितता मौजूद है, वह कंपनी तुलन पत्र की तारीख पर मौजूद अपनी देनदारियों को पूरा करने में सक्षम नहीं है और जब वे तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर आती हैं.

12. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the company is not a nidhi company. Accordingly, clause (x1i)(a) to (xii)(c) of paragraph 3 of the order are not applicable to the company.

13. In our opinion and according to the information and explanations given to us and based on our examination of the records of the Company, transactions with the related parties are in compliance with sections 177 and 188 of the Act where applicable and details of such transactions have been disclosed in the financial statements as required by the applicable accounting standards.

14a. In our opinion and according to the information andexplanations given to us and based on our examination of the records of the Company, the company has an internal audit system commensurate with the size and nature of its business.

b. We have considered the internal audit reports of the company issued till date, for the period under audit

15. Inouropinion and according to the information and explanations given to us, the company has not entered into any non-cash transactions with its directors or persons connected with its directors during the year and hence provisions of section 192 of the Companies Act, 2013 are not applicable to the company.

16a. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company is not required to be registered under section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934. Accordingly, clause (xvi)(a) and (xvi)(b) of paragraph 3 of the order are not applicable to the company.

b. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company is not a Core Investment Company as defined in the Core Investment Companies (Reserve Bank) Directions, 2016. Accordingly, clause (xvi)(c) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company.

c. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company does not have any Core Investment Company within its group. Accordingly, clause (xvi)(d) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company

17. I he Company has not incurred cash losses in the financial year covered under audit, however it had incurred cash loss of ₹611.90 Lakhs in the immediately preceding financial year.

18. There has been no resignation of the statutory auditors during the year and accordingly clause (xviii) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company

19. According to the information and explanations given to us and on the basis of the financial ratios, ageing and expected dates of realization of financial assets and payment of financial liabilities, other information accompanying the financial statements, our knowledge of the Board of Directors and management plans and based on our examination of the evidence supporting the assumptions, nothing has come to our attention, which causes us to believe that any material uncertainty exists as on the date of the audit report that company is not capable of meeting its liabilities existing at the date of balance sheet as and when they fall due within a period of oneyear from the balance sheet date.

हालांकि, हम कहते हैं कि यह कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के लिए आश्वासन नहीं है. हम आगे कहते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग ऑडिट रिपोर्ट की तारीख तक के तथ्यों पर आधारित है और हम न तो कोई गारंटी देते हैं और न ही कोई आश्वासन देते हैं कि तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय होने वाली सभी देनदारियों का कंपनी द्वारा जब भी देय होने पर निपटान किया जाएगा.

20. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, अधिनियम की धारा 135 "कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व" के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं क्योंकि उपरोक्त खंड में उल्लिखित मानदंड पूरे नहीं होते हैं. तदनुसार, आदेश के पैरा 3 के खंड (xx)(a) और (xx)(b) कंपनी पर लागू नहीं होते हैं.

सी.बी.छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म का रजिस्ट्रेशन नंबर – एफआरएन 101796W

सी.पी.भाटिया (साझेदार)
सदस्यता सं. – 045210
UDIN – 23045210BGWSXY3860

स्थान – मुंबई
दिनांक – 28.08.2023

We1. owever, state that this is not an assurance as to the future viability of the company. We further state that our reporting 1s based on the facts up to the date of the audit report and we neither give any guarantee nor any assurance that all liabilities falling due within a period of one year from the balance sheet date, will get discharged by the company as and when they fall due.

20. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the provisions of Section 135 “Corporate Social Responsibility” of the Act does not apply to the company since the criteria mentioned in the aforesaid section are not fulfilled. Accordingly, clause (xx)(a) and (xx)(b) of paragraph 3 of the order are not applicable to the company.

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. – FRN101796W

C. P. Bhatia (Partner)
Membership No. – 045210
UDIN – 23045210BGWSXY3860

Place – Mumbai
Dated – 28.08.2023

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "II"

"अन्य कानूनी तथा नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के पैरा 2 (एफ) के उसी तिथि के संदर्भ में.

सेवा में,सदस्यगण
राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड

कंपनी के अधिनियम 2013 (द एक्ट) के धारा 143 के क्लॉज (i) के उप धारा 3 के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट.

हमने राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (द कंपनी) के संलग्न वित्तीय वक्तव्यों का लेखा परीक्षण किया है जिनमें के 31 मार्च 2023 को तथा उसी तिथि को समाप्त होने वाले वर्ष के तुलनपत्र, लाभ-हानि लेखे तथा रोक़ड़ प्रवाह विवरण, साथ ही महत्वपूर्ण लेखा नीतियों तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं का सारांश भी शामिल है.

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर प्रबंधन का दायित्व

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को संस्थापित करने और फिर उनकी देखरेख करने का दायित्व प्रबंधन का है ये कंपनी द्वारा निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रणों पर आधारित हों जिनमें कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीत निष्पादन तथा रोकड़ प्रवाह का समुचित परिदृश्य उन लेखा मानकों के अनुरूप प्रस्तुत किया गया हो जिनका उल्लेख इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के अंतर्गत किया गया है. इस दायित्व में डिजाइन, परिपालन तथा आंतरिक नियंत्रणों की देखभाल आदि इस प्रकार शामिल हों जो विवरणों का सच्चा तथा समुचित परिदृश्य प्रस्तुत करें, जिसमें धोखाधड़ी या गलती से उत्पन्न कोई गलतबयानी न हो, कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीत निष्पादन तथा रोकड़ प्रवाह का समुचित परिदृश्य उन लेखा मानकों के अनुरूप प्रस्तुत किया गया हो जिनका उल्लेख कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत किया गया है.

लेखा परीक्षकों का दायित्व

हमारा दायित्व कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में हमारे लेखा परीक्षण पर राय प्रकट करना है. हम वित्तीय रिपोर्टिंग पर अपना लेखा परीक्षण ऑडिट ऑफ इंटरनल फाइनांशियल कंट्रोल्स के दिशा निर्देश नोट्स (गाइडेंस नोट्स) के प्रावधानों और आईसीएआई द्वारा जारी स्टैंडर्ड्स ऑन एडीटिंग के अनुसार करते हैं जिन्हें कंपनी अधिनियम 2013 के 143(10) धारा के अंतर्गत निर्धारित किया गया है. जहां तक वे आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षण पर लागू होते हैं तथा आईसीएआई द्वारा जारी किये गये है. लेखा परीक्षण के मानदंड आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षण के लिए जहां तक लागू हो सकते हों, दोनों ही आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षणों के लिए लागू होते हैं और दोनों ही इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी किये गये हैं. वे मानदंड तथा दिशा निर्देश नोट, दोनों ही यह मांग करते हैं कि हम नीति विषयक आवश्यकताओं को मानें. लेखा परीक्षण में हमारी योजना एवं कार्यप्रणाली का लक्ष्य युक्तिसंगत रूप से यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण सुस्थापित हैं या नहीं, उनकी समुचित देखभाल हो रही है या नहीं और ऐसे नियंत्रण सभी भौतिक मामलों में लागू हैं या नहीं.

हमारी लेखा परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग और उनके संचालन प्रभावशीलता पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता के बारे में लेखा परीक्षण प्रमाण प्राप्त करने के लिए प्रदर्शन प्रक्रियाएं शामिल हैं. वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के हमारे ऑडिट में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, जोखिम का आकलन करना शामिल है जो एक सामग्री में दोष मौजूद है, और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करता है. चयनित प्रक्रियाएं लेखा परीक्षक के फैसले पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों की सामग्री के गलत मूल्यांकन के जोखिम का मूल्यांकन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो.

Annexure "II" To The Independent Auditor's Report

(Referred to in paragraph 2(f) of "Report on other legal and regulatory requirements"

To the members of
National Film Development Corporation Limited (the "Company")

Report on the Internal Financial Controls under Clause (i) of Sub-section 3 of Section 143 of the Companies Act, 2013 ("the Act")

We have audited the internal financial controls over financial reporting of National Film Development Corporation Limited ("the Company") as of March 31, 2023 in conjunction with our audit of the financial statements of the Company for the year ended on that date

Management's Responsibility for Internal Financial Controls

The Company's management is responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India. These responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to company's policies. the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy andcompleteness of theaccounting records, and the timely preparation of reliable financial information, as required under the Companies Act, 2013.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is toexpress an opinion on the Company's internal financial controls over financial reporting based on our audit We conducted our audit in accordance with the Guidance Note on Auditof Internal Financial Controls Over Financial Reporting (the '"Guidance Note") and the Standards on Auditing, issued by ICAI and deemed to be prescribed under section 143(10) of the Companies Act, 2013, to the extent applicable to an audit of internal financial controls, both applicable to an audit of Internal Financial Controls and, both issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards and the Guidance Note require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit toobtain reasonable assurance about whether adequate internal financial controls over financial reporting was established and maintained and if such controls operated effectively in all material respects.

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls system over financial reporting and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included obtaining an understanding of internal financial controls over financial reporting, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control based on the assessed risk. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error.

हमें विश्वास हैं कि हमने जो लेखा परीक्षण प्रमाण प्राप्त किए हैं, वे वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखा परीक्षण राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं.

कंपनी का वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक नियंत्रणों का अर्थ

किसी कंपनी का वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक नियंत्रणों का अर्थ ऐसी प्रक्रिया है जिसे वित्तीय रिपोर्टिंग और वाह्य उद्देश्यों के लिए आमतौर पर मान्य लेखा परीक्षणों के सिद्धांतों के तार्किक भरोसे के लिए डिजाइन किया जाता है. वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर किसी कंपनी के आंतरिक नियंत्रण में वे नीतियां एवं प्रक्रियाएं शामिल होती हैं जो (1) उन रिकॉर्ड्स की देखरेख से ताल्लुक रखती हों जो कंपनी की परिसंपत्तियों के संबंध में सारे क्रियाकलाप तर्कसंगत विस्तार में सही तरीके से प्रतिबिंबित कर सकें. (2). इस बात का समुचित भरोसा दिला सकें कि सभी वित्तीय विवरण लेनदेन के लेखांकन के आमतौर पर प्रचलित सिद्धांतों के अनुरूप तैयार किये गये हों एवं कंपनी के खर्च तथा प्राप्तियों का विवरण प्रबंधन एवं कंपनी के निदेशकों की प्राधिकृति सहित हों. (3). कंपनी की उन परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण पर रोकथाम अथवा समय पर उसका पता लगा लेना जिनका वित्तीय विवरणों पर आर्थिक प्रभाव पड़ता हो.

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएं

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण जिनमें मिलीभगत अथवा अनुपयुक्त प्रबंधन द्वारा नियंत्रणों की अनदेखी की संभावना बनी रहती है, गलती या धोखेबाजी की वजह से सामग्री के संबंध में गलतबयानी की जा सकती है जिसका पता न भी चले. साथ ही आने वाले दिनों के लिए किसी भी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन पर इस बात का खतरा बना रहता है कि बदलती परिस्थितियों या नीतियों की वजह वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण अपर्याप्त सिद्ध हो जाएं अथवा नीतियों या प्रक्रियाओं में क्षय हो जाय.

राय

हमारी राय में, कंपनी में सभी भौतिक आवश्यकताओं के अनुरूप वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्त व्यवस्था मौजूद है. वित्तीय रिपोर्टिंग पर 31 मार्च 2023 तक आंतरिक नियंत्रण प्रभावशाली ढंग से काम कर रहे थे जो कि कंपनी द्वारा वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण की कसौटी पर स्थापित किये गये थे जिनमें इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आंतरिक वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के दिशा निर्देशों को पूरी तरह समाहित किया गया है.

सी.बी.छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म का रजिस्ट्रेशन नंबर – एफआरएन 101796W

सी.पी.भाटिया (साझेदार)
सदस्यता सं. – 045210
UDIN – 23045210BGWSXY3860

स्थान – मुंबई
दिनांक – 28.08.2023

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Company's internal financial contro!s..system over financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls Over Financial Reporting

A company's internal financial control over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A company's internal financial control over financial reporting includes those policies and procedures that (1) pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the company; (2) provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the company are being made only in accordance with authorisations of management and directors of the company; and (3) provide reasonable assurance regarding prevention or timely detection of unauthorised acquisition, use, or disposition of the company's assets that could have a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls over Financial Reporting

Because of the inherent limItat1ons of internal financial controls over financial reporting, including the possibility of collusion or improper management override of controls, material misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial controls over financial reporting to future periods are subject to the risk that the internal financial control over financial reporting may become inadequate because of changes in conditions, or that the degree of compliance with the policies or procedures may deteriorate.

Opinion

In our opinion, the Company has, in all material respects, an adequate internal financial controls system over financial reporting and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively as at March 31, 2023, based on the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of Indra

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. – FRN101796W

C. P. Bhatia (Partner)
Membership No. – 045210
UDIN – 23045210BGWSXY3860

Place – Mumbai
Dated – 28.08.2023

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "III"

"अन्य कानूनी तथा नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के पैरा 3 के उसी तिथि के संदर्भ में.

सेवा में,
राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड ("कंपनी") के सदस्यों के लिये

कंपनी के अधिनियम 2013 ("द एक्ट") के धारा 143 के उप धारा (5) के अंतर्गत भारत के महालेखा परीक्षक तथा नियंत्रक द्वारा जारी दिशा निर्देशों पर रिपोर्ट.

अधिनियम के धारा 143 (5) के अंतर्गत रिपोर्ट कंपनी के रिकॉर्ड्स के सत्यापन और हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरणों के आधार पर हम भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के दिशा निर्देशों पर एक्ट के सेक्शन 143 (5) की शर्तों के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 के लिये नीचे एक रिपोर्ट पेश कर रहे हैं.

	छानबीन के क्षेत्र	निगरानी/नतीजे
1.	क्या कंपनी के पास सभी तरह के वित्तीय लेनदेन को आईटी सिस्टम द्वारा प्रोसेस करने की समुचित व्यवस्था कार्यरत है? अगर है तो वित्तीय लेनदेन को आई टी सिस्टम के बाहर रखने के वित्तीय प्रभाव को लागू करने के बारे में अगर कोई जानकारी जुटाई गई हो तो उसका विवरण दीजिए.	हमारी राय में तथा हमें उपलब्ध कराई गई सूचनाओं एवं जानकारियों के अनुसार कंपनी के पास सभी तरह के वित्तीय लेनदेन को आई टी सिस्टम द्वारा प्रोसेस करने की समुचित व्यवस्था है. हमें यह भी बताया गया कि आई टी सिस्टम के बाहर कोई वित्तीय लेनदेन नहीं हैं. इससे वित्तीय विवरणों की सत्यनिष्ठा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता.
2	क्या किसी ऋणदाता द्वारा कंपनी को दी गई उधारी/ ऋणों/ब्याज आदि को कंपनी द्वारा ऋण अदा न कर पाने के कारण छोड़ देने/बट्टखाते डाल देने जैसे किन्हीं मामलों को पुनर्गठित किया गया? यदि हां तो उसके वित्तीय प्रभाव का विवरण दीजिए. (यदि ऋणदाता एक सरकारी कंपनी है तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक के लिए भी लागू होता है)	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी मौजूदा ऋण का पुनर्गठन या ऋण/ ऋण/ब्याज की कोई छूट/बट्टे खाते में डालने का कार्य नहीं किया गया था. इसके अलावा कंपनी ऋण व्यवसाय में शामिल नहीं है और तदनुसार एक ऋणदाता के रूप में अनुच्छेद कंपनी पर लागू नहीं होता है.
3	क्या केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त फंड्स के नियम तथा शर्तों के अनुरूप उचित रिकॉर्ड्स रखे जाते हैं? जिन मामलों में ऐसा न किया गया हो, उनका विवरण दीजिए.	कंपनी फिल्मों के निर्माण, वितरण, विकास तथा प्रचार में व्यस्त है, जिसमें फीचर और ऑडियो-विजुअल फिल्में, मीडिया अभियान, वृत्तचित्र, बच्चों की फिल्में, फिल्मों की पुनर्स्थापना, फिल्म समारोह, फिल्म संग्रहालय और फिल्म सुविधा कार्यालय शामिल हैं.

Annexure "III" To The Independent Auditor's Report

[Referred to in paragraph 3 of "Report on other legal and regulatory requirements" ofo rreportofevendate]

To the members of
National Film Development Corporation Limited (the "Company")

Report on the Directions issued by Comptroller and Auditor-General of India under sub-section (5) of Section 143 of the Companies Act, 2013 ("the Act")

Based on the verification of records of the Company and based on information and explanation given to us, we give below a report on the directions issued by the Comptroller and Auditor-General of India for F.Y. 2022-23 in terms of Section 143(5) of the Act

	Areas to be examined	Observation/Finding
1.	Whether the company has system in place to process all the accounting transaction through IT system? If yes, the implication of processing of accounting transaction outside IT system on the integrity of the accounts along with the financial implication, if any, may be stated.	In our opinion and according to the information and explanations given to us, system is in place to process all major accounting transaction through IT system. Further, we were given to understand that there are no accounting transactions outside IT system, therefore, it does not affect the integrity of the statement of accounts.
2.	Whether there is any restructuring of an existing loan or cases of waiver/ write off of debts/loans/ interest etc. made by a lender to the company due to the company's inability to repay the loan? If yes, the financial impact may be stated. (In case, lender is a Government Company, then this direction is also applicable for statutory auditor of lender company).	According to the information and explanations given to us, no restructuring of any existing loan or any waiver/ write off of debts/loans/ interest was done during the financial year. Further, the Company, being a Government Company, is not involved in lending business and accordingly, the clause as a lender, is not applicable to the company.
3	Whether funds received/ receivable for specific schemes from central/ state agencies were properly accounted for/ utilized as per its terms and conditions? List the cases of deviation.	The Company is engaged in production, distribution, development and promotion of films, including feature and audio-visual films, media campaigns, documentaries, children films, restoration of films, film festivals, film museum and film facilitation office.

	छानबीन के क्षेत्र	निगरानी/नतीजे
		कंपनी को फिल्मों के निर्माण, मीडिया अभियान, फिल्म सुविधा आदि के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत सूचना और प्रसारण मंत्रालय से निधि प्राप्त हुई है। हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा लेखा पुस्तकों के सत्यापन के आधार पर हमारी राय है कि कंपनी द्वारा प्राप्त निधि का उचित लेखा किया गया और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा निर्दिष्ट नियमों और शर्तों के अनुसार प्रयोग किया गया.

	Areas to be examined	Observation/Finding
		The Company has received the funds from Ministry of Information and Broadcasting under various schemes for production of films, Media Compaign, Film Facilitation, etc. Based on information and explanation provided to us and on verification of books of accounts, we are of the opinion that the fund received by the company were properly accounted for and utilised by the company in accordance with the terms and conditions specified by The Ministry of Information and Broadcasting.

सी.बी.छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म का रजिस्ट्रेशन नंबर – एफआरएन 101796W

सी.पी.भाटिया (साझेदार)
सदस्यता सं. – 045210
UDIN – 23045210BGWSXY3860

स्थान – मुंबई
दिनांक – 28.08.2023

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. – FRN101796W

C. P. Bhatia (Partner)
Membership No. – 045210
UDIN – 23045210BGWSXY3860

Place – Mumbai
Dated – 28.08.2023

31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिये राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. के वित्तीय विवरणों पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (ख) के अंतर्गत नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, भारत सरकार की टिप्पणियां

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड का दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों को कम्पनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) के अंतर्गत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग प्रणाली के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करना कम्पनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है. भारत के नियंत्रक और महालेखा अधिकारी द्वारा अधिनियम की धारा 139 (5) के अंतर्गत वैधानिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया है जो अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत निर्धारित लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा के आधार पर अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार है. यह दिनांक **28.08.2023 की उनकी लेखा परीक्षा रिपोर्ट** में उनके द्वारा किये गये काम को बताया गया है.

मैंने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से **राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड** के 31 मार्च 2023 के समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों पर अधिनियम के धारा 143(6)(क) के अंतर्गत पूरक लेखा परीक्षा संचालित की है । यह पूरक लेखा परीक्षा वैधानिक लेखा परीक्षकों के कामकाज पत्रजात की पड़ताल किए बिना ही स्वतंत्र रूप से पूरी की गई और यह मूलत: वैधानिक लेखा परीक्षकों और कम्पनी के कार्मिक से प्रारम्भिक पूछताछ और कुछ लेखा अभिलेखों के चयनित परीक्षण तक सीमित रही.

हमारे पूरक लेखा परीक्षा के आधार पर अधिनियम के धारा 143(6)(ख) के अंतर्गत मेरी जानकारी में कुछ ऐसा महत्वपूर्ण नहीं आया जिस पर टिप्पणी की जा सके अथवा वैधानिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के पूरक हो.

महालेखा परीक्षक तथा नियंत्रक,
भारत सरकार की ओर से

राजीव कुमार पांडे
महालेखा परीक्षक
(केंद्रीय व्यय)

स्थान – नई दिल्ली
दिनांक – 26.10.2023

Comments of The Comptroller And Auditor General of India Under Section 143(6)(B) of The Companies Act, 2013 on The Financial Statements of National Film Development Corporation Limited For The Year Ended 31 March 2023.

The preparation of financial statements of **National Film Development Corporation Limited** for the year ended 31 March 2023 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) of the Act is responsible for expressing an opinion on the financial statements under section 143 of the Act based on an independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their **Audit Report dated 28.08.2023.**

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the financial statements of **National Film Development Corporation Limited** for the year ended 31 March 2023 under section 143(6)(a) of the Act. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit, nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditor's report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

Rajiv Kumar Pandey
Director General of Audit
(Central Expenditure)

Place – New Delhi
Date – 26.10.2023

एनएफडीसी-एफडी कॉम्प्लेक्स, 24, डॉ. गोपालराव देशमुख मार्ग, मुंबई – 400 026
NFDC-FD Complex, 24, Dr. Gopalrao Deshmukh Marg, Mumbai – 400 026
T 91 22 3524 8444 **E** nfdc@nfdcindia.com
www.nfdcindia.com I www.cinemasofindia.com I www.filmbazaarindia.com I www.ffo.gov.in
CIN – U92100MH1975GOI022994 I GSTIN – 27AAACN3540R1Z3